

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली. शनिवार, दिसम्बर 15, 1984 (अग्रहायण ..., 1986, €10 5 0] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15, 1984 (AGRAHAYANA 24, 1906) No. 501

इस माग में भिन्त पुष्ठ संख्या दी जाती है जितने कि यह अलग संकलत के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111--धाण्ड 1

[F. TII-SECTION 1]

उच्च न्यायात्रधों, नियन्त्रक और महालेबायरीशक, संघ लोक सेवा आयोग, रेस विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rullways and by Attached and Subordinate O.fices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 प्रक्तूबर 1984

सं० ए० 32014/1/84-प्रणा० 3--संघ लोक सेवा श्रायोग में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित श्रनभाग श्रिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा श्रागामी आदेगों तक, जो भी पहले हो, डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया ज(ता है:---

कम्	स०	नाम	श्रवधि
	सर्वश		
1.	गृन्	एम०एल० भटनागर	15-10-84 से श्राग(मी श्रादेशों
			तक
2	. रा म	भ्रवतार	15-10-84 से 28-11-84तक
3	. सुदेश	ा कुमार	15-10-84 में 28-11-84 तक
4	. एन	भो ग्स० गुजराल	" 1—11—84 से 28—11—84 तक
5	. एम	्र एन० श्ररोड़ा,	15-10-84 में 28-11-84तक
6	. কৃত্য	। लाल 2	15-10-84 में 29-11-84 तक

दिनांक 29 श्रक्तृ - 1984

संब एव 12025(II)/1/a गासन-III---सम्मिलित सीमित विभागीकुः क्रिलोगो परीक्ष **. 83, देखें** कामिक एवं प्रणासनिक सुधार किल्कु कार ा० सं० 5/6/84— सि॰ से॰ (1) (जिल्ह Ji कि के ग्राधार पर संघ को सेव^{िक}ृपीग श्रधिकार। के रूप में मनोनीत किए जाते कि पां (मस्वरूप राष्ट्रपति अप कार्यालय के निम्नलिखित प्रधिकारियों की प्रत्यः, भ ने निद्धिष्ट तिथि से आंगामो आदेशों तक संघ लोह राजा के पंजर में केखार अंचित्रालय सेव. के ग्रानुभाएक 🚉 ो पद पर अपनापन्न रूप से कार्य करने ्रेनयक्त ६ 🦮 🗀

ऋम सं० 1. श्रीमत् एतः मध्य 2. श्री बो० एन० भोला 2. ये निय्कितयां दिल्ली उ लिंग्बन निर्धार या मंद्र 1194/7

1--366(1/84

दिनांक 30 भ्रम्तूबर 1984

सं० ए० 32013/1/80—प्रशा०- I^{I} —इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 प्रगस्त, 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्हारा सर्व श्री एम० एल० इस्तोगों और जे० पी० अग्रवाल स्थाया श्रोशामर, संघ लोक सेवा आयोग को 1 नवम्बर, 1984 से 6 मास की अग्रेतर अवधि के लिए आयोग के कार्यालय में तदर्भ आधार पर वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियुक्त करते हैं।

- उक्त तदर्थ नियुक्तियां संध लोक सेवा आयोग के अनुमोदन के भ्रष्टयधीन हैं।
- 3. वरिष्ठ प्रोग्रामर के रूप में उक्त नियुक्तियां पूर्णतः तटणं आधार पर की गई। श्रीर श्रीधकारियों की इससे वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियमित नियुक्ति श्रथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

सं० ए० 32013/4/83-प्रशा०-II--इम कार्यालय की समसंख्यक प्राधमुचना दिनांक 26 प्रप्रैल, 1984 के भनुक्रम में प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा प्रायोग, एतद्हारा मंघ लोक सेवा प्रायोग के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके सामने निर्दिष्ट पद पर 13-10-84 से 12-4-85 तक 6 मास की प्रविध के लिये प्रथवा प्राणामी भादेशों तक, जो भी पहले हो, तक्ष्ये भ्राधार पर नियुक्त करते हैं:--

- (1) डा॰ टी॰ रामासामो, संयुक्त निदेशक (ग्र॰ एवं॰ वि॰)। भूतपूर्व संयुक्त निदेशक (प॰ सु०)
- (2) श्री के० भ्रार० पी० नायर, संयुक्त निदेशकः (प० सु०)।
- उक्त तद्दर्थ नियुक्तियां भ्रायोग के भ्रनुमोदन के भ्रम्यधोन हैं।
- 3. उक्त नियुक्ति पूर्णतः तद्दर्थं ग्राधार पर है तथा उन्हे इससे इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति या वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 12 विच 1984

32 1/84-प्रशा०-III(जिल्द II)-के संवर्ग में के० स० से० के निम्नको राष्ट्रपति द्वारा 1 सितम्बर,
्रेगों तक संघ लोक सेवा भ्रायोग के
के ग्रनुभाग श्रीधकारों के पद पर

स्थानापक्ष रूप से कार्य करने के लिए सहर्प नियुक्त किया जाता है:----

- 1. श्री भवगती चरण
- 2. श्री एस० के० बंसल
- 3. श्री देव दन्त (ग्र० जा०)।

एम० पो० जैन, श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ स्रोक सेवा आयोग

नई दिल्लो-110011, दिनांक 22 ग्रक्त्बर 1984

मं० ए० 32013/2/83-प्रशा०-II--इम कार्यालय की समसंख्यक अधिस्वना दिनांक 26 अप्रैल, 1984 के अनुक्रम में प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्हारा कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारों (अ० एवं मां०) श्रीमनी राजकुमारों आनन्द और राम सिंह (अ० जा०) को 15-10-84 में 14-4-85 तक छः मास की श्रवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भो पहले हो. मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसन्धान अधिकारी (ग्रुप क) के पृष्ट पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

- श्रीमती राजकुमारी आनन्द ग्रीर श्री राम सिंह की उपर्युक्त ग्रवधि की सदर्थ नियुक्ति ग्रायोग के अनुमोदन के श्रध्यधीन है।
- 3. अनुसंधान श्रिधकारी के पद पर श्रीमती राजकुमारी आनन्द और राम मिंह की नियुक्ति पूर्णतः नदर्थ श्राधार पर है श्रीर इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अयवा वरिष्ठता का कोई हफ नहीं मिनेगा।

विजय भल्ला, श्रतुभाग श्रधिकारी संघ लीक सेवा आयोग

केन्द्रीय मनर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 नंत्रम्बर 1984

सं० 2/6/84 प्रणासन—केद्योप सतर्कता स्रायुक्त एतद्-द्वारा केव्ह्रीय सतर्कता अत्योग में को मुत्रकाण काहिड़ी, भारतीय राजस्व सेवा (म्राई० टी० 72) को विभागीय जांच प्रायुक्त, वेननमान ६० 1500-60-1800-100-2000 में 15 नवस्वर, 1984 (पूर्वाह्न) से स्रगले भादेण तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा, ग्रयर समिव कृते केन्द्रोय सतर्कता ग्रायुक्त

केन्द्रोय न्याय वैद्य विज्ञान प्रयोगणाला

केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 नवम्वर 1984

सं० 1-25/84-मी० एक० एख० एल०/9135---राष्ट्रपति, केन्द्र प न्याय वैद्य विज्ञान प्रयोगमाला के श्रो एस० के० दास गुप्ता सेवा निवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्राधकारो ग्रेड II तदर्थ ग्राधार को केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगभाला, सी० बो० ग्राई०, नई दिल्ली में तीन माह 18-10-84 से 17-1-85 तक पुनर्रोजगार वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्राधकारो ग्रेड-II के पद पर नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1984

सं० ए० 19021/6/80-प्रणा॰ 5:—-राष्ट्रपति ने श्री जी० सा, भा० पु० सेव। (उत्तर प्रदेश: 19567) को, 20 मार्च, 1984 के पूर्वाह्र से लेकर श्रगला श्रादेश मिलने तक केन्द्रीय श्रन्थेपण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप महानिरीक्षक नियुक्त किया है।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में श्री जी० झा की नियुक्ति, दो विभागीय पुलिस अधीक्षकों द्वारा दायर 1983 की समादेश-याचिका सं० 9847 श्रीर 9848 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारां दिए जाने वाले श्रन्तिम निदेशों के अध्यधीन है।

दिनाक 27-3-1984 की समसंख्यक श्रधिसूचना में उपर्युक्त ग्राणय का संगोधन किया जाता है।

सं० ए-19013/1/84-प्रणासन-5--राष्ट्रपति ने श्री पी० सी० प्रमां, भारतीय पुलिस सेवा (ग्रसम एवं मेघालय: 1966) को, 18 जनवरी 1984 के पूर्वाह से लेकर 17 जनवरी 1987 तक केन्द्रीय ग्रन्थियण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुत्त किया है।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में श्री पी० सी० शर्मा की नियुनित, दो विभागीय पुलिस अधीक्षकों द्वारा दायर 1983 की समादेश-याचिका मं० 9847 और 9848 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए जाने वाले अन्तिम निदेशों के अध्यधीन हैं।

दिनांक 21-1-1984 की समसंख्यक श्रधिसूचना मे उपर्युक्त श्रागय का संगोधन किया जाता है।

मं० ए-19014/13/84-प्रशासन-5-राष्ट्रपति ने श्री के० सी० कानूनगो, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को, भारतीय तेल निगम, कलकत्ता से उनका प्रत्यावर्तन होने पर, दिनांक 12 नवस्वर, 1984 के पूर्वाह से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में अस्थाई क्य से स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर, 1984

सं० वी-1/73-प्रशासन-5--राष्ट्रपति ने श्री वी० एन० श्रोझा को दिनांक 7 नवम्बर, 1984 के श्रपराह से वरिष्ठ लोक श्रभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त किया है।

> के० चक्रवर्ती उप निवेशक (प्रणासन) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय के० रि० पु० बल०८६!

नई दिल्ली, दिनांक 6 भ्रक्तूबर, 1984

सं० ग्री० दो० 1809/83-स्था०---राष्ट्रपति श्री श्रशोक राज महीपाथी भारतीय पुलिस सेवा (मनीपुर-विपुरा-1977) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक निदेशक/कमाडेन्ट के पद पर, श्रस्थाई रूप में, श्रगले श्रादेश होने तक, सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

2. श्री श्रशोक राज महीपाथी ने सहायक निदेशक (स्थापना) महानिदेशालय के० रि० पु०, बल नई दिल्ली का कार्यभार विनांक 27-10-84 (पूर्वाह्र) से ले लिया है।

> बाई० एन० सक्सेना उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनाक 5 नवम्बर, 1984

सं०-प्रोब्दोब 1241/75-स्यापता--श्री सोहत तिह ने सरकारी सेवा से निवृत होते के फनस्वरूप पुलित उग-अधीतक, 66 वाहिनी केवरिवपुव बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-84 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 6 नवम्बर, 1984

संज्योज्योज 1942/84-एथा। ता--मा रिनिये गान, केंग्रीय रिजर्ज पुलिस बल ने डाक्टर (मिसेज) जीज रतना कुमारी को 10 अक्तूबर, 1984 पूर्वीहा से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पर पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहते हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधि-कारा के पद पर सहवं तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

विनांक 16 नवम्बर, 1984

संब्योब्दोब-997/72-स्था--शीव अवतार लिह, सहायक कमाडेन्ट 68 बटाव केव रिव पुब बल ने सरकारी सेवा से निशृत होने के फलस्बरूप दिनांक 31-10-84 (श्रपराह्र) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया हैं।

संज्यों वो -- 1518/80-स्था-- राष्ट्रपति श्री o टी o के o सन्याल को के o रि० पु० बल में दिनांक 1-9-82 से सहायक निदेशक (विधि) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर, 1984

सं ०-म्रो०दो ० 15/3/81-स्था--राष्ट्रपति, श्री डी॰एस॰ राणा, पुलिस उप-श्रमीक्षक, 1 वाहिनी, के ०रि॰पु॰ बल के स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की मंजरी के०रि॰पु॰ बल के रूल 43 (बी) के भ्रन्तर्गत दिनांक 25-10-1984 (पूर्वाह्र) से मंजूरी देते हैं।

सं० ग्रो० दो० 1995/84-स्था०--राष्ट्रपति, निम्न-लिखित, सहायक मेट्रनों को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप 22 ग्रक्तुवर 1984, पूर्वाह्न से ग्रागामी प्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मेड़न (राजपन्नित) के पद पर स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 1. श्रीमती ग्रार० पी० लाल
- 2. श्रीमती ई० चरन

दिनांक 22 नवम्बर, 1984

सं ०-ए ० छ ० 1/83-स्थापना-1-भाग 4--राष्ट्रपति निम्निलिखित को ग्रस्थाई रूप में ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक, के ० रि०पु० बल में पुलिस उप-ग्राधीक्षक (कम्पनी कमान्डर)/ क्वाटर मास्टर) के पद पर उनके सामने लिखी तिथियों से ग्राई० एस० ए० में नियुक्त करते हैं।

<u>क्रमोक</u>	ग्रधिकारी का नाम	कार्यभार संमालने की तिथि
1. শ্বী	 राकेश चन्द्र	6-10-84 (ग्रपराह्र)
2. ,,	गैलेन्दर कुमार	6-10-84 (भ्रपराह)
3. ,,	रक्षपाल राणा	8-10-84 (अपराह)
4. ,,	कुलदीप धर	9-10-84 (भ्रपराह्न)
	दुशयन्त सिह	19-10-84 (पूर्वाह)
	पंकज कुमार चौधरी	7-10-84 (ग्रपराह)
7. ,,	कंबर सिंह भंडारी	8-10-84 (पूर्वाह्र)
8. ,,	महेन्द्र पाल सिंह नेगी	7-10-84 (ग्रपराह्र)
9. ,,	प्रदीप कुमार सिंह	7-10-84 (,,)
10. ,,	भूपत सिंह चौहान	7-10-84 (,,)
11. ,,	संजय कौणिक	6-10-84 (,,)
12. ,,	सुरेक चन्द्र पराशर	6-10-84 (,,)
13. ,,	प्रमोद कुमार पाण्डे .	7-10-84 (,,)
14. ,,	सुनील सिंह	8-10-84 (पूर्वाह्र)
15. ,,	खूबी राम	8-10-84 (ग्रपराह)
16. ,,	सिवेन्द्र कुमार	7-10-84 (,,)
17. ,,	प्रेम प्रकाश	7-10-84 (,,)
18. ,,	सूरज भान काजल	6-10-84 (,.)
19. ,,	प्रकाश जे० मोहाने	8-10-84 (पूर्वा ह)

दिनांक 23 नवम्बर 1984

सं० ग्री० वो० 1761/82-स्था०--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) पूरामा प्रधान को 18 सितम्बर, 1984 पूर्वाह से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कृतिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहपं नियुक्त किया है।

सं० ग्रो० दो० 1761/82-स्था०- महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) पूरामा प्रधान को 17 जून 1984, पूर्वाह से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कनिष्ठ बिक्ता ग्रिधिकारी के पद पर नदर्थ रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

धिनोक 24 नवम्बर 1984

सं० ग्रो० दो०-1123/73-स्था० (के० रि० पु० बल)--श्री ग्रार० सी० यादव, सहायक कमान्डेंट 48 बटा० के० रि० पु० बल ने सरकारी सेवा से स्वेच्छा निवृत्त होने के फलस्यरूप दिनांक 16-10-84 (पूर्वाह्र) से श्रपने पद का कार्य भार त्याग दिया है।

> एम० स्रशोक राज सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशक केन्द्रीय औद्यौगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1984.

सं० ई-16013(2)/26/83-कार्मिक-भारत सरकार, गृह मंत्रालय के टेलोपिटर संदेशसं छ्याई-16013(2)/26/83-कार्मिक-1/कैंग्रौसुव/कार्मिक-III दिनांक अंक्लूबर, 1984 के अनुसार राज्य काडर को प्रात्यावित्त होने के फलस्वरूप श्री बंद के भोला, भा० पु० से० (उत्तर प्रदेश: 74) ने 27 अक्तूबर, 1984 के अपराह्म से, केन्द्रोय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ला के सहायक महानिरोक्षक (भर्ती व प्राणक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

 श्री भोबा उत्तर प्रदेश सरकार/महानिदेशक तथा पुलिस महानिरोक्षक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को रिपोर्ट करेंगे.

दितांक 15 नवम्बर 1984

संवर्ध-32015 (4)/147/84-कर्मीकि-1--प्रतिनियुक्ति पर स्थानातरण होने पर श्राबो० सुरेन्द्रन, 29 सितम्बर, 1984 के अपराह्म से के० औ० सु० ब0 युनिट आर० सी० एफ० एल० चैम्बूर बम्बई के सहायक कर्मांडेंट के पद का कार्यभार खंभाल लिया।

दिनांक 20 नवम्बर, 1984

सं० ६०-32015(4)/132/84-क्रामिक-1--राष्ट्रपति, श्री के० एस० दिह्या, को प्रोन्नति पर, 24 सितम्बर, 1984 के अपराह्म से के औ० सु० ब० यूनिट, मार्मगोआ पोर्ट दूस्ट, गोआ का सहायक कमाडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 नवम्बर, 1984

सं० ई-32015(3)/16/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्रो मी० एस० वरदाराजा की, प्रोप्रोन्नति पर, 17 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से पूर्णतया तदर्थ आधार पर ग्रीर अस्थायीं रूप से 26-9-84 तज की अवधि के लिए या इस समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, एफ० बो० पा०, फरक्का का उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई--32015(3)/15/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति श्रा वी० लुइस राज को प्रोन्नति पर, 25 सितम्बर, 1984 के अपराह्न से के० औ० सुर वार यूनिट, एम० आर० एल०, मनालो, मद्रास मं उन कमांडट के रूप रुमें पूर्णपता तदर्य ग्रोर अस्थाया आधार पर 26-9-84 तक का अवधि के लिए या ऐसं अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 नवम्बर 1984

सं० ६०-28017/10/84/-कार्मिक- — निवर्तन की आयु होने के फलस्वृरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर ले० कर्नल एस० एम० लाल ने 31 प्रक्तूबर, 1984 के अपराह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय, प्रुप मुख्यालय, कलकत्ता में ग्रुप कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 21 नवम्बर 1984

सं० ई०-32015(4)/154/84-कामिक-I--राष्ट्रपति, श्रा एस० एम० आर० नायडू को, प्रोन्नति पर 15 अक्तूबर, 1984 के पूर्वान्ह से 24 मार्च, 1985 तक का अवधि के लिए या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदयं व अस्थाई आधार पर के० ग्री० मु० ब० यूनिट, डा० एस० पो०, दुर्गापुर का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/167/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री बावल सिंह, को प्रोन्नित पर, 27 श्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्री० मु० त्र० यूनिट, बी० एच० ई० एल० भोपाल में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर शस्थाई रूप में 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

स० ई०-32015(4)/168/84/कार्मिक-1-राष्ट्रपति. श्री पी० सी० मोंडल को, श्रोन्नति पर, 21 प्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से के० औ० मु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० ग्रार० केन्द्र में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रीर ग्रस्थाई रूप में 24 मार्च, 198 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तयां किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ६०-32015(4)/171/84-कामिक-1---राष्ट्रपति, श्री एम० साहू को प्रोन्नति पर, 11 अन्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से 24 मार्च, 1985 तक की श्रवधि के लिए या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तियों किये जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ व अस्थाई श्राधार पर, के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० एल०, अरिया का सहायक कमांडेंट निय्कत करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/188/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री डी० एस० रावत को प्रोन्नति पर, 26 सितम्बर, 1984 के श्रपराह्न से 25 मार्च, 1985 तक की श्रवधि या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और ग्रस्थाई श्राधार पर के० भौ० सु० व० यूनिट, बी० एस० एल० बांकारों का सहायक कमांडेंट नियुक्त कहते हैं।

मं ई०-32015(3)/19/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति
श्री जॉन चौहान को प्रोन्नति पर, 14 सितम्बर, 1984
पूर्वाह्म से 26-9-84 तक की अवधि के लिए या इस अवधि
में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो,
पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर श्रीर श्रस्थाई रूप से के० श्री०
सु० ब० यूनिट, बी० एस० एस० सी० थुम्बा का
उप कमांडेंट नियक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/145/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री ग्रणोक बोहरा, को प्रोन्नति पर, 4 ग्रक्तूबर, 1984 के ग्रपराह्म से 24 मार्च, 1985 तक की ग्रवधि के लिए या इस ग्रवधि में नियमित नियुक्तयां किये जाने तक, जो भी पहले हो पूर्णतया तदर्थ व ग्रस्थाई श्राधार पर, के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० ग्राई० ग्रो० पी० मेघाहा-तुबुरु का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/146/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री पी० के० रौत को, प्रोन्नति पर, 12 ग्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, श्रार० एस० पी०, राउरकेला में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राक्षार पर श्रोर अस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/162/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री ए० एन० सिह देव, को प्रोन्नति पर दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० श्रार० एल०, मनाली मद्रास में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर श्रौर श्रस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/166/84-कामिक-1--राष्ट्रपति, श्री एस० पी० सक्सेना को, प्रोन्नति पर, 5 अक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से 24 मार्च, 1985 तक की अवधि के लिए या इस अवधि में नियमित नियुक्तयां किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तक्ष्यं व अस्थाई आधार पर के० औ० मु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० लिमिटेड, रांची का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/173/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री नथून्नीराम को प्रोन्निति पर, 29 सितम्बर, 1984 के पूर्विह्न से 24 मार्च, 1985 तक की श्रविध के लिये या इस श्रविध में नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ व श्रस्थाई श्राधार पर के० श्रौ० सु० व० यूनिट, श्रार० एस० पी०, राउरकेला का महायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/175/84-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री सी० एस० खनूजा, को प्रोन्नति पर, 20 प्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से प्रशिक्षण रिजर्व के० ग्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ भाधार पर भीर भस्याई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय तक नियमित नियुक्तियां किये जाने तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं॰ ई॰-32015(4)/176/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री जे॰ बी॰ जौहर को, प्रोन्नति पर, दिनांक 26 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से के॰ भ्रौ॰ सु॰ ब॰ यूनिट, बी॰ एस॰ एल॰, बोकारो में सहायक कमांडेंट के रैंक में पूर्णतया तदर्थ भ्राधार पर श्रौ॰ श्रस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियाँ किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/179/84-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री डी० टी० मुरलीघरन को प्रोक्षति पर. 11 श्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से 24 मार्च, 1985 तक की श्रवधि के लिए या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तयाँ किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ व श्रस्थाई श्राधार पर के० श्री० सु० व० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/181/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री जी० सी० थपलियाल को प्रोन्नति पर, 22 श्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, सी० पी० टी०, कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्रधार पर श्रीर श्रस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/182/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री ग्रिशिष गोयता को प्रोप्तिति पर, 22 प्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से के० ग्रां० मु० ब० यूनिट, ग्रार० एस० पी०, राउरकेला में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रीर ग्रस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/183/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री एस० नीलकांत राव को प्रोन्नति पर, 15 अक्तूबर, 1984 के अपराह्म से 24 मार्च, 1985 तक की अवधि के लिये या इस अवधि में नियमित नियुक्तियाँ किए जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ श्रीर श्रस्थाई श्राधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, ई० सी० एल०, का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(3)/11/84-कामिक-1-राष्ट्रपति, श्री जी० एस० सन्धु को, प्रोप्तति पर, 20 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, टी० श्राई० एफ० नैनी, इलाहाबाद में उप कमांडेट के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर श्रीर ग्रस्थाई रूप से 26-9-84 तक के लिये या ऐसे समय तक नियमित नियुक्तियाँ किये जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० \$z = 32015(4)/170/84 = 40 भिक = 1 = -2 छिट्टपति, श्री9 पी० के० पंडा को, प्रोन्नति पर, = 27 सितम्बर, = 1984

के पूर्वाह्न से 24 मार्च, 1985 तक की ग्रावधि के लिये या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ व ग्रस्थाई श्राधार पर के० श्रौ० मु० ब० यूनिट, एफ० बी०पी० फरक्का का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/185/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री जे० एस० सैनी को, प्रोप्तित पर, 25 सितस्बर, 1984 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, ई० सी० एल० में सहायक कमांडेंट के रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रीर ग्रस्थाई रूप से 24 मार्च, 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/158/84-कार्मिक-I-राष्ट्रपति, श्री एस० एम० मोहन्ती को प्रोन्नति पर, 25 ग्रक्तूबर, 1984 के ग्रपराह्न से 24 मार्च, 1985 तक की ग्रवधि के लिये या इस ग्रवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक जो भी पहले हो, एच० जेड० एल० की के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, सरगिपल्ली माइन्स परियोजना का पूर्णतया तदर्थं व ग्रस्थाई ग्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(4)/151/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री पी० सी० एस० गुलेरी को प्रोन्नति पर, 17 अन्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से 24 मार्च, 1985 तक की अवधि के लिए या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, के० भी० सु० ब० यूनिट, लुबीजोल इण्डिया लिमिटेड का पूर्णतया तदर्थ और अस्थाई आधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

एस० ग्रानन्दराम, महानिदेशक

भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 नवम्बर 1984

सं० 10/52/79~प्रणा०~1—राष्ट्रपति, भारत के महा-रिजस्ट्रार के कार्यालय में महायक निदेशक (प्रोग्राम) श्री एम० पी० राव की, जब वे विदेश नियुक्ति पर थे, तारीख 9 ग्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर प्रोफार्मा प्रोन्नति की मंजूरी सहर्ष देते हैं।

राष्ट्रपति, श्री एम० पी० राव को विदेश नियुक्ति से लौटने पर नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 1 मई, 1984 के पूर्वाह्म से उप निदेशक (प्रोप्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एम० पी० राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं 11/76/79-प्रणा०-1--श्री बी० बी० लाल, श्रिखल भारतीय सेवा श्रिकारी ने बिहार राज्य सरकार को प्रत्यावर्तित होने के पश्चात तारीख 30-9-1984 के प्रपराह्म से पर्वत जनगणना निदेशक, बिहार, पटना के पद का कार्यभार छोडा।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

की गई तदर्थ नियुक्ति को बिनांक 1-1-84 से 30-9-84 तक भीर बढ़ाया जाता है।

ण० रा० पाठक महाप्रवन्धक

वित्त मंत्रालय

(म्रायिक कार्य विभाग)

चलार्थ पन्न मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 10 नवम्बर 1984

सं० एन०-77-एन०/5465--महाप्रबंधक, चलार्थ पहा मुद्रणालय, श्री एस० डी० चिचालकर, निरीक्षक नियंत्रण, चलार्थ पत्र मुद्रणालय को नियमित रूप से स्थानापन्न उप नियंत्रण श्रिधिकारी के पद पर दिनांक 8 नवस्वर, 1984 से ग्रगला ग्रादेण होने तक नियक्त करने हैं।

> मु० द० इडगुंजी महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 नवम्बर 1984

सं० 451/क०--- ग्रिधिसूचना , संख्या 72/क० दिनांक 10-5-1984 के कम में श्री श्रीपतिराम, को प्रणासन ग्रिधिकारी-II भारत प्रतिभूति मुद्रणालय के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुनित को दिनांक 4-11-1984 से ग्रागले ग्रादेश तक 6 माह की ग्रवधि के लिये या उक्त पद नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

दिनांक 24 नवम्बर 1984

सं० 450/क० — प्रिध्सूचना सं० 253/क० दिनांक 6-8-1984 के क्रम में श्री के० के० पाठक को उपनियंक्षण अधिकारी भारत प्रतिभूति मृद्रणालय के रूप में तद्दर्थ श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 10-10-1984 से श्रगले श्रादेश तक 6 माह की श्रविध के लिये या उक्त पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो; बढ़ाया जाता है।

निपांसरनाईक महाप्रवन्ध्रक

प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1984

क्रमांक -7(60)/8222—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(60)/9854, दिनांक 2-1-84 के तारतम्य में श्री बी० एम० परदेसी की रुपए 650-30-740-35-810—द० अ०-35-880-40-1000—द० श्र०-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के रूप में

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विमाग भारत के नियंत्रक महालेबापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 19 नवम्बर 1984

सं० 20-एच०-चा० ले० प० 1/18-80--निदेशक, लेखापरीक्षा खाद्य, नई दिल्ली कार्यालय के श्री पी० ग्रार० घोष, दस्तीदार, लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वा०) श्रपनी श्रीध-विपता ग्रावु प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-84 (ग्रप०) में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

के० पी० लक्ष्मणराव सहायक नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार लेखा, म० प्र० ग्वालियर, दिनांक 20 नवम्बर 1984

क० सं० प्रशासन एक नि० ग्र० प्रमो० 247—महालेखा-कार-नेखा मध्य प्रदेश ने निम्त लिखिश स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रिधकारी को स्थानापन्न लेखा ग्रिधिकारी के पद पर वेतनमान क० 840-40-1000—द० रो०-40-1200 में उनके नाम के ग्रागे दर्शांग्रे कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक मे ग्रागामी ग्रादेश तक पदोन्नात किया है:—-

कः नाम स्थाई क्रमांक लेखा श्रधिकारी के पद सं पर कार्य भार ग्रहण करने का दिनांक तथा श्रावंटन

 श्री एस० एस० प्रभाकर 02/601 9-11-84 पूर्वाह्व (प्राधिकार:--महालेखाकार लेखा के श्रादेश दिनांक 20-10-1984)

> ह०/- अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशा०

रक्षा मंत्रालय डी० जी० स्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा स्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता-69, दिनांक 15 नवम्बर 1984

विषय: - सेवा निश्त

मं० 20/84/ए०/ई०-1(एन० जी०)---वार्धक्य निवृत्ति आय् प्राप्त कर, श्री सुदर्शन बम्ब्रा, स्थानापन सहायक स्टाफ श्रफसर (मौलिक एवं स्थायी सहायक), दिनांक 30-9-84 (श्रपराह्र) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० $20(1)/84/\sqrt{6}$ ० $-1(\sqrt{6}$ ० $-1(\sqrt{6}$ 0) जी०) जी० ग्रं। एफ०/वेयरमैन आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड, श्रीमित लीमा गुहा, श्रस्थाई सहायक स्टाफ श्रक्सर (मौलिक एवं स्थाई सहायक) की सेवा निवृत्ति उनकी स्वेच्छा से दिनांक 30-9-84 (श्रपरहन) से मंजूर करते हैं।

डी० श्रार० ग्रय्यर उपमहानिदेशक/कार्मिक कृते महानिदेशक श्रार्डनैन्स फैक्टरियाँ

कलकत्ता-700016, विनांक 16 नवम्बर 1984

सं० 51/जी०/84—श्री भी० भेंकटारमगी, सहायक कार्यशाला प्रबंधक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 27 जून, 1984 (ग्रपराह्म) में स्वेच्छापूर्वक सेवा निवत्त हुए।

> वी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंस्रालय

मृष्ट्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1984
ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशा० (राज०) -8478--राष्ट्रपति, श्रीमती पी० स्वामीनाथन (केन्द्रीय सचिवालय सेवा चयन ग्रेड कम सं० 83) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई ने 21 श्रगस्त, 1984 से 3 मास की श्रवधि के लिये तदर्थ श्राधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में तथा संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करने हैं।

जी० सी० जैन मुख्य नियंतक श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1984

सं० ए० 19018/407/79-प्रशा० (राज०) खण्ड-2-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्था, नई दिल्ली के प्रधीन विस्तार केन्द्र बालसहयोग के सहायक निवेशक, ग्रेड-1 श्री श्रार० के० बंसल को दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1984 (पू०) से, अगले श्रावेश तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में तक्ष्य श्राधार पर उप निवेशक (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/614/82-प्रणा० (राज०)--चीफ इन्स्पेक्टोरेट श्राफ मणीनरी स्पेयर्स, नेवल डाक्र्यार्ड, बम्बई में तकनीकी श्रधिकारी के पद परप्रत्यावर्तन होने के परिणाम-स्वरूप, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के उप निदेशक (धातु-कर्म) श्री झार० वी० गोपालकृष्णन् ने दिनांक 6 नवम्बर, 1984 (ग्रपराह्र) से श्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> गस् के पुरकायस्थ उपनिवेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई विल्ली-110001, दिनांक 21 नवम्बर 1984 सं 17011/289/84/प्र०-6-महानिदेणक पूर्ति तथा निपटान, ने भंडार परीक्षक (ग्रिभियांतिकी) और निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में स्थानापक्ष कनिष्ठ क्षेत्राधिकारी के पद पर कार्यरत श्री ग्रार० शन्करालिंगम को दिनांक 29-9-84 के पूर्वाह्न से ग्रगला ग्रादेश दियं जाने तक उप निदेशक निरीक्षण हैदराबाद के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापक्ष सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (ग्रिभियांविकी) नियुक्त किया है।

एस० एस० कपूर उप निदेशक (प्र०) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय (इस्पात विभाग)

लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 17 नवम्बर 1984

सं० ई०-1-12(61)/83 (.)--इस कार्यालय के दिनांक 16-12-1983 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के क्रम में, हिन्दी शिक्षण योजना, कलकत्ता, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के हिन्दी प्राध्यापक. श्री धीरेन्द्र कुमार झा की इस कार्यालय में हिन्दी ग्रिधकारी के रूप में नियुक्ति, एसद् हारा तदर्थ ग्राधार पर दिनांक 7-12-1984 से ग्रगले एक वर्ष की ग्रवधि के लिए बढ़ायी जाती है।

सनत कुमार सिन्हा उप लोहा और इस्पान नियंतृक

(खान विभाग)

भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 16 नवम्बर 1984

सं० 7677की/०ए०-19012 (पी० वी० एस० धार०) /83/19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भी पी० बी० एस० रावत को सहायक भूषेज्ञानिक के रूप
में, 650 ६० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, 650—
30—740—35—810—६० रो०—35—880—40—1000—६० दे
रो०—40—1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापक क्षमता में
ागामी भावेश होने तक, 10—9—84 के पूर्वाह से नियुक्त कर रहे हैं।

स० 7691—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री सुरेन्द्र प्रसाद को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 र० के वेतनमान में, स्थानापक क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक, 31—8—84 के पूर्वाह्र से नियक्त कर रहे हैं।

सं० 7709 बी०/ए०-19012(-ए० ए०)/83/19-ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक, मो०
श्रमजद धली को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 ७० प्रति माह के प्रारम्भिक
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000 --द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में,
स्थानापन्न क्षमता में, धागामी श्रावेश होने तक 11-9-1984
के पूर्वाह से नियुक्त कर रहे हैं।

स० 7728 बी०/ए०-19012(1-एन० एम०)/
83-19-ए--भारतीय विज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री एन० मरान को सहायक भूषैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 द० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40 1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, मागामी मादेश होने तक 16 ग्रगस्त, 1984 के पूर्वाह्र से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7741 बी०/ए०~19012(1~प्रार० एन०)/83/19~ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री घार० ननमतीसेत्वन को सहायक भूबैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 ६० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650~30~740~35~810~द० रो०~35~880~40~1000~द० रो०~40~1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, घागामी घादेश होने सक, 17 सितम्बर, 1984 के घपराह से निमुक्त कर रहे हैं।

सं० 7754 बीं०/ए० 19012(1-एस० म्रार०)/ 81/19-ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री एस० राजरत्नम ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 26 जूलाई, 1983 (म्रपराह्र) से स्थागपत पर छोड़ दिया है।

> श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक), भारतीय भूवै झामिक सर्वेक्षण

मारतीय जान व्यूरो

नागपुर, विमांक 19 नवम्बर 1984

सं० ए०-19011 (27)/81-स्था० ए०--राष्ट्रपति, श्री मू० एन० सरकार, स्थानापन्न प्रधीक्षक खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में मुख्य खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 23 प्रक्तूबर, 1984 के प्रपराह्न से 6 माह के लिए तदर्थ ग्राधार पर सहयें नियक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवस्थर 1984

सं० ए०-19011 (309)/84-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० एस० परमेश्वरैय्या स्थानापन्न कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरों में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 31 मार्च, 1984 के भएराह से पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी, कृते महानियन्त्रक भारतीय खान अपूरी

प्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनोक 23 नवम्बर 1984

सं० 6(7)/63-एस० एक--निवंत्तन की म्रायु प्राप्त कर लेने पर श्रीमती पी० जया कुमारी, प्रसारण निष्पादक, श्राकाशवाणी भ्रारवाड़ 30 सितम्बर, 1984 (श्रपराष्ट्र) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1984

सं० 6(35)/63-एस० एक--इस निदेशालय के आदेश सं० 6(45)/81-विग दिनांक 17 अन्तूबर, 1984 के तहत श्रीयू०सी० पी० सिन्हा, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी लखनक को सरकारी सेवा से सलग कर विया गया है।

> हरीश जनद्र जयाल, प्रशासम उप निदेशक इते महा निदेशक

नई विल्ली, विनांक 22 नवम्बर 1984

सं 10/19/67-एस०-2--महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री शिव कुमार शर्मा, लेखापाल. रेडियो कश्मीर जम्मू को तदर्थ श्राधारपर प्रशासन श्रधिकारी के पव पर रु० 650--30-740-35-880--द० रो०-40-960 के वेतनमान में 15 श्रक्तूबर, 1984 से श्रक्षि श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री शिव कुमार शर्मा ने उसी तारीख को प्रशासन मधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

सं. 1/21/84-एस०-2-महानिर्देशक, प्राकाणवाणी श्री बी० एस० राव, लेखापाल, भ्राकाशवाणी, जैपुर को तवर्थ भाषार पर प्रशासन मधिकारी, भ्राकाशवाणी के पद पर, कः 650-30-740-35-880-वः रो०-40-960 के वेतनमान में 27 ग्रन्सूबर, 1984 से ग्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

 श्री बी० एस० राव ने उसी तारीख से प्रशासन झिंछकारी, झाकाशवाणी जलगांव के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

> मोहन फ्रांसिस, प्रशासन उप निवेशक, कृते महानिदेशक

सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 22 नथम्बर 1984

सं० ए०-20012/16/76-सिबन्दी-1-श्री घार० एस० काशिद, फिल्म प्रभाग बम्बई में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न (कैमरामैन) को दिनांक 15 नवम्बर, 1984 के ध्रपराह से सहायक (कैमरामैन) के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

एन० एन० शर्मा, प्रशासकीय ग्रधिकारी कृते प्रशासन निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1984

सं० ए०—12025/(3)—1/77—सी० एच० एस०—1/ पी० एच० (सी० डी० एण्ड एल०) — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक में डा० एस० के० साहा को दिनाँक 16 जनवरी, 1982 से मिखल मारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में डैमोंस्ट्रेटर (चिकित्सा) (जीव रसायन तथा पोषण) के पद पर स्थाई माधार पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंहः उप निदेशक, प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1984

सं० ए०-12025/23/82-प्रशासन-1(वाल्यूम-2)-स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० मोहम्मव ग्रस्लम को 9 भ्रस्तूबर, 1984 (पूर्वाह्न) से म्रागामी भ्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में दन्त शल्य-चिकित्सक के पद पर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० एम० ठाकुरः उप निवेशक प्रशासम

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवम् सहकारिता विभाग) वनस्पति रका, संग्रोध भौर संग्रह निवेशालग फरीवाबाव, दिनांक 22 नवम्बर 1984

सं० 7-56/63-प्रशासन अनु० प्रथम—वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार इस निवेशालय के श्री एम० एल० तनेजा, टिड्डी तकनीकी अधिकारी को 1 नवम्बर, 1984 (पूर्वाह्र) से बनस्पति संगरोध तथा प्रधूमन केन्द्र, अमृतसर में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में सहायक पौध रोग विज्ञानी के राजपितत पद पर तदर्थ आधार पर एक वर्ष के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार, मुख्य प्रशासन प्रधिकारी

खाद्य एवं नागरिक म्नापूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, विनांक 14 नवम्बर 1984

सं० स्था० ए०-19012/54/84-- प्रघोहस्ताझरकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय शुकेरा संस्था, कानपुर के सहायक इंजीनियर (यांत्रिकी) पद से त्यागपत्र को दिनांक 1 धक्तूबर, 1984 अपराह से स्वीकृत करते हैं।

> राम कुमार, निदेशक

प्रांमीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीवाबाद, दिनांक 20 नवस्वर 1984

सं० ए०-19025/46/78-प्र०-III--इस निदेशालय के श्री पी॰ के॰ नायर, सहायक विपणन ग्रिधकारी द्वारा लिया गया स्यागपत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 21 जनवरी, 1983 (पूर्वाक्क) से स्वीकृत किया गया है।

सं० ए०-19025/20/84-प्र०-III--संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाह्कार, भारत सरकार द्वारा कुमारी संजुक्ता मोहपात को इस निवेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 31 अक्तूबर, 1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/19/84-प्र०-III-संघ लोक सेवा द्यायोग की संस्तुतियों के बनुसार कृषि विपणन सलाहकार, मारत सरकार द्वारा श्री बी० सीथारमण को इस निवेशालय के भाषीन बंगलौर में दिनांक 17 सितम्बर, 1984 (पूर्वाह) से भगले बादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन ग्राध-कारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> कें कृष्णा, निदेशक, प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु भनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 6 नवम्बर 1984

सं० पी० ए० /76 (5)/84-आर०-III--- नियंतक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, भारी पानी परियोजना के सहायक लेखा अधिकारी श्री ए० एम० वैद्य को दिनांक 1 अक्तूबर, 1984 पूर्वाल से, आगामी आवेश होने तक, इस अनुसन्धान केन्द्र में लेखा अधिकारी II पद पर स्थानापन्न रूप में, नियुक्त करते हैं।

बी॰ सी॰ पाल, उप स्थापना प्रधिकारी

बस्बई-400085, विनांक 19 नवम्बर 1984

सं० के०/994/स्था० II/5087--श्री प्रभाकर बाबू राव कालंके सहायक लेखा श्रधिकारी पद का पदमार 31-10--1984 ग्रपराह को श्रधिवर्षिता पर छोड़ दिया। के० वेंकटकुष्णन, उप स्थापमा अधिकारी

ग्रंतरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगल्र-560017, दिनोफ 12 नवम्बर 1984

सं 20/1/(3)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, ग्रन्तरिक विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्न-लिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग-पद्म उनके नाम के सामने वर्शाई तिथि से सहर्थ स्वीकार करते हैं।

कम सं०	नाम	पवनाम	तिथि
1	2	3	4
	भी द्यार० जेसु जार्ज इसगि	ो वैज्ञानिक/ धभियन्ता→	8-10-1984 (धपरास्त्र)

सं० 20/1(3)/84-स्थापना--इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं वर्णायी तिथियों के पूर्वीह्न से ग्रगले आवेश प्राप्त होने तक बिल्कुल भ्रनंतिम एवं ग्रस्थाई ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कम सं	० नाम	पदनाम	दिनांक
1	2	3	4
	सर्वेश्री		
1.	एच एस० क्रुडण	वैज्ञानिक/ ग्रभियन्ता-	7-8-1984
		एस॰ बी॰	
2.	के० ए० केशवर्मात	वैज्ञानिक/ भ्रभियन्ता-	14-8-1984
		एस० बी॰	
3.	एम० रामचन्द्र राव	वैज्ञानिक/ ग्रभियन्ता	16-8-1984
		एस० बी०	,
4.	एस० वेंकट रमण	वैज्ञानिक/ श्रभियन्ता	22-8-84
		एस० बी०	
5 .	भार० सी० ग्रशोक	वैज्ञानिक/	4-9-1984
	कुम ार	ग्रभियन्ता एस० बी०	
6.	ए च० वेंकटर मण भ ट्र	-	22-8-1984
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	म्रभियन्ता-	-3 0 1004
		एस० बी०	

सं० 20/3(61)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पवों पर एवं वर्शायी तिथियों के पूर्वाह्म से अगले आदेश प्राप्त होने तक बिल्कुल अनंतिम एवं अस्थाई आधार पर सहुर्ष पदोक्षत करते हैं।

क म सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
सर्वश्री			
1. के	॰ नरसिंहा राव	वैज्ञानिक/ धभियन्ता— एस० बी०	1-10-1984
2. স্থ	द्र लिगप्पा	वैज्ञानिक/ ग्रभियन्ता-	1-10-1984
३. स्य	ांसि घफिना कोएहो	एस० बी० वैज्ञानिक/ धिभयन्ता एस० बी०	1-10-1984

ī .2	3	4
4. एम० कलैवानी	वैज्ञानिक/.	1-10-1984
	म्रभियन्ता—	
	एस० वी'०	
5. एस० मधुसूदन राव	वैज्ञानिक	1-10-1984
	श्रभियन्ता	
	एस० की ०	
एस० बी० एस० प्रस		1-10-1984
कुमार	ग्रभियन्ता-	
_	एस० बी०	
7. पी० सत्यनारायण	र्वशानिक/	1-10-1984
	अभियन्ता⊶	
A (2-2-	एस ः व ि०	
ढी० दिलीप कुमार		1-10-1984
	अभियन्ता-	
·	एस० वी ० वैज्ञानिक/	110100.4
9. एम० मुनीनागप्पा	वशानक/ अभियन्ता—	1-10-1984
	जामयन्ता— एस ्बी ०	
10. जी० वॅकट राव	प्सुट्यार वैशानिक/	1-10-1984
10. जार वनाद राव	अभियन्ता	1 10-190 4
	एस ० श ि	
	70.41.	
		एच॰ एस॰ रामदास,
		प्रशासन अधिकारी,

पर्यटन एवं नागर विभानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नहैं दिल्ली- 30 दिनांक 23 नवस्वर 1984

सं० ई० (1) 06276—मौसम विज्ञान के महानिदेशक ने 5 अप्रैल, 1982 के अपराह्म से श्री के० एम० साहा को सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नीत की स्वीकृति प्रदान की है। श्री साहा उन दिनों विमानन अनु—संधान, केन्द्र, चरवातिया में प्रतिनियुक्ति पर थे।

2. यह अधिसूचना समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13 दिसम्बर, 1982 के अनुकम में जारीकी गई है।

> कें मुखर्जी, मौसम विज्ञान (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान केंमहानिवेजक

महानिदेशक नागर विमानन का कायसिय नई दिल्ली, दिनांक 14 नवस्वर 1984

सं० ए०-35015/14/83-ई०-1--राष्ट्रपति ने श्री एस०एस० सुरेदकर, ब्रा० पु० से० (एम० एच० 73) को विनांक 1 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्मन) से तीन वर्ष की अविधि के लिए, समय-समय पर संशोधित भाव पुरु सेंव [(वेतन) नियमायली, 1954 के अन्तर्गत उन्हें स्वीकार्य वेतन परंप्रति-नियुक्ति के आधारपर बम्बई एयरपोर्ट पर सहायक निर्देशक, मागरविभानन सुरक्षा के पदपर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/2/84-ई० डब्स्यू०—राष्ट्रपति ने श्रो के०वी० कृष्णन विद्युत और यान्त्रिक धाँधिकारी को विनांक 25 सितम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से और अगले आदेश होने सक ६० 1100-50-1600 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहाधक निदेशक, उपस्कर के ग्रेड में निग्रमित साधार पर निगुक्त किया है।

2. श्री के० बी० कृष्णन को निदेशक, विमान क्षेत्र कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

विनांक 15 नवस्थर 1984

सं० ए०-32013/5/84-६०-I---राष्ट्रपति ने श्री बी० के० कालड़ा, निदेशक प्रशिक्षण एवं अनुजापन को दिनाक 30 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्म) से 15 जनवरी, 1985 (अपराह्म) तक द० 1800-100-2000 के वेतनमान में विशेष कार्ष अधिकारी के पद पर तदर्ष आग्रार पर निमृक्त किवाहै।

दिमांक 17 नवस्बर 1984

सं०ए०-32013/17/82-ई०-1 राष्ट्रपति नेश्री जे०एन० मुखर्जी, कार्मिक परीक्षक को दिनांक 22 अक्तूबर, 1984 (पूर्वाल) से 21 अप्रल, 1984 (अपराल) तक छः मासकी अवधि के लिए अपया उप निदेशक (विनियम एवं सूचना) का पद नियमित आधारपर घरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, महानिदेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के कार्यालंग में तदमें आधारपर उप निदेशक (विनियम एवं सूचना) के पद पर नियुक्त किया है।

विर्माण 20 नवस्वर 1934

सं० ए०-19011/39/80-६०-1-इस कार्यालय के बी एन०एस० कुमारास्वामी, उपनिदेशक (टैरिफ परीक्षण)ू निवर्तन आयु प्राप्त कर लेमें पर विमाक 31 वक्तूबर, 1984 अपराक्ष में सरकारी सेवां से निवृत्त होगएहैं।

> जी० बी० लाख, सहायक निवेशक (प्रशासन)

नई विल्ली, विनोक 22 नवश्वर 1984

सं० ए०-32014/1/84-ईं० एस०--महानिदेशक नागर विमानन से श्री एस० सी० मूलघन्वानी, अधीक्षक को दिनांक 19 नवम्बर, 1984 से छः मास की अवधि के लिए अथवा प्रशासनिक अधिकारी का पद नियमित आधारपर घरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, क्षेत्रीय निदेशक वम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के का कार्यालय द० 650-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदमें आधार पर नियुक्त किया है।

बि० भौमिक, स**हायक** निवेशक (प्रशासन) निरीक्षण महानिदेशालय सीमा शुरुक ब भेन्द्रीय उत्पादन शुरुक नर्ष दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1984

सं० 14/84 सं०1041/46/84—श्री बी० के० जुनेजा ने, जो पहले सीमा शुरुत दिल्ली के सहायक समाहर्ता के रूप में तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के पत्र फा०सं० ए०—22012/39/84—प्रशा० (अंश) से जारी दिनांक 15 अक्तूबर, 1984 के आदेश सं० 170/84 के अनुसार स्थानान्तरण होने पर निरीक्षण महानिवेशालय, सीमा शुरुक एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, नई दिल्ली में दिनांक 6 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्र से सहायक निवेशक निरीक्षण सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक का कार्यभार संभाल लिया।

ए० सी० सल्डाना निरोक्षण महानिवेशक प्रकम माहे. टी. एन. एवा.------

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाल 269-म (1) के बभीन स्चना

भारत सहस्राप

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० राज/सहा० मा० मर्जन /2492/ मतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त विधितियस' कहा गया हैं), की वास 263-स में बचीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 2872 है तथा जो जयपुर में स्थित ह (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिश्वकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण घिश्वित्यम 1908 (1908 का 18) के घ्रधीन तारीख 8-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बश्यमान प्रतिफ ज के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विचवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्ययमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकत से बधिक है जीर बंतरक (बंतरकों) जीर बंतिश्ली (जन्तिरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा चवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्त्रिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दारण ते हुए किसी बाव की बावत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जीपु/वा
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय अपयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

बत् बन , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपचारा (1) के अधीन , निम्मिसियल अस्तित्यों , क्यीर ह—

 श्रीमदी लक्मो बाई परिन श्री फूलचन्द प्रग्रवाल निवासी 1744, घीवालों का रास्ता, अयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मोहना जैन परिन श्री प्रमणन्य श्रीमती ऊषा जैन परिन श्री शैलाश पत्य जैन, श्रीमती पुष्पा जैन परिन श्री ताराजन्य जैन एवं श्रीमती भवरीबाई परिन श्री कपूरणन्य जैन निवासी मकान नं० 748, जैन भवन, परीबापान, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के नर्जन के तंत्रंभ में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी बचीज बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकारी वं पास लिखित में किए वा सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कंट्यों और पदों का, को उक्त विभिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी नर्थ होगा, को उस बभ्याय में विश क्या है।

पनुसूची

बुकान नं० 272, जौहरी, बाजार, जयपुर का 1/4 भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संक्या 668 विनांक 8−3−1984 पर पंजीबदा विकय पदा में भीर विस्तृत कप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज, जयपुर

दिनोक : 14-11-1984

प्रकथ आही, टी. एन . एस . ------

बायकर क्षितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, विनांक 14 नवम्बर 1984

निवेश सं० राज०/सहा० मा० मर्जन/2493—मतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

धौर जिसकी सं० युकान नं० 272 है तथा जो जयपुर में में स्थित है (भौर इससे उपावद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 8 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम भी ध्ययमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिखत से बिधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, बबत जीभीनयम को जभीन कर दोने को जन्तरक को दायित्य मों कभी करने वा संससे बचने में सुविधा क सिए; बोर/दा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय नाय-कर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया धना था सा किया चाना चाहिए था, कियाजे में सुविधा के जिए:

कतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मीं, सकत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, जिस्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---- श्री उमरावमल पुत्र श्री फूलचल्द सप्रयाल, 1744, भीवालों का रास्ता, जयपुर ।

(मन्तरक)

2. श्रीमतो मोहना जैन परिन श्री पवमचन्द, श्रीमती ऊषा जैन परिन श्री कैलाशचन्द जैन, श्रीमती पुष्पा जैन परिन श्री तारा जन्द जैन, श्रीमती भंवर बाई परिन श्री कपूरचन्द जैन निवासी 748, जैन भवन, दरीबापान जयपुर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पर्टित के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पह सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को धी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्द -यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकेंगे।

रवक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्धों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वी उस अध्याय में विया गवा है।

भनुसूची

दुकान नं० 272, जौहरी बाजार, जयपुर जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 668 निदांक 8-3-1984 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में झौर विस्दृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 14-11-1984

प्रकल काई. टी. एव. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाय धारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक वायकर भाग्क्त (निरीक्तक) ग्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

निदेश सं० राज/सहा० भ्रा० भ्रजेन/2494—भतः मुझे मोहन सिंह्

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इंडर्जे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसको सं० दुकान नं० 272 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भीर इससे उपायद धनुसुची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रोकर भीवितयम 1908 (1908 का 16) के भीवीन तारीख 8-3-1984

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार क्या, जसके पर्यमान प्रतिफल से, ऐसे पर्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुइं फिसी नाय की बाबत उनत अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (का) एसी किसी नाम या किसी वन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पधारा (1) के अधीन, निम्निमिसित स्पन्तियों, अर्थात् :--- भो केशरी चन्द पुत्र को फूलधन्द जी प्रग्रवाल निवासी 1744 मोनालों का राक्ता, जयपुर ।

(प्रस्तरक)

2. श्रीमती मोह्ना जैन परिन श्री पदम चन्य श्रीमती ऊषा जैन परिन श्री कैलाश चन्य जैन, श्रीमती पुक्ष्मा जैन परिन श्री ताराचन्य जैन, श्रीमती भंवर बाई परिन श्री कपूरचन्य जैन, मकन नं० 748, वरीबापान, जयपुर ।

(बन्तरिती)

को यह सूच्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्बगाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नुर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूक्या के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अनिभ या तरकायन्थी व्यक्तियाँ पर तूचना की तामील से 30 दिन की बचिभ, को भी व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 फिन के शीस उनका स्थाय उसक्ति के दिश-बहुध किसी अन्य व्यक्ति हुनारा वधोहस्ताकारी के पाथ जिल्ला में किए जा बकोंगे।

स्थळीकरण: ---इसमें प्रमुक्त सम्बा नीर पयों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युकी

दुकान नं० 272 का भाग, जोहरी बाजार, जियपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 666 विनांक 6-8-1984 पर पंजीयक विकय पत्र में सीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

दिनोक : 14-11-1984

२ भए आहे. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्त (निरीक्षण) स्रात्ति रेंड, जसपूर

जयपुर, दिनांक 16 नवस्वर, 1984

निदेश सं०: राज०/यहा० ग्रा० ग्रार्जन/2 195—श्रव: मुझे मोहन सिंह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये में अधिक है

स्रौर जिसकी संव दुका। तंव 261 है तथा को जयपुर में स्थित है (योर इसमे उपायड़ स्नृत्यों में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिट्योगियों स्रिधिकारा के वार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रोकरण स्रिधित्यम 1908 (1908 वा 16) के स्रिधीत तारीख 30-3-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल रो एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ्क) अन्तरण से हुंद्र किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने गा असले नचने से मृतिला के निष् और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मध्यभा के लिए;

अाः क्या, सबस अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, भें, उक्न अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) र भगीत, निम्नलिखिल व्यक्तियों, नर्थात् ॥—— 3—366GI84 1. श्री मोहम्मद उपर पृत्न श्री श्रजीमृदीन निवारी: फुटा खूरी, रामगंज बाजार, चयपुर ।

(ग्रन्तरक)

 भेगर्व गोरच प्राईवेट लिमिटेड, मिलान भवन, सिविल लाईन्स, जयपुर ।

(ग्रन्तिंग)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में काहें भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभसाची

दुकान नं० 261 स्थित जोहरी बाजार, जयपुर जो उप पंजीयक द्वारा ऋम संख्या 83/30-3-1984 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारो महायक अयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकार नायकत (निरोज्ञण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निदेश सं० : राज० /महा० ग्रा०/श्रर्जन/249 ---ग्रतः मधी मोहन सिंह

नामकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 59 का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इउसे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-3-1984

की पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके सहयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमी करशे वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) ■ विभीत, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- गेरी जेकब पुत्ती श्री स्वर्गीय दलचारिया, नियामी 59. कास्ती नगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

श्री जगमोहन पान्डक
 श्री मनमोहन पान्डक,
 पुत्रान श्री मोतीलाल पान्डक,
 प्लाट नं० 59, कान्ती नगर,
 स्टेशन रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिद्ध में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्ी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 59 का एक तिहाई भाग, कान्ती नगर, स्टेणन रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुरद्वारा दिनांक कम संख्या 648 दिनांक 6~3~1984 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्तं (निरोक्षण) श्रर्जन जेंज, जयपुर

दिनांक 16-11-1984 मोहर: प्ररूप आर्थ्य टी ः एन ः एसंहन न ≅ ≝===

भागकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

दिश सं० राज/सहा०ग्रा० ग्रर्जन/2497--ग्रतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 59 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 6 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भ्नत्राण ते हुई किसी भाग की बाबत्, उक्त मुधिनियम् के सधीन कर दोने के ज्नत्रक के यायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; मुदि/या
- (थ) एसे किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः जन, उक्त अधिरित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिरियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, क्राधीत में— मेरी जेकब पुत्री स्वर्गीय श्री इसचिरियाजाति ईसाई निवामी कान्ती नगर, जयपुर (प्लाट न० 59)

(भ्रन्तरक)

 श्री कन्हैयालाल कल्ला पुत्र श्री श्रासाराम कल्ला, निवासी श्रमुसर गेट के बाहर बीकानेर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत् सम्मित् के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ६--

- (क) इस सूचना के प्राथमण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

जन्सूची

प्लाट नं० 59, कान्तीनगर, स्टेशन ुँरोड, जयपुर जो उप पंजियक , जयपुर द्वारा ऋम संख्या 649 दिनांक 6-3-1984 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , जयपुर

दिनांक 16 नवम्बर, 1984 मोहर: प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर, 1984

निदेश सं० राज० सहा० ग्रां० ग्रर्जन/2:198/---ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसको सं भुवापा में जमीन है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रौर हमने उपाबड श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजेस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा अकट नहीं किया गया **धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में** स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तितयों, अर्थानु:--- मैप्तर्स सगूर वाचेज, लिमिटेड,
 राम भवन, एम० श्राई० रोड,
 जयपुर ।

(अन्तरक)

 श्री अजय कुमार पुत्र श्रो. मुरेन्द्र कुमार जी टापो. सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मोहनलाल जी टापा, गोकल बिल्डिंग, बम्बर्ट-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करंके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियभ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र प

भुवापा में जमीन, जिला--उदयपुर जो उप-पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 119/61 दिनांक 14-3-1984 पर पंजियबद्ध विभय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी हि।यक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 16-11-1984 मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एत., एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**व (1) के अभी**न सु**प**ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं०राज०/महा० थ्रा० अर्जन/2499/—~श्रतः मुझे, मोहन सिह्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रन. में अधिक है

श्रीर जिसको सं मुन्दरवास में जमीन है तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वित्तण हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभी दिनांक 1 1-3-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अतिरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल का प्रन्दह प्रतिकाल से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकल, निम्नितिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि किस में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐमे किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री गंगाराम पुत्रश्री खेमराज सुधार, निवासी मुन्दरवास, उदयपुर।

(ग्रन्तरक)

 (1) श्री सोहनलाल पुत्र ऊंकारलाल विषाठी, निवासी धनवाड, उदयपुर मह्तों का पाडा; धान मंडी,

- (2) श्री रामजीलाल पुत्र नारायण प्रसाद जी, सुधारों का मंदिर, ग्रमल का कांटा, उदयपुर ।
- (3) श्री शंकर दास पुत्र गंगाराम वैष्णव, मकान नं० 32, सुन्दरवास, उदयपुर
- (4) श्री राम जो पुत्र श्रमराजी माली, निवासी मुन्दरवास, उदयपुर ।
- (5) श्री लोगर जो पुत्र मांगुजी, डांगी निवासी सुन्दरवाम, उदयपुर।
- (6) श्रो गोपाल लाल जी पुत्र वेणीराम जी सुधार निवासी बाठरडाकला,
- श्री भवरलल पुत्र भूरालाल जी मित्तल, निवासी सुन्दरवास, उदयपुर
- (8) श्री रोशनलाल पुत्र चुनीलाल जी संचेती, निवासी मुन्दरयास, उदयपुर।
- (9) श्रीमती गीता देवी, पॉन्न श्री गंगाराम जी सुधार निवासी सुन्दरवास, उदयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

जमीन स्थिर मुन्दरवास में, श्रील्ड रेलवे 'स्टेशन, उदयपुर के पास जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या, 534 दिनांक 14-3-1984 पर पंजीबद्ध विक्रयपत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

निनांक: 18-11-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवस्वर, 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आज अजन/ 2,500/——अमः मुझे मोहन सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 मोर्च, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 'दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विभा के लिए;

 श्री सज्जन लाल पुत्र श्री लोक चन्द जी अग्रवाल, सूरज्ञेल के भीतर, उदयपुर।

(अन्तरक)

 श्री परसराम पुत्र तिलोक चन्द जी अग्रवाल, निवासी सूरजपयल, उदयपुर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृता, जो उस अध्याय में दिया गया हैं हैं।

पनस्त्री

सकात वाके उदयपुर बापूबाजार, में जो उप पंजीयक, उदयपुर धारा कम संख्या 1/122, दिनांक 30-3-1984परपंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत्रों रूप सं में विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

अतः जन्न, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निमिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् डि—ा

दिनांक 16 नवम्बर, 1984 मोहर: अरूप आर्ड_ा टी_{टी} एन*ा* एस ,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 नवम्बर, 1984

निदेश मं० रज०/सहा० आ० अर्जन/2501/--अतः मुझे मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 विस्व हैं, तथा जो उदयपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुचवी में और जो पूणं रूप से विणित हैं) रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 16का) के अधीन दिनांक 27-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय को नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; बीट्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै सिए;

ब्तः कव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के बनुसर क में, मैं,, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1. श्रीमती कंकूई पित श्री उदयप लाल जी एवं श्री गिरियाज पुत्र श्री अदयलाल जी, भाई, उदयपुर ।

(अन्तरक्)

2 था लक्ष्मण सिंह पुत्र थी। राम सिंह की पत्रलीत सिवामी उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मिट्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ड**ै।

नग्ल्या

17 बिस्वा भूमि स्थित मोती नगरी, उदम्पुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा भूमि संख्या 1/120, दिनांक 27-3-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांकः 1:6-11-1984 मोहरः प्ररूप बार्ड : टी : एन : एस :-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज, जयपुर

अर्जमारेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर, 1984

निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2502---अतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो प्रतापगढ़ में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुवन्धे में और जो पूर्ण रूप से वर्णात है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रतापगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया थ्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1.श्रो अम्बाहा प्रयाद सिह् पुत्र श्रा पाम सिह् भूतपूर्व महाराजा. प्रतापगढ, जिला सितीड गढ ।

(এক্রম্ম

अं। फगल अब्बाम, फ़िदाअलं। जालिए हुसैस, जी। पुत्र और मुलेमान जी। व और हैं मैंनी पुत्र और फगल अब्बास बीहरा, और मुमताग (नाबालिए), जिरुए और फ़जल, अब्बास, निवासी प्रतापक।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 बोधा, 6 बिस्सा, स्थित प्रतापगढ़ जिला चित्तौड़ गढ़ जो उप पंजीयक, प्रतापगढ़ द्वारा कम संख्या 430 दिनांक 28-3-1984 पर पंजीबद्ध विकाग पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

दिनांक 16 नवम्बर, 1984 मोहर: प्ररूप आहुर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1984

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/2503--अतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो निम्बाहुँड़ा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय निम्बाहुँड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विद्यास-धरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—3660184

(1) श्री इस्ताक मोहम्मद पुत्र कसमजी मुसलमान लुहार निवासी—निम्बाहैश ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जे० के० सिन्थैटिक्स लिमिटेड, कमला टाबर, कानपुर, प्रोपराइटर मैसर्स जे० के० सीमेण्ट वर्क्स, निम्बाहैड़ा, जरिए और निरंजन जी पुत्र घीसालाल जी नागौरी निवासी निम्बाहैडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्स्ची

क्षाराजी नं० 149, 151 व 1993/151 की 16 बीघा 4 बिस्वा जमीन का 1/4 भाग जो उप पंजियक, निम्बाहै का द्वारा कम संख्या 2/41 दिनांक 23-3-84 पर पंजिबद्ध विकय पद में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकंर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनोक : 16-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2504--अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं आराजी है तथा जो निम्बाहै हा में स्थित है, (श्रीर हसे ने उपाबद अनुमूर्ज में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय निम्बाहै हा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक 23-3-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकमी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नसिसित व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्री उसमान गर्ने पुत्र श्री कासमजी, मुसलमान लुहार, निवासो---निम्बाहैडा ।

(अन्तरितो)

(2) मेसमं जे० के० सिन्धैटिक्स लिमिटेड, कमला टावर, कानपुर प्रापराइटर मेसमें जे० के० सोमेण्ट वक्से, निम्बाहैड़ा द्वारा श्री निरन्जनजी पुत्र श्री धीसालाल नागौरी निवासी निम्बाहैड़ा जिला चित्तीडगढ ।

(अन्तरितः)

को <mark>सह सूचना जारी</mark> करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य यक्ति द्वारा अधोहस्त्राक्षरों के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त किथीनसम, के अध्याय 20 क भें परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 बीधा 4 विस्था अराजी नं 149, 151, व 1993/ 151 का 1/4 भाग निम्बाहैडा में जो उप पंजियक, निम्बाहैड़ा जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा कम संख्या 2/40 दिनांक 23-3-84 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर स्तिन रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-11-1984

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2505---अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. स आधक ह श्रीर जिसके? सं० भूमि है तथा जो निम्बाहैड़ा में स्थित है, (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूचं? में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारे? के कार्यालय निम्बाहैड़ा में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-1984, को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तियों, अधीत् ६—

- (1) श्र.भती हलीमा पन्तिन श्रेर मोहम्मद हुसैन, मुसलमान लुहार, निवासी—-निम्बाहैडा ।
- (1) मेसर्स जे० के० सिन्थैटिक्स लिमिटेड, कमला टावर, कानपुर प्रोपराइटर मेसर्स जे० के० सीमेण्ट वर्क्स, निम्वाहैड़ा द्वारा श्री निरन्जन जी पुत्र श्री घीसालाल जी नागौरी.
 निवासी—निम्बाहैडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

आराजी नं० 149 151 1993/151 की 16 बीघा 4 विस्वा भूमि की 1/4 भाग जो उप पंजियक निम्बाहैड़ा द्वारा कम संख्या 2/38 दिनांक 23-3-84 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-11-1984

मोहर

प्रकार नाह^र्टीं ु एक*ु एक*ं हु के के के कार्या

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञव, सहायक नायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1984

आवेश सं : राज ०/सहा० आ० अर्जन/2506—अतः मुझे, मोहन सिंह

जायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रहे से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो निम्बाहै डा में स्थित है (ग्रीर इसे से उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय निम्बाहै डा में रिजर्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-3-1984 को पूर्वों कर संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिकित उब्बोध्य से उक्त अन्तरण निम्नसिक क्यं के कियत महीं किया गया है:---

- (क) अम्हारं सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त बाँधनियम के बधीन कर दोने के बम्हारंक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए वा कियाने में क्विमा अर्थ किया

अतः अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण वं में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के रभीन, निम्निनिक्त व्यक्तिस्कों, वर्षक अ—— (1) श्री मोहम्मद ईसाक पुत्र श्री कासमर्जा मुसलमान लुहार निवासी — निम्बाहैडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स जे० के० सिन्थैटिक्स ्लिमिटेड कमला टावर कानेपुर प्रोपराइटर मेसर्स जे० के० सोमेण्ट वक्स, निम्बाहैड़ा जरिए श्री निरङ्कुजन जी पुत श्री घीसालाल जी नागौरी निवासी निम्बाहैड़ा ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप 🌤

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कर् 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षे किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्माब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

16 वें।धा 4 त्रिस्ता आराजो खसा नं० 149,151, 1 151 स्थित निम्बाहैड़ा का 1/4 भाग जो उप पंजियक, निम्क द्वारा क्रम संख्या 2/39 दिनांक 23-3-84 पर पंजिबद्ध विकय पक्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर ।

विनोक: 16-11-1984

प्रस्य नारं. टॉ. एन. एत.---

कायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन स्वता

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1984

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2507—अतः, मुक्को, मोहन सिंह,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के नधीन सक्षम अधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रा. से मिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो प्रतापगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूर्चा में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में, रजिस्ट्रावारण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीक, दिनांक 24 मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मृख्य से कम के खरंगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बेंक्त संपरित का उचित साजार मृख्य, उसके खरंगमान प्रतिफल सं, एसे खरंगमान प्रतिफल का प्रतिकृत संपरित का उपित साजार मृख्य, उसके खरंगमान प्रतिफल सं, एसे खरंगमान प्रतिफल का प्रवृद्ध में अन्तरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से किंदित नहीं किया नवा है अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से किंदित नहीं किया नवा है अन्तरण लिखित में वास्तिवक

- (क) कम्स्रिण से शुद्द किसी बाय की बाबत उक्त ब्रीध-रिंगयम के क्थीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय सायकर किथिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कम्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सुविधा के क्रिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अभ्विका प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह, भूतपूर्व महाराजा प्रतापगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) बुहानी हाउसिंग को० आपरेटिंघ सोसायटी जरिए ग्रेख फक्स्हीन पुत्र अली मोहम्मद जी बोहरा, निवासी—प्रतापगढ़ (चेयरमैन) । (अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथायत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं। इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संस्थान्य में कोडें भी वास्त्रेष्ठ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में स्माप्त होती हो, जो भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित् में हित-बद्ध किसी बना व्यक्ति दुनारा त्रधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकारणः -- इसमें प्रयुक्त गुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नन्त्वी

18 बिस्वा कृषि भूमि स्थित प्रतापगढ़ जिला—चिसौड़गढ़ जो उपपंजियक, प्रतापगढ़ द्वारा कम संख्या 427 विनास 24-3-84 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप चे विवणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

विनांक: 16-11-1984

भोहरः

वस्य बाह् . सी . एन् . एव . ------

भाग्कर निभिन्नन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-न (1) को सभीत स्वता

शास्त्र ब्रुकाड

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाम 16 नवम्बर 1984

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2508/यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर थिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे. इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको संख्या ग्रापि भूमि है, तथा जो प्रतापगढ़ में स्थित है और इससे उपबाद अनुचर्न में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रतापगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सूख्द, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पल्छ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिसित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए:

अबः अबः अस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों नर्भात् :---

- (1) श्री अम्बिशा प्रताप सिंह पुत श्री राम सिंह, भूतपूर्व महाराजा, प्रतापगढ़, जिला—चित्तीडगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री मोईज पुत्र श्री फकरहीन जी दलाल, निवासी-श्रतापगढ़, जिला—चित्तौड़गढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अव्धि, जो भी जविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थासर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ विधिनयम के बध्धाय 29-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा वी उस बध्धाय में विधा गया है।

वर्गपी

23 बीघा 4 बिस्वा कृषि भूमि स्थित प्रतापगढ़ जिला चित्तौड़गढ़ जो उप पंजियक, प्रतापगढ़ द्वारा कम संख्या : 431 दिनांक 20-3-84 पर पंजिबद्ध विक्रय पत में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-11-1984

इरूप बाइ. टी. एन्. एस. ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं ० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/37ईई/3-84/368---अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें इसकें प्रचार 'उक्त अधिनियम', कहन गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव ।।। (ग्राउण्ड) है सथा जो 28-दीप सिनेमा, अशोक विहार-1, दिल्ली-52 में स्थित है और इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनिधम, 1961 के अधीन, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त आंध-ैनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/का
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भून या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार ब्राधानियम, 1057 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः सव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उयत विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्बसिखित व्यक्तियों, जर्थात् :-- (1) मैं० राजमुधा टावर्स प्रा० लि० एन→52-ए, बानाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर चरनजीत सिंह, निवासी--एल-263, जे० जे० कालोनी, धजीरपुर. विस्ली:-52 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सभ्वत्य में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियाँ को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किएती जानित द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेतुस्ताक्षरों के पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० टी०-एम०-।।। (ग्राजण्ड फ्लार) 28-दीप सिनेमा, अशोक बिहार, दिल्ली, सादार्दा 48 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेण सक्षम.प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15--11--1984

मोहर 🛊

प्रकथ नाम् . टो., एन . एस . स्टाप्पप्प

नामकर निर्मितवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्धीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-84/369---श्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं आर टी एम -8 (बेसमेंट) है शया जो 28-दीप सिनेमा अगोक विहार, दिल्ली-52 में स्थित है और इससे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली भारतीय आयवर अधिनयम 1961 के अधीन, दिमांक मार्च, 1984,

को प्वाँकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्यमान भीतफस के सिए बन्तिरत की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, इसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अम्सरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफत, मिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) जनतरण से हुई किसी जाय की वाबत जायकर जिभिनयम के अभीन कर दोने के अस्तरक जी दामित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा जै शिए; जीडि/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बच्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना जाहिए का छिपाने में सुविधा के निए:

बत बंध, अभत अधिनियम की भारा 269 न के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 में की उपभारा (1) हुं स्थीन, निम्नसिक्ति स्थीक्तयों, अर्थात:— (1) मैं० राजसुधा टावर्स प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंजना कुमारी और श्री दर्शनलाल, निवासी—सी-3/77 अशोक विहार-2,

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वाँक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उनत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों के स्विधी व्यक्ति व्यक्तियों के स्विधी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यो
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षं द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गठ।

मन्स्चीं

आए०-टी०-एम०-8, (बेसमेंट) 28-अशोक विहार-1 विरुति 52, तादादी 45 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर त्रायुक्स (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-2 मई विस्ली-110002

दिनांक: 15-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 2

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्वर, 1984

निदेश मं० प.० आर.० नं० 3311/23-I/83-84- - अत:

्रमुझे, ग्रार० पेर० राजेश

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 0 101, है तथा जो 28 दीप सिनेमा, ग्रगोक बिहार 1, दिल्ली-52 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड़ ग्रनुसूची में पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिम्ति में वाम्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध न्ती उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि-- 5-- 366GI/84

गै० राज सुधा टावर्स प्रा० लि०,
 एन-52/ए०, कनाट प्लेम, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)

श्री गुरदर्शन सिंह,
 निवासी : 1877, च्ना मंडी, पहाड़ गंज,
 नई दिल्ली ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं. ग्रार० टी॰ एम०-101 (ग्राउन्ड फ्लोर) 28- दीप सिनेमा, ग्रशोक बिहार-1, दिल्ली-52, तादादी 78 वर्ग फीट।

स्रार०पी० राजेश सक्षम स्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 15-11-1984।

मोहर ।

प्रक्ष बाई. टी. एन., ए४. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

सं० एक्यू०/2/37-ई०ई०/3-84/371—- ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9-ए०, है तथा जो 28-दीप सिनेमा, श्रणोक बिहार-1, दिल्ली-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्या श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंत रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयणान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण 'लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की शबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जीड़/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) को अधीम, निम्निचित स्थितिस्यों, अभीतः

- मै० राज-सुधा टावर्स प्रा० लि०, एन०-52, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मै० श्राहूजा मैडिकल हाल मार्फत एस० के० श्राहुजा,
 बी०-29, न्यू गुप्ता कालोनी, दिल्ली-9। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी व पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं ॥

श्रन<mark>ुसूची</mark>

प्रो० नं० भ्रार० टी० एम० १-ए०, (बेसमेंट) 28 दीप सिनेमा, श्रशोक बिहार-1, दिल्ली-52, तादादी 20 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी, महायः आयजर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1984।

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2

नई दिल्ली दिनांक, 15 नवम्बर,84

निर्देश संब्ह्याईव्यव्सीव/एक्यूव/2/37/ईई/3-84/72, अतः मुझे, आरव्पीव राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्री जिसकी संख्या 7. बसमेंट, है तथा जो दीप सिनेमा श्रशोक दिल्ली, में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. श्रर्जन रंज-2 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961, श्रश्रीन मार्च 84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अनिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निस्मिनियत व्यक्तियों. अधीत :--- मै० राजमुधा टावर्स थ्रा० लि० एन-52-ए, कनांट प्लेस नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री एन० डी'० चावला श्रीर गान्ती चावला, निवामी-2/49, लाजपत नगर, श्रोल्ड, डबल स्टोरी, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

श्रार-टी-एस-7 (बेसमेंट) 28-दीप सिनेमा∮ ग्राशोक बिहार, -1, नई दिल्ली-तादादी-44 वर्गफीट

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई विल्ली-11002

तारीख: 15-11-84

मोहर 🕽

प्ररूप , आईं , टी , एन , एस , - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

सं० एक्यू०/2/37-ई०ई०/3-84/373----ग्रतः मुझ, श्रार० पी० राजग्र,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं 0 107, है तथा जो 28-दी । सिनेमा, श्रणोक बिहार दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विध्यत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय अर्जन रेंज - 2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अर्जीन तरीख मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्णेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल जा प्रतिफल के पर्वास प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केलिक केप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था रिकार में स्विता की लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० राजसुवा टावर्स १८० १६०,
 एन०-52/ए०, क्योट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- श्री श्रोम प्रकाण णर्माः
 बी०-4/59, त्रशोक बिहार, दिल्ली । (यन्तरिनी)

को अह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी डाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन जी अमिश्र वा तत्सम्बन्धी व्यक्ति।या पर नूचमा की तामीम सं ५० जिल ो प्राप्त को जी अविश्व बाद मों ममास्त होती हो, के भीता पूर्वोक्स व्यक्तिस्यों में से जिली व्यक्ति। दुवानाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्मणि भी हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस भी किए जा नकीये।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20 क भी परिशाधित हैं, मही अर्थ होगा जा उस अध्याय ने दिया गया हैं।

नन्त्री

न्नार० टी० एम० 107 (प्राउरड पर्लार) 28-दी० सिनेमा, श्रशोक बिहार-1. दिल्ली, नादार्दा 50 वर्ग फीट ।

> भ्रार० पी० राजण, सक्षम श्रिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंग, दिल्ली, नई दिल्ली

वारी : 15-11-1984।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निर्देश सञ्चाई०ए०सी०/एक्यू/2/37ईई/3-84/374, म्रतः सुझे, म्रार० पी० राज़ेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से के अधीन संशम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जसकी संख्या 12. है तथा जो दीप सिनेमा ग्रशोक विहार-2 नई दिल्लों में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध ग्रानुंसूची में पूर्ण रूप से बणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रें ज-2, नई दिल्लों भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख मार्च-84.

की प्रवीवत सम्पत्ति की उित्रत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मुल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः मब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मै॰ राजसुधा टावर्स प्रा० लि॰, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिन्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदर्शन पाठक, निवासी-बी-1/115, ग्रशोक बिहार, नई दिल्ली 52 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

म्रार॰टी॰एम॰-12 'ए' (बेसमेंट), 28-दीप सिनेमा, भ्रशोक बिहार, 2, दिल्ली-52, तादादी 20 वर्ग फीट

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रांयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-11-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−2 भ

नई दिल्ली दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश संरुष्ठाईरुए सीरु/एक्यूरु/2/37ईई/3-84/375. ग्रतः मुझे, ग्रारुरुपीरु राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या 127 है तथा जो 28 दीप सिनेमा, प्रशांक बिहार, बिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रर्जन रेंज 2, नई दिस्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम--1961, तारीख मार्च, 84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक द्व्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (मा) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) मैं० राजमुधा टावर्स प्रा० लि०, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) मैं० जी० वी२ सिंह 2228, चुना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकोंगे

स्पळकिरण '- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ, जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्र है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया ग्या है।

न्त्रूची

प्रो०न ० म्रार० टी० एम०-127, (ग्राउन्ड फ्लोर 28-दीप सिनेमा, श्रशोक बिहार-दिल्ली-52, तादादी 20 वर्गफीट

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

गारीख: 15-11-84

प्रकृषाहर्ः, टी. एन., एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली दिन:क 15 नवम्बर, 1984

सं० निर्देश श्राई०ए०सी०/एवयू०/2/37ईई/3-84/376. ग्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 13-बेसमेंट, है तथा जो 28 दीप सिनेमा, श्रमोक बिहार, दिन्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रन्मूची में पूर्ण रूपसे वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961, के श्रधीन सारीख मार्च, 1984

कि पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे दल्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया तफल, निम्नलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक कप से कि भित्न नहीं किया गया है दिन्स

- (क) अन्तर्ष्य से हुन्द किसी भाग की बावत्, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वासित्य में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या जूझ जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिसिक्त व्यक्तियों, स्थात् ।——

- (1) मैं० राज सुधा टावर प्रा० कि -, एन-52 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुणमा णर्मा, ए-213/1, डी॰डी॰ए० डबल स्टोरी बिलंडग, श्रणोक बिहार, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपकृ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

श्रार०टी०एम०-13, (बैंसमेंट), 28-दीप सिनेमा, श्रणोक बिहार-1, नई दिल्ली, तादादी 45 वर्गफीट

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख : 15-11-84

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्चर्जनरें ज-2

नई दिल्लो, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई०ए० मी० एक्यु/2/37ईई/3-84/377 श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम श्रीधकारी का, यह विद्रवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक ही

यौर जिसकी संख्या 102 है तथा जो28 दोप सिनेमा, अशोक बिहार, दिल्ली—32 में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिषक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वों कर संपर्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देष्य से उक्त बन्तरण निचित् में बास्तिक रूप से कर्षित महीं किया गया है ।——

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी भाव की वास्त, समझ अधिपियय के सभीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उत्तरी स्थाने में सुविधा के सिए; बॉट्र/मा
- (व) एसी किसी आप या किसी अन या जन्य जास्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) रीव राज सुधा टाबर्व प्राव्य लिव, एन~52 ए, कवाट क्रीप, वर्ष जिल्लो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केर पोर्रासिझ, नियासी—1877, ब्ला मण्डो, पटाए राज, नई लिलाह, (अलस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीनर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास के लिसित मो किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्कू अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो नाए अध्यास में दिया गया हैं।

मन्स्यीं

प्रो० त ० प्रार०टी ०एम०-103 (ग्राउन्ह पलीर)
28 दीप सिनेमा, श्रशोक बिहार, हिल्ली-52,
तादादी-24 वर्गफीट

ग्रार० पी० राजेण सक्षम श्रविकारो सहायक त्रायकर ग्राप्तका (निराक्षण श्रजेन रेज-2, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

नारोख: 15-11-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रें ज-2

नर्ड दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 84

सं० निर्देश स्नाई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-84/378, स्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सख्या 13 है तथा जो रिवीएरा श्रपार्टमेंट द 'माल दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपायत श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम-1961, के श्रधीन मार्च, 1984

्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाज के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) जन्तरण से हुर्च किसी जाय की वाबत, उन्त जिभिनियम के जभींग कर दोगे के जम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 को 27) को प्रयोजनीथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन. निम्निसिंश व्यक्तियों, अर्थात् 6—366 GI/84 (1) श्री एस० के० कथूर, श्रीमती रामा कपूर, निवासी-डी०-10, श्रोबराय श्रपार्टमेंट, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिह पानु, निवासी-5-एस, रिवीएरा श्रपाटेमेंट-45 'द' माल दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शृरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यावन्यी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 4 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

अनसची

प्रो० नं० 13-एस, रिवीएरा श्रपार्टमेंट, 45, दी मल, तादादी 1600 वर्गफीट

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारी**ख** । 15–11–1984

प्रकष बाह्", टी., एन ु एक्,ु≅----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के लधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर **बायक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेण सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37-ईई/3-84/379--अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका सं० 289 है तथा जो टैगोर पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूषी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोफर्ना अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारताय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्वे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बंजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तृह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम्भामा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में अम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अविनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के निए; जॉर∕या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय, जिस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात अ---- (1) श्री अजय चौघरी, श्री दोपक चौघरी, निवासी-1377, सैक्टर नं० 15, फरीदाबाद, हरियाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिनी जोगिन्दर कौर, श्री आतमजीत सिंह, श्री जसबीर सिंह, निवासी-57, जैना बिल्डिंग रोशनारा रोड,

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

अनुसूची

प्रो० नं० 289, टैगोर पार्क, दिल्लो, ताबादी-300 वर्गगज।

> आर० पो० राजेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ला

तारोख: 15-11-1984

प्रकप बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) की नपीन स्थान

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं आई०ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/3-84/382--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से निथक है

ग्रीर जिसकी सं० जी-1 है तथा जो ग्राम-मांगली चलेबी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारो के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिपास से एसे द्रायमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-पास, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तविक स्था से कथित वहीं किया गया है:---

- (क) बुल्टरण् वं हुन्दं किसी बाय की बाबत उक्त जिथिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आणा चाहिए था, डियाने में स्विभा के सिए;

नतः। सव, उन्त निभृतियम की भारा 269-ग के ननुसरण कें. थी, उन्त निभृतियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्निल्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री पो०एल० बलबानी सुपुत्त, स्व० श्री एलं०सी० बलवानी, निवासी 4/16. इस्ट पटेस नगर, नई विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मुंगी राम कोचर, सुरिन्दर कोचर, श्रीमती गीलावन्ती, निवासी—बी/125, अगोक विहार,

(अन्तरिता)

को नह सूचना चाड़ी शहके पूना किस सम्परित के तर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोज सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास
। लिखत में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

नगुसूची

प्रो० नं०-1, क्लाक "जी" खसरा नं०-1, महाबीर नगर, ग्राम-मांगली जलबी, दिल्ली, तादादी 375 वर्गफीट

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रज 2, नई दिल्ली—110002

तारीख: 15-11-1984

प्रस्प आहे. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37-ईई/3-84/381,---अतः मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिस्का उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी संव डो-77 है तथा जो अगोक विहार-2, विल्ली-52 में स्थित है (ष्ट्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधान दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ज़न्तरण से हुइ किसी आय की वायत, उपल अधिनियम के मुधीन कर दोने के मन्त्रहक के वायित्व में कभी करने या उससे मुखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः वयः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण वा, मी, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा '।) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री एस० हरजीत सिंह सुपुत्र,
एस० भाग सिंह,
निवासी—डी-10/5 मोडल टाउन,
दिल्ली-9।

(अन्तरक)

(2) श्रो हरगोबिन्द बाबर, सुरेन्द्र बाबर और रिव कुमार बाबर, निवासी-डी-77, अशोक विहार-1, नई दिल्ला।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्मिल को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पर्धांकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रवाही।

मन्स्ची

प्रो० नं० डी-77, अशोक विहार-1, विल्ली-52, तावादी जी-एफ-1119 वर्गफोट, एफ-एफ-1119, वर्गफोट, बेसमेंट-208 वर्गफोट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-11000:

तारीख: 15~11-1984

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०र्सः०/एनयू०/2/37-ईई/3-84/380 —-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,700/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 399/12 है तथा जो सुन्दर विहार, नांगलोई सैयद, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे देश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीतिथित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में बास्तिबक कम से कीयत नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर दोने के ब्रेस्ट्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/बा
- (व) एवी किसी बाब वा किसी थन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

कतः कव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रो राजिन्दर नाथ सुपुत्न,
 श्रो श्याम लाल,
 निवासी—ए—165,
 इन्दर पुरी,
 नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रोमर्ता राज रानी टंडन, पत्नी श्री एन० के० टंडन, डब्स्यू०जेड०-220 मादीपुर, रोहतक रोड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उनत संस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी मविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्रिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्यों नौर पद्यों का, वा उनत निधिन्यम, के नभ्याम 20 क में परिभाषित हैं, नहीं नर्भ होगा जो उस नभ्याम में दिवा नया हैं।

नन्स्यो

प्लाट नं० 399, ब्लाक नं० 12, ताबादी 255.63 वर्गगज, सुन्दर बिहार, नांगलोई सैयद, दिल्ली ।

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 15-11-1984

प्ररूप बार्ड .दी . एन . एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

नियंश सं० आई०ए० सी०/ए यू०/2/आईई/3-84/383--अतः मुझे आर पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-28 है तथा जो डेरावाल नगर दिल्ली, मैं स्थित है (और ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ख़ौर/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बलवन्त सिंह निवासी - ए-252, डेरावाला नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजये कुमार जैन और सुनील कुमार जैन, निवासी -- 411 कुचा बुलाकी बेगम, दिरुली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से क्ष् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते हैं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भग सची

प्रो० नं० ए/28 डेरावाल नगर, दिल्ली, तावावजी एफ-750 वर्गफीट, एफ० एफ०-750 वर्गफीट, बेसमेंट 183 वर्गफीट :।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 15-11-1984 मोहर : प्ररूप नाई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, न**ई** दि**ल्**ली नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्त्रर 1984

निवेश पं० आई० ए० सी० /ए०यू०/2/37ईई/3~84/367—अतः मुझे आर० पी० राजेश गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-2/97 है तथा जो अगोक बिहार-2, दिल्ली-52 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी -आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्रीमती पियार कौर, नियासी-बी-48/48, एवन्टीका, दिल्ली।

(अन्सरकः)

(2)श्रीमती उमा जैन, निवासी--सी-2/97, अशोक विहार-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुै।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूमना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिदबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

प्रो० नं० सी-2/97, अशोक विहार-2, विरुत्ती-52, ताबाधी जी०एफ० 702 वर्ग फीट और पहली मंजिल 676.11 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दि**नां**क : 15~11**-**1984

मोहर

प्ररूप आहु", टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मृष्यना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश स्० आ-ई3/अईई/6399/83-84---अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वाम करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रो. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० बी/22, है तथा जो 4थी मंजिल संग निवित्रों की० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड निवित्री बिलडिंग, आरे रोड, गोरेगांच पूर्व) बम्बई-63 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची ओए पूर्ग कम से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनिय अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है नारोब 1-3-1984

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिचित उद्वादेय से उच्च ब्न्टरण निचित में बाम्तविक कप से कवित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उत्तसे वचने में स्विधा के लिए; और/भी
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यु धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अत: जक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नल्लिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रोमती झरीना मोरावाला,

(अन्सरक)

(2) श्री पा० एन० ब्रह्मवार ।

(अम्मरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्थिक्तयों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्पक्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

भगुसूची

पलैट सं० बी /22, जो 4थी मजिल, सन्त निविजी को० औपरेटिव हार्जीसन सोमायटी लिमिटेड निविजी बिल्डिंग आरे रोड़,गोरेगांव, (पूर्व) वम्बई 63 में स्थित है। जजः अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई० 3/37-ईई 6399/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 15~11-1984

प्ररूप बार्ड टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई-3/3क्सईई/6563/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधान अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित जाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जय विजय को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, बिल्डिंग नं० ओ-1120,प्लाट नं० 8, सर्वे नं० 161 (पार्ट), बांगूर नंगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 स्थित है और इससे उपाबड अनुसूचा में और पुण रूप ले बिणत है और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के आर्यालय में रिजस्ट्रें है तार्र ख 1-3-84 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अस्में का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक लेतरण लिए तय पाया गया दितफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में अपनिवक एप में किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक शे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सिक्या शे निए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिम्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ~(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था छिपाने शें परिया के निए;

माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निजनियमित व्यक्तियों अधिक : 7—366GI/84 (1)श्री संजय बागरोडिया।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डर्बी टेक्सटाईलस लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्वी

जय विजय को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड बिलिंडग नं० ओ-1/20, प्लाट नं० 8 सर्वे नं० 1(61 पार्ट) बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), वम्बई-90 मे स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/6563/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

ए० प्रसांद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांस : 15-11-1984

प्ररूप कार्ष. टी.एन.एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्थीन स्थना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश मं० ब्राई० ए० सी०/एक्वी/47/19/84-85--यत: मुझे, एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 57 है, जो प्लाट नं० 8 पर धन्तोषी, नागपुर में स्थित है (श्रौर उसके उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट मं० 2142) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के स्रधीन 31-3-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गरातिका निकरितिका पर्वे देवा अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुर्ह किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक वरें दासित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए, बाँद/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अर-कर अधिनियम, या अर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था. स्त्रिपाने में गविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती इन्दुमती विश्वनाथ प्रणिक धन्तोषी, नागपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मै० कान्यन को श्रापरेटिव हार्जीसग सोसायटी, मर्यादीय 2/8-ए फार्म ऐंड, रामदाक पेठ, नागपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्न के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पक्षा है।

बनस्ची

दो मंजली मकान जोकि म्युनिसिपल कार्पोरेशन नं० 857 ग्रीर जो प्लाटनं० 8पर, धन्तोथी नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोणी सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 12-11-84

प्रस्त गाइँ, द्री, एवं, एस. - - - ---

नायकर निषितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) ने नभीन सुचना

पाइत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर, 1984

निवेश सं ० नं ० 62/42985/83-84--यतः मुझे, भार० भारक्षाज

वागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 56 है, तथा जो पारलेस कम्प्लेक्स रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इस से उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन ता० 1-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अप्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाव की वाक्स, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कभी करने वा उससे वचने में सविधा के लिए वार्ड या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्स कास्तिवाँ का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के बियुक्त

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तिसर्ये अधीत :---- (1) श्रीमती एस. नीलोवेनि नं० 25, श्रश्नास्थामी मोदलवार रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवाशिकामणि, ग्रलिवास श्रीमती सुनिता देवाशिकार्माण, नं० 56, पारलेस कम्पलेक्स रोड, काक्स टाउन, बेंगलूर-5,

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया श्रुष्ठ कर्द्वा हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्परित में हित- के बिक्स करी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

BRES

(दस्तावेण सं० 3215/83 ता० 1-3-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 56, जो पारलेस कम्प्लेक्स रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 7-11-84

प्रकृष साक्षं टी एनं एस

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं भारा 269-म (1) को सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० नं० 62/43192/84--85---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास के रूने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाक्सर कम्प्रेय 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 245/841 है, तथा जो श्राणाट्० साथ शुरू बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 19-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाज़त बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्वास्थित उद्देश्य ने जबत अन्तरण लिखित से बाम्बर्गा का से कार्यन नहीं किया परा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनिकमः 1970 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिद्धी बुवाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था, छिपान में स्थित के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० रजाक नं. 35, बेनसन रोड, बेंगलूर-46

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० वीं ० सुम्रमिनयम
नं ० 3/2,श्री राम मंदिर रोड,
वेंगलूर-4

(ग्रन्तरिती)

 (3) मेसर्स लक्ष्मी जुबेलरी कम्प्लेक्स नं० 245/841, ग्रो० टी० मी० रोड, बेंगलर-2

> (बह व्यक्ति जिसके, ऋधिगीग, में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तर्क

(यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

प्रनुमुची

(दस्तावेज सं० 204/84 ना० 19/4/84)

सम्पंत्रि है जिसका सं० 245/841, जो स्रो० दी० सी० रोड बेगलूर में स्थित है।

श्रीर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 7-11-84

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन स्पना

भारत बर्काइ

कार्यात्तम, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षिकः) अर्जन रोज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० नं० 62/43191/84-85—यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मूल्य 25,000′- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 246/840 है, तथा जो श्रो० टी० सी०, बेगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 19-4-84

को पूनीवत सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य में काम के द्रायमान प्रीक्षणन के लिए अंतरित की गई ही और मूफो यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जिन्छा वाकार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल में, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिज्ञत से कृषिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतारितियों) के बीन एसे अंतरण के लिए तप गागा गया प्रतिफल किन निम्नीनिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण किसित में भास्तिवक क्य से कृषित नहीं किना गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुद्दं किसी आय की बाबस, उपह अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन से अन्य आगरतया को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भन्ति वारा प्रकर नेही किया गया था सा किया जाना अधितय था, किया में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) श्री एस० रजाक,नं० 35, बेनसन रोड,बेंगलूर-46

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० वेन्काटेश बाबू (2) श्रीमती निरमाला, नं० 552, बूरगल मट रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्स, ग्रान्डावर स्टोरस नं० 246/840, टी० सी० रोड, बेंगलूर

> (वह व्यक्ति जिसके, ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।

(2) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा मकोंगे।

त्वच्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है :

(दस्तावेज सं० 205/84 ता 19-4-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 246/840, जो ग्रो० टी० सी० रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , बंगलूर ।

तारीख: 7-11-84

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निवेश सं० नं० 62/43190/84-85---यतः मुझे, श्रार० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 4/112, है तथा जो थोडेईबारि टेंपल स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 19-4-84

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृष्य से कम के वृश्यमान प्रतिष्ठन के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरिक (अन्तरिकों) और बग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बग्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निक्षित नहीं विश्वा पे उच्त प्रम्तरिक विश्वा कि उपलित में वास्तविक कर्ष के ज्ञाबत नहीं विश्वा पया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी कड़ने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉड/या
- (स) एरेर किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.22 का 11) या उकत आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए; और/या

कतः जब, उक्त किभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किभिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के कुभीतः, निम्निजिसित व्यक्ति हैं, स्थाति ह—- (1) श्री एस० रजाक,नं० 85, बेनसन रोड,बेंगलूर-46

(मन्तरक)

(2) श्री के० बी० सत्यानारायण सिंह के० एस० पदमा राजू, नं० 552, नूरगल मट रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर--4

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री बी० एस० शंकारप्पा सेटि नं० 4/112, थौडेश्वारि टेंपल स्ट्रीट, बेंगलूर

(वह व्यक्ति जिसके, ग्राधिभोग में संपत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वी आकृष्य क्यांक्ता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (च) इस सूचना के प्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त खब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपृत्ची

(दस्तावेज सं० 206/84 ता० 19-4-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 4/112, जो चौडेश्वारि टेंपल स्ट्रीट बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 7-11-84

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

सं० 62/41702/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 66 (22) है, तथा जो मिल्लारस रोइ, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख़ 30-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के छ्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार क्रिके द्श्यमान प्रतिफल सें, एसे छ्व्यमान प्रतिफल सें, एसे छ्व्यमान प्रतिफल ने का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उज्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अधिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिधधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें श्री ए० ग्रेब्दुल राहमान सरीफ ग्रीर कुछ लोग, नं० 66, मिल्लारस रोड़, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुकतार श्रहमद, श्रीर श्रनादर, नं० 17/1, स्पेन्सर रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

(दस्सावेज सं० 3820/84, ता० 30-3-84) सम्पत्ति है जिसको सं० 66 (पुराना सं० 22), जो मिल्लारस रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आरं० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुवत (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-11-1984

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

अगयकर अधिनियस 1961 (1961 का. 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

क्षेंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1984

मं० 62/43896/84-85—-यतः मुझे श्रार० भारद्वाज, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 198ई-(198-ई०/103) है, तथा जो विजायानगरा, ईरट ग्राफ काई रोड़, बेगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड़ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्या उपक्र इक्तमाल प्रतिकाल पा, वासे रम्यमान परिवास के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निति उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उभक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्विधा के लिए; और/या
- क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना धाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियिन व्यक्तियों, अर्थातः----

 श्री सि० गंगाधर, नं० 3, मार्गाड रोड़, कसतुरी नगर, बेंगलूर-23!

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती मुणीला चन्दावती, पीटरस, नं० 1444, श्रार०पो० सी० मेन रोड, विजायानगरा, बेंगलुर-40।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यव्दिकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दों का, श्री उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

मम्स्ची

(दस्तावेज सं० 3752/84 ता० मार्च. 84) संपत्ति है जिसकी सं० 198 ई. (198ई/130), जो विजयानगर, ईस्ट श्राफ कार्च रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> आए० भारताज सक्षम प्राविकारी गहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, बेंगलर

तार्खि: 7-11-1984

प्ररूप आहु .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अब्रायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, वेंगलूट

बंगल्ए, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेण मं० प्रार० 1048/84-85--यतः मुझे, ग्रार० भारदाज,

आयंकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिगिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 13219 है, तथा जो पणजी में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद श्रन्भूनों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्ट्रोकर्ता श्रीव्यक्तारों के कार्यालय बेंगलोर में रिजिल्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 को 16) के श्रीवीन, तारीख 15-3-1984

को पूर्वाक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिशित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखन में उपन्तिक हम से क्षिण नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दिधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दिखिल में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियाँ करों, जिल्हों भारतीय आयक्तर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या अन्तर अधिनियभ, या अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिल्हीनियम व्यक्तियों, अधीत् :---- 8-36601/84

- ा. (1) रोजारियो डा० कॉस्टा,
 - (2) श्रीमती जोग्नान्ने, डा० कोस्टा, सांताक्ज बम्बई के नियासी,
 - (3) श्री अलकंत्रा दा० कोस्टा, गेट ईनेज, गण्यो के नियासी,
 - (4) श्रो लुईस नोनगुयेल डा०कोस्टा,
 - (5) श्रीमनी तीयोडिकोना डा० कोस्टा, सांताकुज, बंबई के निवासी,
 - (6) श्री ईसी होणो पेड्रो डा० कोस्टा,
 - (7) श्रीमती मरोया सालवको क्रियास,
 सेंट ईनेजा,
 पणजी के निवासी।

(भन्तरक)

 श्री सीताराम पै प्रांगले, सेंट ईनेज, पणजी के निवासी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दम्तावेज 881 ता० 15--3-84)

वरजीया हेनोबीलाडे "कसना" नामके संपित्त में 236.2 स्क्व० मी० जगह, जिसका नंबर 1319 है श्रीर जो पणजी गोवा में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बेंगसुर

नारीख: 6-11-1984

बक्त बार्ड . टी . **एस** . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

HIST WAR

कार्यालयः, सहायक गामकर आयुक्त (निर्वेक्स)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश मं० 62/9031/83-84—यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 41 है. तथा जो मरगोवा, गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वाँणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सलसेटे, गोवा में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-3-1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) क बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्का , निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिविक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (का) जन्तरण संहुई किसी शाय की बावत, अक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— मै० कोस्टा घ्रोर कपनो प्रा० लि०, घ्रक्वेंयम, मरगोवा, गोवा।

(ग्रन्तरक)

मेसर्स मिनिमाक्स एन्टरप्राइजेज,
 15, रोशान मंजिल,
 म्रारमुज रोड,
 पनजी,
 गोवा-403001।

(भ्रन्तरिती)

कायह सूचना जारी कर्जे वृबोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी भाकोष्य--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितथब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमस्ची

(दस्तावेज मं० 394/83 ता० 13-3-84) संपत्ति है जिसका प्लाट नं० 41, जो मरगोवा, गोवा में स्थित है। (नापना 1875 स्त्वेयर मीटर्म)

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बंगसर

तारीख: 12-11-1984

प्रकप कार्ड. टी. एन . एस .; ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 19 श्रम्तूबर 1984

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/111--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० श्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∡69 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिभका उचित बाजार मूल्य ∠5,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जायदाद है तथा जो शाहपुर, कंडी रोड़, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1984

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपन्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिशिद्ध व्यक्तियों, अर्थास् ध-- श्री रमेश चन्द्र
 पुत्र श्री ज्ञान चन्द,
 शाहपुर कंडी मनवाल,
 पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

श्री कैलाण चन्द्र
 पुत्र श्री नरेण दास सेठ,
 खानपुर चौक,
 पठानकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्रीर कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद्ध है)

का यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संजध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व सं**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अओहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक जायदाद जो गांव मनवाल में जो णाहपुर कंडी रोड़, पठानकोट पर है जैसा सेल डीड नं० 3.199/13-3-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

> वी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम भ्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमुतसर

नाशीख: 19-10-1984

माहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- जु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 19 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/112--यतः मुझे, बी० एस० खिल्लों, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बटाला रोड़, भमृतसर में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैन 1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उपत अन्तरण लिखित वें बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-बिब्ध के ब्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्ष्मी करने वा उक्ते वयने में सुविधा के निष्: ब्यीड/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्रीमती इन्द्रजीत कौर, पत्नी श्री परशोत्तम सिह, पवन नगर, बटाला रोड़, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती श्ररिवद्र कौर, पुत्नी श्री रत्न सिह, गांव फतेहबाद, जिला श्रमृतसर।

(ग्रन्तिरती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में
सम्पत्ति है)

4 श्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधीहरताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्जन की सम्बन्ध मी की ही आधाँप ५--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन का अग्याप पर करवान्य में जा काम पर कुरता की तामील से 39 दिन की अवधि , जी भी तर पूर्वांक्स बाद मी सभाप्त हाती हो, की भीतर पूर्वांक्स स्पास्त्रमां में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित के किए जा सकत्र।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा का उस अप्याप में परिभाषित भया है।

नन्स्की

एक जायदाद जो कृष्णा स्केयर-II बटाला रोड़, श्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 642/10-4-84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

र्वा० एस० ढिल्लों, श्राई० भार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 19-10-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आधकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6[†] नवम्वर 1984

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/113—यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जी सब्जो मंडी, पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि विश्वास सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अक शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पामा गया प्रतिफल कि निम्मिति हें हैं के से प्रतिक अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त आयानगम जंअभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क शिय; कीर/बा
- (श) ऐती किसी अप या किसी भन या जन्य आस्तिक!
 की जिल्ही नारतीय अप-कर लोधनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के बनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्नितिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रमेण भाटिया, पुत्र श्री रोशन लाल भाटिया वासी श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

श्रग्नवाल सभा हारा
 श्री केवल श्रग्नवाल
 पुत्र श्रो शम्भू नाथ श्रग्नवाल,
 जनरल सेकेंटरो,
 ग्राफ श्रग्नवाल सभा,
 पठानकोट।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा उत्पर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के जिल्ला कार्यनाहिमां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में नाई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त घट्टों बौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो गांव चक हसन निकट सब्जी मंडी, पठान-कोट में हैं जैसा सेल डीड नं० 3501/14-3-84 रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी पठानकोट में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 6-11-1984

प्रकप बाइ े दी : एन ु एस ु -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकार भायकत (निराक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/114--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है जो सब्जी मंडी, पठानकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, सक्त विभिनियम की भारा 269-ग की अगुसरण मों, मीं, सक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीनः, निस्तिशिक्ति अभित्यमें, अभीतः—— श्रीमती नीलम भाटिया, पत्नी श्री रमेण भाटिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

अग्रवाल सभा द्वारा
 श्री केवल अग्रवाल
 पृत्र गम्भू नाथ अग्रवाल
 जनरल सेकेंद्री
 अग्रवाल सभा
 पठान कोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ७--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रापर्टी गांव चक हसन नजदीक सब्जी मंबी; पठानकीट रजिस्ट्रीकर्ता पानकोट 3503 श्रीर 14-3-1984।

> बी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-11-1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसूर, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/115--यबः, मुझें, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो सब्जी मंडी, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

कें पूर्वेक्ति संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो हरो किणन भाटिया, पुत्र श्रो रोणन लाल भाटिया, अमृतमर।

(अन्तरक)

 अग्रवाल सभा द्वारा श्रो केवल अग्रवाल, पुत्र श्रो शम्भू नाथ अग्रवाल, जनरल मेकेट्री, अग्रवाल सभा, पठानकोट।

(अन्तरितो)

कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

ग्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसम्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू ची

प्रापर्टी चक हसन नजदीक सब्जी मंडी, पठानकोट 3502 तिथि 14-3-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट।

> वी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारोख: 6-11-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/116—यतः, मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रंग से अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव—भदरोया

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव—भदरोया तहसील—पठानकोट में स्थित है ं(ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंटे क्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुइं किसी अग्र चिन बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने ए उन्हार वचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवरा प्रकट नहीं किया गया था या किया राजा को लिए;

नतः नन, उनत नाधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उनत निधानयम की धारा 269-त की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, नथात् :— श्रःमतः सुदर्शना कुमारः
पुतः श्रः राधा कुण्ण,
मुहल्ला—नदण्यां,
पठानकोटः।

(अन्तरक)

श्री अमीर सिंह,
अमरजीत सिंह,
इक्तवाल सिंह,
अमरीक सिंह श्रीर
अमरपाल सिंह
पुतान शंकर सिंह,
गांव—भदरोया,
तहसील—पठानकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्मिति है)

4. ग्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्प्राक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रिक्षों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में 'डेड' भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्धार कारेक्ट सारी के एक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 कनाल 17 मरला जो गांव-भदरोया, तहसील-पठानकोट में है जैसा मेल टोड़ नं० 3437/8-3-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

वें० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 3-11-1984

प्ररूपु बाई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर० $\sqrt{84-85/117--$ यतः, मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं है तथा जो गांव—भदरोया तहसील—पठानकीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च. 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिफल, निस्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचिश में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वे विष्;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 6—366GI[84

श्री केवल कुष्ण
पुत्र श्री राधा कुष्ण,
सुहल्ला—वदिर्या,
कहली-अ--पठानकोट।

(अस्तरक्)

2. श्रं अमीप मिंह, अमरजोत सिंह, इकबाल सिंह, अमरोक सिंह, और अमरपाल सिंह, और पुतान णंकर सिंह, गांव—भदरोया, तहमील—पठानकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में संपत्ति है)
- 4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

कुषि भूमि 9 कनाल 17 मरले जो गांव—भदरोया तहसील पठानकोट में है जैसा सेल डोड नं० 3438/8-3-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

बी० एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-11-1984

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1984

निवेश मं० ए० एस० आर०/84-85/118--यतः, मुझे, बो॰ एस० ढिल्लों, आई० आर० एग०,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो पटेल नगर, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री केतल कृष्ण पुत्र श्री राज राम राजेन्द्र नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री कंबल किशोर गुप्ता पुत्र श्री खुशी राम गुप्ता, भूशनपुरा, अमतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
 (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग
 में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सुम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पाधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्स्ची

एक जायदाद जो पटेल नगर, बटाला रोड, अमृतसर, में है जैसा कि सेल छोड सं० 435/16-4-84 रिजस्ट्री-कर्ना अधिकारी अमृतसर, में दर्ज है।

बीर एस० ढिल्लों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृक्षसर

तारीख: 3-11-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत संदुकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1984

निवंश सं० ए० एस० आर०/84-85/119--यन: मुझ, वि१० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

नायकार कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो दशमेश नगर, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाण गया प्रतिफाल फिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण संहुद्ध किसी जाय की बाबत्, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतुरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-क्रार क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जना महिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् .--

भन्तरक)

श्री अमरोक सिंह, भोला सिंह, पुत्रान संतोख सिंह, 1. बाटर बक्स रोड़, राम तलाई, अमनसुर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रार कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधीं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्र्रं.

एक जायदाद जो दणमेश नगर, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 13357/7-3-84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 3-11-1984

प्ररूप. आहं. टी. एन. एस. - - - -

अगयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजन रेंज, अमृत्सर

अमृहसर, दिनाक 5 नवम्बर 1984

निवेण सं० ए० एस० आर० /84-85/120——अतः मुझे, की० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिपदाद है तथा जो कीट बाबा दीप सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रेश्कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रेश्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ संहुदं किसी नाम की बावत, उस्त अधिनियम के नधीन कर दोने के मृत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; वृद्धि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिका के लिए;

जत: बंब, उन्तर अभि.नेयत्र, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की इपधारा (∤) के अभीत्र, निस्नसिचित व्यक्तियों, जुर्बीस् म—— (1) श्रोमती मुरिन्द्र पाल कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह, 9, कीट बाबा दीप सिंह, कालीती, अमृतसर ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती तृष्ता सेठी पत्नी श्री इन्द्रजीम सिंह सेठी, 128. बाबा दोप सिंह कालोनी, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है,
- (4) वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षण जानत जहै कि वह सम्पति में हितबद्ध है) । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहर्या शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिजी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्वित में किए वा सकरेंगे।

स्मब्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्या

1/4 भाग भकाभ का जायदाद जो बाबा दीप सिंह कालोनी, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14202/ भारीख 24-3-84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिशारी अमृतसर में दर्ज है।

बो॰ एस॰ ढिल्लों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयशर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भारोख: 5-11-1984

मुक्ष् नाइ दी. एन . एस . -----

नायकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० एम० आर० |84-85|121--अतः मुझे बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी से भूमि है तथा जो गांव तुंगपाई, सब ग्राबेन, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त वृधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बरि/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकेर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिकित व्यक्तियाँ, सभीत ह—

(1) श्री रोणम लाल शर्मी पुत श्री जयराम दास शर्मा, 3775/20, रेघरपुरा, अरील बाग, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत श्री संघी राम, श्रीमती चांद रानी पत्नी श्री जीवन लाल, अन्दरून लीहगढ़ गेट, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई।

(वह च्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिशित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कध्याय में दिया गुबा है।

जन्तुकी

भूमि 23 कनाल 1 मरला जो गांव तुंगपाई, सब-अबंन अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 296/ तारीख 13 मार्च, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दिल्ली में में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 30-10-1984

प्रारुप आई. टी, एम. एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज, अमृतरार

अमृतसर, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/122--अतः मुझे. बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो काश्मीर एवन्सू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिष्ट्रिकेर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजम्द्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अधनं में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः शव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन, जिम्नुलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री वृष्ण कुमार वर्मा पुत श्री द्वारका नाथ, 31, प्रताप नगर, जी० टी० रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रिव कुमार कपूर और श्री विधित कुमार कपूर पुद्धान श्री मोहन लाल कपूर, 1705, कटड़ा खजाना, कूचा बाग सिह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में

सम्पत्ति है)

(।) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अ्दो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पत्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा सया है।

जनसूची

एक जायदाद जो काश्मीर एवन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 13948/ को तारीख 22 मार्च, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख : 29-·10-1984

माहर:

प्ररूप मार्च. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेण सं० ए० एस० आर० /84-85/123--अत: मूझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

मायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात (उन्नत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बसरत एक्स्यू, अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रेतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे हैं पान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्ह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

भराः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री भगपास दास अरोड़ा पुत श्री एतन चन्द अरोड़ा, 184, बसन्त एवेन्यू, अमृतसर ।

(अस्थ्यक)

(२) श्री लीलाधर जाजूपुत श्रो बृजलाल जाजू, श्रीमती उत्पा जाजू पत्नी श्री लीलाधर जाजू, श्री दीपक कुमार जाजू पुत श्री लीलाधर जाजू, 39, गाल रोड, अमृतमर।

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराण्दारहो।

(बहु व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पक्ति है)

(4) औरकोई।

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिमबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण ः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो बमन्त एक्त्यू, अमृतसर में है जैसा इंडि सं० 13203/ तारीख 2 मार्च, 1984 को एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> बी एम विल्लों, आई० आए० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12--11--1984

प्रकप् नाह् , टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1,कलकना

कंलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निवेश सं० टी० आर० 117/84-85 /एस० एल० 948/आई० ए० सी०/एसवी० आर०-1/कलकत्ता~-अतः मुझो, एस० के० बनर्जी

कायफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 160 और 10 है तथा जो महात्मा गांधी रोड और रूपचन्द राय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिन्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख 24 मार्च, 1984

बहे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उच्चेद्य से उन्त बन्तरण निम्नलिखत उच्चेदय से उन्त बन्तरण निम्नलिखत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बानत उच्छ अपि-निवस को वधीन कर दोने के बलारक को साबित्य में कबी करने वा उन्हों बचने में सुविषा के लिसे; बॉर या/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था, श्रिपाने में अविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पृष्पावनी गीयल।

(अन्तरक)

(2) श्री विजेन्द्र कुमार पोहार।

(अस्याचिती)

को बहु सूचना बारी कार के पूर्वोक्त संप्रित के अर्चन के सिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, को उक्त के अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुस्ची

160 महात्मा गांधी रोड, एवं 10 रूपचन्द राय रोड कलकत्ता में स्थित है 17 कट्टा 8 छिटाक जमीन और, मशान का चौथा हिस्सा का 1/3 हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार, अस्फ एम्योरेंस के दक्तर में तारीख 14 मार्च, 1984 में डीड नं० 1-3120 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंजे~1 कलकसा

तारीखा : 16-11-1984

प्रकम बाह्", टौं, एसं, एसं, -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० टी० आर० सं० 122/84-85/एस० एल०-949/आई० ए० सी० /एक्बी० आर०-1/सलकला---अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. में स्थिक हैं

और जिसकी सं० 14 है तथा जो हासपुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सचिधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः :----

(1) श्रीमती परमेशवरी देवी सोनी।

(अम्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार सोनी (नावालिंग) पिता श्री वाबू लाल मोनी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की क्विधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो तम अध्याम भें दिया गया हैं।

धन् सूची

14, हासपुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है 5 कड़ा 2 छिटाक 5 वर्ग फीट जमीन के ऊपर 4 ततला मनान का अविभक्त आधा हिस्सा जो रिजस्ट्रार, आफ एक्योरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-3587 के अनुसार 26 मार्च, 1984 को रिजस्ट्री हुआ है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I कलकक्त

तारीख: 16-11-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

गावकार गिधानियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्क्यांच्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निवेश सं० टी॰ आर० -124/84-85/950/आई० ए० सी॰/एक्वी॰ आर०-1/ालकत्ता--अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 12/1 है तथा जो लिंड से स्ट्रीट, कलगत्ता में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायलिय, एस० आर०ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित नाजार मुख्य असकं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं हुर्द किसी जाव की बाबत, उक्क जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायिए में कभी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए, जीर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा अत- कर अधिनियम, शा अत- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किया:

मतः मब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रमान्स् शेखर भट्टाचार्य।

(अन्सरक)

(2) श्रीरंजित सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

12/1, लिंडसे स्ट्रीट, कलज़त्ता में स्थित पांच तरूला महान हा तीयरा तल्ला में 1450 वर्ग फीट आयतन का आफिस स्पेस जो सब रिजस्ट्रार, आफ एसोरेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 को डीडसं० 1-3888 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ हैं।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984

प्ररूप वार्ड .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कुलक्सा, विनांक 25 नवम्बर 1984

निदेश सं० टी॰ आर० —125/84—85/एस एल०—951/ आई० ए० मी॰/एक्वी आर०—1/कलक्ता—— अतः मुझो, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 है तथा जो लिंडसे स्ट्रीट, जलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बन्सरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निस्तर में बास्तविक क्यू से क्यित नहीं किया गया है है—

- (ब) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीप्रभान्यु शेखर महाचार्य।

(अन्तरक

(2) श्री रनजीत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

12/1, लिखसे स्ट्रीट, कलकता में स्थित पांच तरला मकान का तीसरा तल्ला में 1450 वर्ग फीट आयतन का आफिस स्पेस का आधा हिस्सा जो सब रिजस्ट्रार, आफ एसौरेंस के के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984

प्रकार बार्ड, टी. एन. एस., ------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, कलकिसा

कलकत्ता, विनांक 15 नवम्बर 1984

निदेश सठ० टी॰ आर० सं० 126/84-85/एस॰ एल०-952/आई० ए० सी॰/एक्बी॰ आर०-1/कलकसा-- अतः मुझे एस॰ के॰ बनर्भी

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1, है तथा जो लिडसे स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिण है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कृरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण चै, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीप्रभास् मे बर भट्टाचार्यः।

(अन्तरक)

(2) मैं कसमस एजेंसिज।

(अन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पट्टीकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नगसची

श्रनुसूची

सम्पत्ति जो, 12/1 लिंडसे स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित पांच तस्ला मकान का तीसरा तल्ला में 2944 वर्ग फीट आयतन का आफिस स्पेस का आधा हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार आफ एमुरेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 को डीड सं० 1-3890 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, कलकक्ता

तारीख : 15-11-1984

मोहरः

प्ररूप बाह्", टी., एन., एस., ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- प (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1984

निदेशसं० टी० आर०~127/84~85/एस०एल० 953/ आई०ए०सी०/एक्यी० आर०~1/कलकत्ता——अतः मुझो, एस० के० बनर्जी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 12/1 है तथा जो लिड से स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण है हुई कि ही बाद की मावत उक्त बिध-बिवक के बधीन कर दोनें के बन्दरक के बादित्व में क्यी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बौद/वा
- (व) एसी किसी बाब ना किसी धन वा बन्ध शास्तियों की, विन्हें भारतीय जायकर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियस या धन कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्च बन्तरिती ब्नाय प्रकट नहीं किया नवा बा या किया जाना वाहिए था खियाने में सुविधा के विद्ध;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् थ्र— (1) अक्षीप्रभाषु शेखण महास्रारः ।

(अन्तरक)

(2) म० कसमस एजें सिज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति जो 11/1 लिंडसे स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित पांच तस्ता मकान का तीसरा तस्ता में 2944 वर्ग फीट आमतन का आफिस स्पेस की आधा हिस्सा जो सब रिजस्ट्रार आफ एसुरेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 को डीड सं० 1-3891 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 16 नवम्बर 1984

निवेश सं० टी॰ आर॰-134/84-85/एल एस॰-934/ आई॰ ए॰ सी॰/एक्की॰ आर॰-1/क्लक्सा--अतः मुझे, एस॰ के॰ बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 20 है तथा जो सूतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे कपने में नृष्टिभः के निए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती के तायुन आर्देशिर दिनश।

(अन्तरक)

(2) मैं॰ पार्क डवलपमेंट. (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्जी

20, सुनारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 9 कहा 8 छिटाक 36 वर्ग फीट जमीन के ऊपर अंगत: दो और अंगत: तीन तल्ला मकान और सिनेमा का मंत्रांस जिसे अब कोर्ट तथा जनता सिनेमा हाल कहा जाता है उसका 1/4 भाग जो सब रिजस्ट्रीर आफ एसुरेंस के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ डीड सं० 1-3826 को तारीख 30 मार्च, 1984 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकक्षा

तारीख : 16-11-1984

मोहर.

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

नायकर भौभौनयमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० टी० श्रार० *-135*/84-85/एस०एल०-955/ भाई॰ ए॰ सो॰/एक्वी॰ ग्रार॰-1/कलकत्ता--ग्रत: मुझे, एस० के० बनर्जी,

बाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का मारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित यादार धृत्य 25,000 /- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० 20 है तथा जो सुतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीक प्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० 4, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 30 मार्च, 1984

्का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की ग**र्इ हैं औ**र मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सो, एसे रत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त सन्तरण सिसित में ारतिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- क) अंतरण सेहर्इ किसी जायकी बाबस,, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; आरि∕बा
- ्र एंटी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ वा, जिन्हें भारतीय बाधकर अधिनियम,. 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्रा किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🦮 अधीनः निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्रीमती कोल्ली दारा दुबास।

(मन्तरक)

(2) पार्क डेवलपमेंट (प्राइवेट), लिमिटेड।

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 विन की अविभि यातरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

20, सूतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 9 काठा 8 छिटाक 36 वर्ग फीट जमीन के ऊपर भ्रंशतः दो भौर श्रंशतः तीन तल्ला मकान तथा जनता सिनेमा हाल (भ्रबंन कोर्ट) का मंन्त्रांश का भविभक्त 1/4 हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार श्राफ एश्रुरेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 को डीडनं॰ I-3827 के भ्रनुसार रजिस्ट्रो हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-1, कलकरा

तारीख: 16~11-1984

प्रकल भार्दः, टी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निदेश सं० टी० ग्रार० —136/84—85/एस० एल ०—956/ ग्राई० ए० सी०/एक्बी०—ग्रार०—1/कलकता——ग्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 20 है तथा जो सुतारिकन स्ट्रीट, करकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० कलकता में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 30 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पामा ज्या प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उस्त बन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) जनसरण ते हुई किसी जान की बानतु, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के शायित्व में कामी करने या उत्तरी युपने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया रा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा है सिए;

बातः अव, उत्रत विधितियम की भारा 269-न के वनुसरण ब, मैं, उपत विधितियम की भारा 269-म की उपभाष (1) के बाभीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) भी कमाल निशात सिहीकी ।

(भन्तरक)

(2) मैं० पार्क डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिस्सू गया है।

वन्युवी

20 सुतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 9 काठा 8 छिटौंक 36 वर्ग फीट जमीन के ऊपर ग्रंशत: दो ग्रीर ग्रंशत: तीन तल्ला मकान ग्रीर सिनेमा का मंत्रांश जो ग्रंबंन हाल तथा जनता सिनेमा कहा जाता है उसके ग्रंविभक्त 1/4 हिस्सा जो सब रिजस्ट्रार ग्राफ एश्र्रेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 डीड नं० 1-3828 के मनुसार रिजस्ट्री हमा है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी हायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 16-11-1984

प्रकार बार्च हो हु एत् प्रकार------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन स्थना

नारत परकार

कार्यां स्वयं, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज--1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 नवम्बर 1984

निवेश सं० टी॰ मार॰ 133/84-85/एस॰ एल॰-957/ माई॰ ए॰ सी॰/एक्वी॰ मार॰-1/कलकत्ता--म्रतः मुझे, एस॰ के॰ बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० 20 है तथा जो सुतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वाजत है), रजिस्ट्रोकर्ता घांधकारों के कार्यालय, एस० घार० 4, कलकत्ता में रजिस्ट्रोकरण घांधनियम, 1908 (1908 का 16) के घंधोन, तारीख 30 मार्च, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान असिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिल्लित में वास्तविक कप से कृषित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुर्य किसी जाय की वाबत, अन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) पुरेती किसी भाग या किसी भन या अस्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रोमतो ध्व साम्भी इरवोन ।

(मन्तरक)

(2) मै॰ पार्क डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सं कंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए या सकेंगे ।

स्पव्यक्तिरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपृष्यी

20, सुतारिकन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 9 काठा छिटौक 36 वर्ग फीट जमीन के ऊपर मंगतः दो तल्ला भंगत. तीन सल्ला मकान मौर सिनेमा मन्त्राश जो भवंन कोर्ट तथा जनता सिनेमा कहा जाता है जो सब रजिस्ट्रार भाफ एगुरेंस के दफ्तर में तारीख 30 मार्च, 1984 में ढीड सं० 1-3825 के मनुसार राजिस्ट्री हुआ।

एस॰ के॰ बनर्जी सक्षम प्राधिकारी स**हायक प्राय**कर प्रायुक्त (निरीक्षण) **धर्जन** रेंज-1, कलकत्ता

सारीख : 16-11-1984

मोहर:

बतः वव, उक्त विभिन्नव की थारा 269-न के बनुसरण को, में उक्त विभिन्नम की थारा 269-व की उपभाषा (1) के बधीन, निस्तिविक स्पवितवों) वर्णाय के स्प

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जम रैंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० चंडीगढ़|7|84-85---ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 101, है तथा जो सैक्टर 21 ए, चंड़ीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चंड़ीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रीराशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बतिरती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेध से उक्त जन्तरण निबित में वाम्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की वाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिगाने में सुविधा की निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को, अनुकरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) अी जबाहर लाल खोसला पुत्र श्री राम रतन खोसला निवासी मकना नं० 1274, सैक्टर 19 बी, चंडीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती छैला देवी पत्नि श्री लोकनाथ याहू, निवासी मकान नं० 485, फ़्रेज III-ए, एस० ए० एस० नगर जिला रोपड ।

(भन्तरिती)

(3) श्री एच के॰ जिंदल निवासी मकान नं॰ 101 सैक्टर 'ग्र' चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकाँगे।

स्वच्यक्तरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

नपुष्यी

1/2 हिस्सा मचान नं 101 सैक्टर 21 ए, चण्डीगढ़ (भर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं 22 माह भ्रमेल 1984 के तहस दर्ज है)

> जोगिन्त्रर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियामा

विनाक > 12-11-1984 मोहर:

प्रकार बाह्र की क्ष क्ष

थावच्चर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना.

भाउत सङ्ख्यर

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 मवम्बर 1984

निवेश सं० चण्डीगढ़/179/83-84---घतः मुझे, जोगिन्वर संड

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाखार अस्थ 25,000/- रा. सं अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 101, है तथा जो सैक्टर 21 ए चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि- कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रद्रिक्त को लिए जन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिकाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त जन्तरण कि सिवत के व्यास्तिक रूप से कियत नहीं किया पया है:---

- हिंक) जन्तरक से हुई किसी अाव की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की यायित्व में कमी कर्तने वा उससे वजने में तृतिधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी भन या जम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्ततः, स्व, उक्त निधितियम, की धारा 269-त की ननुस्रक् कों, में, उक्त निधितियम की धारा 269-त की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धात् हु—- (1) श्री जबाहर लाल खोसला,
 पुत श्री राम रतन खोसला,
 निवासी मकान मंद्र 1274, सैक्टर 19 बी,
 चण्डीगढ़ ।

(मन्तरक)

(2) श्री लोक नाथ साहू पुत श्री बी० डी० साहू निवासी मकान नं० 485 फेज III ए मोहाली, ग्रब निवासी मकान नं० 101, सैक्टर 21 ए चण्डीगढ़।

(म्रन्तरिसी)

(3) श्री एच के० जिंदल निवासी मकान न० 101, सैक्टर 21 ए, चण्डीगढ़ (बहु व्यक्ति जिससके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत् संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रकी

1/2 हिस्सा मकान नं० 101 सैन्टर 21 ए चण्डीमढ़ (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1214 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है ।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-11-84

मुक्य बाह्ये ही_ट पुष्_य पुष्_{य-*****}

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-वं (1) के ब्योन क्यना

1134 13343

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियामा लुधियाना दिनांक 9 नवम्बर 1984

निवेश सं० चण्डीगढ़ /1183/84-84-प्रतः मुझे; जोगिन्दर सिंह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा इंडस्ट्रीयल एरीया बिल्डिंग नं० 20 हैं तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिल्ज्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनांक मार्च, 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की नावत उपस अभिनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में क्रमी करने या उसने बचने ने स्विभा के निए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी अग वा किसी वन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्निरिती द्वारा मुकट गृहीं किया प्या वा या किया जाना चाहिए था, कियान के वृत्विचा के किए;

बर्द्ध बन, उक्त निधिनियम की पाछ 269-र की व्यमुक्त की, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों नथाँत् :---

(1) ब्रिगेडीयर अनूप सिंह पुत्र श्री सरदूल सिंह निवासी मकान नं० 129, सैक्टर 28 ए। जण्डीगढ़ ।

(घन्तरक)

(2) श्री संदीप बजाज
पुत श्री बलवन्त सिंह
श्रीमती कैसाक रानी
निवासी मकान गं० 3304
सैक्टर 32-डी
चंडीगढ़ !

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के ट्रैसपु कार्यवाहियां सूक करता हुं:

उनक सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यन के प्रकासन की ताड़ीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सक्त विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुन

1/2 हिस्सा इंडस्ट्रीयल बिल्डिंग नं० 20 इंड्रस्ट्रीयल एरीया, चंडीगढ़ प्रर्यात वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1457 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक । 9-,11-84 मोहर ।

प्रस्तु वार्ष*ु हो , पुत्र व*र्ष_{प्रसारक सम्बद्धाः}

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्थान

भारत चंद्रकाडु

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियामा, विनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० चण्डीगढ़/172/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्दर

संह

मायकर विधिनयम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवादः 'उनत विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रापये हे अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 12 कनाल 9 मरला है तथा जो मनीमाजरा यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1808 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिक्षत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ितिफल, निम्निलिखत उद्वादेश से उक्त अन्तरण सिन्तित में ास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निमित्रम के अभीन कर दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी कुरुने या उससे बचने में स्विधा के सिए; नीड/वा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए।

अतः अस, उस्ति अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, निम्मसिधित व्यक्तियों, अर्थात् ए—— (1) श्रीमती ग्रमरो विधवा श्री दयाल सिंह श्री नरजन सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह ग्रमराजित कौर तथा कर्मजीत कौर पुती श्री दयाल सिंह कर्म सिंह पुत्र दयाल सिंह मीनारानी पुत्री दयाल सिंह निवासी 574, मनीमाजरा, यू० टी० चण्डीगढ़।

(भन्तरक).

(2) मै० शिव श्रोम संज ट्रस्ट शिव सहाय कपूर एण्ड कं० निवासी 377, सैक्टर 32-डी चण्डीगढ ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि 12 कनाल 9 मरला जो कि मनीमाजरा यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 123 माह 1984 के तहत वर्ज हैं)

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

विनांक: 12-11-1984

मोहर 🗧

त्रका मार्च, टी. एव. एव. -----

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० चण्डीगढ़ 177/83—84—म्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

शायकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 301 है तथा जो सैक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधिन दिनांक मार्च 1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त का भानसभ के अभीन कर दाने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तरे ब्वने में सृद्धि। के निष्ध; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या ब्रुक्त आस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्रीमती शांति देवी विधवा स्वर्गीय श्री चमन लाल सेतीया, श्रीमती श्रंजु सेतीया पित्न श्री प्रेम सागर सेतीया निवासी मकान नं० 502 सैक्टर 8ज्बी घण्डीगढ़ द्वारा उनकी स्पैशल श्रदारनी श्री धूल चन्द पुत्र श्री जमना दास निवासी मकान नं० 212, सैक्टर 18-ए चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सेवा सिंह
पुत्र श्री जगत सिंह
द्वारा उनकी भटारनी श्रीमती महेद्र कौर
परिन श्री सेवा सिंह,
निवासी 18, रमेश कालोनी,
लाडोवाली रोड़,
जालन्धर शहर, पंजाब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबिंध, धाँ भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपन में प्रकासन की ताउरित के 45 जिन्न के भीतर अक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बहुआ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकर्षः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को उक्त स्थिनियम, के स्थाय 20-क में परिभाषित है नहीं सर्थ होगा जो उस मध्याय में विका स्वाह कि.

अनुसूची

प्लाट नं० 301 सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ 1 (ध्रयति वह जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1387 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्वर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे लेंबियाना

दिनांक । 12-11-1984 मोहर । प्ररूप आई. दी. एन . एस . ------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आर्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० चण्डीगढ़/176/83-84---ग्रतः मुझे, जोगिन्दर

सिंह

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्राउन्ड फ्लोर है तथा जो मकान नं० 2851, सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमेश चन्द्र निझावन पुत्र श्री मदन गोपाल निझावन निवासी 3704, सैक्टर 33 श्री चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री मनोहर सिंह निवासी मकान नं॰ 3647 सैक्टर 23 चण्डीगढ़ ।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

ग्राऊन्ड फ्लोर मकान नं० 2851 सैक्टर 22-सी घण्डीगढ़ (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, षण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1371 माह मार्च 1984' में दर्ज है ।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनाक 12-11-84 मोहर: त्ररूप बार्ष: टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन सुबना

भारत् त्रकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिमांक 6 नवम्बर 1984

निवेश सं० खरड़/60/83-84--धराः मुझे, जोगिन्दर सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 871, है तथा जो फ़ेज 7, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित (धीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में,रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफस का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अंतरण निवित् में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सीधिनयम के सधीन कर दोने के सन्तरक के बायित्व में कभी कर्तने वा उन्नचे वचने में सुविधा के शिए। और /मा
- (म) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियां को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना रिहेहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लाम कीर परिन श्री रंजीत सिंह निवासी मकान नं० 2287, सैक्टर 35 सी चण्डीगढ़ द्वारा श्रदारंनी श्री नरेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री दौलत राम निवासी 21-सी, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रंजीत सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह निवासी 2287, सैक्टर 35-सी वण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्परित के वर्षन से सिए कार्यनाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

न्यव्यक्तिएण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था हैं :

अनुसूची

प्लाट नं० 871 फेज 7 मोहाली तहसील खरा वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, विलेख संख्या 4878 माह मार्च 1984 के तहत दर्जे है

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मन्यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6-11-84

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नवम्बर 1984 निदेश सं० खरड़/39/83-94--न्न्रतः मुझे, जोगिन्सर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 158 सी है तथा जो फेज
IV मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़
श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय, खरड़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च 1984
को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
ब्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के
रिजह प्रतिकात से अधिक है बीर बंतरक (अंतरकार्ग) बार बंतरिती
(जेतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्यन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शंतरण लिखित में अम्तिक क

- (क) अन्तरण संह्यं किसी शाय की वास्त्र, उच्च विधिनियम के वधीन कर योगे के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या जससे वचने में सुविधा के के लिए; और/या
- (का) एसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तिया कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुजिया के लिए;

(1) एस० पंडित पुती श्री नन्द लाल निवासी मकान नं० 2. सैक्टर 10, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलजीत कोर पुत्नी श्री दरबारा सिंह निवासी नानौबाल कलाँ तहसील संमराला जिला लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के सिए कार्यवाहिया शुरू करना को।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिस वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकरेंगे।

स्मव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिसा गया है।

बन्त्ची

प्लाट नं० 108 सी फेज 4 मोहाली तहसील खरड़ (ग्रर्थात वह जायशाद जो कि रिजिन्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 4857 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है ।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियान।

दिनांक :-- 6-11-1984 मोहर :-- प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुझियाना

सुधियाना, विनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश मं० खरड़/41/83-84--श्रत: मुझे, जोगिन्दर

सिंह बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाखार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1384 फेज 3-बी-2 है तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्षर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 क 16) के अधीन दिनांक मार्च 1994 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के धीच एसे अन्तरण के लिए नम पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविध्य के लिए सौर/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणंजनार्थ लेलियों व्यारा एकड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रविनास भन्द्र गुप्ता निवासी मकान नं० 569 सैक्टर 22, हाउसिंग बोर्ड कालोनी फरीदाबाव, द्वारा जी० पी० ए० श्रीमती मनीन्द्रजीत कौर परिन श्री स्वेण सिंह निवासी मकान नं० 667 सैक्टर 20-ए चण्डीगढ़ ।

(ब्रन्तरक)

(2) सरदार स्वर्ण सिह पुत्र सरदार बच्चन सिंह निवासी 667 मैक्टर 20 ए चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से निज्नी व्यक्ति क्याना;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- जद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

arred

प्लाट नं० 1384 फेंज 3 बी-2 मोहाली तहसील खरड़ (अथित वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता, श्रधिकारी खरड़ के विलेख संख्या नं० 5104 माह मार्च में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनोक :- 6-11-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नवस्वर 1984

निदेश सं० लुधियाना/17/84-85--श्रतः मुझे जोगिन्दर सिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. स आधक है भीर जिसकी सं० 0.16.2 विद्या है तथा जो गांव मृंडिया कलां, सहमोज लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देदय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं कथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृमिधा दायित्य के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हां भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिंकत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रामतो श्रम्स कौर पत्नि श्री किशन सिंह, निवासो 581, इण्डस्ट्रीयल एरीया ए लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैं० एन० के० फीजिंग एण्ड रोलिंग रेड इंडस्ट्रोस जी० टो० रोड अप्रमाला बाई पास सामने ट्रक युनोयन, मोती नगर लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे। गया है।

स्पथ्यकिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन 0.16.2 विधा जो कि गांव मुंडिया कलां तहसील लुधियाना में स्थित है (धर्यात वह जायदाद जो कि र्जिस्ट्रीवर्ता ध्रधिकार्ग लुधियाना के विलेख संख्या 16 माह प्रप्रैल 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनोंक: 6~11~1984

प्रकथ् भाष् . टी . प्रम् . प्रस्

बायकड़ क्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० लुधियाना /16/84-85—श्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन 0.16.2 विघा है तथा जो गांव मुंडिया कलां तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकरी ग्रीधकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रोकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, ग्राप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित्र बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरुक संधुर्द किसी नाय की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसम वचन में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय ना किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था ना किना वाना वाहिए था जिनाने में स्विधा के लिए;

नतः नवं, उक्त अधिनियम की पारा 269-गं के नन्सरव नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जधीत् "—

- (1) श्रोमित गुरदीप कौर पितन श्रा संत सिंह निवासी मुंडिया कलां । श्रव फरीदकीट । द्वारा श्री बलविन्दर सिंह पुत्र श्री किणन सिंह , निवासी 581 इंडस्ट्रीयल एरीया ए० लुधियाना (श्रन्तरक) र्
- 2) मैं एन० के० फौजिंग एण्ड रोलिंग इंडस्ट्रोज, जी० टो० रोड़ बाई पास साहमने ट्रक यूनीयन, मोती नगर लुधियाना ।

(भ्रन्तरितीं)

भी वह बुचना चारी करके पूर्वों वह सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आं श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्णब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया या है।

नन्स्ची

जमीन 0.16.2 विद्या जो कि गांव मुंडिया कलां तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोंकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 315 माह श्रप्रैल 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक :- 6-11-84

मोहर 🗈

प्रकप् बाह् , हो , एन , एस . ------

भाषक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुमना

बायुद्ध सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नवस्वर 1983

निदेश सं० लुधियाना /325/83-84+-म्रतः मझ जोरिङ रिष्ट

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जर्मान 0.16.2 बीघा है तथा जो गांव मुंडिया कलां तहसील लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपावड भ्रनुसूची में और पूर्ण स्पाप विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मार्च 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्ष सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्र) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त वीर्धानयम के जभीत कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; जोड़/क।
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के निए:

नतः नव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) वे नधीन, निस्निजित व्यक्तियों, नवांत — (1) श्रीमर्ता गुरदीप कीर पत्नि श्री संत सिंह निवासी मुंडिया कलां । भ्रव फरीदकीट हारा श्री बलविन्दर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी 581, इंडस्ट्रीयल एरिया, ए लुधियाना

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० एन० के० फौजिंग ए०४ रोलिंग इंडस्ट्रीज, जी० टी० रोड बाई पास सामने ट्रक यूनियन मोती नगर, लुधियाना

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूनाँक्त सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्द बुम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्से के शि व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुबा है।

शनसंची

जमीन 0.16.2 बीधा मुंडिया कलां तहसील लुधियाना (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 14045 माह मार्च, 1984 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लिधियाना

दिनांक : 6-11-1984

प्रकल नाही, टी., एन्., एस्.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निवेश सं० लुधियाना/324/83-84--म्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन 0.16.2 विधा है तथा जो गांव मृंडिया कला तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण भप से विधात है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्वित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नतिस्तित उद्देश्य सं उक्त अंतरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रुक्तरण संहुई किसी आयु की बाबत, बक्त ब्रिजियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (स) एर्ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीं :--- (1) श्रीमतो प्रमुत कौर पत्नि श्री किशान सिह 581, इंडस्ट्रीज एरीया ए लुधियाना

(ब्रन्तरक)

(2) मैं० एन० के० भौजिंग एण्ड रोलिंग इडस्ट्रीयल, जी० टी० रोड बाई पास के सामने ट्रक यूनिमन मोती नगर, लुधियाना का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया

मन्स्ची

जमीन 0-16-2 बीघा जो कि गाँव गुडिया कलाँ तहसील लुधियाना में स्थित है। (ग्रर्थात बह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्यानं० 14.44 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्चर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज लुधियाना

विनांक: 6-11-1 84

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्माना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० लुधियाना/327/83-84--ग्रतः मुझे, जीगिण्द सिंह

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- से अधिक है

ग्रवेर जिसकी मं० जमीन 8 कनाल है तथा जो गांव भोलापु तहसील लिधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूच में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय, लिधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 190 1908 का 16) के श्रिधीत दिनांक मार्च 1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है, और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रिचित्तत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्वार्ग) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया अतिकास, निम्निविचित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुए किसी बाय की बावत उनत अधि-निष्य के अभीन कर दोने के बन्तरक के बाधिरत के कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तिकों का, जिम्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किला वाना जाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

नत: नव, अनत निधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण कों, में, अक्त अधिनियम की भाग 269-भ की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:—— (1) मैं वर्धमान स्पिनिंग जनरल एण्ड मिल्ज चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना द्वारा श्री बाल कृष्ण स्नरोडा

(धन्तरक)

(2) मैं० ग्रधिनाथ टैक्स्टाइल लिमिटेड 213 इन्ट्रस्ट्रीयल एरीया ए लुधियाना

(अम्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाँकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवार:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त्वस्थ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी. के शत सिसिस में किए जा सकरेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हाँ।

जनसम

जमीन 8 कनाल गांव भोला पुर तहसील लुधियाना (ग्रर्थीत जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के विलेख संख्या 14124 माह मार्च के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक :- 12-11-1984 मोहर :- प्रक्प भाइ^{*}. टी, एन. एस.-----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निर्काश)

अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० लुधियाना 13/84-85--श्रतः मुझे, जीगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यस्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन 19 कनाल 19 मरला है तथा जो गांध भोलापुर तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रील 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिक्रम से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्यू पाया गया प्रतिक्रम जिन्निलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तरण के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/सा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुँ कथीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत रू— (1) मैं० वर्धमान स्पिनिंग एण्ड जर्नेल मिल्ज लिमिटेड चण्डीगढ रोड़, लुधियाना द्वारा बाल कृष्ण सैकेटरी आफ दी फर्म

(भ्रन्यरक)

(2) मैं० ग्रांधनाथ टैक्पटाइज लिमिटेड 234 इन्डस्ट्रीयल एरिया लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यां कितयों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 पिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

जमीन 19 कनाल 19 मरल, गांव भोलापुर तहसील लुधियाना 'ग्रर्थात जयद.द जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 263 माह श्रप्रैल के तहत दर्ज हैं।

> जीगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक :- 12-11-1984

मोहर :--

प्ररूप बार्ड. थी. एम. एस. .-----

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नयम्बर 1984

निदेश सं० लिधयानः/309/83-84—ग्रत. मझे जोगिन्दर सिंह

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-इन हो अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास कार का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 15/100 हिस्सा मकान है तथा जो टैक्सटाइल कलोनी, लिधयाना नं बीXXIII 642/2में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण छप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय लिधयाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984 को पूर्वेवित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफाल के लिए अवधिरत को गर्वे है और मुक्ते यह विश्वाम अर्जे का कारण हो कि यथापर्वेयन पंचीत तम राजित वाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को प्रत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्य उसके दृश्यमान श्रीतफल का प्रत्य उसके स्थान के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निस्तिलित उद्देश्य से जनत अन्तरण विश्वत में वास्तिक लग में किथा नहीं दिख्य गया है —

- (क) बन्तरण सं हुए किसी आप की बलसा, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रांने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या असम वयन में सिष्धा के लिए; बारि/बा
- श्वी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा की किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधी न, जिल्लिजियम क्योंक्तियों, अधीन 13--366(स)84 (1) मैं० के० बी० इंडस्ट्रीस द्वारा श्रीमती कुष्णा बहुल परिन श्री मनमोहन राय, रानी झांसी रोड, सिबल लाइनज, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० संगम डाई हाऊस बी—XXIII, टैक्सटाइल कालोनी लिधयाना

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यसहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

15/100 हिस्सा मकान बी XXIII-642/2 टैक्सटाइल कालोनी लिधियाना 'श्रणीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 14281 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक :~ 6-11~1984 मोहर :-

श्**कष् वाष**्टिती . पृष् . शुक्ष_{ः वार} वाष्ट्राच्या वाष्

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) को नभीन मुख्ता

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० लुधियाना 333/83-84--ग्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं हिस्सा मकान नं० बी-15/138/2 है तथा जो मिलर गज, जी० टी० रोड़ लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को प्रांबित सम्पित्स के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविद्या है स्पार्थ के स्थित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से सुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग के अनुसर्थ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, धर्थास :--- (1) श्रीमती बलवन्त श्रौर पित श्री श्रजीत सिंह निवासी 11, श्रातम नगर, लुधियाना :

(भ्रन्तरक)

(2) मैं विनायक स्पीनिंग मिल्ज प्रा० बी॰-15-138/2 मिलर गंज, जी॰ टी॰ रोड़, लिधयाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्याक्त अम्परित के वर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , आं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वाना के रावपत्र के प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगें।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उपस अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विकः वया है।

वम्

हिस्सा मकान नं० बी:15-138/2, मिलर गण जाए दाए रोड़, लुधियाना । (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 14485 माह मार्च 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, लुधियाना

दिनांक ; 13-11-1984

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० सी वी एम/334/83-84--अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव महान नंव बी-15-138/2 है तथा जो मिलर गंज, जीव टीव, रोड़, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुभूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 की 16) के अधीन विनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों करें, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रामता सुरेन्द्र कौर पत्नि श्री तेग बहादुर निवासा 11, आतम नगर, नुधियाना ।

(अन्तरक)

 (2) मै० बीनायक स्पीनिंग मिल्ज प्रा० लि० बी०-15-138/2, जी० टी० रोड़, मिलर गंज, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स अविधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० बी15-138/2 मिलर गंज, जी० टी० रोड़, लुधियाना 1 (अर्थात वह जाददा जो कि रजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 14486 माह 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 13-11-1984

मोहर 🖟

प्रकृप भाष्ट्रे. टी. एन्. एस्. ------

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में सधीन स्थान

बारत सहकार

शार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 नवम्बर 1983

निदेण सं० नुधियाना/63/84-85--अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह भिष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मृन्य 25,000/- कः, हो अधिक ही

भौर जिसका सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० है तथा जो 35 16 जी आई रंधीर सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप मे विणत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, राजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान गितफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक क्ष्म निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक क्ष्म निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक क्ष्म से अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिक

- (क) कल्तरण सं हुई किसी जाय की बावत बक्त विधि-नियम को जधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्ति हिसी व्याप्त प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निवः;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम क्री भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रौधरा अमराक सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री तरलोक सिंह निवासी विलगा पट्टी भोजा तहसील तथा जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रो इन्दर्जात सिंह, शिव जिन्दर सिंह पुत्रान श्रा सुख चैन सिंह पुत्र नगैन्द्र सिंह निवासी 136 जा. भाई रंघोर सिंह नगर, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करक पृबीक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्सा सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की सामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों हो से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निक्षित के किए जा सकारी।

स्मण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होंगे जा उस अध्याय में विया स्या क्षे

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं० बा /7/86 जी धाई रंधोर सिंह नगर लुधियाना II (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री)- कर्ता अधिकारो, लुधियाना के विलेख संख्या नं० 10/9 माह अप्रैल 1984 के नहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 6-11-1984

मोहर: :-

प्रकथ बाह्" ती . हम् . एक् .

बाय कर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योन स्पना

नारत तरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश मं० 62/43931/84-85---यत : मुझे आर० भारक्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्शित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 51/ श्रीर 52 है, तथा जो मुरूगशपालया हामलेट आफ कोबिलेजल, बंगलूर दक्षिण तालुक स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26 मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास "करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिकात से अधिक, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निजितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्त-किक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरभ् से हुए जिसी भाग को बागए, उनक्ष भाषित्वयम हा भूषीय कर दन्ते के जन्तरक की वाक्तिया में कमी करने या उनके वचने में स्विपा की सिंह; भाष/या
- (क) एंसी किसी जाग या किसी भन गा अन्य वास्सियां को, जिल्हों भारतीय आग-कर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या जनत विभिन्नियन, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गुणा जा या किया जाना भाहिए था कियान म कृषिका जो नियः।

अतः अस, उनंत व्यिभिनयम की भारा 269-ग क, अनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसि**स्त व्यक्तियों, अधार्त** :— (1) श्र्वः एतः चन्द्राप्पा नं 50, दोमलूर, बंगलोर-7

(अन्तरक)

 (2) श्रीमती लक्ष्मीवेदी रामाण्ण, नं० 3 IV क्रास I मैन, गामराज पेट, बंगलोर-18

(अन्तरिती)

क्यें **यह सूचना जारी करके पृजाँक्त सम्ब**रित के अर्थन के सिध कार्यवाहियां सुरू कारता हुं।

जबत सम्मित्स के कर्जन की सम्बन्ध में आहे भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थान्सदारें में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्जीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, बही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया डैं।

मनस की

(दस्तावेज सं० 8518/84 विनांक 26/3-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 51 और 52 जो मुरूगशपाल्या गांव हामलेट आफ गोहलि, बंगलोर वक्षिण लालुक मैं स्थित है।

> आर भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक :- 13-11-1984 मोहर :-- प्रकप बाई.टी.एच.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 62/43932/84-85--अत: मुझे, आर० भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य .25,000/-रा. से अधिक है

और जिसका सं० 53 और 54 है, तथा जो मुहगैशपाल्या हामलेट आफ कोडिहल्लि, बगलोर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रोकिती अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 26 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में क्रम के इंग्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं अर्थेर मुक्ते यह विक्रमाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल सं, एसे तक्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और लंगिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेष्य से उचत अंतरण लिखित में भास्तिक हैं से सम्मान का स्ति से कारण के सिर्म कार्या प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेष्य से उचत अंतरण लिखित में भास्तिक हैं से कारण से कारण निष्टित में भास्तिक हैं से कारण से कारण नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वायत्, उक्त जिल्लाम के अभीन कर की के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय अख़-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विया के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम को धार 269-व के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) व अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात हिन्स (1) श्री डि॰ एन॰ कृष्णप्पा, नं॰ 50, दोमलूर, बंगलीर-7

(अन्तरक)

(2) एम० आर० रामाना,
 मं० 3, IV कास, 7 मैन,
 चामराजपैट,
 बंगलोर--18

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रकास्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

(दस्तावेज सं० 8519/84 विनांक 26 मार्च 1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 53 ग्रीर 54 जो मुरूगेशवाख्या हामलेट आफ कोडिहल्लि, बंगलोर दक्षिण तालुक में स्थित है।

> आर० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक :-- 13-11-1984 मोहर :-- प्ररूप बाइं.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० 62/43933/84-85---यतः मुझे, आर.० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जेपि→59(49) है तथा जो जीवन प्रकाश लेआउट, III ब्लाक पूरब, जयानगर, बंगलीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वणित हैं रजिस्ट्रेंकिर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रेंकिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 मार्च 1984

को यूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिभक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित उजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत रती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्वित व्यक्तियों, अधीतः— (1) श्रोमर्ता एस० मल्यानि नं० 1008,
 I--एन-- ज्लाक,
 राजाजि नगर,
 बंगलोर 10

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवासन,
 नं० 823, 37 कास, LV क्लाक,
 टी जयानगर,
 वगलोर-11

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्लेक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

(दस्तावेज मं० 4419/84 विनांक 8 मार्च 1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० जे० पि-59(49), जो जीवन प्रकाण लेखाऊट, III ब्लाक पूरव, जयानगर, बंगलोर में स्थित है

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिमांक :-13-11-84 मोहर :- प्रकृप वाइ. टी. एन. एत. -----

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलुर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

नं० सि० ग्रार० 62/43934/84-85--यतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 659 है तथा जो IV 'टि' ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से बागत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रिजस्ट्रोकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनांक 1-3-1984,

को एको किस सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्प्रमान प्रतिकार के किस के किस के किस के किस किस किस किस किस किस का अपनित का प्रतिकाल का प्रतिकाल से एसे इंग्यमान प्रतिकाल का प्रतिकाल से अपनित के वित्रकार (बंतरकाँ) भार अस्ति रही (अस्ति रितार्ग) के बीन एसे अस्तरक (बंतरकाँ) मार्ग अस्तिरही (असि रितार्ग) के बीन एसे असरकाण के लिए उग्र पाण ग्या प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्तर प्रत्रूरण निम्नत में प्रकृतिक कुछ की विर्मार के लिए किस का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- सार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपशरा (1) अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्रीमती चेन्नाम्मा, 2. एस० टी० श्रीनियास.

3. एस० टी० फ्रुडण,

4. एस० टी० नारायण, कृष्णगिरि तालक ।

(अन्तरक)

(2) उषा किरन, नं० 49, मुखालाप्पा स्ट्रीट, दोडामावल्लि, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सुषना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए क कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की खबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितियों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखा गया है।

मनसभी

(दस्तावेष सं० 4313/84 दिनांक 1-3-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 659, जो IV 'टि' क्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगल्ट

विनोक : 13-11-1984

प्रस्य बार्च टी. एस एस. ------

आयकार मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के लुधीन सुभूना

ग्राउच श्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निवेश सं० भ्रार०-1086/37ईई/84-85--यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (196; का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को कृतिकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्से यह विश्वास तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या जन्म जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1992 का 11) या उकत अधिरियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बातिए था, जिपाने में सुविधा के निए:

(1) मेसर्स प्रालकन रियल एस्टेटम प्रा० लि०, वेलहो विरि**डग.** पणजी, गोधा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कमझोल देखिंग, पणजी, गोवा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीन से 30 दिन की जनधि, को भी जनधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हींकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं० 914/83 विनांक 27-3-84) सम्पत्ति है जिसका गाप नं० 7, जो सकारदन्छे ग्रपार्टमेंटस, पणजी, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बेंगसुर

विनांक : 13-11-1984

मोहर 🛭

प्रकप आहुँ, टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बंगलुर, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश स० 62/म्रार-1046/83-84/37ईई---यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान सं० 8 है तथा जो सकारषण्डे श्रपार्टमेंटम पणजी, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बिनांक 15/3/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उदत अन्तरण लिखिन में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) इस र जाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बाकिस्य में कमी करने या तससे बचने में सुविधा से लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिवियम, या धन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विष्या को लिए;

जतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधान, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थानः~~ (1) **प्रा**लकन रियल एसटेट्स प्रा० लि०, वेलहो बिल्डिंग, पणर्जा, गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एस० बैं० करापूरकर, सेंट इनेज, पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाजप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस स्वान के राजपन में प्रकासन की तारीज वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी मन्य स्थानित इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा गकेंचे।

'स्पव्यक्तिकण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिक् नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा. जो उस अध्याय में दिया गये। है।

नगसची

(दस्तावेज सं० 880/943 दिनांक 15-3-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० शाप नं० 8, जो कसारवण्डे श्रपार्टमेंटस, पणजी, गोवा, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

विनांक : 13--11-1984

प्रकृप भाइ, दी, एन्, एस्, -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

माउत् वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० श्रार० श्रार० सं० बी-126/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० निमित सम्पति है तथा जो शाहजादी सराय वाहर चुंगी, मुराधावाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बर्धय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के बंधीन कर दोने के ज्ञारक के दायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, जियाने में सुन्धिया वी दिन्ए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, यें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. कृष्ण वयाल सरीन,
 - 2. श्री जानेश्वर दयाल सरीन,
 - 3 श्री भूनेश्वर सरीन,
 - 4 श्री राजेश्वर दयाल सरीन,
 - 5 श्रीमती चन्द्र सरीन,

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री भीष्म चन्द्र,
 - 2. श्री उमेश चन्द,
 - 3. श्री महेन्द्र पाल,
 - 4. श्री सतीण चन्द,
 - प्र्नान इलाही

(भ्रन्तरिती)

(3) विश्वेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त करणः --- इसमें प्रमुक्त कर्यां और पर्यो का, वा उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

निर्मित सम्पत्ति स्थित णह्जादी सराय बाहर चुंगी, मुराबाबाद (जैसा फार्म-37-जी संख्या 2070 में विणत है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सम्भल मुराबाबाद के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

मुक्त बार्ष स्रोत हो । प्रमान वह वह विकास

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के वृभीन सूचना

बारक दरकार

कार्यांकन, तहायक भागकर भागका (निद्रीकन)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी'० आई० आर० सं० एम → 207/एमकी ०---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर विधिनिय्य, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसके इसके परवात् 'उक्त वॉश्नेनयमं कहा ग्या ही, की वाख 269-च के वशीन तक्षव् प्राधिकारी की, यह नियमस करने का कार्ज ही कि स्थावर संपीत्य विस्का स्वीवतं वाचार सूक्त 25,000/- का से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० भूमि आराजी नं० 505 है, तथा जो मोहल्ला जैतपुरा, जगतगंज, वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984,

को पृथोंक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष की निम्बीसीयत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्विक स्म से अभिक स्वीतिक की वास्त्व

- हैंकों स्वाइत्य वे हुन विश्वी वास की बावक करन वरित तिवस से वधीन कर दोने के सत्तरक के वादित्य में कर्की कड़ने वा कक्ष्में स्वाने में सुविधा के ज़िये; सौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री विश्व नरायन सिंह
 - 2. श्री कामेश्वर नरायन सिंह
 - 3. श्री महेश्वर सिंह,

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री महेन्द्र कुमार मिश्रा
 - 2. श्री पवन कुमार मिश्रा

(अन्तरिर्ता)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हों।

बब्द बुज़रित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जा भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभीहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया हैं।

वन्तुची

भूमि आराजी नं० 505 पैमाईसी 2862 वर्ग फीट स्थित मोहरूला-जैतपुरा, जगत गंज, वाराणमी (जैसा फार्म 37-जी संख्या 11190 में विणित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकंसी अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

यनांक : 12-11-1984

मोहरु 🛭

प्रकप् नार्दे . दी . यम . यस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालया, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अजन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेण सं०/ए० पी० नं० 5703—यतः मुझे, जे० एल०, गिरधर,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चाध् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्प्रोर जिसके सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इसेसे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उकतः अधिनियम् को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, सूर्थात् ध—- (1) श्री विनोद कुमार पुत्र देसराज अमरीक सिंह रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) डा० गुरिन्द्रपाल सिंह पुत्र अजीत सिंह, नरसिंग होम, दी माल, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप:---

- 'का) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब्रु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5307 दिनांक मार्च 84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-11-1984

प्रकृप बाइं ु दी : एत : एस : -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

सारत सरकार

कार्यांशय, सह्ययक वायकर वायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5704---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्या पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण कि मिलित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है है---

- (क) नन्तरम् वं हुई किवी नाव की नावत्, उसत् प्रक्षितियम के प्रधीत चर देते के प्रस्तरक के यादित्य में कभी करने ना उससे व्यते में सुविधा में सिए; मूरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (4) के अधीन, निम्नानिमित व्यक्तियां, अधीत्:——

- (1) श्रं। जगदेव राज पुत्र देसराज, अटारनी, श्रीमती भागवन्ती, अमरीक सिंहरोड, भटिण्डा । (अत्तरक)
- (2) डा॰ गुरिन्द्र पाल सिंह पुत्र अजीत सिंह, नरसिंग होम, दी माल, भटिण्डा । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

नगराची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5308, दिनांक भार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक : 17-11-1984

भाष III---खण्ड 1]

प्ररूपः, भाषं, सी. एनं ह एसः ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-म (1) के मधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजंत रेज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5705--यतः मुझे, जे० एन० गिरधर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जनार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, मार्च, 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मफे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और **बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच** एंसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निकासिक्त उदब्धिय से उक्त संतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- '(क) जन्तरण से हुई किसी भागकी भागत, उक्त अधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस अवने में स्थिया के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सविधा के लिए;

जत: अब. उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ै, मै, उक्ट अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात !:---

(1) श्रो जगदेव राज पूत्र देसराज, मख्त्यारेआम विमला देवी पूल देसराज, अमरोक सिंह रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ ग्रिन्द्र पाल सिंह पूत्र अजीत सिंह, नर्रांसग होम, दी० माल, भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख सं० 5309 दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 17-11-1984

मोहर 🛭

भ्र**रू**प नार्द. टी. एस्. ए**च**ु------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवस्बर 1984

निदेश मं०/ए० पो० नं० 5706~~यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसैकी सं० जैंगा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपानद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय वाबा गया प्रतिफम निम्निन्तिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण किवित में वाकाविक क्य के कांचित नहीं किया गवा है :---

- (क) ज्ञान्स से शुर्क किसी बाब की बाबत, उक्त जीपनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के सिए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मिन्धा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अमुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तिखित व्यक्तियों, अभित :---

- (1) श्रो जगदेव राज पुत्र देस राज मुख्यारेजाम रक्षा कुमारी, अमरीक सिंह रोड. भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) डा० गुरिन्द्र पाल सिंह पुत्र अजीत सिंह, नरसिंग होम, दी माल, भटिण्डा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, जे भीरार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति व्दारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित- बच्चभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थिष्टीकरण:—-इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित ह्वी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया नुस्त हैं।

अन् सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5310 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रॅं(कर्ता अधिकार) भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 17-11-1984

प्रकथ आहाँ. टी एन. एम. -----काबाकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा २८९-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जागुक्त (निर्वेक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

सिदेश मं० /ए० पा० ग० 5707---यनः मुझे, जे० एल० गिरधरः

काशकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात उपत अधिनियम कहा गया ही), स्ती भारत १६९-१० से तथीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावन संपत्ति जिसका उपित वाजान मृत्य 25,000/- रह. सं विधिक्त ही

स्रोर जिसका मं० जैसा अनुसुना में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूना में स्रोर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अयोज, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य हे कम के स्थमान प्रितिपत के लिए अन्तरित की एडं है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्यह प्रितिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निल में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्स श्रीभ-रिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में मृषिधा के लिए;

अतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-

15-366GI/84

(1) श्री अगदेव राज, पुत्र देसराज, अमरीक सिंह रोड, भटिग्डा।

(अन्तर्क)

(2) डा॰ गुरिन्द्रपाल सिंह पुत अर्जात सिंह, नरसिंग होम, दा माल, भटिण्डा ।

(अन्यरिती)

को यह सुमना जारी करके पृत्रक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किस विजन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के हैं।

मन संची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेख नं० 5311, दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिर्धर सक्षम प्राधि ारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 17-11-1984

प्ररूप आई', टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा ७६०-७ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5708—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, /

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम। 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांकमार्च, 1984.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (फो) अन्तरण ल हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अक्ने में सर्विका के लिए, बीर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आर्थकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में (सामण्ड अन्तरिती द्वारा एक्ट न्ही निया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में सिन्धा के निए:
- जहां अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बन्मरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारण (1) के बुशी जिल्लीकियन काकित्यों क्यांत

(1) श्रीः किशोरीःलालं पुत्र रामचन्द, कोठोः नं० सी:-19, एम० सी:0-56, सिविल लाईन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री लखिनिन्द्र सिंह भुल्लर पुत्न साधू सिंह, कोठी-183/15-ए, शान्त नगर, भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क्) हुत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5361 दिनांक मार्च, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारो भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-11-1984

प्रकृप नार्षः, टी. एवं एकः । -- -

जायकर जाँचिनियम,, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जासन्धर जासन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5709---यतः मुझे, जे० ए० ल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जी भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विजित है), रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) केअधीन, विनांक मई, 1984,

तो पूर्वीशत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल को लिए बन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि मशापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्रिथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की शब्द उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिमों करें, बिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त अधिनियम, या चन्का अधिनियम, या चन्का अधिनियम, या चन्का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुर ए। प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना जानिए जा, कियाने में स्विधा करिता;

सत्तः सम, उस्त सीमीनयम की भारा 269-म की समृतरम में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री किशोरी लाल पुत्र राम चन्द, कोठी नं सी-19, म॰ सी॰-56, सिविल लाईन, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती कुलबीप कौर पत्नी लखविन्दर सिंह भुल्लर, कोठी 183/15-ए, शान्त नगर, भटिण्डा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीखर पृष्टिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकारी

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्हर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 622 दिनांग मई, 1984, को रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 17-11-1984

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

बासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्थाना

मारत सरकार

कायांसय. सम्राधक वायकर मामृक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० /ए० पं:० नं० 5710—प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जिसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मटिण्डा में रजिस्ट्री करण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्त संपतिय के उचित बाजार मूम्य से कम के रचयमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दरवमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तविक स्थ से कियुद् नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण में हुई जिल्ही मान की बाबत, जबत मिलियम के अभीन कर दाने के बन्तरक के दाधिस्त शो कमी करने या उनमें अभने मां मृजिशा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता काहिए थां, कियाने में स्त्रिधा के सिए।

कतः अय उक्त विधिनयम की भारा 269-म के जनसरण रें, में, ज़बत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मितिस्ति व्यक्तियां, स्रामीत — (1) श्री किमोरीलाल सुपुत श्री रामधन्द, कोठी नं सी०-19, एम० सी०-456, सिविल लाईन--भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कीर पत्नी लखबिन्द्र सिंह भेहलर, कोडी--183/15-ए, शान्त नगर, भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कें। इं भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की नार्यास स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अग्यं व्यक्ति द्वाग अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 371 वि अप्रैल, 1984, को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने

> जे० एल० । सक्षम प्राधिकारा सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनोक : 17-11-1984

प्रस्म बाद्दे . टी . एव . एव . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेण सं० जी० आई० आर० संख्या ए-150/एवर्बा०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दशकाए 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक किता आराजी खसरा नं० 131 हैवतमऊ, मबैया, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन हैं दिनाक मार्च, 1984,

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से ऋम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिभक हैं और जंतरक (जंतरकों) और जंतरित (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल फर जिम्मिसिस वें बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) कर्त्याच के शृह्य किया विश्व की बाव की बाव करवा का किया की अधीन कर दोने की अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए अंतर्य
- (स) होती जिल्ही बाच का रिस्ती धन का कुछ, आरिस्ती की, जिल्ही भारतीय काककर अधिविधिन, 1922 (1922 को 11) या उनत क्रिंगिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या का जाना जाहिए था, कियान में सुविधा के किय;

(1) श्री डोरी ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स आम्प्रपार्लः सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि०, लेखनऊ, द्वारा सिचव श्री डो० मं:० श्रीवास्तव (अन्तरिती)
- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी केता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या करसर्वधी अयिक्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कृ, बही अर्थ होना जो उस अध्याय औं दिया नया है।

अनूसूची

आराजी खसरा नं० 131, रमाइसी एक बीघा, 13 बिस्वा, 3 बिस्वान्सी ग्रीर 19 कचनान्सी, स्थित हैवत मछ मयैया, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 317 में विणित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ती अधिकार। लखनऊ के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्स (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

धारा 269-च की उपभारा (1) दिनांक : 12-11-1984

मोहर :

लतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 26%-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिन्यिम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जो० आई० आर० संख्या—I 151/ए० क्वी—— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि मय बिल्डिंग है कारपोरेशन 22/4 है तथा जो 18, मदन मोहन मालवाय मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के अंचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निकित में शास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियां की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण माँ, मीँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नितिश्विष्ठ व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) 1. श्रामतः चन्द्रावती,
 - 2. श्रंत राज कुमार मिश्रा
 - श्रो गणि कुमार मिश्रा
 - अं। कृष्ण कुमार मिश्रा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आम्प्रपार्ला सहकारी गृह निर्माण सुमिति लि० लखनऊ द्वारा सिचव श्री डा० सी० श्रोबास्तव।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा गकेंगे।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसो 58765 वर्ग फिट मय बिल्डिंग कारपोरेणन नं० 22/4, स्थित 18, मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है (फार्म जैसा 37-जो संख्या 14872 में विणित है)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त/(निरोक्षण) अर्जनक्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

प्रकल वाहरे ही एस एस ----

भासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गर्य 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-152/एक्वी०--यतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० एक किता आराजी मं० 513 है तथा जो भदौरा बैरन मुरादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बाधीन, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान ध्रित्रफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तिकों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया बोत्रफल, निम्मिनिखित उद्दश्य से उसत अन्तरण सिमिन को जान्तिक स्पार्थ हो किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विभा के सिए और/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने से सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीरः, रिम्निलिंगि व्यक्तियों, अर्थतः :--- (1) श्रो राम प्रसाद,

(अन्तरक)

(2) श्रं: अब्दुल मलिक

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करना हो ।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकेंगे।

स्पटकिरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों न्का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

वन्स्यी

एक किया आराजो पैमाइना 476 वर्ग मोटर स्थित मोहरूला भदौरा बैठन मुरादाबाद, नं० 513 (जैसा फार्म 37-जो संख्या 1928 में विणित है) जिसेका पंजाकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राक्षिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन: एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवभ्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-153/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तान करने का कारण है कि स्थायर सन्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० मकान नं 114/1 है तथा जो नया गांव वेस्ट, थाना केसरवाग, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के लखनऊ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रोन, दिनांक 30-3-1984,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में पाम्तिक हम से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनं में स्विधा के लिए; और/या
- (१) भारते जिल्ली लाग राजिस को राज्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भारकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जलारिती ह्यान पराट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्वीतिया के लिए.

अतः क्रष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः (1) श्र.मतः असमत जहां

(अन्तरक)

(2) 1 था अजमत अला 2 था अरशद अला।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व प्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधांहुस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय स विया गया है।

नम्स्थी

मकान सम्पत्ति संख्या 114/1, स्थित नया गांव थाना केसरबाग, वार्ड-गनेणगंज लखनऊ मय टोटल एरिया भूमि पैमाइसो 3550 वर्ग फिट जिसका पंजाकरण रजिट्टाकर्ता अधिकार। लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30-5-1984 को किया जा चुका है।

प्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः सहायक आयक्षर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क्रे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-154/एक्वी---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भकान सम्पत्ति है तथ्वा जो गांधी नगर, मुरादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यूह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बाबस, उनस जीधनियम के अधीन कुप दोने के बन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा जे सिए; जॉर/या
- (श) एमें किसी आय या किसी बन या अन्य जाम्लियों की, जिन्हों सारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए:

(1) श्रीमती कैलाशवती ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अम्बिका इण्टरनेणनल, गांधी नगर, मुरादाबाद, ब्राश पार्टनर, श्री अशोक कुमार दिजय कुमार व अनिल कुमार (अन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वार्टन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उथल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिनादित हैं. बही अर्थ होगा में उस अस्याय में विशा भया हैं।

अनुसूची

निर्मित मकान मय टोटल भूमि एरिया 167 23 वर्ग में।टर, स्थित गांधी नगर, मुरावाबाद (जैसा फार्म 37-जें। संख्या 2454 में वर्णित है) जिसेका पंजोकरण रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारो मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

विनांक: 12-11-1984

मोहर 🛭

प्ररूपः, बाइ^{*}् टी. एन्. एस_ः ----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-155/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-12/112 बी-3 मोहल्ला-गौरी-गंज, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधानयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पृथोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तरिक रूप से कथित महीं किया बया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकया जाना चाहिए था िछपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (१) के अधी , निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री बाई० विश्वनाथन

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अब्दुल वाहिद खान
 - 2. श्री भा० जहीर खान
 - 3. श्री मो० जमील खान
 - 4. श्री बाबूखान
 - 5. श्री मो० आसिफ खान (नाबा) द्वारा संरक्षक श्री अब्दुल माजिद खान

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्षी

मकान नं वी-12/112वी-3 मय भूमि पैमाइसी 4274 वर्ग फिट, स्थित मोहल्ला-गौरीगंज, वाराणसी जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणमी के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9282 में वर्णित है)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

दिनांक : 9-11-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेण सं० जी० आई० आर० संख्या जे-71/एक्की०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान न० 507/7 है नथा जो नं० 2 प्रयागपुर हाउस, यूनिवसिटा, रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्णच्य मे वर्णित है),रजिस्ट्राकर्ता अधिकार्रा के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; अटि/या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्बर्धित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् ः—

(1) श्रीमती सोम प्रभा सिंह,

(अन्तरक)

(2) जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा चेयरमैन, श्री बी० ए० भट्टो स्थित अपर फ्लैट आफ पंजाब साईकिल श्रीर आटोमोबाइल, अमीनाबाद, लखनऊ । पंजाब साईकिल श्रीर आटोमोबद्दल, अमीनाबाद लखनऊ ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के एम लिखन में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्ध होगा, जो उस अध्यास में दिसा वया है।

नन्स्ती

मकान सं० 507/7, स्थित सं० 2 प्रयागपुर हाउस, युनिवर्सिटी रोड, लखनऊ मय भूमि पैमाइसी 46582 वर्ग फिट, (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3263 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र सखनऊ

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप कार्ष . ती . एन् . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवस्वर 1984

निदेश सं० जी० म्राई० आर० सं० ज-72/एक्यू०—म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह निश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26/9 है तथा जो बजीर हसन रोड़ लखनऊ में स्थित है (और इसस उनाबद्ध श्राप्तूची श्रीर पूर्ण रूप से बणित) राजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने कें स्विधा के लिए;

अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

- (1) श्री एम० सी० जौहरी
- (2) 1. श्री जगदीण कुमार ध्रप्रवाल श्री उदय कुमार ध्रप्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अमिध या तत्संचधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिध, को भी अमिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितसों में से किसी स्थित दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकर्य।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^वा वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हु³।

प्रनुस्ची

मकान नं० 26/9 स्थित बजोर हसन रोड लक्ष्तक मय भूमि पैमाईसा 5512.5 वर्गफीट मय कवर्ड एरिया पैमाईसी 200 वर्गफीट (जैसा कि फार्म 37-जी में नं० 14255 में वर्णित है) रजिस्ट्रोफर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च 1984 की पंजीकरण किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप बाह्र .टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

् निदेश सं० जी० म्राई० म्रार एस०-340/एक्यू०---म्रतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्राराजो है तथा जो ग्राम छावनी सिविल लाईन्स, मुराबाबाद में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबढ़ अनुसूची में भ्रीप पूर्ण रूप ने वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्जी भ्रधिकारी के कार्यालय मुराबाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिशिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अंद मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल कं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारत-विक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की सिए:
- भन्न कर जन्म अधिकात की भारत 000 के के अवस्तान

अतः जवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ **की उ**पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

- (1) 1. श्रीमती उमा विशन
 - 2 कु० निहारिका उर्फ निक्को
 - 3 किमन खन्ना द्वारा श्रटानी, साह हरो विमन

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्भ शिव शक्ति सहकाारो श्रावास समिति लि० मन्डी बान्स, मुरादाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता व किरायेदार डा० ध्राई० जी० पी० टी० सी० । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है , जिन की जनकि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं विश्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिल बय्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधीहरकाकारी क गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इन, बहु अर्थ झांगा जो अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

न्नाराजी पैमाईसीं 2000 वर्ग मीटर स्थित प्लाट नं० 457, ग्राम छावनी, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद (जैसा कि फार्म नं० 37-जी संख्या 2492 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च, से 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्धिमण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० एस०-341/एक्यू०--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' सहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० ग्राराजी है तथा जो ग्राम-छावनी, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से ग्रणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफ ले के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री साह हरी विशन

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स शिव शक्ति सहकारी समिति लि॰ मुरादाबाध द्वारा सचिव श्री ताहिर हुसैन (श्रम्तरिती)
- (3) विकेता व किरायेदार, डा॰ झाई० जी०,
 पी० टी० सी, मुरादाबाद ।
 (वह व्यक्ति जिसके झिंधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्थव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

श्राराजी पैमाईसी 1052.22 वर्गमीटर स्थित प्लाट नं० 457 ग्राम छावनी सिविल लाईन्स, मुरादाबाद, मय पुरानी कवार्टर मय 188 वर्गमीटर भूमि (जैसा कि फार्म नं० 37-जी संख्या 2494 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुरादाबाद के कार्यालय में मार्ग, 1984 में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

मोहर:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— डस्प बार्'् टी ् ६वः एस््-=----

भावकर मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवेश सं० जी० श्राई० श्रार० एस०-342/एक्यू०-श्रतः महो, ए० श्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राराजी है तथा जो ग्राम छावनी, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान क्षितफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उकत अन्तरण किवात में बास्तिबक इप से कथित नम्नी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत स्वक् अधिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरक के दायित्त्र में कभी कारने या उपसे अधने में सृविधि के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी थन या जन्म नास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा से सिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तिसीं, अधीत :——

- (1) 1. श्री मनमोहन विशन

 2. मास्टर विनायक विशन

 ग्रारा जनरल ग्रटार्नी श्री एस० हरी किशन
 (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स शिव शक्ति सहकारी समिति श्रावास समिति लि० मन्डी, बान्स मुरादाबाद, सचिव श्री सारिष्ठर हमैन । (अन्सरिती)
- (3) विकेता व किरायेदार, डा॰ श्राई॰ जी॰, पी॰ टी॰ सी॰ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख शे 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रक्ताशन को टारीख सं
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सर्भी

श्राराजी पैमाईसी 2000 वर्गमीटर स्थित प्लाट नं० 4057 ग्राम छावनी, सिविल लाउन्स मुरादाबाद (जैसा कि फार्म नं० 37-जी सख्या नं० 2495 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रोकर्ना ग्रिधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

मोहर 🖇

प्रकल शाहाँ. टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज, लखनऊ लखनऊ, निदांक 12 नथम्बर 1984

निदेश सं जी ज्यार क्षं 343/एनकी — ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्राराजी है तथा जो ग्राम छावनी, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1984

को पृथोंक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; बीद/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चौं सिए;

- (1) 1. श्री एस० चन्द्र मोहन विशन
 2. मास्टर रिव विशन (कृष्ण)
 द्वारा जनरल भ्रटानी, साहू हरी किशन
 (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स शिव शक्ति सहकारी स्रावास समिति लि० मन्डी ब्रान्स, मुरादाबाद, द्वारा सचिव श्री ताहिर हुसैन । (ग्रन्सरिती)
- (3) विक्रेता व किरायेदार डी० श्राई० जी०, पी० टी० सी०। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को यह स्थाना जारी करके पर्योक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूघी

प्लाट (ग्राराजों, पैमाईसी 2000 वर्गमीटर स्थित प्लाट नं० 457, ग्राम छावनी सिविल लाईन्स, मुरादाबाद, (जैंसा फार्म नं० 37—जी संख्या 2493 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

कतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन िनस्किन्दिस स्थितियों, स्थाति ह—-

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेज, लखनऊ

लखनर्ऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० भ्राई० भ्रार० संख्यां एस० - 344/एस्यू०---भ्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राराजी है तथा जो ग्राम छावनी, सिविल लाईन्स, मुराबदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूआ यह विद्यमान करने की कारण है कि यथापृथीकत सम्पत्ति का उच्चत बाजार मूख्य, उद्यक्त दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्राक्तफल का पन्द्रह प्रात्तवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस कत्रण के सिए तय पाम प्राप्तफल, निम्नलिक्ति उद्युदेश से उक्त बंतरण निचित में बासाबिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जीवरण ते हुइ किसी आब की बाबता, उसता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; खौर/दा
- (५) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी वाहिए था छिपाने के स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थोन,

(1) साह महाराज किशन

(ग्रन्सरक)

(2) मेमर्स णिव प्रक्ति सहकारी श्रावास समिति लि० मन्त्री बान्स, मुरादाबाद, द्वारा सचिव श्री ताहिर हुमैन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता व किरायेदार, डी० श्राई० जी०, पी० टी० सी० । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना आरी करके प्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत बच्चित्त के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र क्षणना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर जिसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर सकत स्थानर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या करीने।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

श्राराजी पैमाईसी 1239.87 वर्गमीटर स्थित प्लाट नं 457 ग्रान छायनी मिबिल लाईन्स, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है) जिसका पंजीकरण मंख्या 2491 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनङ

दिनांक : 12-11-1984

प्रारूप बार्च. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार संख्या एस०-345/एक्यू० प्रतः मुझे ए० प्रसाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राराजी नं० 3 है तथा जो 10, हैवलक रोड़ (सरोजनी नायडू मार्ग) लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-3-1984

को पूर्विक्स संप्रिस का उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निल्लिख में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी काय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूरिप्रध खे निए:

नतः नवः, उन्त निधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, अनत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीनः, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) डा॰ मधु सूदन गुप्ता

(ग्रन्तरक)

(2) डा० श्रीमती सविता रानी श्रप्रवाल द्वारा श्रटानीं जनरल श्री प्रेम चन्द श्रप्रवाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पत्रधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्स्ची

म्राराजी नं० 3, गंकर हांउसिंग को-म्रपरेटिव सोसायटी पैमाईसी 6198 वर्गफीट, स्थित 10, हैवलक रोड़ (सरोजनी नायडू मार्ग) थाना हुसैन गंज लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में 2,6-3-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 12-11-1984

प्रकल् नाही, टी. एन्. एक्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन समना

बार्य बर्यमा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजॅन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० माई मार० संख्या एस०-346/एक्यू० मतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर निमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निभित्यम' कहा गया है), की भारा 289-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपरित जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से निभक्त है

भौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो 14, बारूद खाना, लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपावड धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्रंतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एने दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया नवा है:----

- (क) जन्तरण संहुर किली जाय की वानत उक्त नीथ-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा की लिए, शहि/वा
- (थ) एंसी किसी जाय वर दिनती भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

जत: अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-व की जन्तरण हों, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अभीन, निम्नितिषित स्थितियों, अर्थात् ४--- (1) श्री ग्रब्द्र रशीद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शरीफ ग्रहमध ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्यनाहियां करता हो।

बक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बासोप् हः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंचे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का भो उनके अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वजा है।

अनुसूची

मकान सम्पति स्थित 14, बारूव खाना, लखनऊ मय भूमि पैमाईसी 2120 वर्गफीट (जैसा फार्म 37-जी संख्या 1526 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, लखनऊ

विनांक : 12-11-1984

मोहर ः

प्रस्प बार्ष: टी. पुन् पुर्व -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० यू०-38/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद;

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम अधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 22/4 है तथा जो 18, मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1984

को पृशीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृशीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वासर कि रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (45) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियों. अर्थातः ---

- (1) 1. श्रीमती चन्द्रावती मिश्रा
 - 2..श्री रजि क्कुमार मश्रा
 - 3. श्री शशि कुमार मिश्रा
 - 4. श्री कृष्ण कुमार मिश्रा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती र्जीमला जैन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋता

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पल्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वार के राजपत्र में प्रकाशन की शरीक से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वार की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थायत्स्यों में से किसी स्थित हुताराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. गया हैं।

नमृत्या

मकान नं० 22/4 सय भूमि पैमाईसी 3485 क स्थित, 18 मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ सय कवर्ड एरिया पैमाईसी 200 वर्गफीट (जैसा कि फार्म 37-जी संख्या 14871 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

विनांक : 12-11-1984

प्रकृष् भार्षः टी. एष्. एस्. -----

भागकर मीप[नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/3-84/650---भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है:

भ्रौर जिसकी सं० यू० बी०-5 है तथा जो 22 बाराखम्बा रोड, नई बिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई बिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के भ्रधीन मार्च, 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) वृत्यहुम् वं हुई किसी वायु की वायद, बनत वृत्रितियम के स्पीत कर बने के बन्दर्क के वायित्य में कमी करने या उत्तसे वस्ते में सुनिभा के निष्; जॉर्/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग की उपधार्य (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, अभीत्य स्कीपर सेल्स प्रा० लि०
 य2, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

30137

(2) श्री एस० गुरचरन सिंह,
 निवासी-1-ई/13, मंडेवालान,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाध्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किए का सकता।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

पलैट नं० यू० बी०-5, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 1100 वर्गफीट ।

सुंधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1984

मोहर ;

प्रकल नार्षः दीः, एनः, एवः, ------

नायभर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1984

मिदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/ 651---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जी-10 है तथा जो 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालम, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961, के ग्रिधीन मार्च, 1984

को पृथोंकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह चिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइं किसी जाव की बाबत , उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने मा उग्नसे बचने में सविधा के सिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य जास्तिकों को, विन्हें भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों अधीत् :-- (1) स्कीपर सेंल्स प्रा० लि० 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० गुरचरन सिंह निवासी-1-ई/13, अंडेबालान, नई विल्ली-55।

(प्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित्रबर्भ किसी जन्य व्यक्ति ब्याय अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं पर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्रिकर गया है।

वनसर्ची

फ्लैट नं० जी०-10,तादादी 760 वर्गफीट, 22,बाराखम्बा रोड़, नई विस्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिमांक : 12-11-1984

क्षण वार्षः हो। हम्_य हम्_य्यान्य

बायकर वीर्यानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में ब्रभीन सुमन,

EISE ESTE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/ 658---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जी-6 है तथा जो डब्ल्यू०-122, ग्रेटर कैलांग-2, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय स्रायकर 'स्रिधिनियम, 1961 के स्रधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, स्वकं स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नितिबत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (व) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वय-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किद: गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नयन पाल साहनी, निवासी-227, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गणि जिन्दल, श्री रिणी जिन्दल, निवासी-22, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रं वह ब्रुचना बाडी करके पुना नेत्र सम्मृत्ति के वर्षन के हिन्छ कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उपत बर्मारत के वर्षन के चम्मभ में कोई थी नाकेए;⊶

- (क) इस त्या के राज्यम में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 विन की नव्धि या तत्सम्बन्धी क्योनतमा पर स्थान की तामील से 30 दिन की सब्धि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) हुन बुज़ना के राज्यपत्र के प्रकारन की तारीन के 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति के हित्बहुध किसी क्या स्थानित द्वारा नभीहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए का संकेंगे।

स्यक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो० नं० जी०-6, डब्स्यू-122, ग्रेटर कैला $\mathbf{v}-2$, नई दिल्ली. तादादी 1000 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

कतः तकः, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-गं की, कन्स्रण मी, मी, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के लगील, निस्तिविधन व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिसांक: 12-11-1984

प्रकल् बाई. टी. एन. एस.-----

भासकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एवयू०/1/37ईई/3-84/678—म्रतः मृझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हं

श्रीर जिसकी सं० 108-ए हैं तथा जो 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन मार्च, 1984

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार भृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत अनव अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा अन-कर अधिनियम, शा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियो, अर्थात् :——

(1) मेसर्स स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कमा० नरेन्द्र प्रताप सिंह (रिटा०) श्रीमती सुरजीत कौर, मास्टर मंदीप सिंह, निवासी—जे—215, साकेत, नर्ष दिल्ली—17 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मतित में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास िखित में किए का मकोगे।

स्थव्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, धी. इस्थ अधिनियम के अध्याय 20 का ने परिन् भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, धो स्कः कश्वाक में दिया गया है।

धनु*म्*ची

प्रो० नं० फ्लैंट नं० 108-ए०, तादाद 500 वर्गफीर्ट 22, बाराख्यम्बा रोड, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-1, नई दिल्ली

दिमांक : 12-11-1984

प्रकृष् बाइं.टी.एम.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1.2 नवम्बर 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/37ईई/3-84/680--श्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उवित काजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव 102, है तथा जो 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजिन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन नारीख मार्च, 1984

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य भे कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियान, के जभीम कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्था के लिए;

(1) मैं० स्कीपर मेल्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती साविबी देवी कोहली, पत्नि श्री कैलाण चन्दर कोहली, निवासी–सी–226, ग्रेटर कैलाण–1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

नकत संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकाशा;
- (व) इस स्थान के राजपण में शकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितमद्भ किसी बन्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शता निचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

मनसर्ची

प्रो० नं० 102, तादादी 550 वर्गफीट, रोड़, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्सर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीत सुभना

भारत सरकाइ

कार्याज्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरौक्ज़)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्वर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/ 681---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 106, है तथा जो 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधितयम 1961 के श्रीन तारील मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

सतः, अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—— से० स्कीपर गेल्य ग्रा० लि० स्कीपर भवन, 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2 मैं० ओरियल एक्सपोर्ट प्रा० लि० 75-ई, हिमालया हाउम, 23-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्हरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पृक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

APRIL 1

प्रो० नं० 106, तादादी 750 वर्गफीट, 22-बारा-ख्रम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11- 81 मोहर प्रकप नाइं टी. एन एस .-----

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्थर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/1/37ईई/3-84/682—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕-,रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं यु जो एफ०-22 है दथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजैन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्वेष से उसत अन्तरण निम्बित वें वास्तिक हम् से कांस्त नहीं किया ग्या है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय का बाबत, उक्त निवब के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के शांवरव में कनी कड़ने वा बख्ते बुखने के शृंदिया के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाव या किसी धन था अन्य बास्तियों को, चिन्हें धारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हमोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, किया में सुविधा के निए;

जतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाहा :--- (1) मे० स्कीपर मेल्स प्रा० लि०22, बाराखम्बा रोड़,नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्दर कौर, पिन स्व० श्री श्रवतार सिंह, निवासी—बी—535, न्यु० फ़ेडस कालोनी, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की बबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम् को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कृष्याय में विशा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० (यु० जी० एफ०) श्रपर ग्राउन्ड फ्लोर, 22 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज+1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-11-1984

प्रकृष बाद् . टी . एन . एस . ------

भाग्यकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ब्राइत बहुकान

कार्यालयं, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्त्रर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/37ईई/3-84/ 683—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 104 है तथा जो 22 वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के दारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक अप स किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० निर्यात प्रा० लि० 75-ई, हिमालया हाउस, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना बारी करके पृत्रा नित्त सम्पृत्ति को वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्णन 'के मध्यन्थ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के उस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त श्रुवों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

वनसंची

फ्लैंट नं० 104, तादादी 550 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप माई. टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/735—ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 387 है तथा जो मन्त नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिभिनयम 1961 के ग्रधीन मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह यिश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई कियी जाय की वायत ; उपत विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या अवसे वचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा डे सिद्द;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् क्ष्मन (1) श्री तारा चन्द,
 निवासी—बी-97, मजलिस पार्क,
 गली नं० 1 श्राजादपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी लीला सलीवराज, निवासी— मकान नं० 387, सन्त नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अते अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

मकान नं० 387, सन्त नगर, नई दिल्ली, ता वर्गगज, डबल स्टोरी मकान ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/ 84/

1801--अतः बुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अरैर जिसकी सं० ई-357 है तथा जोग्रेटरल केलाण स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री इर्ता धिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिषक रूप से कथित नहीं कया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० क्षरस्वती बिल्डर्स,जी-1, दिखागंज,नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री एल० डी० बन्ना, सुपुत्न श्री पी० एन० बन्ना, निवासी-257, ट्रान्सपोर्टनगर, कानपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**की**

प्रो० नं० 357, ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली, तादादी तीसरा मंजिल।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

हिनांक : 14-11-1984

प्ररूप आइ⁴.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्थु०/1/एस० आर०-3/3-84/1805--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-53 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्या को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) भे सखरवाल कन्सट्रहणन कं नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुणा दत्त,
पत्नि स्व० श्री पी० के० दत्त
निवासी-ए-27, प्रेस एन्कलेव, साकेत,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

अन्यूची

युनिट नं० 'सी' दूसरी मंजिल, प्रो० नं. एम०-53, ग्रेटर कलाण-2, नई दिल्ली, तादादी 900 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~I, नई दिल्ली

दिनांक : 14-11-1984

माहर :

प्रका आहें. टी : एन् . एस् . ---------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वता

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवस्वर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 3-84/1823--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिनियम' महा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास का की का बारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०--29 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिअस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर नारीख मार्च, 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार बुक्ष उसके स्थमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) क बाज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ वं हुवं किसी बाम की बावत् उभतः अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्य में कनी करने या उसते अचने में सुविधा क लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमती बिमला बती, परनो श्री बो० पी० दलवार, विवासी एन०-10, साउथ एक्सटेंणन, नई दिन्ली, भाग-1

(अन्तरक्)

(2) श्री भगवान दास, सुपुत श्री राधा मल, निवासी-4/21, नेहरू नगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकालन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्थानता में से किसी स्थानत बुवारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिस में हितबक्ष किसी अत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

मन्त्र्यो

प्री० नं० एम०-29, ग्रेटर कैलाण-1 मार्कीट; नई दिल्ली तावादी 195 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सजनम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-11-198 4

प्रकृष आर्थ. टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 3-84/1825--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं एम०-29 है तथा जो शाप नं 6, ग्रेटर कलाश मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है) रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च, 1984

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) भगवान दास, सुपुत्र की राधा मल, निवासी~4/21, नेहर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह नक्कड़, सुपुत श्री पियार सिंह, निवासी-ई-109, ईस्ट आफ कैलाश, नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याय में विया यस है ।

नप्रापी

प्रो० नं० एम०~29, दुकान नं० 6, ग्रेटर कैलाश मार्केट नई दिल्ली, तादादी 333 वर्गफीट, ग्राउन्ड फ्लोर, मैजनीन फ्लोर, पहली मंजिल के साथ खुला छठ तथा पहली मंजिल के उपर का भाग, प्रो० नं०एम-29, ग्रेटर कैलाश मार्कीट, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नद्र विल्ली

विनोक : 14-11-1984

- -; ;

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय. सहायक आयकर जाय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० म्रार०/ 3/3-84/1841—म्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

श्रायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-छ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-4/146, है तथा जो दयानन्द कालोनी लाजगत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोश्वत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करके, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गोविन्द राम, सुपुत्र श्री करम चन्द्र, निवासी-1132, परास खन्ना, गली सामोसा, दिल्ली-6।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती किरन मदान, ग्रीर श्री सुरेन्द्र कुमार मदान, निवासी—बी०-4/146, (सीटी) दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पवितयों पर सूचभा की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पवितयों में से किसी स्पवित इवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, वो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्सूची

प्रो० नं० बी-4/146, चिप टेनमेंट, दयानस्य कालोनी, लाजपत नगर, नई विल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक 12-11-1984 मोहर :

अरुप जाइ. टी. एनं. एसं. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, विनांक 14 नवम्बर, 1984

निवेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/ 3-84/1842-श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ई-607 है तथा जो ग्रेटर कैलाग -2, नई किली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (थ) ऐसी किसी या किसी अन या अन्य अस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) है अधीन, निम्नसिवित काकितयों, अर्थात :---

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० एल० सीक्री कर्ता, एच० एल० सीक्री (एच० यु० एफ०) निवासी-217, डी० डी० ए० फ्लैंट, हौज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवास्थित है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसची

प्रो० नं० ई-607, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, दू मंजिल,

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 14-11-1984

प्रकृत हार्य, टी, एन, एव, -----

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सुचना

मार्च बर्कार

कार्यासम, शहायक बायंकार बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवस्वर, 1984 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु/1/एस० ग्रार०-3/ 3-84-ग्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एष०-1/19 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908

(1908 का 16) ण प्रधीन तारीख मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ उच्चेव्य से उसत अन्तरण निम्नित के बास्तिबक रूप से किंग्य नहीं किया गया है है---

- (क) वन्तरभ से हुई किसी नाम की वावत, उपत विश्वित्यम के अभीत कर दोने के वन्तरक के वावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में जुनिया के जिए;

(1) श्री गोपी चन्द मिलक, सुपुत्र श्री लोरीन्दा राम, निवासी—एच-1/18, लाजपत नगर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुदर्शम कुमार लम्बा, सुपुत श्री भगवान दास, निवासी-एच-1/19, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की नविंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 बूचना की तामील से 30 दिन की नविंध, जो भी
 वविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

त्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों बीर पर्यों का, वी उन्बर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनसूची

पगो० मं० एच-1/19, लाखपत नगर, नई विल्ली, सादादी 100 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर <mark>घायुक्त (निरीक्षण)</mark> धर्जन रेज-1, नई दिस्सी

बतः अव, स्वत विधिनियम की भारा 269-ए से बनुसरम में, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, नर्थात् हे—

दिनांक : 14-11-1984

प्रकृप बार्ष. टी. पून. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्वर, 1984 निवेश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस० म्नार०-3/ 3-84/1876----मत: मुझे सुधीर चन्द्रा, ब्रायकर धरिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयंकर क्षीपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार भूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गवाईपुर, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1808 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए।

क्त: शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, विधीत हिस्स (1) श्री बैगर सिंह,
सुपुत्र श्री राम सिंह,
जी० ए० श्री कुलवन्द सिंह,
सुपुत्र श्री जगत सिंह,
निवासी एम०-168, ग्रेटर कैसाग,
नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री पी० ग्रार० सरकार एजुकेशन एन्ड डेवलपमेंट ट्रस्ट, नई विल्ली द्वारा, ट्रस्टी श्री मंगल विहारी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का), इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 विषे भीर 12 विस्ते, खसरा नं० 590 (4-16), 610 (4-16), धाम गवाईपुर, नई विस्ती ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेंज-1, नई दिल्ली

दिमांक : 12-11-1984

प्रकृष बाह्". टी. एव. एक,-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

मारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्तिण) धर्जन रेंज, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 14 मवस्बर 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी-4 है, तथा जो दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वंशापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फस, निम्न्जिखित उद्वेश्य से स्वत् ब्लारण कि बिक में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक्र के श्रायित्व में कमी करने या उग्नसं वचने में सुविधा के सिए; बीडः/वा
- (थ) एसी किसी कान या किसी धन या कत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाव-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती वृतारा प्रकट नहीं किया चना था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः वयः, उपत किपितियम की भाषा 269-म के बन्सरम में, में, उपत् अभिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, जिन्नसिमित व्यक्तियम, वर्णात हु---

- श्री मदन लाल, निवासी ए-89, भालबीय नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- श्री क्लाया राम अंग, निवासी सी-4/196, दयानन्द कालोनी, लाअपत नगर, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (अ) इस त्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

·

प्रो० मं० सी-4/196, सी० टी० दयामन्द कालोमी लाजपतनगर, मई दिल्ली। तावादी, 100 वर्गे गज।

> सुधीर प्लन्दा, सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मजंन रेंज 1, नई बिस्सी

विनांक 14-11-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली,

मई दिल्ली, विनांक 17 नवम्बर, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 105, ब्लाक 'एफ' है, तथा जो इस्ट भाफ कैलाश, नई दिल्ली, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्गमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्गमान प्रतिफल से एसे इर्गमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिखता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिधित व्यक्तियों, अधित :——

- श्री कृष्णाकान्त सुपुत स्व० भी माधू राम, निवासी जी-1/75. लाजपत नगर, नई दिल्ली । (भन्तरक)
- 2. डा० (श्रीमती) सुभाष शर्मा पत्नि डा० एन० डी० शर्मा डा० एन० डी० शर्मा सुपुत्र डा० जी० पी० शर्मा, निवासी 213, रोज एवन्यू, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः - इसमे प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वग्स्ची

प्रो० नं० 105, ब्लाक 'एफ' ईस्ट झाफ कैलाश, नई दिल्ली तादावी 400 वर्ग गर्ज।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 17-11-1984 मोहर :

प्रका नाई.टी.एन.एड.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/444/83-84 - यतः मुझे

ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 20, जो ग्राउन्ड फ्लोर, दालानी नगर विहिंडग नं 1, प्लाट बेश्नरींग सी टी एस नं 60, श्रीर 61, मीजे, मागठाणे, एस िव्ह रोड, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 9-3-1984 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामा श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्र श्रीतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरम् सं हुर्द किसी काव की वावता, उपस् वृधिनियम से सभीन कर देने के बन्तरक के श्रीवरम् में कमी करने या उससे वृथने में सुविधा के किए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था छिपाने में एडिभा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- मैससं वात्तानीः कम्ब्दुक्यान्य भौर मैससं वात्तानी एसोशिएदसः ।

(भन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री सुनील सरॉफ।

(धम्तरिती)

ग्रन्तरक

(वह ब्येक्सि, जिसके ग्रिविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके प्याँकत सम्पृत्ति के वर्षत के जिल् कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधिः, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदी का जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

नमृज्यी

फ्लैट नं० 20, जो, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, बात्तानी नगर बिल्डिंग मं० 1, प्लाट बेर्ग्नारंग, नं० सी०टी० एस० नं० 60 ग्रीर 61 मीजे, मागठाणे, एस० व्हि० रोड, बोरिवली (५०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचीजैसा कि ऋ० सं० अई/4/37-ईई/444/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक प्र्यायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन—रेंज, 4, बस्बई

विनांक 12-11-1984 मोहर:

प्रकृप आहें, की. इन. एस. -==-==

नायकर नाधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ग. (1) के मधीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

मिर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/77/83-84----यतः मुझे, ए प्रसाव

नायकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सभाग प्रविकारी को यह निकास काएने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नाजार मृत्य, 25,000/~ रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो 6वीं मंजिल विहिंदग,-ए, "चन्द्रा भ्रपार्टमेन्ट्स", एस० व्हि॰ पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित दाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उभित बाजार बूम्ब, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकृत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा पथा प्रतिकृत दिक्कितिका उन्हों के अपना बंतरण कि बित में वास्तरिक क्ष्म में कविन नहीं कि बा गया है:---

- (क) अभारण चे हुई किसी नाम की बासरा,, उनस विधिनमान के सभीन कर दोने ने बंधरक के बाधित्य में कजी करने या उससे स्थाने में स्थिमा ने निष्; और/बा
- (च) देशी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या भगकर निधिनयम, या भगकर निधिनयम, विश्व विश्व विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में महिना के सिए;

1. श्रीमती चंचलबेन पी० मेपानी,

(मन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र पाल मागपाल

(ग्रन्तरिती)

3. मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाबोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त वर्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नपच्ची

फ्लैट नं० 604, जो 6 वीं मंजिल, बिस्डिंग, ए, "चन्द्रा ग्रपार्टमेंन्ट्स", एस० व्हि० पी० रोड, बोरिबली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं भई०-4/37/ईई/77/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बद्ध द्वारा दिनोक को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सन्नम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-4, बस्बई

विमांक: 12-11-1984

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 12 नवम्बर, 1984 निर्देश सं० ग्रई०-4/37ईई/608/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, 2 री मंजिल, बिल्डिंग ए, बोरिवली सत्य शिल को-श्रप० हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, ऑफ एक्सार व्हिलेज, रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा के श्रापकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-3-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिल मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचमें में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय अवका अस्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर और्धान-भा, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना बहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. श्री रविन्द्र दत्तात्रय खरोटे,

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुकून्द बालकृष्ण निबंधे

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती श्रौर उनका परिवार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 10, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग ए, बोरिवली सत्यशिल को-ग्रंपरेटिव हाउसिंग सोझायटी लिमिटेड आंफ एक्सार व्हिलेज रोड, बोरिवली, (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/608/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज -4 बम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्वेश सं० श्रई-4/37ईई/999/83-84—यतः मुझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्प सिक्के परचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 75,000/- रा. से अधिक हैं:

ष्रौर जिसकी सं० पजैट नं० 8, जो, प्लॉट नं० 13, प्राई० सी० कालोनी, बोरिवली, (प०), बम्बई 103 में स्थित है (श्रौर इससे उंपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम ख्रियमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रुयमान प्रितिफल से, ऐसे द्रुयमान प्रितिफल के क्लूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तर के क दायित्व मा कमी करने या उसस बचन मा क्षिपः के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन दा अन्य आरंग्तया की जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था, छिपान में गृजिधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात ल्लान 1. श्री फिलिप्स, जे० फर्नान्डीस,

(प्रन्तरक)

 श्री ग्रिलेक्स ए० कोर्डेरो श्रीर श्रीमती मार्गा रेट ए० कोर्डेरो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

र ७५त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास कार्कित मां कार का सकार्य।

स्पस्ड किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्की

फ्लैट नं० 8, जो प्लॉट नं० 13, श्राई० सी०, कालोनी, बोरिवली, (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37ईई/999/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अभिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षप्र) प्रजीम रेंज 4, बम्बई

दिनाक 12-11-1984 मोहर:

प्रक्ष बाइ^{*}.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984
निदेश सं० ग्रई०-4/37ईई/1006/83-84---यतः
मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-301, जो 3 री मंजिल, ''राजिकशोर'' बिल्डिंग, सी०टी० एस० न० 1065, मेउरीन स्ट्रिट, एम० जी० रोड, कां:दवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनाक 29-3-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ब्रौर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्ह;

1. श्री वीपक एच० संववी।

(मन्तरक)

2. श्री तुलशीवास जमनावास समानी

(चन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाह्यां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाबन ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विस् किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

प्लीट मं० सी-301, जो 3 री मंजिल, "राज-किशोर", बिल्डिंग, सी०्टी० एस०, नं० 1065, कांविवली व्हिलेज, मेउरीन स्ट्रिट, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37ईई/1006/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 29-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वान रेंज-४, बस्वर्ष

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

विनाक 12-11-1984 मोहर: प्रका बाह्".ठी.एन.एस. ------

भारकर विधिनिवृत्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन तुष्मा

नारत तरकार

कार्याश्यम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, सम्बर्द सम्बर्द, दिनांक 12 नवम्बर, 1984 निवेश सं० ग्रर्द०-4/37ईई/788/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शावकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात जिस्ते जिस्ते महा गया हैं) की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्चास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 25,000/- रु. से जिथक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो 1 ली मंजिल, बी-बिंग, बिंह्डिंग नं० 23, भालावद जैम, को-ऑप०-हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रुप से विजित है) भौर जिसका करारनामा ग्रायकर मधिनयम 1961 की धारा 269 कख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उक्ति बाजार मूल्य से कम कै दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार बृह्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी थम या बन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकड़ विभिन्निय , 1922 (1922 का 11) या उपत जीविनियम या धम कर जीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ बन्दीउसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बन्ता वाहिए था, कियाने में सुविधा के बिद्ध

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण हो, हों, उक्त अधिनियम की धास 269-ग की उपधार्य (1) के अधीन, निस्तिविधित क्यींक्त्यों हैं। जयादि हि— 1. सरल इंटरप्राईज ।

(धन्तरक)

2. रंजनबेन कौतीलाल शहा, ।

(चन्तरिती)

को यह पुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित से सर्चन को सिए कार्यवाही शुरू करता हो।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितस्वूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास सिश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विष्टितवा के अध्याप 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उड़ अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

प्रलैट नं 3, जो 1 सी मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं 23. झासावद जैन, को-माप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कर सं० अई-4/37-ईई/788/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धवारा विनौक को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद समय प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) घर्षन रेंज-४, अम्बई

विनोक 12-11-1984 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस .-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, अम्बई अम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निदेश सं० श्रई ०-4/37ईई/465/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, सब-सब-को-ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 72-डी, शंकर लेन, कां:दवली (प०), बम्बई-67 नें स्थित है (ग्रीर इससे उपावद भ्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कखंके ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्रं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अफिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती उमिला वि० दवे,

(भ्रन्तरक).

2. श्री विजयकुमार धिजलास व्होरा,

(प्रस्तरिती)

3. प्रग्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपीत को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :⊸~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसू**ची**

फ्लैट नं॰ 4, जो ग्राउन्ड फ्लोर, हब-सब-को ग्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 72-डी, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37ईई/465/83-84 ग्रौर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहर: प्रकृप काई. टी: एन., एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारत संदुकार

कार्यालय, सहायक भायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई . दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्वेश सं० ग्राई०-4/37ईई/726/83-84—श्रंतः मुझे ए० प्रसाद

अगण्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 132/5, जो, एक्सार व्हिलेज, बोरिवली (पिंचम), बम्बई-92, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रुप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर कर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गिरी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है दिनोक 19-3-1984

ां पूर्वीयत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत बन्तरण मिखित में बास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुंदूर किसी बाय, की नावल, उस्क अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले अवने में नुर्वेषणा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अध्य-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रम जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीन: —— 1. मैसर्स प्रगति कन्स्ट्रवशन कॉर्पोरेशन।

(मन्तरक)

2. श्री गोपीनाथ रामचन्द्र बारसकर।

(मन्तरिती)

को यह त्या भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया दर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

कम सं॰ 132/5, जो, एक्सार व्हिलेज, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37ईई/726/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्थिजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984 **मोहर**ः प्रकल कार्द ः ट]. एतः, एकः,------

वायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सवना

नारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रई०-4/37ईई/33/83-84--- यतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, 3 री मंजिल, एक्सप्रेस, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और किसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मूओं वह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल, से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकारें) और अंत-रिती (अंतरितियारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त बंतरण लिखिल के वास्तविक रूप से कथित नहीं कियां गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्क बीधीनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के वासिस्थ में कभी करने या उससे बचने में स्थिधा क लिए; 'आंद/या
- (व) एंती किसी बाय या किसी धन वा बच्च जास्तियों की जिन्हों नारतीय नायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, वा धनकर जिधिनयम, वा धनकर जिधिनयम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की, बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलिश्वर व्यक्तियों, अथाद् 1. धतुस बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रश्मीका नरेन्द्र मसालिया भौर नरेन्द्र बालचन्द्र मसालिया ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शृरू, करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपूत्रपी

फ्लैट नं 302, जो 3 री मंजिल, एक्सप्रेस टोवर एल० टी ॰ रोड, बोरवली, (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37ईई/33/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1984 को रजिस्टडं दिया गया है !

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी प्रदायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज 4, बम्बई

विनांक 13-11-1984 मोहर : मक्त बाह् .टी.स्न.एस.======

जायकर मिंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन सूचना

बाइट दुरुवाड्

कार्यासय, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/280/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/- रा से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो 3री मंजिल, बैंक प्राफ रहीदा, मिटाईज शुभ वंदनबन को-प्राप० हार्जिस सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 14, प्रोधव नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) प्रौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 8-3-1984 को पूर्वोंक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकाल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकाल का, निम्निलिखित उद्वेपय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विकार स्थ से कथित नहीं किया गया हैं हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विश्वितम् के वृथीन् कह देने के वृत्तरण के शाबित्य में कमी करने वा उच्च वेषने में वृदिधा वे किए; वरि/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, है कुन आप्रतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में विकास में विकास में विकास

1. श्री करणा शंकर अमृतलाल मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मधुकर पांडुरंग गोलामडे

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वैंक श्राफ बड़ीया ।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को बह सूचना बाडी करके पूर्वों कर सम्मित्त के अर्थन के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

बच्छ सम्मृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी नास्रेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी है।
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वच्यकित्प्र--इसमें प्रमुक्त चंच्यों शर्द बचों का, सो सकत वृधिनियम से वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा थो उस अध्याय में विया गया है।

नगृत्त्वी

पलैट नं० 15, जो 3 री मंजिल, बैंक श्राफ बढौदा, एम्प्लाईज शुभ नंदावन को-श्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 14, श्रोधव नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37ईई/280/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 8-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, बम्बई

विमांक: 12-11-1984

प्ररूप बाई _ ट. एन. एस. - - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बश्चई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० **बा**ई०-4/37ईई/819-83-84---**श**तः सुझे, ए०प्रसादः

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धार 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 306, जो 3री मंजिल, प्लाट तं० बी-43 योगी श्राणिष की-श्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (नियोजित) एक्सार रोड बीरिवली (प०) बस्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-3-1984

की पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय भाषा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई विजयी बाय की बायत. अध्यस विधिनिवृत्त के वधीन कर वोने के अन्तरक कै शीयरव में कनी करने के उसके बचने में सुविधा के सिद्ध; बॉर/वा
- (वा) एती किसी बाय वा किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, शा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया भाग चाहिए था, कियाने में स्विधा के विक्षः

बतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिन्ति व्यक्तित्वों, अर्थात् :---

 श्रीमती शांत्रिश्मा एस० ग्रगरवाल श्रौर श्री सुभाप एस० ग्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शारवाबेन लक्ष्मीदास लाखानी ग्रीर श्री लक्ष्मीदास नावाजी लाखानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के क्वांच के जिए कार्यमाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक ने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व गवा है।

जन्द न

पर्लंट नं० 306 जो 3री मंजिल प्लाट नं० बी-43, योगी श्राणिष को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, (नियोजित) एक्सार गोड बोग्विली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/819/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, यम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. ॒------

आधिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवस्वर 1984

निर्वेण सं० **मई**०-4/37-ईई/44/83-84---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो 1ली मंजिल, गोकुल धाम नं० 1 एस० व्हि० रोड, कोरा केन्द्र, के बाजू में बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबट प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 3-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्ही भारतीय आयकर आयोग्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, । छपाने मैं सविधा के लिए;

अत: ज़ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) श्री डी॰ फर्नान्डीस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या बागंझा ।

(भन्तरिती)

3. धन्तरिती श्रीर उनका परिवार सदस्य। (वह व्यक्ति जिसके भिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाम अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 7, जो 1ली मंजिल, गोकुल धाम नं० 1, एस० विह० रोड, कोरा केन्द्र के बाजू में बोरियली (पिष्णम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क० सं० श्चर्र-4/37ईई/44/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 12-11-1984

मोहरः

प्रकृप बाइ^क. टी ु एम_ी एस ु----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर बाय्क्त (निर्द्रीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/465/83-84—यतः, मुझे, अर्थ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो रोशन धपार्टमेन्ट्स, फोर्थ कार्टर रोड, प्लाट नं० 68, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा धायकर धिर्मियम, 1961 की धारा 269 क ख के धधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-3-1984

की पूर्वोधत सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के उरम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने क्य कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके उरम्मान प्रतिफल से, ऐसे उर्वमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धितिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; औदु/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तिमों को, जिन्हें भारतीय जावक द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया परा था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीग, निम्नलिवित व्यक्तिस्थों, अर्थात् हु—— (1) मैसर्स रोशन इंटरप्राइजेस।

(ग्रन्सरक)

2. श्री दीलतराय के० देसाई भीर श्री जतीन कुमार, डी० देसाई।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रबुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ब्लैट नं० 202, जो रोशन अपार्टमेन्ट, फोर्थ कार्टर रोड, प्लाट नं० 68, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि अ० सं० भई-4/37-ईई/465/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मुजंन रेंज-4, बम्बई

दिनोक : 12-11-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आहें, टी. एन., **एस**्ड अप्रशासकता

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० **घ**ई०-4/37-ईई/4187/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाच,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो 3री मंजिल, वृषभ विसा, रोकांडिया कास लेन, एस० व्हि० पी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रीम वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 5-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से मह विषवास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के बहर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृन्य. उसके बहर्यमान प्रतिफल सो, एसे बहर्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी नाय की नावतः, उक्त विधिनयन के वधीन कर देने के जन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: धर्दर/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कुँ कथीन, निम्नलिकित व्यक्तियों_ा वर्थाद ध— (1) मैसर्स तोशी बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पाबेन, विपित पंडया स्रौर अन्य । (स्नर्तारेती)

का यह सूचना चाड़ी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित मों किए जा सकारो।

स्पर्व्यक्तिस्वः -- इसेमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस क्ष्याय में लिया गया है।

नगुसुची

पलैट नं 303 जो 3री मंजिल, वृषभ विला, रोकाडिया कास लेन, एस० व्हि० पी० रोड, बोरिवली (पिव्चम), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-4/37-ईई/4187/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1984 को रिषस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक **प्रा**यकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्बई, दिनांकः 12 नवस्बर् 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/4194/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूस्व $26,000/- \infty$. में अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 403, जो 4यी मंजिल, रोग्नोडिया काँस लेन, वृगभ विला, एस० व्हि० पी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्या से विला है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करायनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनोक 5-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल से, एसे अवस्मान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया इति-फल निम्नसिश्चित उद्विषय से उन्त अंतरण सिवित में बास्स्विक क्ष्य में कथिर नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुन्द किसी बाद की बाबत, अक्त अभिनियम के बचीन कर दोने के अन्तहुक औ वासित्य में कभी कहने या उत्तर वचने में सुविधा के लिए, और स्था
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नंत्र्य वासित्वों करं, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनवम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उबस अधिनियम की भारा 269-ण कैं, जनुसरण में, मैं, उबस अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, सभात :---

1. मैसर्स तोशी बिल्डर्स ।

(अन्तरका)

 श्रीमती शारदाबेन, एम० पंड्या, और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है,

मन्सू पा

फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, रोकाडिया कॉस लेन, वृषभ विला, एस० व्हि० पी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37ईई/4194/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

विनांक: 12-11-1984

्प्ररूप् आर्घः टी. एन्. एस. . - --

मैसर्स दीपक जन्स्ट्रक्शन्स, ।

(अन्तरक)

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुघना

2. श्री मलयासील अच्यूथन ।

(अन्तरिती)

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/885/83-84---- यतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 1, जो प्रेमभानु अपार्टमेन्टस, प्लाट नं० 19-वी, आय ० सी० कोलोनी, रोड, नं० 4, बोरियली (प०), बम्बई-1,03 में स्थित हैं (और इससे उपाधड अनुमूर्चा में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं दिनांक 16-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंदित प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती को वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जुन्त्रहण संहुर्य किसी आव की वायस, जनस्त नृधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तुरक के शिवल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी अह गा जिसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तिस्यों, अधित ध— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप एक्ट

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अव, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में विग्रू जा सकेंगे।

स्वक्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 1 प्रेमभानू, अपार्टमेन्ट्स, प्लाट नं० 19-बी, आय० सी० कालोनी, रोड, नं० 4, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/685/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई, द्वारा दिनांक 16-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांमा: 12-11-1984

प्रकप बाइं० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के मुभीन सूचना

सारव हरूका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देण सं० श्रर्ध-4/37-**र्ध**ई/4156/83-84 ययः **मुझे**,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7-ए, "मयंन", जो, प्लाट नं० 13, और 14, होली कास, रोड, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) और जिराका करारनामा आयकर अधिनियम

1961की धारा 269क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है विनांक 3-3-1984

को पृशींकत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान बितिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उस्पमान प्रतिफल से एसे उस्पमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर बने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को अन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग में अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

1. में सर्व दोपक कन्स्ट्रस्थन्स,

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री उदय मी० वावीकर,
 - (2) श्रीमती कुसुम, बी० वावीकर, और
 - (3) श्री मोखर बी० वावीकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबढ़ भ किसीर अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिकत में किए जा सकींगे।

स्पक्ष्मीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ की, जो अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राधित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

फ्लैट नं० 7-ए, "मयंक" प्लाट नं० 13 और 14, होली कास रोड, बोरिवर्ला, (पिष्णम), सम्बर्ध-1103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/4156/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1984 को रिक्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी श्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांन 12-11-1984 मोहर: श्रक्ष बार्ड .टी. एन. एस च ------

नायकरु म्पिनियुन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सचना

ente exeme

कार्याक्य : शक्क्यक जायकर आयुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं अई 0-4/37-ईई/686/83-84---यत:, मझे ए० असाव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मन्त्र 25,000/- रतः से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 7, जो, बी-विंग 2री मंजिल, "मयंक", प्लाट नं० 13, और 14, होली कास रोड, आय० सी० बालीनी, दोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे जपाब इ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनांक 16-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरममान ब्रिक्सिल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुस्य, उसके अवयमान प्रतिफल से, एसे अवयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रति-कक विक्तिसिवित उद्देश्य से उनत नन्तरुग सिन्वित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया का हैं? 🗝

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त मीपनियम के नभीन कर दोने के नलाएक के दानिस्य के अपनी कड़ने वा उत्तर्व क्यने के सुनिधा वे विष्; नीष्ट/वा
- (च) एोती किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिलयों का, जिन्हें भाउतीय जाय-करु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा वन-कर विभिन्**यिक, 1957 (1957 का 27**) अं प्रयोकनार्थ जंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः भव, उक्त विधित्तवम की भारा 269-न के बब्दरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---22-366GI|84

1. मैससं दीपक कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

2. श्री और श्रीमती रेमेडिअस फान्सीस लेटन । (अन्तरिती)

को यह सचना जारु। करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप धु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 4.5 दिन की अवभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए को सकींगे।

स्वच्यौकरणः:--इतमे प्रयुक्त सन्धी बीर पद्यो का, वा स्वद्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाचिक हाँ, नहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवा गया है।

बन्तुची

फ्लैट मैं० 7, जो बो-विंग, 2री मंजिल, "मयंब", प्लाट नं 13 और 14, होली कास रोड, आय० सो०, कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/686/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1984 को निस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

इस्य गाइ, टी, एन, एस,- - न ----

आयुक्त ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4. बम्बई बम्दर्ड, व्हनांक 12 नुवस्वर, 1984

निदेश स० अई-4/37-ईई/87/83-84---यतः, मुझे। ए० प्रमाद

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो 3रो मंजिल, मातृकृपा एक्सार रोड, एक्सार व्हिलेंज, बोरिवलं , वस्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम्, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजस्ट्री है दिनोक 2-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल् के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मियम, को अधीन कर दोने को जन्तरक की दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (क) एसे किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री महाते अदर्भ।

(अन्तरक)

2. श्री जोसेफ, जे० डिसीझा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगत्त्री

फ्लैट नं० 301, जो 3 रो मंजिल, मातृष्ट्रपा, एक्सार रोड, एक्सार व्हिलेज, बोरिवलो, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि कर्ष सं० अई-4/37-ईई/87/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 2-3-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद गुझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहर: प्रकल जाहाँ .टी. एवं .एस . --------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई०-4/37-ईई/58/83-84---अतः. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्द अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-ज के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रहे से बधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 002, जो मातृक्कपा, एस० न० 96. एच० ईनं० 1ए, सी० टी० एस० नं० 2262, एक्सार, व्हिलेज, बोरिबसी, बम्बई-92 में स्थित है

(ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीप जो पूर्ण छप मे विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-3-1984

को पूर्वा क्त सम्मिस के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए बन्सिर्त की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के संपोत्त का उचित बाजार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत ज्वदेष्य से उक्त अन्तरण दिल्लित में बास्तिक कप से किएत नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) मन्त्रप्रम संबुद्ध किसी साम की सामत, उन्हर्स निर्मित्स के जभीन कर दने के सन्तर्क के बाधित्व में कभी करने या उन्हर्स मुचन में सुविधा के निए; बार/मा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निश्वियम, या धन-कर निश्वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुनिशा के निए;

बर्ते कन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्ति हों, कर्रींद्र उक्त 1. मैसर्म म्हावे बदर्म ।

(अन्तरक)

 श्री शरदचन्द्र परशुराम शेनोलीकर, श्रौर बिद्या णरद चन्द्र शेनोलीकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्स सम्परित के अर्जून के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिश्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पंक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पद्यों का, जो सक्त्र अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 002, जो भागुक्ता, एस०नं० 96, एच० नं० 1ए, मी०टी० एस० न० 2262, एक्सार व्हिलेज बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूत्रा जैसा कि कि सं०अई-4/37-ईई/581/83-8-4 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जन पाबिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंक-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्रकथ आहोत् दी पुन् पुन् पुन् -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की विधीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (नि.रीक्षण). अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवेश सं० अई०-4/37-ईई/86/83-84—अतः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बहवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, एक्सार, व्हिलेज, एक्सार रोड, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में में रजिस्ट्रों है, दिनांक 16-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्ष प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उच्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से हुद्द किसी माय की वाबत, उक्त मिन् अभिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्कसे वचने में सुविधा के निए; बौद/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किया

अतः अव, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन में निम्नजितिका स्थानियमों में अर्थात् प्रमान 1. मैसर्स म्हाने ग्रदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र कान्त नारायण माधव

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कर्ज़्यू पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई (b:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बार्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पर्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

न**्**ज्

पलैट नं० 001, जो ग्रान्ड प्लोअर, एक्सार व्हिलेज, एक्सार रोड, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि आई-4/37-ईई/86/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षमं प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त(निरोक्षण) अर्जन रेंज-४, यम्बई

दिनांक: 12-11-1984

इंड्यू नाही, दी. एन, एस -----

नामकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुनना

प्रारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवेश सं० अई-4/37-ईई/48/83-84---अतः, मुझे, ए० प्रसाद

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्प्रें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 34 जो 3र्रा मंजिल, सावंत सदन कोआप-हाउसिंग सोसायटी लिनिटेड, ए-6/11, जीवन बीमा, नगर, बोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निजित उद्वेदय से उक्ते अन्तर्भ निम्तिकत में वास्तिक इप से क्रियत नहीं किया गया है द्रि

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अधी कड़ने वा उक्क देवने में सूर्यिधा के सिए; औड़/वा
- (च) एसी किसी आय वा किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1). के जभीन निज्ञतिकात व्यक्तियों, क्रमीय क्रमा 1. श्री पी० सुन्दरम

(अन्तरक)

2. श्री एम० बी० नोरोन्हा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्यत्ति है)

को यह स्वान बाडी कड़के पूर्वोक्त स्म्यृत्ति के वर्षन् के हिस्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की मन्धि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हुँ।

अनुसुची

फ्लैट नं० 34,जो, 3री मंजिल, सावंत सवन को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ए-6/11 जीवन बीमा नगर, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/48/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्रकृप आहे. टी. एन्. एस 🖯 ----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-% (1) के अभीन स्चना

भारत सम्कार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दितांक 12 नवम्बर 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रः. सं अधिक है

और जिसकी सं० दुकाल नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोअर बिल्डिंग नं० ए-28, "रातन नगर" स्थित बीरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इतेने उगाबद अनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विगत है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 एख के अबेल बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है दिनांक 19-3-1984

का पूर्विक्त सम्पांत के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हं कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित तथा) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्ति

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मो अभी करन या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय गा किसी भन या जन्य जास्तियों क्यं जिस्ही भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्यांजनार्थ अन्त्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

असः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जबत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाति हि—

- 1. मैसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड, (अन्तरक)
- 2. श्री निनाटी० क्रोठारी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास विचित्त में किए जा सको गं।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

दुकान नं 5. जो ग्राउन्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० ए-28, "रत्तन नगर" स्क्रिम एट, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/695/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिना ह 19-3-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निराक्षण) प्रजैत रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप बाह्- दी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुजना

भाइत सरकाड

कार्यां स्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० आई०-1/37-ईई/103/83-84—अतः मुझे; ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, जो 5 वी मंजिल, जयेण अपार्टमेन्ट, चंदाबरकर रोड, बोरिवर्ला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई म्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 3-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान शिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत सक्त अधि-नियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री णरद ज०सावंत, होत्य लाफ पावर अटार्नी, फाम, श्रीमती, सावित्री, ज० सावंत । (अन्तरक)
 - (24.0)
- (1) श्रामती वालुबन मगनभाई दौरडा,
 - (2) श्री कांतीलाल मगनभाई दोरडा, ग्रीर (3) श्री भरत मगनभाई दोरडा।

(अन्तरितो)

3. अन्तरितियों ।

(बह क्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना ज़ारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित- अव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मीं किए जा सकींगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्लैट नं० 506, जो 5 वीं मंजिल, जयेश अपार्टभेन्ट, चंदाबरकर, रोड, बोरिवली, (पश्चिम), अध्यर्थ-92 में स्थित है।

अनुसूर्या जैसा कि क० स० आई-4/37-ईई/103/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहर: श्रक्ष आहु . ट्री . एन . एस . --------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, सम्बद्ध

वस्थई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984 निदेश सं० आर्थ-4/37-ईई/4162/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

कत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 / रु. से अधिक है

धौर जिनका सं० फ्लैट नं० 6503, जो, "रुघानी पार्क", मयूर जिल्डिंग, 5वी मंजिल, सिपोली रोड, गोखले कालेज के सामने, बोरिजली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख़ के अधीन दिनकि 15-3-1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह जिश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ग्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिश्वल से एसे दश्यमान प्रतिश्वल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः वदः उक्त अधिनियम की धारा 269~ग के अनुसरण हैं. भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्ननिक्ति व्यक्तियों अर्थात :—

1. रषवंशी डब्ह्लोपसं ।

(अन्तरक)

2. श्री इंद्रवदन बेनी लाल भगत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

सम्बद्ध सम्पृतित में वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी लाक्षेप् :--

- (क) इस स्वनां के राजपत्र में श्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी करण व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताव्यक्ति के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकर्षः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्लैट नं० 503, जो, "रुधानी पार्क", मयूर बिस्डिंग, 5 वी मंजिल, सिपोली रोड, गोखले कालेज के सामने, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/4162/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984 साहर १ प्रकृप बाह्र .टी .एन .एच . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर भायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवेश सं० अई०-4/37-ईई/535/83-84/---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो प्राउन्ड फ्लोअर, "जय-श्री अपार्टमेन्ट्स", जय-राज नगर, झिराक, नावा, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है दिनांक 12-3-1984

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उत्तक स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्रुस्तरण से शुर्द किसी भाय की वावत, उक्त बिभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्युने में सुविभा के लिए; बौर/या
- एसी किसी आय या किसी धन या कृत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अव, उक्षतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्षतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, अर्थात् :----23—366GI/84 जगराज बिरुष्टर्म।

(अन्तरक)

2. था अब्दुल सत्तार।

(अन्तरितंत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इत त्या के राजपव में प्रकाशन की तारीय से
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्मिक्तयों में से किसी स्मिक्त व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

रत सची

वुकान नं० 6, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "जय-श्री अपार्टमेन्ट्स, जय राज नगर, विभिरा नाका, बोरिवली (पश्चिम),बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37-ईई/535/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, त्रम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहर:

प्रकृष् नाइ. टी. एन. एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रौज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नयम्बर 1984

निवेश सं० अई-4/37-ईई/1919/83-84→-अन: मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० एंट विह्लेज, एक्सार, जो, तालुका बोरिवली बेंअरिंग सर्वे नं० 225, एच० नं० 5-ए, मिटी भर्वे नं० 2213, अम्बई में स्थित है (स्रोप इसमे उपायद्ध अनुसूची में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्न के अधीन कार दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविष्या के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सकिया के सिए;

बत: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को कभीण, निस्निसिबत व्यक्तियों. अभीत्:— 1. श्री याशील कमरूहीन खान।

(अन्तर्क)

2. मसर्स मंगल बिल्डर्म ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी काएक पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

श्रनुसूची

एंट व्हिलंज एक्सार, ताल्का बोरियली, बेअरिंग नं० सर्वे नं० 225, हिस्सा नं० 5-ए, सिटी सर्वे नं० 2213 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/1919 ।/83-8 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-198 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-11-1984

्मोहर :

प्ररूप आहें ुटी , एन ु एस , ---- ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निवेश सं० अई -4/37-ईई/726/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1301, "कस्तूरबाग", जो प्लाट नं० 24, बी-1, टी० पी० एस०, 1, बोरिवर्ला, (प०) बम्बई-92, में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 19-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; जांद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औ लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाण (1)। के अधीन, निस्नसिक्ति व्यक्तिमों, अर्थात् ्— 1. स्काय-बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री नरोत्तम दाम जी पटर्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुख्क करता हं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1301, "कस्तूरबाग" प्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० एस० 1, बोरिवली, ((पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फि०सं० अई०-4/37-ईई/726/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1984 की रजिस्डें किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-11-1984

प्रकार कार्य <u>ज</u>ारी<u>ल प्रकाल प्रकाल</u> —

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारव सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई; दिनांक 12 नयम्बर, 1984

निर्देश सं० मई-4/37-ईई/258/83-84---श्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं • फ्लैट नं • 405, जो, "कस्तूरबाग", प्लाट नं • 24, बी/1, टी • पी • एस • 1, बोरिवली (प •), बम्बई - 92में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन दिनांक 5-3-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिति मों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुर्फ किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिधिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--

स्काय-बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

 श्री हरीग्रोम संतोषकराम भट्ट, श्रीर श्रीमती त्रिवेणी हरीग्रोम भट्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्लूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्तालरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

फ्लैट नं० 405, जो, "कस्तूरबाग", प्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० एस० नं० 1, बोरिवली, (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/258/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिलांक 5-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बाई

दिनांक 12-11-1984 मोहर :

प्रकृष बार्ड . टी . एन . एव . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

गारत प्रत्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई-4/37-ईई/728/83-84--- म्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद एक्स मिनियम कहा गया है), की बारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1006, जो "कस्त्रवाग", प्लाट, नं० 24 बी/1, टी० पी० एस० नं० 1, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-री के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 19-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का , उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरण (धन्तरकों) भीर अन्तरिति
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिपत्न निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिकक्ष
क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के समीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा; छिपाने में सुविक्षा के लिए ;

शतः अस, उक्त अधिनियम का भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर्त् ६—— 1. स्काय बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री खिमजीभाई नानजीभाई पटेल ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पृषाँक्त सम्परित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु खें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

अनुसूचीं

पलैंट नं० 1006, जो, "कस्तूरजाग", प्लाट नं० 24 बी/1, टी० पी० एस० 1, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ॰ सं॰ श्रई-4/37-ईई/728/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

मोहर 🕉

प्ररूप बार्ष: टी. एनः एसः -----

कायकर किपिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

प्रार्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई-4/37-ईई//209/83-84---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, "वैभव" विस्डिंग, मंबोली गल्ली, बोरियली, बम्बई—96 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारिशक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाग या किसी भन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम् कौ धारा 269-ग कै अनुसारण भे, भै, उक्त अधिन्यिम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अधित ॥—— (1) श्री के० एस० सुन्धरेसन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गरवकुमार शांतीलाल शहा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मेसर्स गौतम बिल्डर्स । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोह्यस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए-कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 120-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्राची

फ्लैट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, "वैभव" बिल्डिंग, झंबोली गल्ली, बोरिवली, बम्बई-96 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि सं० ध्रई-4/37-ईई-209/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 - 3 - 84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक : 12-11-1984

प्रकार बार्ड, टी. पुर. एक क्रान्यक

नायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्यीन स्ना

बारत दुरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/594/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो ब्लू स्टार क्रस्टल की-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सोडावाला लेन, बोरिवली (प), बम्बई-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजेस्ट्री है, दिनांक 16-3-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमाय प्रतिफल के सिए अस्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिफल सें, ऐसे क्यमान प्रतिफल का बल्द प्रतिकृत से बिप्त है और अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकृत, निम्नीमित् उद्देश्य से उक्त ब्लाइण है बिप्त में वास्तिक कम से किया ब्लाइण है किया ग्या है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायतः, उक्त ब्रीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा वै विषर वाँद्र/वा
- (च) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः वव, उक्त निर्धानियम की धारा 269-च के वम्बरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) स्टार् कन्स्ट्रवशन कारपीरेणन ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेघजीभाई एमा शहा, ग्रौर चन्द्रकांत पी० णहा। .(श्रन्सरिती)

कार यह स्थाना जारी करके पृत्रा कत संपरित के अर्थन के सिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषा अव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्त्र ज्यक्ति व्यास स्थाहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुथें होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमृत्यो

दुकान नं ० १, जो, ब्लू स्टार किस्टल को- आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सोडावाला लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसर कि कि क सं श्रई-4/37-ईई/594/83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 12-11-1984

प्रकल् नाही, दी. एन्. एस ,------(1) श्रो महेश हिंद सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरेश कुमार जी० पटेल ।

(भ्रन्त(रती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (पिर्धिण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/462/83-84--- प्रतः, मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याहै), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000 / - रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दकान नं० 19 जो कि-बिल्डिंग, पटेल शापिग सेण्टर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धररा 269 कख के श्रधोन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, दिनांक 9-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य, उसके करयमान प्रसिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित वों वास्तविक रूप से कवित नहीं किया नमा है ह---

- (क) जन्तरभ से हुई किसी जाव की बावत, उच्छ वृधिनियम के जधीन कर बुने के जुन्तरक के बारित्य में कमी करने वा उससे वजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी भन्न या बन्य, बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय भारकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विश्वियम, या वद-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ मन्तरिती स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा ने सिए;

इनतः बदः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ. अर्थात् :--

को सहस्वना वारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के क्वांत के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सुचना की तामील से 30 दिन की समिभ, जो भी जनिष जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से किसी क्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तरदीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त सुक्यों और पदों का, जो उच्छ निधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाचित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्वर

दुकान नं 19, जो, बी-बिल्डिंग, पटेल मापिंग सटर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ब्रई-4/37-ईई/462/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9-3-84 की रजिस्टर्डकियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, वस्त्रई

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई-4/37-ईई/293/83-84--यतः मुझे, १० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ए के अध्यापका मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 24—366 GI|84 (1) श्री हिंसतलाल एच० बोस्सा ।

(मन्तरक)

(2) श्री गहा रतीलाल लक्ष्मीचन्द ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पंत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इंस सूचना के राज्यात मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याग अधाहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकेने।

स्थष्टीकरण प्रवासे प्रवास शब्दा और पदी का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो बिल्डिंग नं० ए/7, योगी नगर, प्लाट नं० 7, एच० नं० 8, 9, 10 श्रौर 11, एस० नं० 56, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/293/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 8-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 1,2-11-1984

प्रकृष् नार्षः हो. एन्. एक्: 🕳 🗷 🗝 🗝

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातम्, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-४, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/959/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, समर्पन, बी-विंग, रयानी ग्राम-8, सिम्पोली रोड, बोरिनली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक 27-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की आवत, लक्ष्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविध्य के लिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, वर्षात् ह (1) विरुसन जॉन मास्टर ।

(मन्तरक)

(2) श्री जागदीभ हरीलाल पारेख भौर उवा जगवीभ पारेख ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के निए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस स्चना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

वन्त्र्यी

पलैट नं 405 जो 4थी मंजिल समर्पन बी-विंग रयानी ग्राम-8 सिम्पोली रोड बोरियली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि अ॰ सं॰ झई--4/37-ईई/959/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-84 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक : 12-11-1984

माहर 🛭

भक्ष्य बार्च_ा दी । एन् । एस । :::--::--

(1) मेसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

भागकर मुभितियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती सिसिलिया फर्नान्डिस ।

(भ्रन्तरिती)

भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) **प्रजं**न रेंज-4 बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/385/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕ेरा. सं**अ**धिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 201 जो 2 री मंजिल नर्मदा बिल्डिंग ष्माई० सी० कालोनी कास रोड नं० 5, एक्सार विलेज बोरिवली (प०) बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाँणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 9-3-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाबार मृख्य से कम के पत्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके इप्यमान श्रीतफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंच्यह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
- (का) एोसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तिया कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर बुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कित्या गया था या किया भाना चाहिए था क्रियाने में बुविधा के लिए;

बतः जब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, वर्षात् ह्य---

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबर्तुसम्पर्तिको वर्जनको सम्बन्धुर्मे काोई भी बाक्षेप ः----

- (क) इ.स. सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की **तारीय है** 4.5 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवॉक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी 👪 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बाउ क्लु विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्भ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया 👸 ।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201 जो 2री मंजिल, जो नमेंचा बिल्डिंग झाय०सी० कालोनी कास रोड नं० 5, एक्सार विलेज बोरियली (प०) बम्बई-103 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **धर्-**4/37ईई/385/83–84. भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-84 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई ।

विनांक : 12-11-1984

प्रकष बाहै. टी. एन. एस.-----

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-4 (1) के नभीन सूचना

भारत स्रमात

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, बिनांक 12 नवम्बर 1984
निर्वेश सं० श्रई-4/37ईई/397/83-84--धनः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 जो, 4थी मंजिल ए-11 बिल्डिंग, "रत्तन नगर" स्किम बोरिवली (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा धायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, बिनांक 9~3-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिहात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-दृष्ट निम्मसिचित उद्योग से उसते अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्ष्य के किंगर बहाँ किंका समा है :---

- (का) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अभीन पर दने के अन्तरक से दायिस्य में कमी अपने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वा) पंची किसी आम या किसी भन मा अन्य मास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् निभिनियम या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गतः था का किया जाता वर्गहण्या, दिल्याने मां स्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त व्यिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः——

- (1) मेसर्स परम श्रानन्द बिल्डर्स प्राक्तिट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा पूथूर नारायणन् नायर । (भ्रन्तरिती)

क्षं यह सूचन। बादी करके पृथीं क्षरा सम्मात्त के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनिध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (■) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में हेरू का सक्ति।

स्यव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, भी जब्दु अधिनियम के अध्याय 20-क सा परिभाषिक है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

फ्लैट नं 19 जो 4थी गंणिल ए-11 बिल्डिंग "रस्तन नगर" स्किम बोरिवली (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-4/37ईई/397/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-84 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~4, बम्बई ।

विनोक: 12--11--1984

हरून नाई, दी. एन. एक. - - - ----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, व्यम्बर्ट
बम्बर्ट, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेंग सं मई--4/37ईई/696/83--84---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (196! का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17 जो पहली मंजिल बिल्डिंग— ए-13 "रत्तन नगर" स्किम बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-3-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उदयमान सिए अन्तरित प्रतिफल के की गइर् है मुक्ते यह विष्वास करने का कारण कि यथापूर्वों क्त संपरित का उष्पित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से, एेसे दूरयमान प्रीतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्क में किसी करने या उससे बनने में सुविधा के निए आर्थ/धा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण पी, मी, अवन अधितियम की धरर 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेंसर्स परम भानन्द बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (भन्तरक)
- (2) श्री० मती के० विखासिनी । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोंड् भी काक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अर्ध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट नं ० 17 पहली मंजिल, बिल्डिंग ए-13 'रत्सन नगर'' स्किम बोरियली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है। झनुसूची जैसा कि कि से आई-4/37-ईई/696/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-4, बम्बई ।

विनांक : 12-11-1984

प्रकप आईं टी एन एस .-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० अई--4/37--ईई/56/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसादः

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य \$5.000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, जो, 4थी मंजिल, ए--11बिस्डिंग, "रत्नम नगर" स्किम, बोर्चिली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं। ओर इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा अध्यक्षर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री हैं, दिनांक 3-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अर्थ वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; कौर/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तार को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

- (1) मेर्स्स पॅरम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) सुदर्शन एम॰ सेठ, और गांता जे॰ गांधी । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कर्ट्य पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के संबंध में कोइं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्दों और पर्दों का., जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

पलट नं० 39, जो, 4र्थ, मजिल, ए-11 बिस्डिंग, "रस्त नगर" स्किम, बोर्र,वर्ल, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/56/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विनाम 2-3-84 मो रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ५क्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बस्बई

अत: शंव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को. अमुसरका मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीन, :---

दिनांक : 12--11--1984

मोहर 🚁

मुख्य बार्ड्**टों . एक् . एक्** ल्लास्ताननन-स

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेंज⊢4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नघम्बर 1984

निदेश सं० अई- 4/37-ईई/255ए/83-84---अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो, "कस्तूरबाग", फ्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० एस० 1, गोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम, 1961 की घारा 269 म, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनोक 5-3-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफ ल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफ ल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जलारच से हुइ किसी जाम की वाबत, उक्त समितिक्स के अभीन कर दोने के जलारक के बादित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर जाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जातिए था, स्थिनों में सुनिधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) स्काय बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्सरकः)

(2) श्री विजयकुमार मुजानमल कोटाडिया और श्री सुजानमल पन्नालाल कोटाडिया : (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्परित के वर्णन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा अकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

भम्सूची

फ्लैट नं० 303, जो, ''कस्सूरबाग'', प्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० एस० 1, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/255/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5 3 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक : 12-11-1984

सोहर :

वेकल सर्व भी. प्रमृत् एका.----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । रारा 269-थ (१) के अथीन स्थान

THERE BYOKE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-4, बस्वई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई--4/37-ईई/255/83-84---अत: मुझे, ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है जिस्सानर सम्परित, जिस्सा उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 705, जो, "कस्तूरबाग", प्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० एस०-1, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसने उपाबड अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री हैं, दिनांक 5-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान बन्तरित की प्रतिफल के लिए गहरै मुभ्रे विश्वास करन यह का कि यथापुर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से ब्रुडि किसी बाब की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करते या उससे वचने से स्विधा के सिक; अदि/या
- (वा) एती किसी आयं या किसी अन मा अन्य बास्तिओं करों, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, शा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनार अस्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया निया या पिनया सामितिर का सिद्धार धा सुविधा के निए;

अत: उत्र, उक्रम अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, जर्थात है—

- (1) स्काय→बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा छोटालाल महा और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृवाँकत संपरित के अर्जन के जिए कार्यशक्तियां कारता हुए।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🤅 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील स 45 दिन की अनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नगिध गाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवास्त व्यक्तियां में से जिसी व्यक्ति दशारा:
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अतिहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः-इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भगः

मन्त्र्या

पलैट नं० 705, जी, "बस्तूरबाग", प्लाट नं० 24, बी/1, टी० पी० ए५०-1, बोरियली (पश्चिम), बस्बई--92 में स्थित है ।

अनुसूची जैना नि कि सं अई-4/37-85/255/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्र द्वारा दिनांना 5-3-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार मायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶4, बम्बई (

विनांक : 12-11-1984

मोहर 🖟

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. -----

बाय्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश मं० अर्ड-- 4/37-ईई/906/83--84----अतः मुझे. ए० प्रभाद.

बायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं पलैट नं 204, जो, 2री मंजिल, नर्मदा बिल्डिंग, आई० मी० कालोनी, काल रोड नं 5, एक्पार विले जे, बोरिवर्ला (प), बस्बई—13 में स्थित हैं (और इसमें इपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णक्य से वर्णित हैं), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-3-1984,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय'पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिद्धा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 25—366 GI|84 (1) मेदर्स समाट विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोनास्ड जोनेफ लाबी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणं :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

वनसूची

पत्रैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, नर्मदाबिल्डिंग, अर्द्ध० सी० कालोनी, काम रोड नं० 5, एक्सार विलेज, बोरविली (पश्चिम), बर्मेबई-103 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि करु संरु अई-4/37-ईई/906/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29-3-84 को रिजस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राचितातरी सह।यक आयकर आयुक्त (किरीक्षण), अजैन रज-4, बस्बई

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देण मं० श्रई-4/37-ईई/213/83-84--यमः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ग्राल दट पिस श्रार पार्सेल श्राफ लैन्ड श्रार ग्राउंड विथ मेसूएजेस, टेनेनमेंट्स श्रार डिवलिंग हाउसेस, जो गांव शिम्पोली, तालूका बोरिविली, वम्बई—400 092 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है)। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन वम्बई स्थित स्क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीय है, दिनांक 5 मार्च, 1984 को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचत उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे अधने मों सुविधा के लिए; और/वा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, बन्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री केंगरी हरीबास मालो, एच० यू० एफ० ग्रीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स दत्तानी कन्स्ट्रवशन्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी कर्के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीचु सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

श्राल दट पिस श्रार पार्सेल श्राफ लैन्ड श्रार ग्राउंड विथ मेसूएजेस, टेनमेंट्स श्रार डिवर्लिंग हाउसेस, जो गांव म्मिपोली, तालुका बोवरिवली वम्बई-92 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा क० सं० श्र\$-4/37-\$\$/213/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ द्वारादिनांक 5 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 4 बस्बई

दिनांक : 12-11-1984

प्रस्स बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई-4/37ईई/730/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206 जो "कस्तूरबाग," प्लाटनं० 24, बी/1, टी० पी० एस०1, बीरवली (प०), बम्बई— 92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थिप्त सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 19 मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जृश्विनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बागित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के पिए; और/या
- (च) एसे किसी किय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए .!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) स्काय विलड प्रायवेट लिमिटेट ।

(भन्तरक)

(2) श्री चंपालाल हिमतलाल जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है । 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 206, "कस्तूरबाग", जो प्लाट नं० बी/1, टी० पी० एस० 1, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

ग्रनुसूर्चा जैसा कि ऋ० स० ग्रई-4/37-ईई/730/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-84 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 वम्बई

दिनांक 12-11-1984 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्वर 1984

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/254/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० पलैट नं० 101, जो "कस्तूरवाग", 24 बी-1 टी० पी० एस1, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है। श्रीरइससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, दिनांक 5 मार्च 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० स्काय बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कानजीभाव जयराजभावई पटेल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

उक्तः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पर्लंट नं० 101 जो "कस्तूरबाग" प्लाट नं० 24, बी-1 टी० पो० एम० 1, बोरिवली (पश्चिम), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कि शर्स - 4/37 ईई/254/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4; बम्बई

दिनांक :- 12-11-1984

मोहर:--

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन न्धना

भारत तरकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ऋई-4/37-ईई/84/83-85→-यतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई/17 जो 4भी मंजिल साईबावा धाम ग्राफ एम व्हि रोड़ बोरीयली (प) बस्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवध के सिष्ट;

मतः भव, उक्त मिशिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मिशिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे स्थीन, निम्नेसिचित स्थिन्तार्थों, अर्थात है— (1) मै० प्ररुण इन्टरनैशनल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्स संतलेंड इंटरप्रायजेस प्राइवेट लिमिटेंड । (श्रन्तरिती)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के मूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदी का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है. बया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० ई/17 जो चौथी मंजिल साईबाबा धाम; श्राफ एस० व्हि गोड़, बोरोवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋं० सं० ग्राई-4/37—ईई/83/83-84 श्रीर जो सक्षम यप्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 मार्च 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-11-1984

प्ररूप आहें , दी , प्रन , प्रस , ------

बायकार सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देण सं० श्रई-4/37-ईई/41/84-84:--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ई/19, जो, 4थी मंजिल, साईबाबाधाम श्राफ एस० वी० रोड, मोरिजलो (प), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूजी में और पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-84 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुम्ने यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) वृत्ताड्डण से हुइ किसी आयु की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

(1) मैससं श्ररण इंटरनेशनल

(ग्रन्तरंक)

- (2) मैंसर्स संतलैन्ड इंटरप्रायजेस प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्सरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० ई-19, जो, 4थी मंजिल, साईवावा धाम श्राफ एस० वी० रोड़ बोरिवली (पिष्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसािक ऋ० सं० श्र $\hat{\mathbf{x}} = -4/37\hat{\mathbf{x}} = \hat{\mathbf{x}} / 41/83 - 84$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब $\hat{\mathbf{x}}$ द्वारा दिनांक 1-3-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

क्षतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारी**न्त्र**: 12-11-1984

मोहर 🚁

प्ररूप नाई.टी.एन.एस्.-----

जाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यांत्य, सहायक मायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-। बभवई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० **ग्रई**-4/37-ईई/43/83-84--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 19, जो, "एफ" विग, 4थी मंजिल, साईवावा धाम, श्राफ एमव वीव रोड, बोरिवली (ए), वस्वई-92 में स्थित है। श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकृष से विणत है), श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 कहा के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1/3/84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिखत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हा में बारतिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्या के निए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) जै कथीन, निम्लेनिकित व्यक्तियों. अर्थातः—- (1) भैंसर्ग अभण इंटरनेशनल

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स भंडारी बदर्स

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस संक 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण :—-इसमें प्रयुक्त सुन्धी अदि पर्दो का, को उक्त किभिन्यम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 19, जो, "एफ" विंग, 4थी मंजिल, साईबाबा धाम, श्राफ एस० वी० रोड, बोन्विली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि० सं० श्रई-4/37ईई/43/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

नार्गेख: 12-11-1984

मोहरः

प्रकप बाहें. टी. एन. एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 84

र्निर्देश सं० प्राई-4/37ईई/49/83-84--प्रातः मुझे. ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् कि उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- स. स आधक हैं
श्रीर जिसकी सं पलैट नं है/18 जो, 4थी मंजिल,
साईबाबा धाम, श्राफ एस वी रोड, बोरियली, (प),
बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाब अनुसूची में
श्रीर पूर्णस्प से विणित है और जिसका करारनामा श्रायकर
श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है। तारीख 1-3-84
को पूर्वोंक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मूस्य से कम के ध्यवमान
श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपृत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्र
को कास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ जिसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी श्रेकवी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों करों, विवह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन . निम्मिकिसित स्थितियों स्थाति हैं---- (1) मैरार्स अन्ण इंदरनेणनल

(ग्रन्तरक)

- (2) भैसर्स संतर्लेन्ड इंटरशाइजेस प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्नरिनी)
- (3) विकेता (बह व्यक्ति, जिसके स्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना आहरी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० \$/18, जो 4थो मंजिल, सा\$वाबा धाम, स्राफ एस० वो० रो\$, बोस्विली (पिष्यम), बम्ब\$-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि सं० ग्रई-4/37ईईई/49/84-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-11-1984

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस. -----

नायकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायक हु बायक्त (निरीक्षण)

ग्नजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 84

निर्वेश सं० ग्राई-4/37ईई/370/83-84---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाध

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो "कस्तूरकाग", प्लाट कर् कर पा/। टी० पी० एस० 1, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है। ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और ग्रूमें यह बिश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकृत से ब्रिथन है और अंतरकां) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरक्त (जंतरकां) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरक्त कंतरण निकात में बास्तिक कम निकातित उन्नदेश से उसते अंतरण निकात में बास्तिक कम से क्रिक्त नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाय की बाबत, अक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिको को, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

असः शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिक्त 26—366 GI|84 (1) स्काय-बिहड प्राइवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरजीभाई मैचजीभाई पटेल

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पछ्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पसीट नं 103, (कस्तूरबाग), जो, प्लाट नं 24, बी/1, टी पी एस 1, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसाकि क० सं० भ्रई-4/37ईई/370/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 9-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-11-1984

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश मं० अई०--4/37ईई०/729/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० पलैट नं० 3102, जो 'कस्तूरधाग'', प्लाट नं० 24, बी/1, टी॰ पी॰ एस॰ नं० 1, बीरिवली, (पिष्वम), वम्बई-92 में स्थित है (श्रौर धसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण चप सेविणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ही है तारीख 19 मार्च, 1984

'को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण में लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक एम में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उसमें नचने में स्विधा की लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधांजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) मैं ० स्काय बिल्ड-प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश दामजी जाखिया।

(अन्तरितो)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

फ्लैंट न० 1302, जो ''कस्तूरजाग'', प्लाट नं० 24, जो/1, टी० पी० एस० नं० 1, बोरिवली (पिक्सिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कम मं० अई०-4/37ईई०/729/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 19 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रैंज-4, बस्यई

तारीख : 12-11-1984

प्ररूप मार्घ. टी. एव., एस.,------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश मं ० आई०-4/37 ईई०/455/83-84--अतः मुझे, ए ० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 7 है तथा जो पहली मंजिल, बिहिंडग नं० ए-28, 'रत्न गिरी' नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विजित है); श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 259 केख के अधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 9 मार्च; 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उयत अंतरण लिखित में बास्टिक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसा वन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपान में स्विधा क लिए;

(1) मैस्सं परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रां नन्द कुमार दासो देशपांड ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वांक्स सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सल्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीन।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैट नं० 7, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-28 'रत्नम नगर' स्कीम, बोरीवला (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/455/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 9 मार्च, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज~4, बम्बई

सतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संघात :---

तारीय : 12-11-1984

मोहर 👂

प्ररूप आई ुटी, एन ुएस ु-----

लायकप्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के न्यीन सूचना

भारत रहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० अई०-4/37ईई०/837/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावह संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-क से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिर्लिंडग बी-6 रत्तन नगर, बोरिवजो (पूर्व), बम्बई~66 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्र) में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनमामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 5 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और मंसरक (मंतरकों) और मंतरिती (जन्तिविद्यों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय वाया व्या इतिफल, निम्निनिचित उच्चेत्रय से उच्च सन्तर्म विद्या वी विद्या प्रा विद्या की वास्तिक उम् वे कीच्य नहीं दिया प्रा विद्या की वास्तिक उम् वे कीच्य नहीं दिया प्रा विद्या की

- (क) बन्तर्ण संहुई किसी जाय की बाबत उक्त श्रीभ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, शिन्ह भारतीय आयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

जता जन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) मैसर्स परम आनन्द विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री कस्तूरचन्द चनालाल गहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवादिया शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

दुकान नं० '3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग-बी-6, बेअरिंग सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, सर्वे नं ० 228, एच० नं० 3 ग्रीर सर्वे नं० 229, एच० नं० 3 ग्रीर 5, सीं०टीं० एस नं० 1860, 1862, 1863, 1865, 1869 ग्रीर 1870 रतनम नगर, बोरियली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/837/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिनांक 5 मार्च, 1984 को रजिस्ट इंकिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1984

प्ररूप आर्ड्, टी. एन . एस. ------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/127/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13 जो खीया मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-13, 'रत्नम नगर' स्कोम, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 3 मार्च, 1984

को पूर्वो क्र सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिम्कि व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रसन्ना बाल कृष्णन, भ्रीर श्री स्क्रि॰ बासकृष्णन।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स् ची

पलैट नं० 13 जो चौथो मंजिल, बिल्डिंग ए-13, 'रत्तम नगर' स्कोम, बोरीवलो (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/127/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० पनाद सजन प्राप्तिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, जम्बई

तारीख: 12-11-1984

मोहर 🖟

अक्य बाइ^{*}ु टी. एन. एस.-----

(1) भैसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) साल्वाङोर जे० फिसिल्वा।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नुभीन सुचना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक कायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई०-4/37 **ई**ई/98 7/8 3-8 4--यतः **मुशे** ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिपकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, नर्मदा मिनिंडा, जाई० भी० जालोती, कास रोड नं० 5, एक्सार विलेज, बोरिवली (पण्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 30 मार्च, 1984

का प्यांधत सपिता के उचित माजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और मृत्यरक (मृत्यरकों) जोड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् त्य पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से काम परा है :—

- (क) ज़न्तरण से धुर्द किसी काव की वाब्द, अवस् अधिनियम के स्थीन कर देने के जंतरक के वाबित्य में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के जिए; जीर/वा
- (स) एसी किसी बाग या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत: अब, उक्त बिधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को बधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों अभार है— को यह सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन, में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ जो भी
 विधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त वृधिनियम के वृध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया द्या है।

अनुसूची

प्लैंट नं 202, जो दूसरी मंजिल; नर्मदा बिल्डिंग, आई० सी० कालीनी, क्रॉस रोड नं 5, एक्सार विलेज, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थिन हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/98 7/8 3-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई है द्वारा दिनांक 30 मार्च, 198 4 को रजिस्टर्ड किया गया र ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1984

मोहरः

प्ररूप बाहाँ, टी ु एन्, एस्,------

भायकर मिप्निय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० आई०-4/37 विश्वई०/861/83-84---अत मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुनान नं० 4 जो, जयेश अपार्टमेंट्स, जयराज नगर, वोरिवली (पिश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका एरारनामा आयक्रर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 24 मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क्रिरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत मे अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नसिवित् उद्वेश्य से उक्त अन्तरण श्रीकीवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्लारण से हुई किसी नाव की वावत, उक्त अभिनियंत्र की व्यीत कट दोने के वन्तरक को दामित्य में कमी कर्ति मा उससे वचने में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविभा चूँ सिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंशत व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैं ० जय राज बिल्डर्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती जांती कुमारी एल० यादव श्री सुभाष चन्द्र एल० यादव और श्री २०ण कांत एल० यादव।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख . से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

नगुसूची

दुशान सं० 4 जो जयेश अपार्टमेंट्स, जयराज नगर बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई०--4/37 ईई०/861/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 24 मार्च, 1984 कोरजिस्टर्क किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-11-1984

अस्य वार्षः दी.एन.एस...------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अर्ছ०-4/37 ई.ई.०/859/83-84--अत मुझे ए०प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4 को 'आत्माराम अपार्टमेंट्स', जयपाली हिल, शांति आश्रम के बाजू में, बोरीवली (पिष्चम) बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसान करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 पाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में भू रिजस्ट्री है तारीख 24 मार्च, 1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अवने में सविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसहरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैं ० जयपाली बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीपुरुषोत्तम सी० कुंदर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषुषी

दुशान नं ० 4 जो 'आत्माराम अपार्टमेंट्स' जयपाली हिल गांति आश्रम के बाजू में, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/859/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 मार्च, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 12-11-1984

मोहर ः

श्रुक्ष भाइ . टी. एन्. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/517/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन उक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव दुरान नंव 3 जो 'द्वारना अपार्टमेंट्स', जयपाली हिल, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई—92 में स्थित है (और इसरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालक में रिजस्ट्री है तारीख 12 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उच्चेष्य से उक्स अंतरण लिखित में बास्तियक रूप के फिया नहीं किया यहा है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और√वा
- (स) एसी किसी भाव या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिसित व्यक्तियों, अथित :---

27. -366 GI[84

(1) भै० जयपाली विल्डर्भ।

(अन्तर्ध्)

(2) श्री रेन्नी लोबो ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में फ्रोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवद स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदां का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

जगसकी

दुकान नं० 3 जो 'द्वारका अपार्टमेंट्स', जयपाली हिल, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ड-4/37 ईई०/517/83-84 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 मार्च, 1984 को रजिस्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्वर्ध

नारीख : 12-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4. बस्त्रई

धम्बर्ष, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/536/83-84---अतः मुझे, ए० प्रेसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 324 है तथा जो तीसरी मंजिल, 'गोविन्द अपार्टमेंट्स', जयपाली हिल, शांति आश्रम के बाजू में, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई—92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण स्थास विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण म. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मैं जामपाली बिरुप्टर्ग ।

(अन्तरक)

(2) श्री हेनरी डिमोजा और श्रीमती हेन्डा डिसीजा।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्रगक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनसूची

फ्लैंट नं० 324, जो तीसरी मंजिल, 'गोविन्द अपार्टमेंट्स', जयपाली हिल, शांति आश्रम के दौजू में, बोरीवली (पश्चिम), वस्वई--92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ई०/536/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1984

प्रकप नार्ह, दी. एस. एस. अ = = = ====

मायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई--4/37 ईई/862/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2 जो प्राउन्ड फ्लोर 'ब्रारणा अपार्टमेंट्स', जय-पाली हिल, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई--92 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 24 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आप की शावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियन । में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाई दें सुनुष्धा खेलिए;

अतः अवन अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , भं , उकत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्ष्मीत् ह—

(1) जय-पाली विलडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मासियाना मेंडींका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सूची

दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'ब्रारका अपार्टमेंट्रा', जय-पाली हिल, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की ऋम सं० अई-4/37 ईई/862/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 मार्च, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीखा ▮ 12-11-1984

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के मधीन स्भाग

भारत बुड्काड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

बम्बई, दिनार 12 नवम्तर 1984

निदेश सं० अर्थ-4/37 ईई/44/83-84--अतः सुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेटनं० सी/14 जो चांथी मंजिल, साईबाबा धाम आफ एस० बी० रोड, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं),और जिस्ता ंराप्सामा आयक्ष अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के क्षेत्रीत कर दान के अन्तरक के दायित्य हैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोधनार्थ कन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृद्धिमा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के सपीन निम्नलिम्बित स्थितितयों अर्थात ए---- (1) मे अर्भ अरुण इन्टरनेसनल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भंडारी बदर्स।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेंता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजरण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिंसित में किए जा सकोंगे।

स्थल्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उसक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ छोगा जो उस अध्याय में विश्वा भवा है।

वन्त्वी

फ्लैंट नं ० सी/14 जो चौथी मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० बी० रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाि ऋम सं० अई-4/37 ईई/44/83-84-और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाकः 12 नवम्बरः 1984 निदेश सं० आई०--4/37 **ईई**०/47/83--84---अतः मुझे, ए०प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्और जिसकी सं० फ्लैटनं० 301 जो है पतकेश्वर अपार्टमेंट; प्लाटनं० 244. टी० पी० एम० नं० 3, एक्सार, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), और जिसका बरारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 3 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्डित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके रुख्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (च) एँसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अ अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अथाति :--- (1) चितालिया बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीदिनेश नरोत्तम शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित .हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

फ्लैंट नं० 301 जो पतकेश्वर अपार्टमेंट, प्लाट नं० 244, टीं० पी० एस० नं० 3, एक्सार, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कम सं० आई०-4/37 ईई/47/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई छारा दिनांक 3 मार्चे, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-11-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस., ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक आयंकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निदेश सं० श्राई०-4/37 ईई०/821/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वुकान सं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लार, सिल्वेरियन श्राई० सी० कालोनी, सी० टी० एस० सं० 1128 एस० नं० 110 (पार्ट), प्लाट नं० 14, व्हिलेज एक्सार, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 23 मार्च, 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आशत उक्त आधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा मा किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत । ——

(1) मैं बी० श्रार० इन्टरप्राइसेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दा जी मुखी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परे सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में चिमा गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2 जो ग्राउन्ड फ्लोर, ब्राई० सी० कालोनी, सी० टी० एस० नं०, 1128, एस० नं० 110 (पार्ट), प्लाट नं० 14, एक्सार व्हिलोज, सिल्वेरियन, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/821/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्प (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~4, बम्बई

ता**रीख : 12-11-1984**

मोह उ

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई०-4/37 ईई/1000/83-84--ग्र**न**:

🚁ुक्षे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एड. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुक्तान नं० 1 है तथा जो विलेज एक्सार; ए० नं० 110 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1128, प्लाट नं० 14 श्राँफ श्राई० सी० कालोनी, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 29 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अधार्त :--- (1) मैतर्म बीव श्रारव इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यस्मिन फर्नान्डीस श्रीर श्री एडविक फर्नीडीस।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आर् करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के बर्जन के शिष्ट कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी क्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और उदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 1 जो बिलेज एक्सार एस नं 110 (पार्ट) सी टी एस नं 1129, प्लाट नं 14 ग्राफ ग्राई सी कालोनी, बोरोबली (पश्चिम), बम्बई –103 में स्थित है । ग्रानुसूची जैसा कि कम सं ग्राई०-4/37 ईई०/1000/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 मार्च 1984 को रजिस्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸4, बम्बई

नारीख: 12-11-1984

ए० प्रसाद

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 19**8**4 निदेश सं० श्राई०/4-37 ईई०/1001/83-84--श्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3 है तथा जो विलेज एक्सार एस० नं० 110 (पार्ट), प्लाट नं० 14 सी॰ टी० एस० नं० 1128, श्राफ श्राई० सी० कालोनी, बोरीवली, (पण्चिम), बम्बई—103 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध—नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 29 मार्च, 1984

करें पूर्व कित सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्थमित स्थ से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से **हुइ किसी आप की बाबत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा स्विधा के लिए: और/या
- (फ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना अहिए था छिपाने में भुजिधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक ७--- (1) मै० बी० शार० इन्ट्रसाइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीकेशव के० बंगेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, त्रों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी मन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 3 जो बिलेज एक्पान, एस० नं० 110 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1128, प्लाट नं० 14 ग्राई ग्राई सी० कालोनी. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई ~103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०/4-37 ईई०/1001/8 83~84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्राबकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख : 12-11-1984

मोहरः

अरूप आई. टी. एन. एस.-----

कांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० भाई०-4/37 ईई०/823/83-84--भ्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल, सिल्वेरियन, विलेज एक्सार, एस० नं० 110 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1128, प्लाट नं० 14 धाफ धाई० सी० कालोनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई -103 में स्थित है (धौर इससे उपावस प्रमुस्ची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भायकर धिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भ्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री तारीख 23 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्यधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28---366 GI|84 (1) मै० बी० ग्रार० इन्टरप्राइजेज ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीडी० सी० फेरों।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किये जा सकर्ष।

स्पक्तीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उत्तर अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

फ्लैट नं० 5, जो पहली मंजिल, सिल्वेरियन फिल्स्स्य क्रिक्स्स्य एस० नं० 110 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1128, प्लाट ग्राफ ग्राई० मी० कालोनी, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-103 में स्थित र ।

श्रनुसूर्चा जैसा कि क्रम मं० श्रार्ष०-4/37 ईई०/823/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वार दिनांक 23 मार्च, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--4, बम्बई

तारीख : 12-12-1984

मोहर.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

वायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/822/83-84---ग्रतः मुझे ए• प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 11, जो, 3री मंजिल, सिल्यिन, विलेज, एक्सार, एस० नं० 110 (पार्ट) सीं० टी॰ एस० नं० 1128, प्लाट नं० 14, श्राफ श्राई० सीं० कालनी, बोरिवली (न०), बम्बई—103 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23—3—84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव उक्तः अभिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण को, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) मैसर्स बी० ग्रार० इंटरप्रायजेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जून सी० क्वाड्रोस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध 'किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लीट नं 11, जो, 3री मंजिल, सिल्बरिन, विलेज एक्सार, एस नं 110 (पार्ट), सी टी एस नं 1128, प्लाट नं 14. धाफ आया सी कालनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई—103, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/822/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 23-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-4, बम्बर्ड।

दिनांक : 12-11-1984

प्ररूप वार्षे, टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

TIZE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/855/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मुसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उधित बाबार मुन्ब 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पसैट नं० 401, जो 4थी मंजिल, लार्डस, बिल्डिंग, श्रायं० सी० कालनी, कास रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 24-3-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या सन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिभिनियम, या धनकर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के त्रयोजनार्थ जन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया पत्रा था या किया थाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के शिए;

बतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशिक व्यक्तियों, अर्थाद् ह— (1) मैसर्स जे० माई० कन्स्ट्रक्शन।

(मन्तरक)

(2) श्री दत्तात्रय चितामण पाटील ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्यानित बम्मीत्त के अर्थन के निक् कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासीप 🚛

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

सनुसुची

फ्लैट नं० 401, जो; 4थी मंजिल, लार्डस, बिल्डिंग, प्राई० सी॰ कालनी कास, रोड बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

स्रतुस्ची जैसा कि कि सं प्रई-4/37-ईई/855/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, हारा दिनांक 24-3-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनाम : 12-11-1984

प्रस्थ बाइ . टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर वाय्यत (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/309/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, जो, 3री मंजिल, 'शेखर नगर' परेरा बाडी, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है। (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करार-नामा भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-84

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (खन्तिरितियों) के भीच ऐसे मन्दरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिक्ति उद्देश्य में उनत मन्तरण निक्षित में वास्तरिति सिक कर्ष म सिक न्या द्रायम में उनत मन्तरण निक्षित में वास्तरित

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पान की बावत जनत प्रधि-विकास के बाधीन कर देने के प्रश्तरक के बावितन में कभी करने या जससे बचने में सुनिधा के विष्। बीर्णमा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स शेखर डेवलपमेंट कारपीरेशन

(मन्तरक)

(2) श्री माधव सुबया भट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूनाँचत सम्यत्ति के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रवासत स्वासता में से किसी स्विभन्न द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

नन्सूची

पर्लैट नं० 305, जो, 3री मीजिल, ''शेखर नगर'', परेरा वाडी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37–ईई/309/83–84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3–84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-4, बम्बई।

विनांक: 12-11-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

शायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के शंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवभ्बर, 1984

निर्देश सं० श्रई 4-/37-ईई/307/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थ्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, णेखर नगर, दिहसर (प), बम्बई – 68 में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-3-84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्ष) बंदरण से हुई किसी बाय की बाबदा, स्थाप बीधिन्यम के बधीन कर देने के बंदरक के दायित्व में कमी करने वा उद्दर्श क्यूने में सुविधा के लिए: और/या
- (५) एसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा चाहिए था, डिपान में सुविधा वे सिए;
- बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, नै उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) इस्मी : निम्नसिविद व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) मैसर्स शेखर डेवलपमेंट कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री सदानन्द चौरा सालीयन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में प्ररिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, शेखर नगर, (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37–ईई/307/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8–3–84 को रिस्जिट के किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सुहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज−4 अम्बई।

विनांक: 12-11-1984

प्रकृष बाइ . टी. एन्. एस . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बस्वई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/306/83--84--अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, "शेखर नगर" परेरा वाडो, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है। ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है/ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-84

को वृजेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिसित उद्योग्य म उक्त अन्तरण निमित्य में यादिक क्य से किया नहीं किया गया है ।

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उच्च शिथ-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य कास्तियों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट महीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, च्याने में सुविधा को लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरण कों., बीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, जिल्लाजित व्यक्तियों, अधीत्।---- (1) मैसर्स शेखर डेवलपर्नेट कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्रो मधुकर विष्णु पराडकर, श्रौर मुनालिनो मधुकर पराडकर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पळ्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्व्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्त्र्या

प्लैट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, "शेखर नगर", परेरा वाडी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-468 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई- 4/37-ईई/83→84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8→3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दनांक: 12-11-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/308/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 107, जो, 1लीमंजिल, "शेखर नगर", परेरा वाश्री, दिहसर (प), अम्बई-68 में स्थित है। (श्रीर इससे उपांबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टी है, तारोख 8-3-84

को पुर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व म कभी करने या उत्तर यचने में समिधा के लिए, किस/दा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन- कर विधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी सुविकत के लिए;

भतः बन, उक्त विभिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाहि:-- (1) ,मैसर्स घोखर डबलपमेंट कारपोरेगन

(अन्तरक)

(2) श्री बाबाजं। कुष्णाजी सावन्ता।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् ह----

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविदयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर तकत स्थावन सपत्ति में डिट बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग।

स्वच्योकरणः—इसम प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या है।

अनुसूची

फ्लैटनं० 107, जो, ाली मंजिल, "शेखर नगर, परेरा बाडी दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं० अई-4/37-308/83-84 स्त्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-84 को रिजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-44. बम्बर्ड।

दिनांक: 12-11-1984

प्रक्ष आहें दी एन एस . -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

मार्थालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/328/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रा में अधिक हैं

भौर जिसकी मं० एस० नं० 276, एच० नं० 1, एस० नं० 282 (पार्ट), सं२० टो० एस० 732, जंक्यन एट सो० टो० रोड, भौर गोवावरः महात्रे रोड, दिहसर में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूत्रः में और पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आमकर अधिनियम 1961 को धारों 269 छख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रें है, ताराख 8-3-1984

को पूर्णक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी अब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में अभी करने या उससे क्वने में मुक्रिधा के लिए; और/बा
- (भा) एंसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिपानं मा सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन. निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्री कांतिलाल मेचजी राजा श्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) आचल डवलनमेंट कारनोरेशन

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

एस० नं० 276, एच० नं० 1. एस० नं० 282 (पार्ट), सो० टो॰ एस० नं० 732, जंक्शन एट सा० टो० रोड, ध्रौर गोदावरो महात्रे रोड, वहिंसर में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि कर सं० अई-4/37-ईई/328/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई, द्वारा दिनांक 8-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जन प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज∽4, बस्बई।

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईर्ह/328-ए/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- त. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं एस० नं 276, एच० नं 1, एस० नं 282, सो० टो० एस० नं 732, जंक्णन आफ एल० टो० रोड ग्रीर गोदावरी महात्रे रोड दहिसर (प) वस्वई में स्थित है। (ग्रीर इस से उपायद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खूके अधान बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी जाय की बाबत, . उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति दें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अशीन निम्नलिभित व्यक्तियाँ, अर्थात् प्र--- 29 --- 366 GI 84

(1) आसोसिएटेड डायस्टपस कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) अचल डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

(3) अम्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में विया स्या है।

वनसूची

एस० नं० 276, एच० नं० 1, एस० नं० 282, सी० टी० एस० नं० 732, जंक्शन आफ एल० टी० रोड भौर गोदावरी महात्ने रोड, दिहसर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰अई-4/37-ईई/328-ए/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रकन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अर्ड-4/37-ईर्ड/303/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० जमीन बेजिरंग सी० एस० नं० 675 मीर स्ट्रक्चर के साथ, बेअिरंग सी० एस० नं० 675, 1 मीर 2 मीर स्युनिसिपल मेन्सस नं० आर-7671 (1) 183, रेक्ट्रन्यू विलेज दिहसर तालूका बोर्विली में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण का से विणित है) भीर जिसका करार-नामा आयक्र अधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 8-3-84

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सविध्य के लिए।

अत: अव:. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :— (1) धा वसन्त गोरेण्यर मोडबोले और श्रो पुरुषोत्तम महोदव परांजपे

ज (अन्तरक)

(२) मैंसर्म अमेनणा बिल्डसं

(अन्तरितो)

(3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक ग्रीर अन्य।

(वह व्यंक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मात में हितबद्ध है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिश करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति खूबारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन बेअरिंग सी०ए स० नं० 675 श्रीर स्ट्रक्चर के साथ बेअरिंग सा०एस० नं० 675, 1 श्रीर 2 श्रीर म्युनिसपल सेन्सस नं० आर-7671(1) 183. रेव्ह्यून्यू, विलेज, दिह्सर, तालुका वेरियलों में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क० मं० अई-4/37-ईई/303/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, क्षम्बई, द्वारा दिनांक 8-3-84 को र्जिस्टर्ड फिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीः, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 12--11--1984

मोहर ः

प्रकप् बार्षं, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांव 12 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/191/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

बारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने क कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैटनं० 204, जो, बो—िंबा, 2री मंजिल साई~निकेनन, कंदारपाडा, दिह्सर (पिष्चिम), बम्बई—68 में स्थित है। (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्त है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के अधीन चम्बई स्थित सक्षम हुँगाधिकारों केकार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तारोख 6~3-84

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- ्क) शन्तरण वंबुर्द किसी बाग की बावत, उपस् वर्षिणियत्र के सभीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने गा उससे शक्ने में सुविधा वे किए; वर्षि/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रंग कर या किया मन का माना चाहिए था, छिपान से अधिका के किया के किया

यतः अब. उक्त ऑधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस्तित व्यक्तियाँ, अधीत :--- (1) श्री हरीराम दौलतराम रामचन्दानी।

(अन्तरक)

(2) डोमिन्गेक मंबिस्टंक्षो फर्नान्डिस, भ्रौर इसाबैला डो० फर्नान्डिस

(अन्तरितोः)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी बाक्षं :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की पारीश के 45 दिन की बन्धि या तरसम्बन्धी का स्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अर्वाच, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यच्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्यास 20-क पे परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्यास में विस्थ वका हैं।

अनुसूचा

फ्लैट नं० 204, जो, बोर्स्बिंग, 2रो मंजिल,साई-निकेतन, कंदारपाडा, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-4/37—ईं5/19183–84 स्त्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 8-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज-4, बम्बई ।

दिनांक: 12-11-1984

श्रुक्यु बार्षं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्(1) के अधीय स्वमा

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37/ईई/119/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

जासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 108, जो, 4थी मंजिल, माणेक नगर नं० 2, एम० जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, असके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) कलारण वे हुई फिसी नाम की नामत, उक्त निर्मानक के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे क्ष्मने में सुविधा के सिए; कॉर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कड़ विधिनयम, या धन-कड़ विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यान बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा ना किया वाना जाहिए चा, कियान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् \mathbb{S} ——

(1) मैसर्स रघ्वंगी इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रो प्राणशंकरहरीशंकरवाडिया।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सिड़ कार्यवाहिया करता हुन।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी जन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्पृत्वीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्वम के तथ्याय 20-के में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् मूची

प्लाट नं० 108, जो, 4थो मंजिल, माणेक नगर नं० 2, एम० जी० रोड, कांदिवलो (पश्चिम), बम्बई -- 67 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/119/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनोक 3-3–84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बर्ड

चिनांफ: 12-11-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37--ईई/958/83--84---अनः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10-डी, जो, भावना की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एस० बंद० रोड, कांदिवली (प) बम्बई-37 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपावत अनुसूचा में ग्रीर पूण रूप से विणित है)। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 27-3-84

कां पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रो हशमुखनान रतः नान ज्ञानाकोया।

(अन्दर्भ)

(2) श्रोधारजनाल बालूभाई मुता, श्रीर हेमंत धिरजनाल मुता।

(अस्तरितः)

(3) अन्तर्शितयों

(वह व्यक्ति जिसके अधिमीग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10-डो, जो, भावना को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, एस० वो० रोड, कोदिवलो (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-1/37-ईई/958/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-84 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई।

दिनांक: 12-11-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

नायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्तर)

ध्रजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/4143/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात जिस्ता अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-छ से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थीं मंजिल, कोचनगंगा, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं/श्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-3-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके कृत्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे नचने में स्विधा के सिए; और/जा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों करो जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

अतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के वम्तरण गं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) संविधीन, निम्नोलिसित व्यक्तियों, वर्षातः :— (1) श्री राजेन गोविंदराम भाटिया

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राधावेन जेरमदास दावडा, ग्रौर विजय जेरमदास दावडा ।

(ब्रह्मरेगो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं् 45 दिन की अवधि या त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

धरस की

फ्लैट नं 401, जो, 4्थी मंजिल, कांचनगंगा, कांदिवली (पश्चिम), बस्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-4/37-ईई/4118/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्रस्य आई. टी, एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37-जी/47/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिंसकी सं० छेडा निवास, जो, प्लाट नं० 55/56, सी० टी० एस० नं० 2587 श्रौर 2587 (1), एक्सार, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीबर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 1-3-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंटिरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्सलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बावत उक्त धर्षि-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौद/वा
- (ण) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

भतः विव उनते अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उनते अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) 1. श्री दामजी रावजी शहा ग्रौर
 - 2. श्रीमती कस्तूरबाजी हिर्जी शहा,
 - 3. श्री किशोर हिरजी णहा,
 - 4. श्री मोतीलाल हिरजी महा,
 - 5. श्री गौतम हिरजी शहा

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री सुरेंद्रप्रसाद अगरवाल,
 - 2. श्री सन्तोपकुमार एस० ग्रगरवाल,
 - श्री विजयकुमार एस० ग्रगरवाल,
 - 4. श्री अजयकुमार एस० अंगरवाल,
 - श्री चन्द्रभाल एस० श्रगरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितीयों (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है।

को यह स्वना जारी करके पृथोंक्स सम्पस्ति के अर्जन के , लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपरित के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्तिः में हित- धव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

नगराची

श्चनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०--493/83 श्चौर जो श्चपररजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी उहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

निक: 12-11-1984

प्रस्थ आह^र. टी. एन. एस. ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37-जी/50/83~84---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं दिक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य (5,000/- का स अधिक हैं

श्रौर जिसकी यं० पिस एण्ड पार्सल श्राफ लैंन्ड बेग्नरींग सी० टी० एस० नं० 100, सर्वे नं० 96, हिंस्सा नं० 3, एस० बी० रोड, कांदिवली, वस्वई में स्थित है श्रौर इससे उपावड श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण वद से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारींख 19-3-1984

की प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क्षेत्र की कीर/या
- (क) एती फिल्मी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिल्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिष्धा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) श्री मथुरादास हरीदास, केयरश्राफ एच० यू०एफ० श्रौर श्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) श्री जीं वर्शन प्रिमायसेस को-श्रापरेटिव्ह सोसाईटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति

(पह ज्यापत, ।जसक आवमाग म सम्पार है)

(4) —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4/5 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्दोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृस्यी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 570/80 श्रीर जो उपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-4, बम्बई -।

दिनांक: 12-11-1984

प्रकल आह. टी. एन. एस. -----

मायक र मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रर्ध-4/37-ईई/451/83-84---ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उष्यित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाम की आबत, अक्ल जिमित्यम के जभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
30—366GI/84

(1) श्रीभेरुलाल नन्दलाल जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० दामोदरन।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिश्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 12, जो, प्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं 3, मुलजी नगर स्किम, प्लाट नं 8, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-4/37-ईई/451/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, तस्वई, द्वारा दिनांक 9-3-84 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-4, बस्वर्ड

दिनांक : 12-11-1981

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड यम्बर्ड, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निर्देश मं० ग्रर्ड-4/37-र्डड/787/83-84—श्रत: मुझे, ए० प्रसाध,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 3, जो ग्राउंड फ्लोर, बी-विंग विल्डिंग नं० 23, झालाबद जानी की-ग्राप० हाउसिंग सोसा- हैंटों लिसिटेड, प्रणोक चक्रवर्ती रोड , कांदोवली, बस्वई-101 (पूर्व) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्ननुसूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन,

बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-3-1984

को पूर्वियत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आग की बागता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कामी करने या उसने वचने में सुविधा 5 140, आर/शा
- .ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना साहिए था खिपाने में भविभा के लिए;

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० सरल इंटरप्राईज

(ग्रन्सरक)

2. श्री निरंजन अमृतलाल शहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ध्यक्तियों में है फिसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्^व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पर्लैट नं० 3, जो ग्राउण्ड फ्लोर, बो-विंग बिल्डिंग नं० 23, झालावद जानी को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, ग्रंशोक चक्रवर्नी रोड , कांदीवली, (पूर्व), वस्वई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/787/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-3-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-11-1984

म्बन वार्षं हो . एव . एव . -------

भाशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० भ्रई-4/37–ईई/352/83–84—भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-2, जो ग्राउंड फ्लोर, "राज किशोर", मेउरीन स्ट्रीट, कांदिवली विलेज, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-3-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसा जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के लिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री गिरिराज कन्स्ट्रक्शन्स कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

श्री कांचनबेन बाबूलाल शहा,
 श्रीर श्री राजेन्द्र बाबूलाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीजर प्रवेक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिलबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, जा उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाग्यित ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-2, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "राजिककोर" मेजरोन स्ट्रीट, कांदिवली विलेज, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-4/37—ईई/352/83—84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 9—3—84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12--11--1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ण (1) के मुभीन सुण्ना

भारत करकाडु

कार्यालय, सहायक कामकर जागुक्त (निरीक्ण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निदेश सं० श्चई-1/37-ईई/503/83-84--श्चराः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं प्लाट नं 79 भीर 798, जो, टी पो एस 2, सी टी एस वं 471 भीर 473, विहलज खानेरो, 5वां कार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (शीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वांणत है), शीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के भाषोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 16-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा यथा प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवत विवत में भारतिक रूप ते कालत नहीं किया प्रसा है:—

- (क) बन्तरूप से दूरि किसी बाव की बाबत, उसर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करूने वा उससे बचने में सूनिया के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाव या किसी वन वा अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाव-सन्द्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा, छिपाने में मुविशा के निष्ट;

अता. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मुर्थात् ।

1. मेसर्स शक्ति कन्स्द्रक्शन्स

(म्रन्तरक)

2. मेसर्स मंसू बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रेक्टर

(सन्तरिती)

3. ग्रन्तरक श्रौर 19 भाउत

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. 19 भाउत

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में मधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के कर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की सविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकते।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त पन्यों और पदों का, जो उक्त व्याभिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं.

बर्युकी

प्लाट न० 79 और 798, जो टी० पी० एस० 2, सी० टी० एस० न० 471, 473 , ब्हिलज खनेरी, 5वां कार्टर रोड़, बोरियली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-4/37–ईई/503/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16–3–84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्रकृपः वार्षः दीः एनः एसः - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीर स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

िनवेश स० **ध**ई-4/37-ईई/147/83-84--- \mathbf{u} तः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 108, जो 4थी मजिल, माणेक नगर नं० 2, एम० जी० रोड. कांदिवली (पिंचम), बम्बई 67 में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तद्रण से हुई किसी बाद की बाबत, सबस बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या स्प्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा औं विद्युः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स रघुवंशी इंटरप्रायसेस

(ब्रन्तरक)

2. श्री प्राणशंकर हरीशंकर वाडीया

(ग्रन्तरिती)

3. बिल्डर

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विवव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, सभोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्ची

फ्लैट न० 108, जो 4थी यजिल, माणेक नगर न० 2, एम० जी० रोड़, कांदिवली, (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{47}$ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ष

दिनोंक : 12-11-1984

प्रकल **नार्ड**् दीत् एम*् एस*्ट्रास्टरण्य

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984 निदेण सं० अई-4/37-ईई/983/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० जमीन श्रौर स्ट्रक्चर के साथ, जो, एक्सार, बोरिवली बेअरिंग सर्वे नं० 13/1 (पार्ट) श्रौर सी० टी० एस० नं० 106/ई श्रौर बेअरिंग श्रोरिजिनल प्लाट नं० 190 आफ बोरिवली टी० पी० एस० नं० 111 आफ बोरिवली में स्थिद है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-3-84

को पूर्वीक्षतं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के अंसरक के बायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री शंकर गजानन विपले

(अन्तरक)

2. मै० हिना डेवलपमेंट्स

(अन्तरिती)

3. अन्तरक श्रीर भाडूत

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि बहुन् सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना पारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

चक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्ति सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोक्ष्मि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा नकींगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हों, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर स्ट्रक्चर के साथ जो, एक्सार बोरिवली बेअरिंग सर्वे नं 13/1 (पार्ट) श्रौर सो टी एस नं 106/ई० श्रौर बेअरिंग श्रोरिजिनल प्लॉट नं 190 आफ - 106/ई० श्रौर वेअरिंग श्रोरिजिनल प्लॉट नं 190 आफ - 106/ई० श्रौर बेअरिंग श्रोरिजिनल प्लॉट नं 106/50 श्रौर बेरिंगली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं० अई-4/37-ईई/983/ 83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-11-1984

प्रकल काइ . टी . एव . एश . -----

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अक्तूबर 1984 निदेण सं० 2/3/84—-यतः मुझे प्रेमा मालिनी वासन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि तिरूपरंगुन्द्रम है, जो में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय एम० आर० तिरूपरंगुन्द्रम वस: 447/84 में भारतीय रिजस्द्रों-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार र्म्युल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल । निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; और/बा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान भें सीअधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री टेविट ज्ञानटया

(अन्तरक)

2. श्री एस० टी० पदमनाबन

(अन्तरिती)

को बहु स्वना बारी करके पृथानित सम्पत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 विन की संबंधि या तत्संबंधी स्पक्तियाँ पर
 स्वान की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी
 सविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्पक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ध्रनुसूची

भूमि: तिरुष्परंगुन्द्रम, दम: 447/84

> प्रेमा मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, मब्रास

तारीख: 27-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 श(1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 सिन्म्बर 1984

निवेश सं० 3/3/84—यतः मैं, प्रेम मालिनी वासन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि श्रीर निर्माण, टूटिकोरित है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० की लूर दस: 336/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदान में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. मै० वैके इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड

(अस्तरक

2. मैं० रामलिंगम एण्ड को०

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिस्ति में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

वप्तुची

भूमि घोर निर्माण: 231 एण्ड 232 नातं राजा, दस: 336/84

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

प्रकम बाहै, टी. एन. एस. - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 6/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि मेखकेरि गांव है, जो में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० मेखरि दस: 221/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करफें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई थिसी जाय की अधित, उक्त जिथिनियंत्र के अभीन कर दोने के अस्तरक के व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ।:---- 31—366 GI 84

1. भी के० सुन्दर्शीलगम

(अन्तरक)

श्रीमत्तां कांता गौणकर

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्यक्तिरा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित ब्रूध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निकास में किए जा सकेगी।

स्यष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

भूमि मेखरि गांव वस: 221/84

> त्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

मोहर

प्रकप नाइ". टी. प्न. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयम्स (निरीक्षण)

अजंग रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांफ 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 7/3/84—-यतः मुझे, प्रेम मालिनीः वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसका सं० भूमि श्रौर निर्माण सौत वेलूर सेलम है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीज़र्ता अधिकारः के कार्यालय, एस० आर० 1 वेलूर दस: 836/84 में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिरा उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उपस अधि-भिष्म की अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायिएल में कभी करने या उससे अअने में सुविध्य के निए; स्नैर/या
- (क) एसी, किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विकासित व्यक्तित्या, अर्थात :--- 1. श्रो एन० कुमार वाडियेलू

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर॰ मल्लिका अम्माल

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के रांजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में है किसी व्यक्ति सुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-ज्वय किमी जन्म स्मित् द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

भू(म ग्रीर निर्माण: 8/6 ग्रीर 8/6ए, अशोक सीत बेलूर, सेलम। 4 दय: 836/84

प्रेम भालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॅंज-1, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 8/3/84—यतः मुझे, प्रेया मालिनी वासन आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत जिधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० भूमि मुनुस्थामी पुरम है, जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्री० 11. तूतुक्कुछि, दस: 269/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृहयमान प्रतिफल से ऐसे दृहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिहात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उत्यस अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण गः, में, उत्यत अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्रा आलवर्ड वास

(अन्तरक)

2. श्रं जि॰ राजा गंकर

(अन्तारेत्रा)

की यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन्

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूधारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर उंपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

भूमि: 2न्ड स्ट्रोट, मुनुस्थामिपुरम, तूतुक्कुडि।

वस: 269/84

त्रेमा मालिनो बासन तक्षम प्राधिकारी क्षहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, महास

तारीख: 27-10-1984

प्रकृप आहें,टी.एम.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

न्नर्जन रेंज, 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 12/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 95, तिरूमोहरगांव है जो मक्रे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० I मतूर दिस० 1264/84 भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुंड किसी अाम की बाबत, उक्त जिम्हीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबिरच में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के जिए; बॉर/बा
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: वध, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मैसर्स श्रोम शक्ती मिल्स

(मन्तरक)

(2) मैसर्स रत्नवेल टेक्स्टाइलस प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तिनिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सृघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृघना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख री 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

> भूमि तिरूमोहर गांव (दस्तावेज 1264/84)

> > प्रेम मालिनी बासस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निर्शक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1 मद्रास

विनोका 29-9-1984 मोहर : मार्च 1984

प्ररूप प्राइं, टी. एन. एस. -------

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नवीन क्षमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अक्टूबर 1984

निदेश सं० 20/3/84—-ग्रत. मुझे प्रेम मालिनि वासन वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत् 'उंकत अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,00.)/-रु. से अधिक हैं शौर जिसकी सं० भूमि दिन्तुककल है जो में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जें० एस० ग्रार० I दिन्दुककल दम 168/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध नियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक

पृत्रों थत सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिवात से किथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-का निम्मसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में बास्य-जिक रूप से कथित नहीं किया कथा है है—

- (क) अन्तरण से हुई कि ती बाय की बाबत उन्तर अधि-ध्वत्र के बचीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कती कड़ने या उवचे वचने में बृद्धिया के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिस्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चनिहर हो, छिपाने में स्विभा के सिह;

कतः सन्, उक्त सीधनियम की धारा 269-न कै समुबर्ग हो, हो, उक्त सिधिनियम की धारा 269-व की नवधारा (1) के सधीन, निस्तिविद्या प्रियमित किया है—- (1) श्री झार कृष्णमूर्ति,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मृत्तु वरिण्पिललै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कर्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

अनुसूची

भूमि विम्युक्कल (वस्तानेज 168/84)

> प्रेम मालिनी दासन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज 1, मब्रास

विनांक: 17-10-1984

प्रका नार्' ही एन एस

जामकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० 22/3/1984—-ग्रतः मुझे प्रेमा मालिनि वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें एक्का 'उक्त मीधिनयम' कहा गया है), की धार 269-ब के अधीन सक्षम प्रतिकारी को, यह निरुद्धाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट 7. स्पेन्स्नगर दिन्दक्कल है, जो

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 7, स्पेन्छनगर दिन्दुक्कल है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यालय एस० ग्रार I दिन्दुक्कल दस० 183/84 में भारतीय ग्रधिका रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984 को

भी पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-। कि रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (वा) वन्तरण सह्यं किसी बायको यावत, उन्हें वाचित्रम् के अभीत कर दोने के वन्तरक के यानित्म में कभी कड़ने या उद्दर्श वे विद्या के विद्या: ब्यांट/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी पन या बन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार निधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, या धनकर निधिन्यम, या धनकर निधिन्यम, या धनकर निधिन्यम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मा में स्विधा के लिए

(1) मैसर्स स्पेर्न्स एण्ड कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री सुत्रमणियम

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पृश्नित सम्पत्ति से वर्षन के तिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सब्बन्ध में कोई भी बासंप 🚐

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह ब्रुध किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर् के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्रिकरणः --इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्कित विभिन्नम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा है।

मन्त्यी

मुक्ते स्पेन्संनगर दिन्दुकल (दस० 183/84)

> प्रेमा मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 1 मद्रास,

अस अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अनुहरूत को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्नुतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

दिनांक :- 11-10-1984 मोहर :- प्रका शाह : डी. धन : एवं : -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, 1 मद्रास मद्रास, दिनांक 17 श्रक्टूबर 1984

निदेश सं० स॰ग्रा॰आ॰ (नि) 24/3/1984—ग्रतः मुझे प्रेमा

न्मलिनि वासन

शियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर राम्पिस, जिनका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण दिन्दुक्कल है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० II दिन्दुक्कल दस० 463/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का गंद्र ह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि चित्त में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही:

- (46) अंतरण से हुक् िक्तिसी आयुक्ती बाबत्, उक्तः अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के िनए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार आधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अंतरियम, विचारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औ निए;

(1) श्री एतिराजम्माल

(भन्तरक)

(2) श्री वि० नागराजन

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

नगत्त्रची

भूमि श्रौर निर्माण 9 एण्ड 10 सोसैडि स्ट्रीट दिन्दुक्कल (दस० 463/84)

प्रेमा मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः सिम्निन्धित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

पिनांक : 17-10-1984

मोष्ट्रर ः

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

जायकर जीभीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (जिरीक्रण) ग्रर्जन रेंज 1 महास

मन्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० 25/3/84—प्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रयन गांव है, जो मदुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० नामरे पट्टी दस० 381/382,388/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 16 मार्च, 1984

को प्रॉक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य., उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, मिम्निशिसित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण मिणित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सधीत, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम० एम० सुम्बैया

(अन्तरक)

(2) मैससं : सुम्बरम इन्डस्ट्रीज लिमिटेड ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकाँगे।

स्पव्यक्तिसरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों आरं वर्तों का, को उन्त विभिन्नियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित -ह³, वहीं अर्थ द्वोगा जो उस प्रध्याय में दिया। वसा है।

वन्स्ची

भूमि ग्रयन गांव (वस॰ 381, 382 एण्ड 388/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी दे सहायक आयक्र द्वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 29-9-1984

शास्त्र आहें.टी.एन्.एसं.,------

ज।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 1 मद्राम

मद्रास, दिनांक 17 श्रवट्रबर 1984

निदेश सं० 31/3/84--अतः मुझे प्रेम मालिनि

वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो चोक्किकुलम मदुरै में स्थित है (भ्रीर इससे उपावस श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० तल्लाकुलम दस० 1156/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन-विनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपति का उपित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल तो, ऐसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बामा गया प्रतिफल, निम्निवित उद्योचय से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्सिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बावत, उनस अधिनियम के जधीन कर योगे के जन्तरक के यायिक्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा वी सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गर्म भा की किया जाना चाहिए या कियान में सार्थ्या के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 32-366 GI 84

(1) श्रीमती के० राधा भ्रम्माल

(प्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० एम० देव्नाने श्राच्छी श्रीर श्रन्थों

(अन्तरिती)

्की वह सूचना चारी करके पूर्वीच्छ सम्मृतिस के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

4464

भूमि चोकिककुलम (दम 1156/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर ग्रायुक्न (निरोक्षण) धर्जन रेंज 1, मद्राम

विनांक :- 17-10-1984

श्रक्ष बाह्रे.टी.एन.एस.,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 34/3/84—-ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जितको सं० नं० 14, है जो पसवेस्वरा काविल स्ट्रीट कस्पा श्राम्बूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है (रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, एस० श्रार० श्राम्बूर दस० 737/74 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्णेक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वितिषक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (शृक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना नाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) चै, अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) 1. श्री वि० एस० मिल्लिहारजुन२ चेट्टियार

(ग्रन्तरक)

(2) अश्री जी॰ मनि

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संजंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मीर निर्माण: 14 परवेस्वरा कोविल 8 झाम्बूर, (दस 737/84,

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक: 27-10-1984

प्रकम आह्".टी.एन्.एस. ------

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के धनीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं० 35/3/84—-श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो राजापुरम नामक्कल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारो के कायिलय, एस० श्रार०, बढलगुडा दस 426/84 में भारतीय राजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विद; औड़/बा
- (क) होती किसी बाव वा किसी धन वा कम्ब ब्राह्तिकी को, जिन्हें भारतीय वाम-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिमाने में व्यक्ति के हिंदुए;

कतः व्यव, उपत अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भोच तेवर

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रार० के० रामस्वामि

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के सर्जन के रिनए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज की 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बढ़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए।
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अधाहरताकरों व्यक्ति वित्त में किए या सक्षेत्रे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

पनुसूची

भूमि: राजापुरम (दस० 426/84

> प्रेम मामिनि बासन सम्रम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-1; महास

विनोक : 7-11-1984

प्ररूप बाईं.टी. प्न. एस. ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वाना

बार्य सुरकान

कार्यालय, सहायक भायकार भायकार (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 ग्रक्टूबर 1984

निदेश सं० 38/3/84--- ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है^{*} श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण है, जो पेरिय तहरम जयराम चेडो स्ट्रीट वडवेलूर मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० वेलूर (दस० 987/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक को पूर्वोक्त संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (बंतोरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कंस, निम्नसिवित उड्डक्य से उत्त बन्तरण जिवित में वास्तंतिक

> (क) जन्तरण से हुद्दं किसी जाय की वाबत, उक्त जिथितियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दरविष्यु में कनी करवें वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बाँद/वा

क्य से कथित नहीं किया प्याह ैं---

(क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या वर्कर नहीं किया निस्तियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के सिए;

.बद्ध: बय, उच्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक् में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्या स्थितियों, अधीत् :--- (1) श्री बी० बीज राज अडेबाडा

(भन्तरक)

(2) वी० निर्मला भाई

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जाड़ी करके पूजींकत सम्पृत्ति के वर्णन के बिल् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तमां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोगें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कुर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ववृत्या

भूमि ग्रौर निर्माण: 68 वड वेलूर पेरिय सहरम जयराम चेट्टी स्ट्रीट वड, वेलूर, ('दस० 987/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, मब्रास

धिनांक: 27-10-1984

वासन

प्ररूप आहे. टी. एत. एस. ------

स्थम, 1961 (1961 का 43**) की**

नायकर अभिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यानय, बहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, भद्रास मद्रास, दिनांक 11 ग्रक्टूबर 1984 निदेश संब 29/3/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000∕- रा. से अधिक है

हिंगीर जिसकी सं० भूमि श्रौर निर्माण है, जो सम्मन्दपुरम रमनात पुरम वेस्ट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० राजपालयम दस० 740/84 में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निस्त्र सिवात उद्वेष से उसत् अन्तरण निस्तित में बाजा-विक रूप से कृथिस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाब्त, उक्छ वीभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उच्छे बच्ने में सुनिधा की जिए; बाँड/या
- (क) इसी किसी जाय या किसी भन या जन्म शास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए जा कियाने में स्विभा के दिन्दृष्ट

कतः जब, बक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिचित स्यक्तियों, अभीत् ८—— (1) सुन्धर वेखण्डरामन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शेखर

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष इ--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पात्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद दिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण: सम्बन्द पुरम भ्रग्रहारम राजपालयम (दस० 740/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 11-10-1984

प्रकप बाइ . टी . ध्व . ध्व .; ------

सायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 1 मद्रास,

मद्रास, दिनांक 7 नवस्दर 1984

निवेश सं० 43/3/84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण सौत खार स्ट्रीट है, जो रामेस्वरम टौन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार०। रामनाड दस 96/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रुधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उणित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उच्त बिध-मियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में किसी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, व्याने में सुविधा के जिए;

अतः अव उनतः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उनतं अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अधीतः—— (1) श्री डी वि झार लक्ष्मी झम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० एन० के० महालक्ष्मी भ्रम्माल (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोद्धस संपरित से अर्थन के सियू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो और जबीध बाद में सम्प्राद्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4:5 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इं., कही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वपुत्रको

भूमि भौर निर्माण सौद खार स्ट्रीट रामेस्वरम (दस : 96/84)

> प्रेम मालिनि वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज- 1 मजासः

दिनांक :- 2-11-1984 मोहर : प्रस्प बाई.टी.एन'.एस.------

(1) श्री भ्रार० स्रीनिवासन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के॰ पी॰ परमसियम

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 56/3/84 -- ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि को ई मेट्ट पट्टी भ्रो मलूर है, जो में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण क्षियत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० भ्रार० भ्रोमलूर वस 423/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधिनियम के विधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिंग व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्धांकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्सूची

भूमि कोट्ट मेट्टु पट्टी (दस: 423/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- 1, मब्रास

दिनांक : 27-10-1984

प्ररूप नाइरं. टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाउँ भारा 269-व (1) के अधीन स्वना (1) श्री सरिगम्मास

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पेरियन्नन

(ब्रन्तरिती)

नारत सरका

कार्यालैय, सहायकः भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 मद्रास मद्रास, विनांक 27 श्रक्टूबर 1984

निवेश सं० 61/3/1984—श्रतः मुझे प्रेम मालिनि बासन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,010/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि कोनेरी पट्टी गांव है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से व्रणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस ग्रार० एडप्पाडि दस 270/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1984

करे प्वेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई फिसी बाय की बावत, अवस्य बीधनियम में अधीन कर दोने के बन्तरक में स्वीवत्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; बीट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ह कार्यवाहिया करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के णस सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित--हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

भूमि कोनेरि पट्टी गांव (दस: 270/84)

> प्रेम मालिनि **यासन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

बतः धवः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं के जनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के विधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः—

धिनांक: 27-10-1984

(2) श्री एल्लप्प नामद

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एस० रामस्वामि

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

आयकर अभिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, विनाक 25 सितम्बर 1984

निवेण सं० 62/3/84 —-श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्तु 'अक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के लभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **है**

ग्रीर जिसकी सं० भूमि वडुगपट्टि गांव है, जो नामक्कल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० भ्रार० संगरिदंग दस 260/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उ**चित बाजार मृ**ल्य **से कम के दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास र्करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे - दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अंतरितियाें) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्थित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; जरि∕गा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्मक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनदथ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्लोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

भूमि बडुगपट्टि (दम 260/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, महास

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

दिनांक : 25-9-1984

मोहर:-

33 -366 GI 84

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.,-----

नायंक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राग, दिनांक 17 श्रश्ट्यर 1984

निदेश मं० 64/3/1984—स्प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्पर्क पश्चान 'प्रकृत पधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव भूमि देवन्त गोदनूर गांव है जो वेल्लक्क पालयम में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एसव भ्रारव कोमारपालयम दस 290, 291, 767/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का अचित बाजार मल्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पांथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण सं हुइ किसी आव की वावत, उक्ट निश्नियम के नशीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अकने मों सुविधा के जिए; और/या.
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिषिधा के लिए।

शत: अय, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्निपितिवत व्यक्तियों, अर्थाट — (1) श्री रामस्वामि श्रौर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स डान इन्दिया वाटटिल एक्स्ट्राक्ट्स को लिमिटेड

(ग्रन्तरिनी)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (व) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मीत में हितबब्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा : वधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त अब्बॉ और पर्वो का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

भूमि देवन्न कौन्दनूर (दस 290, 291, और 767/84)

> प्रेमा मालिनि वासम सक्षम प्राधिकारी उहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 17-10-1984

प्रकृष आई. टी. एन्. एस. ----

(1) श्री पर्लान गौंडर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना (2) श्री चिन्नस्वामि ग्रींडर

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मन्नास, दिनांक 20 प्रक्टूबर 2984

निवेश सं० 69/3/1984—म्ब्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रपिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मण्यित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि मुंजनूर गांव है, जो मल्लसमुटम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० मल्लसमुटम दस 446/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें भ्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नितियों से उक्त अन्तरण सिचित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त प्रधितिस्त्र के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उद्युखे बचने में सुविधा के किए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना था, खिपाने में स्विधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बग्स्क

भूमि मुंजनूर गांव (दस 446/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

वतः वर् उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण र्क, में उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियमें, अभीन क्र---

दिनांक : 20-10-1984

प्रकप बाई ुटी, एन, एस, =----

(1) श्री मल्लम्माल ग्रीर ग्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्री कदंस्वामि कौढ़र

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 प्रक्टूबर 1984

निदेण सं० 70/3/84-—ग्रतः मुझे, प्रेम मालि निवासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि मुरकत्र गांव, है, जो नामकल में स्थित है (ग्रीर इसमें उभावद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यांत्रय, एस० ग्रार० मल्लप्रमुद्रम दम 445/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का थन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निलिखत उद्वोद्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की नामत, उपकत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने ना सबसे दचने में सुनिधा के निए; और/ना
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, दिस्पान में सुनिभा हो किए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यो

भूमि मुरकनूर गांव नामक्कल दस 445/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास,

बतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनित व्यक्तियां, अर्थात है—

दिनांक : 20-10-1984

मोहर

प्ररूप. बाइं. टी. एन्. एस. ----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 ग्रवंत्वर 1984

निदेश सं० 74/3/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रौर निर्माण, मुलनम पालयम नामक्कल नामक्कल है, जो में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीदार्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० निरूच्छेंगोडू दस 1008/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान मितिकाल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते थह बिश्वाम करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित प्रकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें ख्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने 'में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री कें एन पेरिपस्वामि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० राजू

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना क राजपान में प्रकाशन का तारांख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हमर अयुक्त शब्दों भार पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया यया है।

जन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण मुत्तमन पालयन (दस 1008/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10-10-1984

प्ररूप नाइं, टी, धन्, एस्,्र------

(1) श्री रामस्वामि

(ग्रन्तरक)

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वान

(2) श्री के गनेशन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निवेश सं० 78/3/84—- प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 'हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रंड से बाधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रन्ततान पिट्ट गांव सेलम है जो सेलम में स्थित है (श्रौर इसमे उपावस श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० ताङग पिट्ट दस 681/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 16 मार्च 1984

को पूर्वांक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्

- (क) कृत्यहरू वे हुई किसी नाय की बावत, बक्छ महिम्बिस्य के न्यीन कह दोने के बन्दारक के बाह्यित में कमी कहने वा बबसे बुन्ने में सुविधा के बिस; अदि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपान में सविधा के सिष्ट;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की बविध, वां भी मद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्ताकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्धों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

वनुसूची

भूमि घन्नतान पट्टि वसः 681/84

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मन्नास

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात ः—

विनांक : 29-9~1984

प्ररूप बाइ". टी एन. एस . -----

बायुकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

चार्यालयः सहायक आयक्तर वायुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मितम्बर 1984

निवेश मं० 82/3/84—-प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० भूमि ग्रौर निर्माण तिल्लैपुरम नामक्कल है, जो, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० I नामक्कल इस 384/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 16 मार्च 1984

का पूर्वा करा संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दूश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिकत उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से किए; सौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों वर्धात :- (1) वि० एस० सुंदरेसन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० रामस्वामि

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में को**इ' भी णाओप** :---

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थनित द्वारा,
- (ड) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

भनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण तिल्लैपुरम, नामक्कल (दस :384/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास,

दिनांक : 3-9-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एसं . -----

(1) श्री एम० कुलदै वेलू

(ग्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आएकत (निर्गीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, महाम

मद्रास दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 85/3/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक ही

जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार०मोहनूर दस 241/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 16 मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिए की गई ही ग्रीर गुरु यह विस्तर करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे उपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए। तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबित उद्देश्य में उपल अत्ररण निम्नितिबित उद्देश्य में उपल अत्ररण निम्नितिबित उद्देश्य में उपल अत्ररण निम्नित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन केर दत्त के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मिनिया के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अग्रेम्पयः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिया द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाले औ मीव्या के जिए.

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (2) थी पी० चिन्त्

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए।
ग्यार्थवाहियां तरु करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दस : 241/84

प्रेम मलिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारिख: 11-10-84

में हर:

त्ररूप् बाइ . टी . एन . एस . -----

(1) श्री हरिना बेरिंगस (प) लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 103/3/84—यतः मुझे, द्रेम मालिनि वास्न, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिन्यका उच्चित वर्णार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं मोतम अग्रहारम गांव, होसूर है, जो धर्म पुरी जिले में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस अगर होसूर दस: 1026/48 में रजिस्ट्रीकण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 16 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस बचने में सुविधा कि लिए बोर/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाता चाहिए का छियानं में मणिया के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34-366GI84

(2) श्री सुन्दरम किलेडन लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा

वन्स्पी

भिम : मोत्रम ग्रग्रहारम गांव, होसूर दस : 1026/84

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 26-10-84

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयक र आयुवत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1. मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 श्रक्तूबर, 84

निदेश सं० 106/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासने, आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/- रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं भूमि रियेर गांव है, जो सेंलम-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस॰ श्रार॰ 111 सेंलम दस: 308/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन मार्च 84

को पूर्वांकर संपृष्टि के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और बन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गक्ता प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत अक्त विध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बावन हो सुविधा के सिये; अदि/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया सा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुनिधा की किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बारीन, पिक्तिलियत व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री पि० एम० एम० जाफ∓ अलि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मैनर स्रीप्रिया

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ६----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक्स स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्साक्षरी के पास निश्चित में किए जा तर्जेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस जध्याय में दिया गुवा है।

वम्स्ची

भूमि रामकृष्णा रोड; सिवकःशि पुरम एक्शटनशन सेंलम-7. दस: 308/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, महास

तरीख: 17-10-84

्रप्रकृत्यार्क_ः टी∴ एन_ः एक्_र्न----------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कही चाडा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत ग्ररकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 , मद्रास

मद्रास, विनांक 27 प्रक्तूबर, 84

निदेश सं० 115/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि : श्रस्तमपिट्ट गांव सेंलम है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण प में विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे०एम० श्रार० $I_{\rm I}I$ सेंलम दम : 604/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन मार्च, 1984

का पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृस्रें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों के सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके एरयमान प्रतिकल से, ऐसे एरयमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मीलिखित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण सिक्ति में वर्ष्णिक रूप से कांश्रत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी अप की बाबत, उच्छ वृधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में जुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, की उक्त अधिनियम औं धारा 269-म की सम्मारा (1) की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् किन्न

(1) श्री पेरियस्वामि

(मन्तरक)

(2) श्री भार० एस० बालगीता

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप ः---

- (कं) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित से किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त न शब्दों और पर्दों का, जो उक्क्षु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

भूमि : घस्तम पट्टी वस : 604/84

> प्रेम मालिनि वासन समम प्रधिकारी सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेज. I, मद्रास

तारीख: 27-10-84

मोह्य 🖫

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस-----

(1) श्री ग्रनन्दयम्माल

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1967 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 20 श्रक्तूबर, 84

निदेश सं० 131/3/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनि, वासन,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह⁴ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० भूमि कालप्प नायक्कन पट्टि है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससेउपाबड़ में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिकस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यानय, एस० श्रार० सेंद्रमंगलम दस: 462/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन मार्च, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्री पलनियप्पन

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि : कालष्प नायक्कन पट्टि गांव दस : 462/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज 1, मद्रास

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

ारीख : 20−10**−8**4

प्ररूप थाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घटा) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज सदान

मद्रास, दिनाक 16 अक्तूबर, 84

निदेश सं० 132/3/84—यतः मृझे, प्रेमः मालिनि वासन, बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 264 न के उधीन मध्य प्राप्तिकारी तो यह अधनात करने का आर्थ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 27,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं भूमि मुत्तुक गांव, नामककल है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यात्वय, एन० ग्रीर० मेंदर्मणलप्र दम 451/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन मार्च, 84

को पूर्वीक्त गंपत्ति के अचित भागा मृत्य में कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वाम फरने की कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का अचित माजार मृत्य का राष्ट्र है हिंदामान परिकान की मृत्य जायाग जीतकत का अब्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)। और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देवचेय जे ज्वा जन्तरण विचित में अस्तिकल रूप से किंदित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी अप अने जावत अबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या असके अचने के स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जान या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाओं अन्तिरिती द्वारा प्रथट रहीं किया गण किया अधिनियम अस्तिरित द्वारा प्रथट रहीं किया गण के सा किया अध्या अस्तिरित के निता अध्या अस्तिरित के निता के सिता अध्या अस्तिरित के सिता अध्या अस्ति के सिता अध्या अस्तिरित के सिता अस्तिरित के सिता अध्या अस्ति सिता अस्ति सिता अध्या अस्तिरित के सिता अध्या अस्ति सिता अस्तिरित के सिता अध्या अस्ति सिता अस्ति सिता अस्ति सिता अस्ति सिता अधिक सिता अस्ति सिता अस्ति सिता अस्ति सिता अस्तिरित सिता अस्ति सिता सिता अस्ति सिता अस्

नतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 34-356GI[84

(1)श्री रामस्वामि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मीर बाशा

(भ्रन्सरिती)

की यह सुचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए क्षित्राहिण करता हो ।

उक्त राम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 किन को अपिश या सत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

भूमि : मुत्तुकपष्टि गांव

दस: 451/84

प्रम मालान वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 मद्रास

नारीख: 16-10-84

भाहार :

श्रुक्य नार्षः, द<u>ि, एवः, पुरा</u>त्रः, प्राप्तः, प्राप्तः

(1) श्री मृत्तुसुबरमणय उष्टयार

(ग्रन्तरक)

थायकर विभिन्यमः 1961 (1961 का 43) की थाता 269-व (1) के वृथीन बुचना

NICO EXPE

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I महास

मप्रास, दिनांक 15 श्रक्तूबर 84

निदेश सं० 133/3/84—यतः मुझे, प्रेम प्रालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भुमि वालबंति कोबे गाँव है, जो नामक्कल में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप सें बणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० सेंवमंगलम वस : 442/84, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 84

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का बल्बह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के सिए ह्य पाया ग्या प्रति-कम निम्निसित उक्देश्य से सक्त अन्तरण निमित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तं हुए किसी शाव की बावत, बन्ध अधिनियम से अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने ना उससे वचने में सुनिधा से किस; बार/बा
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गुमा था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में नृष्टिया भी विकास

(2) श्री मैनर वेलुच्छामि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्-कार्यवाहियां करता हुं ।

उपन सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपण भें प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्थाबीकरण :---इसमें प्रयुक्त कच्चों नीर पर्वो का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूषी

भूमि : बाल वंति कोंबै गाव दस : 442/84

> प्रेम मालिति बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेनरेंज—I , मब्रास

जतः वस, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बन्धरण कों, में, उक्त बीधिनियम, की भारा 269-म की उपधारा (1) की बभीज, फिल्मिनिकित व्यक्तियों, वर्मीत् म—

तारीख: 15-10-84

मोह्न ए 🛭

प्रकप् वाद' टी. एन. एस.. म्म्यू

(1) श्री रामस्वामि गौणडर

(भन्तरक)

धायकर माँधनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

(2) श्री पेरूमाल गौणडर

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 84

निदेश सं ० 138/3/84---यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पेरिय कुलम गाँव है, जो सेंबमंगलम में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण घ्य से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० सेंदमंगलम दस: 425/84, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन मार्च, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और ज़न्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के श्रीष एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखत उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किया गया है ए—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन सा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया प्राटा चित्रिय था, छिपाने में मुनिया के निष्दुः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पार्स लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरण:----इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय भ दिया गया है।

ग्युपी

भूमि: पेरियकलम गांव दस: 425/84

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1, मद्रास

अतः अतः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (!) के अधीतः, भिन्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 7-11-84

प्रकृत बाह् दी मुन एए

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1984

ग्रौर जिसकी सं2 निदेश सं० 147/3/1984— यंतः मुझे, प्रेम मालिनिवासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि लतुवाडि गांव नामकल है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ग रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जे० एम० आर० II, नामकल दुस 6/11/84 में भारताय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दान, दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने दें सुविधा के लिए;

मृतः वद, उन्त गीधीन्यम की धारा 269-म के बन्सरम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (।। के नजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात : (1) श्रं: आरुमुगम और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री जिन्नस्वामी

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार अव से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकींगी।

स्यष्टोकरण : - इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गृश हैं।

ग्रन्स्ची

भूमि लतुवाडि गांव डाक्मे : 611/84 ।

> त्रेम मलिनि वसने हें सक्षम त्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास

दिनांक: 16-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------(1) श्री अम्मयणात

(अन्तरक)

(अन्तिनितो)

आयकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1984

निदेश सं ० 150/3/84--यतः मुझे, प्रेम मा।लेनि वासन,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. में अधिक **हैं**

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिन्नमुद्दिल पट्टिगांव नामक्कल है , जो नामक्कल में स्थित है (ग्रीर इस्से उपावद्ध ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्याक्षय, जे० एस० आर०- $\Pi_{m{\epsilon}}$ नामक्कल वस० 481/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के न्या तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिम्बित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को. जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी सुविधा के लिए;

कां यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

(2) श्री बालमुक्रमण्यम

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि चिनमुदलि पट्टि दस : 481/84

> प्रेम मालिनि वासन मञ्ज प्राधिकारी सदायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1 नदास

कत: अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग्घ के अनुसरण में. में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--35-366GI/84

दिनांक : 7-11-1984

प्रकृत नाहाँ, टी. एन. एत. ----

(1) श्री राजा श्रीर अन्यों

(अस्तरक)

भागकर व्याधित्रयम, 1961 (1961 का 43) की धरर 269-व (1) के वधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

निदेण गं० 159/3/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसक सं० भूमि एलुप्पैनातन गांव है, जो अरिखिकलवाडि में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रेंकर्ता अधिकार के कार्यालय, जे० एस० आर० मद्रास नार्थ दम: 618/8 में मारात्म राजप्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च 1984,

हो प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तविव कुए से कि धन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोने के अन्तरक के तायित्व में कमी करने या उससे क्यम में सुविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपान में सुनिया के लिए;

(2) श्री ए० एस० राजसेखरन ग्रीर अन्यों (अन्तरिती)

श्री यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सञ्चल्ति के वर्षन् के शिष् कार्यवाहियां शुरु करला हुं।

वन्त राज्यात्व के वर्षात् के सम्बन्ध में कोई भी वाशंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब डैं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर नंपीरत में हिन्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के माद मिक्ट में किए का सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियोध प्या है।

वगृष्यी

भूमि एलुप्पैनातन गांव दिस : 618/84 ।

> त्रेम् मालिति वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षण) अर्रन रेंज-1, मद्रास

अतः असः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुसरम भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, विकासित व्यक्तियों, स्थाद उक्त

दिनांक : 18-10-1984

महः :

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मन्नार

मद्रास, दिनांक 18 अन्तूबर 1984

निदेश सं० 171/3/24-यत मुझे. प्रेम मालिनि, बान्न

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी स० भूमि भौर निर्माण मद्रास है, जो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याक्षय एस० आर० रायपुरम दस० 366/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984;

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार क्रिया, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्त उच्चेक्य से उक्त अन्तरण कि सिवत पे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाय की वावतः, उत्तरः विधिनित्र के वधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्वः वे कमी करने वा वसने बचने में सुविधा के मिए, वीद/वा
- (भे) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत : अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) श्री जे० मंतु बेन ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री जी० करुणानिति

(अंटर्गरतो)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्तित को अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध श्रेट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाक्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा सकेंगे

स्पव्यक्तिस्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि भौर निर्माण वाणेमन पेड मद्रास । यस : 366/84 ।

> प्रेम मालिति वासन सजन प्राविकारी सहायक आवकर आपुना तालका) अर्जन रज–I , मझास

दिनाक : 18-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984 निदेश सं० 178/3/84---यत: मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आगकः। अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि: 15 कलमंडपम रोड, रायपुरम मद्रास-13 है, जो मद्रास-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रंकर्ता अधिकारा के कार्यालय, एस० आर० रायपुरम दस: 464/84 में भारतीय रिजस्ट्रंकरण अधिनियमा 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिश मो वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आिस्तयों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

असः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के गापीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री उम्माल फोडाबीबि ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रोमती पिस्ता बाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए~ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि : 15, कलमडपम रोड, मद्रास । दस : 464/84 ।

> प्रेम मालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रज-1, मद्रास

दिनोक: : 24-9-1984

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ------

(1) श्री पार एन बालकृष्ण राज

(अष्ट्रतरक)

बायकर स्थिनिय्न, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्थना

(2) श्रीमती सांतक कावर

(अन्तरिती)

STEEL SECTION

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ॉ., मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 184/3/84—यतः भुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 10, रामानुज 1-स्ट्रीट, पेह्नायक्कन पेड है, जो मद्रांस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० मद्रास दस: 119/84 में, भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफास के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का अन्तर प्रतिफाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलाचत उद्देश्य से उचत अन्तरण निषित में शास्त्री के स्था से अभित नहीं किया गया है:--

- (क) मृत्युष्ट्र ने हुइ रिक्की नाम की बान्त, उक्त निर्मान के नभीन कर दोने के जन्तरण के कवित्य में कनी करने या उक्त वचने में सुविधा से चित्र; बीट्र/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या जत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना जाहिए था, जियाने ये स्विभा के निए,

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो में. अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन के भीतर स्थान समानर सम्मरित में हितनद्ध किसी बन्ध स्थानित द्वारा त्रभाहस्ताकरी के पात्र सिवित में किए का सकेंगे।

स्वाधिकरणः--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

वपूस्ची

भूमि श्रीर निर्माण : 10, रामानुज ं 1-स्ट्रीट मद्रास । दस : 119/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज—1 मद्रास

दिनांक : 24-9~1984

माहर :

नतक नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ए के निवृत्तरण में, मैं, उक्त निधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के नधीन, निम्नीलिखित न्याभितायों, नथात् :----

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेण मं० 179/3/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ग्रीर निर्माण कलमंद्रपम है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिक री के क यिलय, एस० ग्रार० ग्री० रायपुरम, वस : 465/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) ए० हाजा नझमुद्दीन

(प्रन्तरक)

(2) जे० रमादेवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **8** 1

भनुसूची

भूमि और निर्माण: 17, कलमंडपम रोड, रायपूरम, मद्रास-13 दस : 465 84 ।

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रज-1, मन्रास

दिनांक : 24-9-1984

अक्ट बाह्"्र टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुभा

शास्त स्टब्स्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, विनांक 24 सितम्बर 1984 निदेश सं० 191/3/84--यतः मुझे, प्रेम गालिनि घासन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भार 269- व के अभीन सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० 2, 5, जनरल मुतैया मुढिल स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध में श्रौर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० सौकार पेड दस : 111/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रेतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्थित के सिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उम्ल अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गारद एल० भा०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोहन कावर बोरा ग्रौर ग्रन्थों।

(श्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मब्धि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निकास मों किए था सकोंगे।

स्पध्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्र्य

भ्मि स्नौर निर्माण : 2, 5, जनरल मृतैया मुटिल स्ट्रीट, 2म : 111/84 ।

प्रेम मालिनि वासन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-1 मद्रास

दिनांक : 24-9-84

प्ररूप नार्च , टी., एन., एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 195/3/84—यतः मुझे, प्रेंम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ग्रीर निर्माण 9/4, मांडीत रोड है, जो एगमोर, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें ग्रीर पूर्ण रूप से ब्राणित है), रजिट्टीस्कर्नी ग्रीधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० पेरिमपेड दस: 196/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1984.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया भया धा या किया जाना चाहिए ना, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती चन्त्रा बाई

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० उम्महानि बेगम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास निकास में निग् का भनेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

नन्त्रची

भूमि और निर्माण : 914, माडीत रोड़ एगमीर, मद्रास । दस : 196/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, मन्नास

विमांक : 29-9-84

प्ररूप बार्ड .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 198/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 75. ये अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 20, गुरुवण्य चेट्टी स्ट्रीट, मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० पेरिममेड दम: 206/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1984.

को वृजेंकत सम्पत्ति के उचिन श्राजार मृत्य ये कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विक्याम करने का कारण है कि स्थाप्यक्ति सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से करियुत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किची आय की बाबत, उन्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, िश्रपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनेसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्मिनियम व्यक्तियों, अर्थात :——
36—366GI|84

(1) श्री सिपरस्मल

(अन्तरक)

(2) श्री डीं० के० नागा मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध मा काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, 'यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखिश में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमाँ प्रश्वन शस्त्री और गर्दों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याद 20-कः माँ परिभाधित हाँ, वहीं अर्थ हाना प्रा उस अध्याय में िश्व। गुमा हैं।

वास समित

भूमि श्रौर निर्माण : 20, गुरुवप्प चेट्टी स्ट्रीट मद्रास । दस : 206/84 ।

> प्रेम मालिनि वागन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज~1, मद्राम

दिनांक : 27-10-1984

प्रकृष् बार्डाः सी. एम., एव.------

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्मृता

HIS OF THE

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देशिण)

श्चर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश सं० 200/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर निर्माण मांडित रोड एगमोर मद्राय में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० श्रार० पेरियमेड दस : 266/84 में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्मिन्दिश उद्वरेश से उक्त बन्तरण कि सिक्त में वास्तिक कप से किश्वत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कबी करने या उच्छे न्यने में सुनिधा के निए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर ऑधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये वा, छिपाने से सिष्ण के सिष्ण;

(1) मेससे वीनस इन्वेस्टमेंटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० श्रीमप्रकाण ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी का<u>र</u>के पूर्ववित सम्पृत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उन्तर स्थावर सम्परित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्वी

भूमि श्रौर निर्माण 1/30, मांडित रोड, एगमोर दस : 266/84 ।

प्रेम माोलीन वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, मद्रास

अतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग्र (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

दिनांक : 6-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

भार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-], मद्राम मदास, दिनांक 6 नवम्बर 1984

निदेश मं० 202/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, क्षायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पन्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि हारिटन रोड मद्रास, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्कर्ता अधिकारी के कार्यालय एग० आर्थ पेरियमेड दस: 168/84 में द्वारतीय रिजस्ट्रीरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने किन कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/था
- (का) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्णन्स ग्रीर इण्डस्ट्रीज

(भ्रन्तरकः)

(2) खा० ए० एन० के० मेनन तथा श्रीमती पारविन मेनन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सेवंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारं, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

भूमि : हारिडंन रोड, चेडपड, मद्रास ।

बस : 168/84 ।

प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ध्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-ा, मन्नास

दिनांक : 6-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 204/3/84- जित मुझे, श्रेम मालिनि वासन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और निर्माणपी० एच० रोड, मद्रास है, तथा जो मद्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणन है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० पेरियमेड दस: 285/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्मे यह विश्वास करने का कारण है कि एथाए वें कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणे में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हि—

(1) श्री एनिराजयपा

(अन्तरक)

(2) श्री वि० मोहम्मेद और अन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

अनुस्ची

भूमि और निर्माण : पून्मल्ली है रोड, पेरियमेड मद्रास-3। दस - 285/84ः।

त्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, मद्रास

दिनांक : 25-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

शारत चरकार

कार्यात्तय, सहायक कायकार भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1984

निदेश सं० 231/3/84—यत मुझे, प्रेम मालिति वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1653, अन्ता नगर है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अन्ता नगर दस : 228/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त करने सिम्निसिखत उद्धेष्य से उक्त अन्तरण में लिकित शास्त्रविक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तहम से हुई हैंकबी भागकी बावत उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के सिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वं प्रयाजनार्थ अन्तीरती दवारा प्रकट नहीं किया गये धा या किया जाना वाहिए वा, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिगियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती णारवा बङरावरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पि० रजिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इंच सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांचु सिचित में किए का सकोंगे !

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त इक्यों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस कथ्याय में विया गया है।

मन्स्थी

भूमि और निर्माण अन्ता नगर । वस 228/84 ।

> श्रेम मालिनि वासम सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक : 5-11-1984

प्रक्रम् बार्षः . टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 4/3/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर विधिनयम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण वस्तकुलम गांव है, जो कन्या-कुमारी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बांगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तखकले दय 488/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपर्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से अक्त अन्तरण किचित में नास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 4 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उन्तर अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के उपधारः (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थांत निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थांत निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थांत निम्नलिखित (1) श्रीमती स्वदर अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आर० सुब्धमण्यन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

श्रन् सूची

भूमि और निर्माण कलकुलम गांव दस : 488/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--I, मद्रास

विनांक : 27-10-1984

प्रकप नाइं. टी. एन. एवं.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकाड

मद्रास, दिनांक 27 अक्तूबर 1984

निदेश मं ० 19/3/84 —यतः मुक्षे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 39, स्पेन्सर नगर विश्वकाल में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयती अधिकारी के वार्यालय, एस० आर० विन्दुक्कल दस० 156/84 में भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, विनांत मार्च 1984,

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मृत्य से अम के श्रममान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का अरण है कि संथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्त्विक श्रम से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुविधा के सिहः;

बतः अव उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेस्सं स्पेन्सन तथा दाम्पनी ।

(अन्तरकः)

(2) श्री ढाक आर० ए० पांडिय राजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

भूमि और निर्माण: 39, स्पेन्सर नगर विन्द्वुन्हाल। वस: 156/84।

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम श्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांबा : 27-10-1984

प्रकृपः, बाद्र्यः, द्वाः, एकः, प्रकृतः, -----

(1) श्री एस० राजन,

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवासन ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत् सरकाह कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 27/3/84-यतः मुझे, श्रेम मार्लिन वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण, अहिलनगरम तेनि है, जो मब्रास में स्थित है (और इसले उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णितहै), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के दार्थालय, एस० आर० ओ० तेनि दस: 978/84 में भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनोद्दा मार्च, 1984,

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रघ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रघ्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय भी वाबत, उक्त विभिन्नियम के वृथीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और््या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धें स्विभा को किया;

को सह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किंदी गया है।

ननस्पी

भूमि और निर्माण : अरिल नगरम ।

दस : 978/84 ।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस. -----

नावकर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के नुधीन नुख्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 28/3/84—यत मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि काताति वयल है, जो सिवगय तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सिकगंय दस: 41/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (जंतरका) और अंतरिती (जन्तरितया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, विस्वतिवित उद्वदेय से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :----

- (क) अभ्यारण से हुन्दै किसी नाम की बावत , उपस वीपीयवर के वधीन कर दोने के अन्तरक के बारियल में कमी अपने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीपु/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर जीधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में द्विधा के तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस स्वितकों, अर्थात् :--- 37---36GI|84

(1) श्री बाल उपन और अन्यों

अस्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल सम्पनी कादर्स।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अधेहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का अवद्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है:

वन्त्वी

भूमि कातानि घयल दस**ं** 41/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, मद्रास

रिनांक : 29-9-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

श्रायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1984

निवंश सं० 49/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बेलूर भूमि श्रौर निर्माण है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० वेलूर दस: 403/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविभा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिंगत व्यक्तियों, अथित :---- (1) मुलाई प्रम्माल भौर प्रान्यों

(भन्तरक)

(2) श्री डी॰ एस॰ त्यागराजन श्रीर ग्रन्यों (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळितिकरणः — इसमें प्रयुक्त कळ्यों और पवा का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिटु ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विग्री गया है।

समसनी

जमोन जो विलनगर आनन्द में स्थित है। सर्ब-रजिस्ट्रार, आनंद में 2567 नं० पर दिनांक 1-3-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> प्रेम मालिनी वासक् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोंज-1, मद्रास

विनोक 18--10-198 4

अरूप सार्द, ठी. एन. एस. ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभाना

भारत तरकार

कार्यांश्रम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 51/3/84—यत मुझे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित्र वाकार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि तम्बमपट्टि सेलम है, सथा जो सेलम में स्थित है (और इससे उपावड धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तम्बमगट्टि दस 430/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिश्चित उद्वरिय से उक्त अन्तरण किक्त में बास्तियक रूप से किया गया है :—

- (क) ब्रायण से हुई किसी आय की बाबत, उनत विभिन्नियम के नृशीन कर दोने के अन्तारक के वायित्व मैं कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; बाह्/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेमोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिशा के लिए;

नततः नवः, उनतः विधिनियमः, कौ भारा 260-च कौ अनुसरण औः, मौः, उनतः विधिनियम की भारा 269-च कौ उपभारा (1) चै वधीनः, निम्निनिधितः व्यक्तियों, वधीतः - → (1) भी करूपन्न गीचद्वर

(अन्तरक)

(2) श्रीएम० पलनि बेल

(अन्तरिती)

को यह स्वना चाड़ी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्धन के सिद् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्त सम्मत्ति में नर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यपूर---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्कावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकोंगे

स्पर्व्यक्तिरण हिन्दसमें प्रयुक्त शुक्यों आहेर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वर्त्यी

भूमि नानाकिनर गांव तम्बमपट्टि, सेलम वस : 430/84 ।

> श्रेम मालिनि बास न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1, महास

दिनांक 18-10-1984

मोहर

वस्य कार्यं हो े एवं , एस . -----

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के वभीन स्थान

भारत सहकार

कार्यासम्, बहायक नायकर, नायुक्त (निर्देशान)

अर्जन रेंज−1, मझास

मद्रास, विनांक 10 अन्तूबर 1984

निदेश सं० 52/3/84—यत मुझे, प्रेम मालिन वासन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि मित्रमलिगिर गांव है, तथा जो नामकल में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेंद्रमंगलम दस 371/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रिष्ठिक्स के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंडह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिवित उक्षेत्रेय से उच्त अन्तरण जिल्हित वास्तिक कप से क्षित्र मृत्ती किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावस, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से किए; जीर/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी अन या अन्य जास्तियों की, जिस्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, जिनाने में सुविधा के सिए:

जतः अव, उनत जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण वो, मी, उनत जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीत, निम्नलिचित व्यक्तियों, जर्मात् ः—— (1) श्री पेरिण्न गौणवर और अन्यों

(अन्तरक)

(2) सुप्पन

(अन्तरिती)

को यह सुचता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विधतयों में से किसी स्विधत इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए जा सकोंगे।

स्वाच्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

धनुसूची

भूमि तिरुंमलगिरि गांव। (बस 371/84)

श्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिमांक 10-10-1984 मोहर . प्ररूप्... बार्च : दी : प्रस्तु प्रस<u>ञ</u>्च :---::

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ए (1) के न्धीन स्थान

पारत तरकार

कार्याजय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 27 अक्सूबर 1984

निर्देश सं ० 53/3/84—यत मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि वाल वित कोम्बे गांव है, जो सेंदमंगलम में स्थित है (और इसके उपाबक अनुसूची में औरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सेंदमंगलम दस० 353/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत अभिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय स्या नया प्रतिफन, निम्नसिचित उद्वास्य से उस्त बन्तरण निचत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब उक्त काँधनियम काँधारा 269-ण काँ जनसरण वाँ, माँ, उक्त अधिनियम काँधारा 269-म काँ वप्यापा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

(1) श्री एट्टम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री पोन्मली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तंपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाशोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकान।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

are di

भूमि ^ग नाल बंति गांव यस * 353/84 ।

> श्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज, →1, मद्रास

दिनांक 27-10-1984 मोहर

प्रकम् बार्षे हु स्वीत प्रमृत प्रमृत्नान्यन

बायक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, महास

मद्रास, दिनोक 27 अक्सूबर 1984

निर्धेश सं० 58/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि पूत् पट्टि गांव है, तथा जो नामगिरिपेटैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर०नाम गिरिपट्टै वस 159/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण व दूर हिंचकी मान की बावल, उपक अधिनियन के बाबीन कहा बाने के अन्तरक के बाहित्य में कभी करने ना उससे व्यन में सुनिया के लिए; अडि/बा
- (ब) एसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, सन्तरण बो, भी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) वे बभीन, निम्नजिवित व्यक्तियों, नर्भात्≟—- (1) श्री सेहलम्माल श्रीर अस्यों

(अन्तरक)

(2) श्री ई० अय्याव् और अन्यों।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त त्रम्पीरत् के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धीः स्पित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पनितवों में से किसी स्वित्त इवारा;
- (वा) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए जा सकेंग्रे।

स्यक्तीकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दी और पदौ का, जो उक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभावित ही, बही वर्ष होगा, जो उत्त बध्याय में विमा नवा ही।

सर्प्

भूमि पूत् पट्टी गांव वस 159/84 ।

> प्रेम-मिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; मद्रास

विशंकः 27-10-1984 मोहर मुक्य बार् . टी. एनं. एतं .- - व ---

भावकरु विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वात

भारतं चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

मद्रास, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 65/3/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं • भूमि नेशार पष्टि, सेलम है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अवुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० बीरपांडि दस 436/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नायं की वावत, उक्त विधिनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; जॉर/या
- (ब) ऐसे किसी जाय या किसी धम या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो अयोजनार्थ अन्तरिती व्याध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना गहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, जर्थात् :-- (1) भी सुन्रमाल और अग्यों

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ पसनियप्पन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के नियं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाधीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

वन्त्यी

भूमि नेकार पहि गांव दस 436/84 ।

> त्रेम मालिति वासन सक्षमे प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दनांक: 10-10-1984

हम:िरो

प्रकार बाह्", द्वी. एन . एस . ------

नायकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के गधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक वायकार वाय्वतः (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्रास

महास, विनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० 66/3/84— यतः मुझे, प्रम मालिनि वासन, बायकर ऑफनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार मृश्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि पोतनूर गांव, वेल्लूर है, तथा जो नामक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० बेलूर में दस 492/84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984

को पूर्वीक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृत्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देवदेव से उक्त अन्तरण किलिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों स्त्रों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया सां या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) भी कें गोविन्दराज और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री पि० सेंकोट्टयन

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथींक्त संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमीं पर स्थान की तामील से 30 विन की संविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा जभोहस्ताक्षरी , के पाव सिवित में किए जा सकी।

स्वक्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि पोतनूर गांव वस 492/84।

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, महास

ता**रीय** : 11-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, प्रविनांक 27 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 67/3/84——श्रतः मुझे प्रेमप्मालिनि वासन बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि बालवर्नद गांव है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० वेल्लूर, दस्तावेज 471/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोचन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पन्ति का उचित बाजार असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ह आर अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तारता (अन्तारातमा) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्षित उद्देष्ट्य से उदत अन्तरण लिक्षित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के स्मारक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा रूं लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिम्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 38-366GI/84

1. श्री कोलन्दक्कालु, ग्रौर अन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० परमसिवम,

(श्रन्तिर्ग)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाकित सपित्त को अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगराची

भूमि : वाल वर्नद गांव,दस्ता०४७1/8४

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर पाश्वत (निरीक्षण) ग्रजन रंज्स, गद्रास

दिनांक 27-10-1984

प्रकप कार्ड.टी.एन.एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 भ्रम्तूबर, 1984

निदेश मं० 72/3/84—श्रतः, मुझे प्रेम मालिति वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्षत मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन मक्षम पाधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. सं अधिक है

धौर जिसकी मं० भूमि है जो मिनयनूर गांव में स्थित है (ग्रौर इसमें 'उपावड़ श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बिणित है) रजिस्ट्री-कर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय एम० श्रार० नल्लूर, दस्ता० 132/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च, 84

की पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विनिष्क निर्माक कि लिए तय पाया गया विनिष्क निर्माक कि शित विचेत में वास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुक्रिका के मिए, जौर∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, पा विश्वा के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

सत: अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिनियन व्यक्तितयों, अधीत:--- 1. श्री अरुक्कानि ग्रीर ग्रन्यों

(मन्तरक)

2. एस० बालकृष्णन धौर ग्रन्यों

(धन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कारके पृश्तीनत सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानिक्यों में से किसी स्थित बुवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए था सकी गे।

स्थळकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्भी

भूमि : मनियनुर, गांव दस्ता० सं० 132/84 ।

प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज 1, मब्राम

दिनांक 10-10-1984 मोहर: प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1, भद्रास

मद्रास, विनांक 20 श्रक्तूबर, 1984

निवेश सं० 73/3/84—श्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो सिताराम वारियम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० निरुक्शांगोड, दस्ता० 937/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984 को पूर्वोक्त सम्परिस के उचित्र बाजार मृत्य से कम के प्रयमान

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल मं, एमं इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिन्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/जा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

बतः वयः, अवतः विधिनियमः, की भारा 269-न के वनुबर्ग्न वी, मी., उक्त विभिनियमं की भारा 269-न की उपभागः (१) के अभीनः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीतः :--- 1. स्रीरंगम,

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रार० वेंकडाचलम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजंपत्र में प्रकाशन की ताराख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

गन्त्यो

भूमि: सीताराम वारियम गांव । दस्ता० 937/84 ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 20-10-1984 मोहर: प्रा प वा**ई. टी. एन. एस**. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 श्रम्तूबर, 1984

्रिनदेश सं० 75/3/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि, वासन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि: मोलासि गांव है, जो में स्थित है (स्रोर इससे उपात्रद्ध सनुमूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० आर० तिरुसंकीड, दस्ता० 1009/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984 को

पूर्नोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान पितफ ल सं, एसं दूरयमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्लि में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की भावत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बार्ड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिभा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित् व्यक्तित्यों, अर्थात्क— 1. श्री बिं० कें० सेन्नियप्पन ।

(अन्तरक)

2. श्रीजि० कंदुस्वामी ।

(यन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकी।

स्यक्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों शौर पदों का, भी उन्नक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा

बन्स्की

भूमि मोलसि गांव, दस्ता० 1009/८.

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन स्वना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निट्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज[ू], मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 श्रवतुबर, 1984

निदेश सं० 76/3/84——श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो तिम्मम पट्टि गांव में स्थित है (और इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० सेलम, दस्ता० 563/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान
- प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृष्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौ
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ न निम्नीनिचत उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में शस्तिवक
क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से इन्द्रं किसी अाव की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक की दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; बार्ट/वा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय अय-कर कि चिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त बीभनियम, वा भनकर बीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारणीय कन्त्रिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविभा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्क व्यक्तियों, जनति ड— 1. श्री एन० ए० सिन्नस्वामी गौणडर,

(अन्तरक)

2. श्री टी० के० रामस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दा सम्पृतित के वर्जन के सुम्बन्ध में कोइ भी जाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्सि में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

वन्त्र्यी

भूमि : तिम्मम पट्टि, गांघ, दस्ता० 563/84

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 10-10-1984 मोहरपः प्ररूप आर्च. टी. एन. एत. -----

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक गायकर गायकत (गिरीकण)

श्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 प्रक्तूबर, 1984

निदेण सं० 77/3/84—ग्रतः मुझं, प्रेम मालिनि वासन नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000ं- का म अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो कमला पष्टिगाव है, जो सेलम में स्थित हैं। और इससे उपाबद्धण्यनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय एस० श्रार० ताडगपट्टि, दस्ता० 662/84 में रजिस्ट्रे करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने वा जससे अवने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में सृविधा के निए;

क्तः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)-के अभीम, निम्नलिकित स्यक्तियों, अधितः:--- 1. श्री कोलते ग्रम्माल,

(श्रन्सरक)

2. श्री प्नल्लम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण: कमला ट्रिप गाँव, वस्ता० 662/84

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रैंज-I, मद्रास

विनांक 10-10-1984 मोहर: प्रकप बादी, टी. एन, एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

धाउत ब्रकाह

शायनिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 श्रमतुबर 1984

निवेश सं० 79/3/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर निर्माण: गुह्य, सेलमहै, तथा जो सेलम में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के का र्यालय एस० श्रार० ताडहपट्टि, दस्ता० 743/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

क्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य सक्ते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदयों से उक्त अन्तरण किचिक्त में अस्तिक से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के निष्ठ: आर/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ संतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियधा भौ सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थान :--- 1. श्री घो० एमपी० पेरुमाल चेट्टियार,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस ० जानकी रामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

रमस्यो

भूमि श्रौर निर्माण : 120-की, मूंगपाडि स्ट्रीट, गृहय, सेलम, । दस्ता० 743/84 ।

> प्रेम मालिनि वास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज,I मद्रास

दिनांक 20-10-1984 मोहर: प्रकथ बाह्र टी.एम.एस -------

1. कमला ध्रम्माल

(ध्रन्तरक)

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

2. एस० सारधा

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

ग्रर्जन रेंज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 श्रवतुंबर 1984

निदेश सं० 81/3/84—— प्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर निर्माण : करुपा गांव है, तथा जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-I, वस्ता० 360 श्रौर 3661/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है घोर भन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितयों) के बीच एप अन्तरण के लिए उथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्त्रविक कम से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, १९८२ (1922 का 11) या उस्त स्थिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास्त प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए या, स्थिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुमूची

भूमि ग्रौर निर्माण: करुपा गांव, (वस्ता० 360 ग्रौर 361/84)।

प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) स्रजैत रेंज I, मद्रास

दिनांक 22-10-1984 मोहर: प्रक्रम बाद", टी. एन. एस.,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

ब्रास्त सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्राम मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 87/3/84— श्रतः मुझे श्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन मक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि मल्बसमुरम, है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्जा श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० मल्लसमुद्रम, दस्ता० 361/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1981

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेष्य ने उच्त कन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाग की बानत, उक्त अधिमिनन के अभीन कर दोने के अभारक के दागित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्ष अपि/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

भत अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-व की अन्सरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीग, नियनचिक्रिक व्यक्तियों, अर्थात् :—— 39--366G1/84 1. श्री भाग्यम,

(अग्तरक)

2. श्री मानिक्कम्माल

(अन्तरिती)

कां यह स्वान जारों करके प्रविक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी क्रिक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि को भी विदिध नाम में संबादत होती हो, के भीवर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, आ उससे अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

वन्युची

भूमि : कीलमुगम गांव, मल्लसमुद्रम, (दस्ता० 361/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजना, मद्रास

दिनांक 18-10-1984 मोहर:

प्रकप नाह¹ः ठीः, एस_{ः,} पुस_{ः,}-----

कास कर अधिनियम, 1961 (1961-का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 ध्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० 88/3/84—श्रतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि सक्करै पट्टी है, तथा जो नामक्कल में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० मरुलसमुद्रम, दस्ता० 338/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पृथितिन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निष् अपनिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाना जाता जाता का लिए।

नतः नव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तितायों अवसि :— 1. श्री वीरप्पन और झन्यों

(श्रम्परक)

2. श्री एम० सेंकोडयन,

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद से समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी कर्तन्य कराए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा संधोहस्ताक्षरी के बाब निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ हांगा जो उभ अध्याय में दिशा गया है।

मन्स्ची

भूमि : श्रक्करैंपट्टी, सेलग , । (दस्ता० 338/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

विनांक: 18-10-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाय 269-थ (1) के अधीन सूचना

1. श्री राजाप्गीणडर ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

2. ए० एस० राजाराम

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० 89/3/84——ग्रतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि: श्रक्कर पट्टी गांव है, तथा जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० मल्ल समुद्रम, दस्ता० 308/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से व.म के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरम से हुई किसी जाय की वाजत, उजतः अधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तुरक औं दासित्य में कमी करने या उन्ने वृत्तुर को सुविचा में सिष्ट; बुद्धिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास सिक्ति में किए जा सकेंगें।

स्थव्हीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बन्नी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u> जनसङ्गी</u>

भूमि : श्रक्करै पट्टी, गांव । (दस्ता० 308/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

जतः जम उक्त अधिभियम की भारा 269-न के जन्मरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 11-10-1984

मोहर

प्रकृष् आइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज1-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 प्रक्तूबर, 1981

निदेश सं० 93/3/84—श्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर किनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो पल्ल पट्टी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० सेलम, दस्ता० 230/84 में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्निसिंदत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ूँक) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासिस्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोर्√या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के निए;

हत: अभ, उस्त भाभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) दो नधीन, निम्नलिखित न्यमित्यों, वर्धांतु के रू 1. श्रीभाग्य लक्ष्मी श्रम्माल

(भ्रन्सरक)

2. श्री पी० मोहन कुमार ग्रीर भ्रन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकों थे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

मनुसूची

भाम पल्ल पद्नी, गांव (दस्ता ० 230/84)

प्रेम मालिनि वासनः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 10-10-1984 मोहर: प्रकृष कार्ड . टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) का धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज. मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० 97/3/1984—-श्रतः, मुझे प्रेम मालिनि वासन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्रारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० श्रनुसूची के श्रनुस्हार है तथा जो श्रन्सूची के श्रनुसार स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ए.स० श्रार० रासिपुरम, दस्ता० 381/84 में रिजर्स्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

का पूर्वाक्स सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम क स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया नया प्रतिक खल निम्मांला धन उद्देश्य ए उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक खप में किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया खाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

1. सभापति भीर धन्यों

(अन्तरक)

2. श्री के० परियस्वामी श्रीर श्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्मत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाखेद:--

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा:
- (व) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन के भात र उक्त स्थायर सम्पोक्त में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकोंगे।

स्वाक्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

भूमि कुनवेलम, पट्टी गव रासिपुरम । (दस्तावेज 381/84) ।

> प्रेम मार्लिन बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थात हरू

विनोक: 18 10·1984

मांहर 🥫

प्रका सह .ट्रा. **एस . .-----**

भावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूयर, 1984

निदेश सं० 98/3/84—-ग्रतः, मुक्तं, प्रेममालिनि वासन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक्ते पश्चात 'उक्त अधिनियम' रुहा गया है), की चारा 269-च के अभीन सक्षम् प्राधिकारी का यह विश्वास करने का एण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक है^{*}

भ्रोर जिसकी सं० भूमि निलवरपट्टी हैं, तथा जो सेलम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय <u>ે</u> दस्ता० 791/84 में रजिस्ट्रगकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वाक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, जसके दश्यमान प्रीतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निसिखित उप्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में मास्त-विक रूप से कश्वित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अर्थान कर य'ने भी अन्तर्क भी ब्रायित्व में कमी फरुने था उससे बचने में स्ट्रीवधा के सिद्, नीट्र/मा
- [(क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीधानयम, या **धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27)** क्रो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा में सिए:

वतः जन, अक्त जीधनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम् की धारा 269- म की उपभारा (1) 🖷 मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ६—-

1. श्री मारियपन ग्रीर अन्यों

(भ्रन्तरक)

श्री राजपन

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के क्वन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीका वी 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **जबभि बाद में** समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

ल्लक्कोकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पृथ्वों का, को स्वस् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अभ्याय में दिया गमा है।

भूमि : नमाचिवायपट्टी , (दस्ता० 791/84) ।

मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; मद्रास

विनांक 18-10-1984 मोहर:

प्रम्प बार्यः, दोः एषः, एषः, ----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० 102/3/84—म्प्रतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-उ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रमानि गांव है तथा जो कुमारपालन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० कुमारपालम, दस्ता० 708/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

कि प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अयामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंनत संपत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके इप्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त अद्वेष्यों से उन्त जन्तरक कि विष्

- (क) नन्तरण वे हुई किसी बाब की वाबस, उनस विधितित्म के सभीत कर दोने के बन्तरक के स्वतित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; नीर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाप वा किसी थन वा बन्त बास्तियों की जिन्हों भारतीय साय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. एम० पंजयम उरमा

(अन्तरक)

2. श्री एस० एम० बालक्रप्णन,

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिहित में किए का सकेंगे।

स्थम्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्ववह किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होंगा थी उस अध्याय में दिक्क गन्ना हैं।

अनुसुधी

भूमि भ्रमानि गांव कुमारपालयम, नामक्कल, (दस्ता० 708/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 18-10-1984

मोहर

मृक्य जाइ", टी. एम एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० 107/3/84,—-ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके उदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि पल्ल पट्टी गांव, है तथा जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० सेलम दस्ता० 303, 304/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अधीत ध— 1. श्री पाख्यलक्ष्मी श्रम्मालक ए० क्यार

(श्रन्सरक)

2. श्री पी० मोहन कुमार और श्रन्यों

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके प्योंक्स संपरित की अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देशरा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि: पल्ल पट्टी गांव सेलम। (वस्ता० 303, 304/84)।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक प 18-10-1984 मोहुर: प्ररूप बार्ड . टी. एत . एस . -----

आभकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

शायां नय , सहायक नामकार आयुक्त (रिराक्षिण) अर्जन रेंज,-1, मद्रास मद्रास , दिनांक 18 अन्तूबर 1984

निर्देश सं० 108/3/84—-ग्रतः, मुझे प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रानन् गांव है, तथा जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० रासिपुरम, दस्ता० 514/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफाल के लिए अल्तिरित को गईं वे अरेर पक्षे गई विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण, के लिए वय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिक्ति उद्योषय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, अन्तरक के अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमये बचने में स्विधा के निए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जियन विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जान चाहिए था जिल्हा में सीविधा के लिए;

ा. श्री प्रार० गनपति और अन्यों

(श्रन्तरक)

2. श्री एस० मनस्वामी श्रीर श्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्या को लिखा की पास

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जनस्ची

भूमि प्रातन्र गांव, (दस्ता > 514/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

अत: अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निरम्भितिका व्यक्तियों, अर्थान 40-36661/84

दिनांक 18-10-1984 मोहर प्रकृष नाइके हो है एन है एसे हैं स्वरूपनायकार

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर भाग्कत (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 109/3/84—-प्रतः, मुझे प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि श्रार० पुडुपालयम गांव है, तथा जो रासिपुरम में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे बाँगत है) रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० रासिपुरम, दस्ता० 442/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् गितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण वे सुद्धे निजनी मान की शक्त, तक्क मुभिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी अरने या उससे वचने में सुध्यिधा के सिए; बीटु/या
- (क) एंसी किनी अब या किनी धन था बन्त अस्तिनी को जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त कृषिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रकारणी अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमाने में सुविधा के निहर;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्ः--- 1. श्री पेरियक्कल श्रीर ग्रन्यों

(श्रन्तरक)

2. ग मेंगोइयन,

(अन्तिरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोचन संपरित के अर्जन के लिए कार्यवारिहयां कारता हों।

उनत् सम्परित् के अर्थन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की बबिथ, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह स्वनित्यों में से किसी स्ववित बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकींगं।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

भूमि श्रार० पुडुपालयम गांव, (दन्ता १४३)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक 18-1 0-1984 मोहर : ध्रक्ष नाइ³.टी.एन.एस. --=-=-=

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण)

श्रजंन रेंज, मद्रास

मद्रास, निांक 18 स्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 110/3/84—श्रत. मुझे प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका जिसता बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्र ौर जिसकी सं० भीम नलकार्हणांव, है, जो रासिपुरम में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय एम० ग्रार० सेलम, सं० 447/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान -प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण - तिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की वाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बांड/वा
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देशी बुवारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस स्थितियों, अर्थात् :--- 1. कात्प्प गीणहर श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री टाख ० के ० कैलासम ग्रीर ग्रन्य

ङ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है.
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितबब्ध किसी कर्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

भूमि: मूलक्काडु गांव, सेलम में स्थित है।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन नेज-I, मद्रास

विनांक: 18-10-1984

मोहर 🖫

मध्य बाइ टी. एन. एस.----

मायकार मींभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा १६५ मः (१^९ के न्यांन स्बन्

1. एन० सिकनवेल,

(न्य्रन्तरक)

2. सेकोटुबेल ग्रीर ग्रन्थी

(भ्रन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 स्रक्तुवर 1984

निदेश सं० 111/3/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों करें यह निक्थाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रातनूर गांव है, तथा जो रासिपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ए.स० श्रार० रासिपुरम, में सः 414/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल का नम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबता, उक्त जिथिनियम को जिथीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बजने में मुशिशा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (१९६८) की को को अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्त इंकारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथाति ः — को यह सूचना भारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के निर् कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्षन के संस्थाध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यानसार्यों में से किसी स्पवित द्वारा:
- (सं) इस अपना कं राजपण में प्रकाशन की तारांश सं 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किमी क्या व्यक्तित क्वारा अधिहस्ताक्षरी के गर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, बिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जन्सची

भूमि: श्रातनूर । (स: 414/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 18-10-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . ------

बायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अक्तूबर 1984

निदेण सं ० 116/3/84—ग्रत: मुझे प्रेम मालिनि वासन आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं॰ भूमि रेट्टियूर, गांव है, जो सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रुनुमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस॰ ग्रार॰ III, सेलम में दस: $600/84 \cdot \ddot{H}$ रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकीं) और अन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिवक रूप पे किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलियित अधित विचयों अर्थात —

1. श्री कमलाम्माल ग्रांर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० सुब्बुलक्ष्मी ग्रोर ग्रन्य

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इन युवता क राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविदयों पर सूचना की नापोन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जों उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**यी**

भूमि रेट्टियार गांव, सेलम, दस: 600/84 ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 18-10-1984

प्रकार नाहीं ही । एन , एस , सन्तन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 120/3/84--- ग्रतः मूझे प्रेम मालिनि वासन काथकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण कुमारस्वामी गांव जो सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० सेलम में दस: 550/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन्निनिच्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में धास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है.....

- (क) कलारण से हुई किसी बाव की बाबता, बक्ट विधिनियम के बधीन कर दोने के कलारक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन यो अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था किया बाता थाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

कतः जब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की वन्तरण जो, मी. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की जभीन निम्निजिसित व्यक्तियों, जभीत है--- 1. श्री पी० काली गौणडर,

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० नडेस चेट्टियार,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृशासिय सम्परित के क्षान के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उभत सम्पत्ति के सर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की वर्वीध या स्त्यम्बन्धी व्यक्तिकों प्र सूचना की तामीज से 30 दिन की बविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जनत स्थानर अध्यति में हितनक्ष किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: -- इसमें प्रवृक्ष हत्यों और वर्षे का, को स्वक् स्विभिनयम्, के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

गग संची

भूमि श्रौर निर्माण कुमारस्वामी गांव, दस: 550/84।

प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, मब्रास

दिनांक : 18-10-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ******

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज , मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 122/3/84— ग्रात: मृझे प्रेम मालिनि वामन गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी मं० भिम श्रीर निर्माण कुमारस्वामी पट्टी है, जो

श्रीर जिसकी मं० भूमि श्रीर निर्माण कुमारस्वामी पट्टी है, जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० सेलम, दस: 743/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 कार्प 6) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण तिबित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या बन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा क

श्री काटपिरेच पॉन्डियन,

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० दामप्पन,

(श्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रकी

भूमि श्रौर निर्माण 29ए, कुमारस्त्रामी पट्टी , मेलम । (दस : 743/84) ।

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्निविधिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

दिनांक: 18-10-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18-ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 129/3/84—श्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि वालबन्दि कोम्बै, गांव है, जो सेन्दुमंगलम में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय ए० स्रार० सेन्दुमंगलम सं० 468/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

1. श्री एस० कुमार स्वामी,

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० तमिलरसन,

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

म्णब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् भी

भूमि वालवन्दिकोम्बै, गांव, दस्ता० 468/84।

र्श्रेम मालिनि वासन् सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 18-10-1984

मोहर

प्ररूप आहाँ, ती, एत, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन स्मन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश-सं० 134/3/84 मतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि हल्लम पट्टी है, जो सेन्दुमंगलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० शार० सेन्दुमंगतम , दस: 440/84 में रिजिस्ट्रीकरश्र श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन दिनांक मार्च, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतौरती (अंतरितियाँ) के बीच एमि अन्तरण ने लिए पट पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी साथ को शक्त उथत अधि-नियम के अभीप कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा को लिये; शैर/शा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इदारा यकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वित्रभ के शिए;

अत: अव, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन: ---

1. श्री वीं ० चेरुलप्प गीण इर भीर भन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री नल्लम्माल

(भ्रन्तरिती)

कां यह मुजना जारी करकें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भुमि पहलम पालयम , दसः 440/84 ।

प्रेम मालिनि **वासन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 14-10-1984

भोहर:

प्रकप बाई.टी.एम.एस. ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायक र भागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अन्तूबर 1984

निदेश सं० 135/3/84—-ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासिन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० भूमि चित्र्वर पट्टी गांव है तथा जो में स्थित है । श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिपत है । रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० आर० सेन्द्रमंगलम दम: 439/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1984 को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंग्रत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिय. को जिन्हों भारतीय जायकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में राविधा के निए;

अतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री के० मुत्रामणियम ।

(भ्रम्तरक)

(2) मेसर्स राना मुख्यन फैनान्स ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-भाहियां करता हुर्ने ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकारणः -- इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उच्क अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया। गसा है।

नन्स्ची

भूमि : चितम्बर पट्टी, चसः 439/84।

प्रेम वार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षिण) ग्रर्जन रैंज-1, मद्रास

दिनांक : 18-10-1984

प्रक्षा औं हैं. ट. एन. एस. - - ---

attended on the day

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, विनांक 27 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० 137/3/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संग्यित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० तिरुमले गिरि गांव है तथा जो स्थित है प्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्याख्य, एस० ग्रार० मेन्द्रमठगलम दस० 428/84 में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 6) के श्रशीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योग्य से उबत बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की भावत उक्त जीभ-नियम के अभीन कर बोर्न के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपन में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) करुप्पन्तम ।

(भ्रन्तरक)

(2) पेरियन गौण्डार ।

(श्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-ब्वंघ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त धव्यों और पतों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

भूमि : तिरुमलै गिरि गांव

दम० : 428/84)

प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी मह।यंक अ।यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, मद्रास

विनोक: 27-10-1984

प्ररूप आई. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 22 सितम्बर, 1984

निवेश सं० 154/3/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण श्रलका नंस्लूर विदुक्कल है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रलका नस्लूर (दस० 286/84) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफः से लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वाहिस्य में कमी करने या उत्तर बचने में तृतिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भभ या अन्य आस्तियों का , जिन्हां भारतीय आव-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिस;

बतः बन, उनत मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी. मी, उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० मुत्तु कृष्णन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० एम० शणम्गम पिल्नै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण : घलंका नल्लूर दिडुक्कल, (दस० 286/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आग्रुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मलास, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 157/3/84--ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण पट्टुककोट दरमपुरि हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) राजस्ट्रोकति श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रा२० I, मद्रास नार्थ (दत० 913/84) में राजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन नारीख मार्च 1984 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियोंन अर्थात् :--

(1) जवाहर मिल्स लि(मटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) एडियल स्वानिंग मिल्स निमिटेड।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्तिं ध्वारा अधाहरताक्षारी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीराभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण : पहुक्कोटै गांव (दस० 918/84)

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 18-10-1984

प्ररूप बाहे. टी. एन. एवं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 158/3/84---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूनि 90/3 श्रम्मापेट हैं तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उनाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है) रिजम्ट्रीकर्ता श्रीष्ठकारों के कार्यालय. एस० श्रार० नार्थ मद्रास (दस० 608/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रीष्ठानियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख मार्च, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) ए० परमसिव गीणटर स्रोर स्रन्य।

(ध्रन्तरक)

(2) सेलम सम्बन्दम रुपिनिन मिल्म प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

- (क) इस स्वमा के राजपम में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्पना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेगं।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त लीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के दी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि: सेलम (दस० 608/84) ।

प्रेम गालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, मद्रास

चिनाक : 24-9-1984

मोहर

प्रथम् बार्धः, ठौ. एनः प्रवृत्त-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निदेश मं० 161/3/84— प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

सौर जिसको सं० भूमि श्रौर निर्माण 180, पापमसब्राहवे है तथा जो मद्रारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रिनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्ष्य, ए.स० ग्रार० नार्थ मद्रास (548/84 में रिजस्ट्रोकरण श्रौधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन सारोख मार्च 1984

न्ध्रं पूर्वोधत संपरित् के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिर्दित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्ति-कल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्ति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 है (1922 का 11) या उनत अधिनियम को धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---- (1) पांव विसालामा ।

(अन्तरक)

(2) नूर चजान प्राणिक।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राष्ट्रियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्विक्तयों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

भूमि घीर निर्माण 180, पापमस ब्राहवे , मद्रास (६स० 548/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक स्नायकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 24-9-1984

सोहर:

प्ररूप आह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत मरकार

कार्यांसय महायक बायकर लायक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेज-1, महास

मद्रास, दिनांक 18 श्रवतूबर, 1984

त्तिदेण मं० 162/3/84—श्वतः मुझे, प्रेम मिलिति वासन

नायकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण हैं कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण एखमीर है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उधावड श्रन्सुचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीलस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायिलय एस० श्रार० पेरियमेट दस० 798, 799/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ताशीख मार्च, 1984

को पूर्वों क्ल सम्परित के उन्तित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपरित का उनित बाजार मृन्य . उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का ज्वह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बितियों) के नीच ऐसे अंतरण के मिए त्रय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अक्तरण संबुद्धः किसी आय की बाधतः, उक्त विचित्रयम के वधीन कर योगे के अन्तरक के बासिस्य में कमी करने था एससे उचने में सुनिका के सिए: और/एं।
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने से स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269न्य की उपधारा (1) (1) सारा एकाहाम

(भ्रन्तरक)

(2) के० मीनाक्षी रेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके प्वावित सम्परित के जर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के \$5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी को पान निक्ति में किए जा सकों में।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिनाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से भी स्वस् विवाह ।

जन्मुची

भूमि प्रौर निर्माण माणटीन रोड मद्रास-8 (दस:० 798 , 799/84)

> त्रेम मिलिनि **यासून** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 18-10-1984

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 186/3/84—-ग्रतः मुझे, प्रेम मलिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33, श्राचारप्पन स्ट्रीट मद्रास है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्व रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय एस० आर० सौखारपेट दस 104/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख मार्च, 1984

को प्वें किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उकत स्वितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्ति चाहिए था, छिपाने न्यां का के उन्तः है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 42—366GI|84

(1) टी० ग्रार० एम० उन्नामलै ग्रम्गाल

(ग्रन्तरक)

(2) ए० कृष्णवेनि श्रम्माल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की नारी से 48 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों प ने किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इन सूत्रना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 कि वित के भीतर उक्त स्थावर प्रमात में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम किखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्ट्रोक्षरमः --इसमें प्रयुक्त जन्तं वार नदों ता. वा उक्त पवि-नियम के अध्याय 20-क मे परिकाषित है. **वही** सर्थ होगा, जी उन अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

भूमि ख्रौर निर्माण: 33, ब्रासारप्पन 8, मद्रास, (दस: 104/84)

> प्रेम मर्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 20-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सबीन स्वना

भारतं धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 187, 188, 189, श्रीर 190/3/84—-श्रनः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तं० 112, श्रन्ता पिल्लै स्ट्रीट है तथा जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० मद्रास, नार्थ दस 106, 107, 108, श्रीर 109/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के दिए; बीर/पा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियों का, रिक्क आस्तियों का अस्य अधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाडिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रें. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधित :—— (1) श्रीमती सुशीला एम० दोषी।

(भन्तरक)

(2) श्री मदनलाल ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अजन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिक्षा गया है।

ननुसूची

भूमि और निर्माण : अन्ना पिल्लै स्ट्रीट, मद्राम (दस : 106, 107, 108, श्रौर <math>109/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 24-9-1984

प्ररूप बाह्र ही, वन एस , क्लान्स्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

भार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निदेण सं० 196/3/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण : श्रासपिरन गार्डन है तथा जो मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यासय एस० श्रार० सौकारपेट दस : 199/84 में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण जिवित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कुस्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पाल ठेविट श्रीर श्रन्य ।

(मन्तरक)

(2) भ्रब्धुल सतार मोहम्मद, कुल्नि भीर भ्रत्य।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्ष सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निवित में किए जा सकोंगे

मन्त्र्यी

भूमि श्रौर निर्माण : 23, श्रासपिरन गार्डन किल्पाक, मद्रास,: 40, दस: 199/84।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 11--10-1984

प्रक्य मार्ड टी. एन. एसं ,------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, मन्नास

मब्रास, दिनांक 17 सिसम्बर 1984

निवेश सं० 207/3/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

नायक र निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-8 के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25.000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 4530, मुल्लम गांव है तथा जो श्रन्ता नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रन्ता नगर में दस : 934/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखत में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त बिधिनिया, के अभीन कर्दुदेने के अन्तरक के सहियत्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा में सिष्; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के विष्

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बी० गणेशं शर्मा।

(भ्रन्तरक)

(2) ढाक० सूर्या सेखर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की सबित गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से फिभी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर मंपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमनः गया है।

अन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण : प्लाट सं० 4530, श्रन्ना नगर भद्राम : 40 (दस : 934/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर् आयुक्त (जिरोक्षण) श्रजैन रेज~1, मद्रास

दिनांक : 17-9-1984

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आग्रकर आग्रक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1. **म**दास

मधास, दिनांक 18 सितम्बर, 1984

निदेश सं> 210/3/84—-ग्रनः मुझे, प्रेम मिलिन वासन

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 200/~ रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट सं० 2820 श्रन्तानगर है तथा जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीप इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीप पूर्व छ। चित्र त्रीप हैं। राजि द्री है। श्रीथ कारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रन्ता नगर दस० 1052/84 में राजिन्द्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को एवं का सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रधिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्म का निम्नितिस्त उम्दोश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (थां) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त कथि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अस: अम, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अभित् — (1) जी० नटराजन ।

(श्रन्तरक)

(2) जा० एन० राजू।

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपा में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रजासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमार्गपत है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय रहें विद्या गया है।

जनसची

भूमि श्रौर निर्माण : श्रन्ता नगर (दस० 1052/84)

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम श्राधिकारो सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 18-9-1984

मोहर 1

प्रस्य नाइ . टी . यम् . प्रस् . ------

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को जभीन स्वना

मारत परकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रार्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० 214/3/84---प्रतः मृते, जेम मार्गिः।

भासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 35.000/ र से बिधक हैं

श्रीर जिसको मं० कीयमबेट गांव है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्भ श्रीधकारी के कार्यालय एस० आर० अन्ना नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 1908 का 16) के श्रधान तारीख मार्च, 1984

को प्वोंक्स संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित का उचित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा भ्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है हिन्स

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या स्वयं क्यने में सुविधा अं सिक्ष; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी भूत वा बन्ध जास्तियों नर्त, जिल्हें नारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा उनकर अधिनियम, वा उनकर अधिनियम, वा उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया का वा किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में , में , उक्श अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) पी० गोपीनाथन ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रो० टी० एस० नारायणन ।

(भ्रन्तिरती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यमाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेष् :--

- 'क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिस्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, --बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण : ग्रन्ना रोट 106, कायम्बेट गांव मब्रास-90 (धस० 1136)/84)

> प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 11-10-1984

प्ररूप आइ^र.ट.ि.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितस्बर, 1984

निवेश सं० 215/3/84—श्रतः मुझे, प्रे**म मालि**नि वासन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूनि भीर निर्माण श्रन्ना नगर है तथा जो मद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कृत से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय एस० श्रार॰ भन्ना नगर दस० 754/84 में रिजस्ट्रीकरण भ्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों क्यों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) टाख एन० भि० भन्ता रेड्डी श्रीर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) पी॰ एन॰ मुनीरत्नम । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अमृस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण : ग्रन्ना नगर मद्रास-40 (दस \circ 754/84)

त्रेम भार्षिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक: 25-9-1984

मोहर ः

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनयः सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षणः) श्रर्जन् रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 256/84-85-म्रात: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ल के अधीन भक्षम प्राधिकारी कि यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो मारूनी नगर विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) र्जिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में र्जिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित जैं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें. जिन्हों नाप्टीच अन्यप्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ है रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं मुजिधा के लिए;

बतः बनः उपत प्रधिनित्य की धाता 269 न के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती के० रामलीला
 पति साम्बसीवा राव,
 डी०नं० 31-14-6, मारूतीनगर विजयवाड़ा
 जी०पी० ए० श्री के० साम्बाशिवराव।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वाई सीवा कृष्णा ज्योति, पति साम्बसीव राव, 31-14-6 मारूती नगर, विजयवाडा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के जिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 5 गदन की अविधि या तत्सवधीः व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मूचन। के राजपड़ में प्रकाशन की तारां ब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर सम्पति मारूतीनगर, विजयवाडा, राजस्ट्रीकृत विलेख नं ॰ 1552 ग्रौर 1578/84 राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी विजयवाड़ा

> एम० जगन माहन सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-11-1984

मोहर ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवस्वर 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 255/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो महारानीपेट, वैझाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वैझाग में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थीत् ६—— 43—366GI|84 (1) श्रीमती बी० लक्ष्मी पति बी० प्रभात कुमार दमापल्ली हील्स, वैझाग ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० एच० कोट्ला श्रीनिवासूलू फ्लैंट नं० डी० 16-1-16/मी/2. महारान पेटा वैशाग ग्रीर पनीक्वारी स्टीट, विजयानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पास के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्दभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैट महावीरानीपेटा वार्ड वैझाग, नं० $16-1-16/\overline{\Pi}^{\prime}/2$, वैझाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2968/84 रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी वैझाग ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

मोह्नर 🔞

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनिग्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के बधीन सुबना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवस्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 254/84-85--ग्रतः मुझे, एम्० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो काथापालेम विलेज, वैझाग जिला में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध भ्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वैझाग में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित यों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- क) अन्तरण स हुईं किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 .1922 कर 11) रा उस्त आर्योप्यान वर्ष प्रमानकर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के या किया जान, चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जी० ग्रप्पाराव ग्रीर ग्रन्य, कोथापालेम वैझाग

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रौर हैन्डलिंग प्लान्ट एम्पलायीज को० ग्रो० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि०, बाई प्रेसीडेंट एन्ड सेक्नेटरी, विशाखापटनम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाका;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थांवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्वी

भूमि विस्तीर्ण नं० 21.37 एकड़ कोथापालूक विलेज, वैझाग जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2413 से 2425/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी वैझाग।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्ररूप बार्ड. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर शामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निदेण मं० ग्राई०ये० मी० नं० 253/84-85---ग्रतः मुझे- एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रांतिकारी का, यह विकास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो सब्बाबरम तालूक, विणांग जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब्बाबरम में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबिस व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्रीमर्ता मीयच श्रपालानरसम्मा श्रीर श्रन्य तालरीपालम, जिला बैझाग ।
 - (ग्रन्सरक)
- (2) श्री एम० गनपतीराज,
 सेकेटरी विजयसक्ष्मी को० श्रोपरेटिव
 हाउस बिल्डिंग मोसायटी लि०,
 विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्दों और पर्यों का, जो उसत श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय भे दिया गया हैं।

जनस्**ची**

भूमी, वितिरण 8-46 एकड तलारीवारी पालम सब्बावरम तालूक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1147, 1257 1258, 7298, 1316, 1329, 1331, 1204 मे 1209/ 84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सब्बावरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हेदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवभ्बर, 1984

निदेश ग्रार० ये० सी० नं० 252/84~85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संव भूमि है तथा जी वैशग, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय वैशग में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख मार्च, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कई दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्थिय को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-१० किलिक्स, 1957 (1957 का 17) र प्रशंजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में स्विधा के लिए:

ं अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियमें, अर्थातः :--- (1) श्री व्ही० रामन शर्मा श्रीर श्रन्य तलुक, जिला वेस्ट गोदावरी।

(श्रन्तरक)

(2) दि सी० व्हील्म एस्टेट प्रा० लि०, बाई मेनेजिंग डायरेक्टर श्री सीयच कृष्णामृति तलूक, जिला वेस्ट गोदावरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिय में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्तुची

भूमि विस्तीर्ण 5392 वौ गज, महारानीपेटा वार्ड, विशाखापटनम, रिजर्स्ट्राकृत विलेख नं 3651, 3652,3653, 3698, 3696, 3697, 3695, 3693, और 3694/84 रिजर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी वैद्याग ।

एम० जगन मो**ह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरोक्षण) घ्रर्जन् रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्ररूप भार्यः दी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1984

निदेश मं० ग्रार० ये० सी० ने० 251/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

गमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख जिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ... स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ज्यये से अधिक है

और जिसकी संव घर है तथा जो श्रीकाकूलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित तै) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीकाकूलम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख मार्च, 1984

गं प्थोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास गरने क्रा—कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल ग पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग प्रतिपा, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) मधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती ए० राजमती, पतिलेट श्रो रामलिगेक्वर, राव इलीसपुरम, श्रीकाकूलम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रों कें० दालय्य ग्रौर घ्रन्य, भवरी, श्रीकाकूलम ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वांक्त सम्म्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा स्केंगे।

स्पब्दिकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

घर सम्पत्ति, बालगावाड, श्रीकाक्लम, रिजस्ट्रीकृतः विलेख नं० 547 भीर 592/84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारीः श्रीकाकूलम रू

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्ररूप नाई.टी.एन,एस.-----

भागकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1984 निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 250/84-85--भ्रतः

मुझे एम० जगन मोहन

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास एउन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो श्रीकाकूलम में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय श्रोकाकूलम में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त शीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अत्य आरितयों को, जिन्हूं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, जकत निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ज, में उक्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्तिविकत स्मिक्तियों, सर्धात् ६(1) श्रीमती बो० कन्का दुर्गा मल्लेस्बरी, पति साई मुक्रमणियस, 23-3-30, नराविधी, विजयवाडा, ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० सत्यनारायण मुर्ता श्रीर ग्रन्य मुचुगाल्लो स्ट्रीट, श्रीकाकूलम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागे हैं, बहा अर्थ द्रोगा, जो उस अध्याय में दि गमा है।

मन्स्**ची**

घर सम्पति, प्रकाशनगर कालोना,श्रीकाकूलम, राजस्ट्रीक्क विलेख नं ० 623 श्रीर 615/84 राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकार श्रीकाकूलम ।

> एम० जगन मेोहर सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, हैदराब.

दिनांक : 9-11-1984

प्रकल् माइं. टी. एन. एस.- - - ----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, विनांक 9 नवम्बर, 1984

े निदेश मं० प्रार० ये० मी० नं० 249/84-85—-श्रन: मधे एम० जगन मोहन गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें 👊 🕽 परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य ∍5,000 /-रुट. में **अधिक ह**ै ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मंत्रापालेम विलेज, वैझाग जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय साज्बावरम में रजिस्दोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च, 1984 ्रो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान तिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करनुका कारण है कि ग्रधापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, गुरेसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-

रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

🚚 :स्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ::---

- (क) बन्त्र्य संहुर्य किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने के उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमे किसी आय या किसी धन या अत्य शास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जन्म विजित्यम, या अन्त कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्याण प्रकर मही जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्कु अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीनः निम्नलिजित व्यक्तियों, व्यक्षींट :---- (1) श्रीमती युक वापारत्नमपनि वरहालू. मंत्रीपालेम, जिला वैझाग

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० रंगानायकम्मा पति नरसिम्हा राव, सांटेच इंजीनियर्भ प्रा० लि० विशाखापटनम ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं इस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवररा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

अगसपी

भूमि विस्तीर्ण 1 एकर 88 सेंटस, मंद्रापालेम विलेज, जिला वैज्ञाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1178 1134, श्रीर 1226/84 र्याजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी सब्बावरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

मोइर ः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदशक्षाद

हैवराबाद दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निदेश सं० श्रार० ये० मी० नं० 248/84-85--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वा गर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कोटाउराटला तालूक जिला वैद्याग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोटाउराटला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकन के जिए प्रंतरित की गई है और मुखे यह बिक्या में करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूलक इसके वृष्यमान प्रतिकन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकन का पश्चह प्रतिशत से प्रविक्त है बौर बन्तरिक से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकन का पश्चह प्रतिशत से प्रविक्त है बौर बन्तरिक (अन्तरिकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरिक के लिए तम पामा गया प्रतिकन, निम्नलिबित उच्चेष्य से चन्त प्रस्तरित विजन में वास्त्विक अप से माबित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई जिसी बाय की वावत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृथिधा के सिए; बाँड/या
- (स) एतं किते तार म किती पर या उत्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को ११) यो नका आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के नुधीन, निम्नसिधित व्यक्ति में, अर्थात क्- (1) श्री एम० सत्यनारायण घौर ग्रन्य, सामलबोट, इस्ट गोदावरी जिला ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रो मो० बी० रामना राजू श्रौर उनके परिवार के सदस्य, नीपीन सी रोड, अम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तः सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ब) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्वी

भूमि विस्तीर्ण 79.26 एकड, कोटाउराटला तालुक, श्रीगावरम विलेज, विशाखापटनम जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 598, 599, 595 ग्रीर 596/84 रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी कोटाउराटला।

एम० जगन मोहत मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्रस्य आहे^{*}. टी. एन. एस. - - - --- (1) श्री कोंडा स्राविकमा रामचन्द्रर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुकता

बारुत सरकार

कार्यानय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 नवम्बर 1984

निदेश मं० ग्रार०ये० मी० नं० 217/84-85----ग्रनः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण वै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वत बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० घर है तथा जो राजमुड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजमुड़ी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1984

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा गया है .--

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी आव की बाबता, उबसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए अद्रि∕या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

भतः अब, उच्चत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) श्री कोंडा स्नाविक्रमा रामचन्द्रराजू • ग्रलीयास राजा बातृ. गृंडुगोलान, येलूक वेस्ट गोदावरी जिला । (श्रन्सरक)
 - (2) दि राजमुद्रः होल सेल वलोयमर्चेन्ट कमेटे। बाई श्री व्ही० विराधत्रल्, डी० नं० 24/107-ए०, नाडीथोटा, राजमुद्रे। ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अप्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

घर सम्पति डी० नं० 24/107-ए०, नाडीथोटा, राजमूड्री, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1847 श्रींग 1846/84 रिजस्ट्रीकृती श्रीधकारी राजमूंड्री।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) श्रर्भन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 246/84-85--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मृल्य 25,000/-ए. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० राइम मिल्स है तथा जो सोमावर म विलेज ईस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ध्रनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारो के कार्यालय जगमपेट में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो एम० सत्यानाराधन, निता श्रो बेंकटण्लारायणा, येलेस्वरम, प्रथोपाडू तालूक जिला ईस्ट गोदावरी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो ब्हो० बैंकटॅस्वरलू पिता कामराजू, येलेस्वरम, प्रथोपाडू ताल्क जिला इस्ट गोदावरी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व बे 45 विष की अविध या तत्सम्बन्धी स्मृक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 विभ की अविध, जो भी वविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पति राईस मिल्स विस्तीर्ण 5600 चौ० गज भूमि श्रौर 5776 चौ० फीट प्लथ एरिया, सोमावरम गांव जिला इस्ट गोदावरी, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 315/84 रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी जगमपेट ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-11-1984

प्रकप नाइ ुटी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत बुरकार

कार्याम्य, सहायक अत्यक्तर आमृक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

निदेश सं ्राज ्याज ्याज अ। अर्जन / 2491 / --- अतः मुझे, मोहत सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० दुकान नं ० 272 है, तथा जा जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूर्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणतहै) राजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनक 8-3-1984

को प्वांक्त सभ्यस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त जिमिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गय-भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वज् , उन्नत् विधिनियम की भाषा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती प्रेम कुमारी परित श्री केशरीचन्द्र एवं श्रीमता राज दंवी परित श्री खमरावमल, 1744, घोवालीं का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मोहना जैन पित श्री पदम चन्द जी, श्रीमती पुष्पा जैन, पित श्री ताराचन्द जी जैन, श्रीमती ऊपा जैन, पित श्री कैलाश चन्द जी जैन, व श्रीमती भंवर वाई पित कपूरचन्द जैन, निवासी 748, जैन भवन, दरीवापान, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 272, जीहरी बाजार, जयपुर का 1/4 भाग, जो उप पंजीयक, जयपुर, द्वारा क्रम संख्या 669 दिनांक 8-3-1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकरो सहायक श्रापकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 14-11-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd October, 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, on ad-hoc basis, to perform the duties of Desk Officers for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name					Period .
S/Shri						
1. N. M.	L. Bhatnag	gar		4	-	From 15-10-84 until orders.
2. Ram	Autar .	•			1	From 15-10-84 to 28-11-84
3. Sudes	h Kumar		•	,		From 15-10-84 to 28-11-84
4. N. P.	S. Gujral		٠.	,	•	From 1-11-84 to 28-11-84
5. M. N	l. Arora	•		•		From 15-10-84 to 28-11-84
6. Krish	an Lal-II	•	•	٠	•	From 15-10-84 to 29-11-84

The 29th October, 1984

No. A. 12025 (ii)/1/83-Admn. III. Consequent on their having been nominated to the Union Public Service. Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd. Departmental Competitive Examination, 1983, vide Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 5/6/84-CS (I) (Vol. II), dated 11th October, 1984, the President is pleased to appoint the following officers of this office to officiate as Section Officers of the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission with effect from the dates indicated against each until further orders:—

S. Name No.	 	 	Rank	Date of appoint-ment
1. Smt. N: Meera			6	11-10-1984
2. Shri B. L. Bhola			108	22-10-1984

2. These appointments shall be subject to the results and final decision of the CWP No. 1194/78 pending in the Delhi High Court, Delhi-and also CWP No. 4830 of 83 and CWP No. 9323-33/82 in the Supreme Court.

The 30th October 1984

No. A. 32013|1|80-Admn. II.—In continuation of this office notification of even number dated the 27th August, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S|Shri M. L. Rustogi and J. P. Aggarwal, permanent Programmers in the office of Union Public Service Commission to the posts of Senior Programmers in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period of six months with effect from 1st November, 1984.

- 2. The above said ad-hoc appointments are subject to the approval of the Union Public Service Commission.
- 3. The above said appointments as senior Programmers are purely on ad-hoc basis and will not confer upon the officers any title for regular appointment or seniority in the post of Senior Programmer.

No. A/32013/4/83-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 26-4-1984, the Chairman Union Public Service Commission, hereby appoints the following Officers of the office of Union Public Service Commission to the posts mentioned against then on ad-hoc basis for a further

period of 6 months w.e.f. 18-10-84 to 12-4-85 or until furthe orders whichever is earlier :--

1. Dr. T. Ramasami . . . Joint Director (R & A (formerly as Joint Dire tor (ER)

- 2. The above said ad-hoc appointments are subject to the approval of the Commission.
- 3. The above said appointments are purely on ad-hoc basis and will not confer upon the appointees any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 12th November 1984

No. A. 32011/1/84-Admn. III (Vol. II).—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers in the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission with effect from 1st September, 1984, until further:—

- 1. Shri Bhagwati Charan
- 2. Shri S. K. Bansal

2. Sh. K.R.P. Nair

3. Shri Dev Dutt (SC)

M. P. JAIN
Under Secy (Admn.)
Union Public Service Commission

Joint Director (ER)

New Delhi, the 22nd October 1984

No. A. 32013|2|83-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 26-4-1984, the Chairman, Union public Service Commission, hereby appoints Smt. Raj Kumari Anand and Shri Ram Singh (SC), Junior Research Officers as Research Officers (Group 'A') on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of six months with effect from 15-10-1984 to 14-4-1985 or until further orders whichever is carlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Smt. Raj Kumari Anand and Shri Ram Singh for the above said period is subject to the approval of the Commission.
- 3. The appointment of Smt. Raj Kumari Anand and Sh. Ram Singh as Research Officers is purely on *ud-hoc* basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority in the said post.

VIJAY BHALLA Section Officer Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 23rd November 1984

No. 2|6|84-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Lahiri, an officer of Indian Revenue Service (IT: 72), as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1500—60—1800—100—2000 with effect from the forenoon of 15th November, 1984, until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS . DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 12th November 1984

No. 1-25/84-CFSL/9135.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das Gupta retired Senior Scientific Officer (Grade-11) ad-hoc on re-employment as Senior Scientific Officer (Grade II) Central Forensic Science Laboratory CBI for a period of three months with effect from 18th October, 1984 (FN) to 17th January, 1985.

The 22nd November 1984

No. A-19021|6|80-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri G. Jha, IPS (UP: 1967) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation|Special Police Establishment with effect from the forenoon of 20th March, 1984 until further orders.

The appointment of Shri G. Jha as DIG in CBI is subject to the final directions of the Supreme Court in Writ Petition Nos. 9847 and 9848 of 1983 filed by two departmental Superintendents of Police.

Notification of even number dated 27-3-1984 is amended to the above extent.

No. A-19013 184-AD. V.--The President is pleased to appoint Shri P. C. Sharma, IPS (A&M; 1966) as Deputy Inspector General of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th January, 1984 upto 17th January, 1987.

The appointment of Shir P. C. Sharma as DIG in CBI is subject to the final directions of the Supreme Court in Writ Petition Nos. 9847 and 9848 of 1983 filed by two departmental Superintendents of Police.

Notification of even number dated 21-1-1984 is amended to the above extent.

No. A-19014|13|84-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Kanungo, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on repatriation from Indian Oil Corporation, to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment in temporary capacity with effect from the forenoon of 12th November, 1984, until further orders.

The 23rd November 1984

No. V-1|73-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Ojha as Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 7-11-84.

K. CHAKRAVAR'I'III
Dy. Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 6th October 1984

No. O. II-1809/83-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Raj Maheepathi, IPS (MT-1977) as Assistant Director/Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders,

2. Shri Ashok Raj Maheepathi (ook over charge of the post of Assistant Director (Establishment, Dte. General CRPF New Delhi on the forenoon of 27th October 1984.

Y. N. SAXENA Deputy Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 5th November 1984

No. O.II-1241/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Sohan Singh relinquished the charge of the post of Dy. S. P. 66 Bn., CRPF in the afternoon of 30-9-84.

The 6th November 1984

No. O.II-1942 84-Estt,—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Ratna Kumari as Junior Medical officers in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 10th October, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 16th November 1984

No. O.II-997|72-Estt.Consequent on his retirement from service on superannuation Shri Avtar Singh Asstt. Commandant 69 Bn., CRPF, relinquished the charge of the post wef. 31-10-84 (AN).

No. O.II-1518|80-Estt.—The President is pleased to confirm Shri T. K. Sanyal in the rank of Assistant Director (Legal) in the CRPF wef. 1-9-82.

The 20th November 1984

No. O.II.1536|81-Estt.—The President is pleased to allow Shri D. S. Rana, Dy. S. P., 1st Bn., C.R.P.F. to retire voluntarity from Service under Rule 43 (d) of C.R.P.F. Rules, 1955 w.e.f. 25-10-84 (Forenoon).

No. A. VI-1/83-Estt. 1, Vol. IV.—The President is pleased to appoint the following persons as Dy. S. P. (Coy. Comdr./Q.M.) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders

2. They are posted to ISA, CRPF, Mount Abu and have taken over charge of their post on the dat es noted against each:—

Sl. No.	Name				Date of taking over charge
I. Shri Ra	kesh Chander .			_	06-10-84 (A.N.)
2. Shri Sha	ailender Kumar				06-10-84 (A.N.)
3. Shri Ral	kesh Pal Rana .				08-10-84 (F.N.)
4. Shri Ku	ldeep Dhar .				09-10-84 (A.N.)
5. Shri Du	shyant Singh .				19-10-84 (F.N.)
6. Shri Par	ikaj Kumar Choudha	ry			07-10-84 (A.N.)
7. Shri Ka	nwar Singh Bhandari				08-10-84 (F.N.)
8. Shri Ma	hender Pal Singh Neg	şi			07-10-84 (A.N.)
9, Shri Pra	deep Kumar Singh				07-10-84 (A.N.)
10. Shri Bhy	apat Singh Chauhan		-		07-10-84 (A.N.)
11. Shri Sar	ijay Kaushik .				06-10-84 (A.N.)
12' Shri Sur	esh Chander Parasha	r			06-10-84 (A.N.)
13. Shri Pra	mod Kumar Pandey				07-10-84 (A.N.)
14. Shri Sur	nl Singh				08-10-84 (F.N.)
15. Shri Kh	ubi Ram				08-10-84 (A.N.)
16. Shri Siv	endra Kumar .			-	07-10-84 (A.N.)
17. Shri Pre	m Prakash .				07-10-84 (A.N.)
18. Shri Sui	aj Bhan Kajal .				06-10 - 84 (A.N.)
19. Shri Pra	ikesh J. Mohanc			٠	08-10-84 (F.N.)

No. O.II.1995 84-Fstt.—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Matrons as Matron (Gazetted) in the Central Reserve Polce Force in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd October, 1984, until further orders:—

- 1. Mrs. R. P. Lall.
- 2. Mrs. E. Charan.

The 23rd November 1984

No. O.II-1761|82-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Purarama Pradhan as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 17th June 1984 for a period of 3 months or till re-recruitment to the post is made on regular basis, which ever is earlier.

No. O.H-1761|82-Estl.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Purarama Pradhan as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17th June, 1984 for a period of three months or till re-recruitment to the post is made on regular basis, which ever is earlier.

The 24th November 1984

No. O.II-1123|73-Estt,(CRPF).—Consequent on his voluntary retirement from service. Shri R. C. Yadav, Assistant Commandant of 48th Bn., C.R.P.F. relinquished the charge of the post w.e.f. 16-10-84 (FN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 27th October 1984

No. E-32015(4)|147|84-Pers.I.—On transfer on deputation Shri B. Surendran, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit RCFL Chembur Bombay with effect from the afternoon of 29th September, 1984

The 29th October 1984

No. E-16013(2)|26|83-Pers.—Consequent on his repatriation to State Cadre, Shri B. K. Bhola; IPS (UP: 74) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (R&T), CISF HQrs., New Delhi with effect from the afternoon of 27th October, 84 in accordance with Govt of India Ministry of Home Affairs teleprinter message No. E-16013 (2)|26|83-Pers.I[CISG]Pers.III dated October 1984.

2. Shri Bhola will report to the Govt of Uttar Pradesh|DG & IG of Police Uttar Pradesh, Lucknow.

The 5th November 1984

No. E-32015(4) 132 84-Pers f.—President is pleased to appoint Shri K. S. Dahiya, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit Mornugao Port Trust Goe with effect from the afternoon of 24th September 1984.

The 9th November 1984

No. E-32015(4)|132|84-Pers.1.—President is pleased to point Shri C. S. Vardaraja on promotion as Dy. Commandant CISG Unit FBP Farakka with effect from the forenoon of 17th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-9-84 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

The 12th November 1984

No. F-32015(3)|15|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri V. Louis Raj, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit MRI. Maintly Madrus with effect from the afternoon of 25th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-9-84 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4) 1154 84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri SMR Noidu, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forencon of 15th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

No E-32015(4):167/84-Pers I.--President is pleased to appoint Shri Baban Singh, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BHEL Bhopal with effect from the forenoon of 27th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made which ever is earlier.

No. E-32015(4)|168|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri P. C. Mondal, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BHEI. Bhopol with effect from the forenoon of 21st October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary unto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4) 171 84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri M. Sahoo, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 11th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary up-to 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4) 188 84-Pers L.—President is pleased to appoint Shri D. S. Rawat, on promotion as Assistant Command-dant in CISF Unit BSL Bokaro with effect from the afternoon of 26th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 25th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 15th November 1984

No. E-32015(4),158|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shii S. N. Monanty, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit Sargipalli Mines Project of HZL with effect from the afternoon of 25th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 17th November 1984

No. E-32015(3)|19|84-Pers L.—President is pleased to appoint Shri John Chauhan, on promotion as Deputy Commundant CESF VSSC Thumba with effect from the forenoon of 14th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-9-84 or till such tune regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4)|145|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri Ashok Vohra on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit MIOP Meghahtuburu with effect from the afternoon of 4th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4)|146|84-Pers,I.—President is pleased to appoint Shri P. K. Rout, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit RSP Rourkela with effect from the forenoon of 12th October 1984 on purely ad-noc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|162|84-Pers.l.—President is pleased to appoint Shri A. N. Singh Deo, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit MRL Manali, Madras with effect from the forenoon of 10th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|166|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri S. P. Saxena, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit HEC Ltd. Ranchi, with effect from the forenoon of 5th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4) 173 84-Pers, I.—President is pleased to appoint Shri Nathunni Ram, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit RSP Rourkela with effect from the forenoon of 29th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|175|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri C. S. Khenooja, on promotion as Assistant Commandant Trg. Reserve CISF HQrs., New Delhi, with effect from the afternoon of 20th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|176|84-Pers,I.—President is pleased to appoint Shri J. B. Jauhar, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 26th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is entiler.

No. E-32015(4)|179|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shr. D. T. Muralidharan, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 11th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|181|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri G. C. Thapiliyal, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit CPT Calcutta with effect from the forenoon of 22nd October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. II-32015(4) [182]84 Pers.I.—President is pleased to appoint Sini Asis Moitra on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit RSP Rourkela with effect from the

forenoon of 22nd October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. F-32015(4)[183]84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri S. Neelakanta Rao, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit ECL with effect from the afternoon of 15th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March, 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. F-32015(3) 11 84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri G. S. Sandhu, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit 11F Naini, Allahabad, with effect from the forenoon of 20th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-9-84 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|170|84-Pers L.—President is pleased to pleased to appoint Shri P. K. Pauda, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit FBP Farakka with effect from the forenoon of 27th September, 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|185|84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri J. S. Saini, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit ECI with effect from the forenoen of 25th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. F-32015(4) 151 84-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri P. C. S. Guleri, on promotion as Assistant Commundant in CISF Unit Lubrizol India Limited with effect from the forenoon of 17th October 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 19th November 1984

No. F-28017/10/84-Pers.II.—Consequent on his retirement from Government Service on attaining the age of superannuation, Lt. Col. S. M. Lat, relinquished charge of the post of Group Commandant, Central Industrial Security Force, Calcutta on the afternoon of 31st October, 1984.

S. ANANDARAM Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 20th November 1984

No. 10|52|79-Ad.I.—The President is pleased to grant proforma promotion to Shri M. P. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, while he was on foreign assignment, on the post of Deputy Director (Programme), with effect from the forenoon of the 9th April, 1980 until further orders.

The President is also pleased to appoint Shri M. P. Rao, on his return from the foreign assignment, to the post of Deputy Director (Programme) in the office of the Registrar General, India. New Delhi with effect from the forenoon of 1st May, 1984.

The headquarters of Shri M. P. Rao will be at New Delhi.

No. 11/76/79-Ad.J.—Consequent on his repatriation to the State Government of Bihar, Shri B. B. Lal, IAS relinquished charge of the office of the Ex-Officio Director of Census Operations. Bihar, Patna, with effect from the afternoon of the 30th September, 1984

V. S. VFRMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 10th November 1984

No. N-77-N|5465. The General Manager, Currency Note Press, is pleased to appoint Shri S. D. Chinchalkar, Inspector Control C.N.P. to the post of Deputy Control Officer on regular officiating basis with effect from 8th November 1984 until further orders.

S. D. IDGUNJI General Manager Currency Note Press

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 23rd November 1984
No. 451]A.—In continuation of this Office Notification
No. 72|A dated 10-5-1984, the adhoc appointment of Shri
Sripati Ram, as Administrative Officer-II, India Security
Press. Nasik-Road is further extended for a period of 6
months wef 4-11-1984 or till the post is filled on regular
basis, whichever is earlier

The 24th November 1984

No. 450 A.—In continuation of this Office Notification No. 253 A dated 6-8-1984 the adhoc appointment of Shri K. K. Pathak as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik-Road is further extended for a period of 6 months wef 10-10-1984 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Sd.|- ILLEGIBLE General Manager India Security Press

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 21st November 1984

No. 7(60)|8222.—In continuation to this office Notification No. 7(60)|9854 dated 2-1-1984, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi, as Assistant Chief Control Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ΓΒ-40-1200 is extended from 1-1-1984 to 30-9-1984.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN ADUIT AND ACCONTS DEPARTMENTS OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 19th November 1984

No. 3286CA.I/18-80.—On his attaining the age of superannuation, Shri P. R. Ghosh Dastidar, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Director of Audit (Food), New Delhi has retired from service with effect from 30-9-1984 A.N.

K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS), MADHYA PRADESH

Gwalior, the 20th November 1984

No.Admn-I/G.Os Prom. 247.—Accountant General (A&E) Mudhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned officiating Section Officer as Accounts Officer

in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, until further orders, with effect from the date of his taking over as noted against his name:—

S. No. Name

Permanent No. Date of taking over.

1. Shri S. S. Prabhakar.—02¹601 9-11-1984 F.N.

(Authority: -A.G. (A&F) orders dt. 20-10-1984)

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 069, the 15th November 1984

Sub: Retirement

No. 20[84]A]E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Sudarshan Barua, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Assistant), retired from service with effect from 30-9-1984(A.N.)

No. 20(1)|84|A|F-1(NG).—DGOF|Chairman, Ordnance Factory Board has approved voluntary retirement of Smt. Lina Guha, Ty. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Asstt) with effect from 30-9 1984(A.N.).

D. R. IYER
DGOF|PERSONNEL
for Director General Ordnance Fys.

Calcutta, the 16th November 1984

No. 51|G|84.—Shri V. Venkataramani, Asstt. Works Manager (Subst. and prmt. Foreman) voluntary retired from service with effect from 27th June, 1984 (AN).

V. K. MEHTA Director (Estt)

MINISTRY OF COMMERCE

(OFFICE OF THE CHIFF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS)

New Delhi, the 21st November 1984

(IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT)

No. 1|16|83-Admn.(G)|8478—The President is pleased to appoint Smt. P. Swaminathan, (CSS SG SL-83) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Joint Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller om Imports and Exports, Bombay on ad-hoc basis for a period of 3 months with effect from 21st August, 1984.

P. C. JAIN Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT; OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th November 1984

No. A-19018(407)|79-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bansal Assistant Director (Gr. I) E.C., Balsahyog under SISI, New Delhi as Dy. Director (Mech.) at RTC, New Delhi on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 9th October 1984 until further orders.

No. A-19018(614) 82-Admn.(G).—Consequent on his reversion to the post of Technical Officer at Chief Inspectorate of Machinery Spares, Naval Dockyard, Bombay, Shri R. V. Gopalkrishnan relinquished the charge of the post of Deputy Director (Mct.) at Regional Testing Centre. Bombay w.e.f. the afternoon of the 6th November, 1984.

S. K. PURKAYASTHA Dv. Director (Admn.) DIRECTORATI, GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN, SECTION—6)

New Delha-110001, the 21st November 1984

No. 17011|289|84|A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. Sankaralingam, Examiner of Stores (Engineering) and officiating Junior Field Officer in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of Deputy Director of Inspection, Hyderabad from the forenoon of 29-9-1984 until further orders.

S. L. KAPOOR

Deputy Director (Administration) for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 17th November 1984

No. EJ-12(61)|83(.).—In continuation of this Office Notification of even number dated 16-12-1983, the appointment of Shri Dhirendra Kumar Jha, Hindi Pradhyapak, Hindi Teaching Scheme, Department of Official Language, Ministry of Home Affaits, Calcutta as Hindi Officer in this office is hereby extended for a period of one year w.e.f. 7-12-1984 on ad-hoc basis.

S. K. SINHA Dy. Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 16th November 1984

No. 7677B|A-19012(I-AVSR)|83|19A.—Shri P.V.S. Rawat is appointed by the Director General, Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 10-9-1984, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General, G.S.I.

Calcutta-16, the 16 November 1984

No. 7691B|A-19012(1-SP)|83-19A.—Shri Surendra Prasad has been appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|. per month in the scale of pay of Rs. 650-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 31-8-84, until further orders.

No. 7704B|A-19012(1-AA)|83-19A.—Mohd. Amjed Ali is appointed by the Director General. Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the foremon of the 11-9-1984, until further orders.

No. 7728B|A-19012(1-NM)|83-19A.—Shri N. Maran is appointed by the Director General, GSI as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-F.B-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-8-84, until further orders.

No. 7741B|A-19012(1-RN)|83|19A.—Shri R. Nunmathiselvan is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Asistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the

scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 17-9-84 (AN), until further orders.

No. 7754B[A-19012(1-SR)]81]19A.—Shri S. Rajarathnam, Assistant Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 26-7-83 (AN).

A. KUSHARI Director (Personnel), Geological-Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th November 1984

No. A.19011(27)|81-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri U. N. Sarkar, Officiating Superintending Mining Geologist to the post of Chief Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines on ad how besis with effect from the afternoon of 23rd October, 1984, for a period of 6 mouths.

The 20th November 1984

No. A.19011(309)|84-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K S. Parmashwerish, Officiating Junior Mining Geologist, Indian Burcau of Mines, has been promoted to the nost of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st March, 1984.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 23rd November 1984

No. 6(7)|63-SI.—On attaining the age of superannuation, Smt. P. Jayakumari, Programme Executive, All India Radio, Dharwad retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1984.

The 26th November 1984

No. 6(35)|63-SI.—Shri U. C. P. Sinha, Programme Exceutive, All India Radio, Lucknow was removed from Government service vide this Directorate's order No. 6(45)|81-Vig. dated the 17th October, 1984.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration. for Director General.

New Delhi, the 22nd November 1984

No 10|19|67-SII.—The Director General. All India Radio is pleased to appoint Sh Shiv Kumar Sharma. Accountant, Radio Kashmir. Jammu to the nost of Adminstrative Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960|- with effect from the 15-10-84 until further orders.

2 Sh Sh'v Kumar Sharma assumed charge as Administrative Officer at DDK, Srinagar on the same date.

No. 1/21/84-SII—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. V. S. Rao Accountant AID Jamore to the nest of Administrative Officer. AIR on an ad-hoc basic in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960]—with effect from the 27-10-84 until further orders.

2. Sh. V. S. Rao, assumed charge as Administrative Officer at AIR, Jalgaon on the same date.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director of Administration
for Director General,

MUNISTRY OF REPORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 22nd November 1984

No. A-20012/16/76 Estt.I.—Shri R. S. Kashid, officiating as Cameraman on ad-hoc basis in this Division at Bombay is reverted to the post of Assit. Cameraman with effect from the afternoon of 15th November, 1984.

N. N. SHARMA, Administrative Officer for Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th November 1984

No. A.12025 (iii)-I/77-CHS I/PH(CDL),—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. K. Saha to the post of Demonstrator (Medicel) (Biochemistry and Nutrition) in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, in the substantive capacity with effect from the 16th January, 1982.

NARAIN SINGH Dy. Director Admn, (PH)

New Delhi, the 20th November 1984

No. A-12025[23]82-Admn.I(Vol. II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mohd, Aslam to the post of Dental Surgeon at the Central Government Health Scheme, Patna, with effect from the forenoon of 9th October, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C & B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND CO-OPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 23rd November 1984

No. F.7-5663-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri M. L. Taneia, Locust Technical Officer of this Directorate as Assistant Plant Pathologist at Plant Quarantine and Fumigation Station, American in the new scale of Rs. 650-30-740-35-810-FR-35-880 40-1000-09-40-1200 with effect from the forencom of 1st November 1984 for a period of one year on ad-hoc basis.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPATRMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kannur the 19th November 1984

No. A 19012154184-Estt.8510—The undersioned is pleased to accept the resignation of Shri Rajendra Sinch Assett Engineer (Mechanical) in the National Sugar Institute Kanpur, with effect from the afternoon of 1st October 1984

RAM KTIMAR Director

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridahad, the 20th November 1984

No. A 19025146178.A.HI—The resignation tendered by Shri P R. Noir Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accented by the Competent Authority with effect from 21.1.83 (FN).

No. A.19025/20/84-A-III.—On the recommendation of the U. P. S. C. Miss Sanjukta Mohapatra has been appointed to officiate as A. M. O. (Gr. I) in this Directorate at Faridabad w. e. f. 31-10-84 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

No. A. 19025/19/84-A-III.—On the recommendation of the IT. P. S. C., Shri V. Seetharaman has been appointed to officiate as Asstr. Marketing Officer (Gr. I) in this Dtc. at Bangalore with effect from 17-9-84 (FN) until further orders by the Agril. Marketing Advisor to the Govt. of India.

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agril. Marketing Adviser to
the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 6th November 1984

No. PA|76/5)|84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri A. M. Vaidva, Asstt. Accounts Officer in Heavy Water Project to officiate as Accounts Officer-II in this Research Centre with effect from the foreneon of October 1, 1984 until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 19th November 1984

No. K|994|Estt.II|5087.—Shri Prabhakar Baburao Kalanke relinquiched charge of the post of Asstt. Accounts Officer on 31-10-1984 (A. N.) consequent on Superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CE TRE

Bangalore, the 12th November, 1°84

No. 020/1 (3)/84-Estt.—Director, ISRO SATELLITE CENTRE in pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the dates indicated against each

Si No. Name	Designation	Date
1. Shri R. Jesu George	Sci./Engineer—	8-10-1984
E'ango	—'SB'	(A.N.)
Shri H. Venkataramana	Sci./Engineer—	22-10-1984
Bhat'	'SB'	(A.N.)

No. 020/1 '3'/84-Estt.—Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:

Sl. No.	Name	Designation	Date
S/Shri	i./Smt./Kum.		
1. H, S.	Krishna .	. Sci./Engineer 'SB'	07-08-1984
2. K. A.	Keshavamurthy	Sci./Engineer	14-08-1984
3. M. Ra	ımachandra Rao	. Sci./Engineer - 'SB'	16-08-1984
4, S. Ver	ikata Ramana .	. Sci./Engineer-	22-08-1984
5. R. C.	Ashok Kúmar .	. Scl./Engineer—	04-09-1984
6, H. Ve	nkataramana Bhat	Sci./Engineer — 'SB'	22-0 8-1984

No. 020/3 (061)/84.—Director ISRO SATELLITE CENTRE is please to promote the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bungalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders.

		Date
Sl. Name No.	Grade	17016
S/Shri 1. K. Narasimha Rao	Sci/Engineer-	1-10-1984
2. Rudralingappa	Sci/Engineer 'SB'	1-10-1984
3. Smt. Nancy Rufina Coelho	Sci./Engineer—	1-10-1984
4. Smt. M. Kalaivani	Sci./Engineer—	1-10-1984
5. S.Madhusudhana Rao	Sci./Engineer—	1-10-1984
6. S. V. S. Prasanna Kumar .	Sci./Engineer	1-10-1984
7. P. Sathyanarayana	Sci./Engineer-	1-10-1984
8. T. Dilip Kumar	Sci./Engincer 'SB'	1-10-1984
9. M. Muninagappa	Sci./Engineer— 'SB'	1-10-1984
10. G. Venkata Rao .	Sci./Engineer-	1-10-1984

H. S. RAMADAS Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 23rd November 1984

No. E(1)06276.—The Director General of Meteorology hereby approves proforma promotion of Shri K. M. Saha, India Meteorological Department to the post of Assistant Meteorologist with effect from the afternoon of 5-4-1982 in the same Deartment while he was on deputation to Aviation Research Centre, Charbatia.

2. This is in continuation of notification of even number dated 13-12-1982.

K. MUKHEPIEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th November 1984

No. A.3501814483-FL.—The president is pleased to appoint Shri S. S. Suredkar, IPS(MH: 73) in the post of Assistant Director Civil Aviation Security at Bombay Airnort on denutation basis for a period of three years w-e-f-1-8-1984 (FN), on pay as admissible to him under the IPS (Pay) Rules, 1954 as amended from time to time.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 14th November 1983

No. A 37013[4]84-EW(.).—The President is pleased to appoint Shri K. V. Krishnan. Electrical & Mechanic I Officer to the grade of Assistant Director of Faultment, in the Civil Aviation Department in the Scale of pay of Rs. 1100-50-1600. with effect from 25th Sept 1984 (fore-Noon) on regular basis and until further orders.

2. Shri K. V. Krishnan is posted to the office of the Director of Aerodrome, Calcutta

The 15th November 1984

No. A-32013|5|84-E.I.—The president is pleased to appoint Shri V. K. Kalra Director, Training and Licensing in the post of Officer on Special Duty in the pay scale of Rs. 1800-100-2000 on ad hoc basis from 30-7-1984 (FN), to 15-1-1985 (AN).

The 17th November 1984

No. A. 32013|17|82-EI.—The President is pleased to appoint Shri J. N. Mookherjee, Examiner of Personnel in the grade of Dy. Director (Regulations & Information) in the office of the Director General of Civil Aviation Headquarters, New Delhi on an ad hoc basis for a period of six months from 22-10-1984 (FN), to 21-4-1985 (AN), or till the post of Dy. Director (Regulations & Information) is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 20th November 1984

No. A. 19011|39|80-EI.—On attaining the age of superannuation Shri N. S. Kumaraswamy, Dy. Director (Terrif Examination) in this office retired from Govt, service on the afternoon of 31-10-1984.

G. B. LAL, Assistant Director of (Admn.).

New Delhi, the 22nd November 1984

No. A. 32014|1|84-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. C. Mulchandani, Superintendent to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1200, in the office of the Regional Director. Bombay Region, Bombay Airport, Bombay with effect from 19-11-1984 for a period of 6 months or till the post of Administrative Officer is filled on regular basis whichever is earlier.

Assistant Director of Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the November 1984

No. 14|84.—Shri B. K. Juneja, lately posted as Assistant Collector of Customs, Delhi, on transfer to the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's Order No. 1701 84 dated 15-10-84 issued vide letter F. No. 22012|39|84-Ad.II (Pt.), assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection, Cus. & Central Excise on the forenoon of 6-11-84.

A. C. SALDANHA, Director General of Inspection.

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1984 CORRIGENDUM

No. 3465.—In the Notice No. LDH|265|83-84 printed at page 24027 of the Gazette of India, Part III—Sec. 1 for the week-ending October 13, 1984, the following correction is notified for general information:—

For Mls. Dube Fabrics Private Limited, Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferees)

Read M|s, Duke Fabrics Private Limited, Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferees)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

30360

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2492,-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

bearing No. Shop No. 272 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventure of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lichma Bai Wo Sh. Phoolchand Agarwal, 1744, Ghee Walon Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)

(2) Smt. Mohna Jain Wo Sh. Padamchand Smt. Usha Jain Wo Kailashchand Jain, Smt. Pushpa Jain, Wo Sh. Tara Chand Jain, Smt. Bhanwar Bai, Wo Kapoorchand Jain, House No. 748, Jain Bhawan, Dariba Pan, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 272 situated at Johri Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registration and Parlameters of the Sub-Registration and trar, Jaipur vide Registration No. 668 dated 8-3-84.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitian of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Umraomal Soo Sh. Phoolchand Agarwal 1744, Ghee Walon Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)

(2) Smt. Mohna Jain Wo Sh. Padam Chand Smt. Usha Jain Wo Sh. Kailaschand Jain Smt. Pushpa Jain Wo Sh. Tarachand Jain, Smt. Bhanwar Bai Wo Kapoorchand Jain, House No. 748, Jain Bhawan, Dariba Pan, lainur.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1984

Ref. No. Rej IAC(Acq.) 2493.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 272 situated at Jaipur has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that full consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 272 situated at John Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 668 dated 8-3-84.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or section 269D of the said Act, to the following section: ing persons, namely :-

Date: 14-11-1984

30362

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2494.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Shop No. 272 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Keshri Chand Slo Sh. Phoolchand Agarwal 1744, Ghee Walon Ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Mohna Jain Wo Sh. Padam Chand Smt. Usha Jain Wo Sh. Kailash Chand Jain, Smt. Pushpa Jain Wo Sh. Tarachand Jain, Smt. Bhaawar Bai, Wo Sh. Kapoorchand Jain, House No. 748, Jain Bhawan, Dariba Pan. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property" may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 272 Johri Bazar, Jaipur and more fully described in the tale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 666 dated 8-3-84.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-11-1984

FORM ITNS-

NÖTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mohd. Umar Sp Sh. Ajimuddin Rlo Phuta Khurra, Ramgani Bazar, Jaipur. (Transferor)

(2) M/s Gamay Pvt. Ltd., Havi Marg, Mittal Bhawan, Civil Lines, Jaipur,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej IAC (Acq.) 2495.—Whereas, 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 261 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Jaipur on 30-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pruries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given 🖡 that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 261 situated in Johari Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 83 30-3-84.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269t, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-11-1984

FORM IT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2496.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
1/3 portion of No. 59 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Jaipur on 6-3-84

Japun on 0-3-04

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Mary Jacob Do late Sh. Itcheria Ro 59, Kanti Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Jagmohan Chandak & Sh. Manmohan Chandak Sslo of Motilal Chandak, Plot No. 59, Kanti Nagar, Station Road, Jaipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1|3 portion of Plot No. 59 situated in Kanti Nagar, Station Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 648 dated 6-3-84.

MOHAN SINGFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-11-1984

Seal;

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kumari Mary Jacob Dio Late Sh. Itcheria Rio Kanti Nagar, Plot No. 59, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Kanhaiyalal Kalla Djo Sh. Asaram Halla, Rlo Outside Asusar Gate. Bikaner.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2497.—Whereas, 1, MOHAN SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing Plot No. 59 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Jaipur on 6-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any is on, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot No. 59 situated in Kanti Nagar, Station Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 649 dated 6-3-84.

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—366 GI/84

Date: 16-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2498.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Land in Bhuvana situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udaipur on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mayur Watches Limited, Ram Bhawan, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh Ajay Kumar Slo Sh. Surendra Kumarji Laya & Surendra Kumar Slo Mohanlalji Taya, Gokul Building, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Bhuvana, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 119 61 dated 14-3-84.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2499.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land in Sundervas situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection, of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sh. Gangaram So Sh. Khemraj Suthar Resident of Sundervas, Udalpur.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Sohan Lal S|o Sh. Onkarlal ji Tripathi R|o Sanwar Hali, Udaipur, 4 Mahto ka Pada, Dhanmaudi.
2. Sh. Ramjılalji Jangid S|o Sh. Narayan Prasadji Jangid R|o Sutharo ka Mandir, Kanta.
3. Sh. Shankardas S|o Sh. Gangaram ji Vaishnav R|o Tiroli, Tehsil-Gogunda.
4. Sh. Ramji S|o Sh. Amra ji Mali R|o Sundarvas, Udaipur.
5. Sh. Logar ji S|o Sh. Magu ji Dangi R|o Sundervas, Udaipur.
6. Sh. Gopalalji S|o Sh. Veniramji Suthar, R|o Bathrada Valla Tehsil-Vallabhnagar.
Sh. Bhanwarlal ji S|o Sh. Bhuralalji Mittal, R|o Sundervas, Udaipur.
8. Sh. Roshanlal ji Chunnilalji Sancheti, R|o Udaipur-Sundervas
9. Smt. Geeta Devi W|o Sh. Gangaram ji Suthar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ro Sundervas, Udaipur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Sundervas, near old Railway Station, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 534 139 dated 14-3-84.

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-11-1984

FORM I.T.N.S.——

(1) Sh. Sajjanlal Clo Sh. Lokchandji Agarwal, Inside Surajpole, Udaipur,

(Transferor)

(2) Sh. Parasram S]o Sh. Tilokchandji Agarwal, R]o Surajpole, Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2500.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

bearing No. House situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 30-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertiseed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Bapu Bazar, Udaipur and more fully described in the Sale deed Registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1/122 dated 30-3-84.

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I; hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Kanku Bai Wo Sh. Udailal ji & Sh. Giriraj So Sh. Udailalji, Bhoi, Udaipur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Laxman Singh Slo Sh. Ram Singh ji Pachlot, Rlo Udaipur..

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaiput, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2501.—Whereas, J. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land 17 Biswa situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Udaipur on 27-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

17 Biswa Land situated near Motimagri in Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1 120 dated 27-3-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act is the first sing persons, namely .—

Date: 16-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2502.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Agricultural land situated at Pratapgarh (Chittorgarh)

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pratapgarh on 28-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Ambika Pratap Singh So Sh. Ram Singh Ex-Maharaja, Pratapgarh District-Chittorgarh,

(Transferor)

(2) Sh. Fajal Abbubas, Fidaali, Jakir Hussain Slo Sh. Sulemanji, Sh. Hussaini Slo Sh. Fajal Abbubas Bohra, Sh. Mumtaj (minor) Through Sh. Fajalabbubas, Rlo Pratapgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 Bigha 6 Biswa Agricultural land situated in Pratapgarh and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Pratapgarh vide Registration No. 430 dated 28-3-84.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1984

FORM ITNS----

(1) Sh. Istakh Mohd. Slo Kasamji Musalman Luhar, Rlo Nimbhahera.

(Transefor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mo. J. K. Synthetics Ltd., Kamla Tower, Kanpur Proprietor M/s J. K. Cement Works. Nimbhahera Through Sh. Niranjanji S/o Ghisalalji Nagauri, Ro Nimbahera. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2503.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land situated at Nimbahera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nimbahera on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds thea pparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to betowen the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taz Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Righa 4 Biswa 1|4 portion of land of Araji No. 149, 151 and 1993|151 situated in Nimbahera and more fully des eribed in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Nimbahera vide Registration No. 2/4 dated 23-3-84.

> MOHAN SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej IAC (Acq.) 2504.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land situated at Nimbahera (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nimbahera on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax ct, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Usman GANI Slo Sh. Kasamji Musalmon Luhar, Rlo Nimbahera.

(Transferor)

(2) M/s. J. K. Synthetics Ltd, Kamla Tower Kanpur Proprietor M/s. J. K. Cement Works, Nimbahera Through Sh. Niranjan ji S/o Ghisalalji Nagouri. R/o Nimbahera.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Bigha 4 Biswa 1/4 portion of land of Araji No. 149, 151 and 1993/151 and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Nimbahera vide Registration No. 2/40 dated 23-3-84.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Onte: 16-11-1984

(1) Smt. Halima Wlo Sh. Mohammed, Hussain Musalman Luhar Rlo Nimbahera.

(Transafor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2505.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. Land situated at Nimbahera
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nimbahera on 23-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(2) M|s. J. K. Synthetics Ltd., Kamla Tower, Kanpur Proprietor M|s. J. K. Cement Works Nimbahera Through Sh. Niranjan ji S|o Sin Ghisalal ji Nagouri, Rio Nimbahera.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

16 Bigha 4 Biswa 1 4 portion of land of Araji No. 149, 151 and 1993 151 situated in Nimbahera and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Nimbahera vide Registration No. 2/38 dated 23-3-84.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 16-11-1984

Scal:

-366GI[84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej [IAC(Acq.)]2506.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

Land situated at Nimbahera

and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nimbahera on 23-3-84

vair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no: been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of £957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohammed Isak Sjo Sh. Kasomji Musalman Luhar Rjo Nimbahara.

(Transefor)

(2) M|s. J. K. Synthetics Ltd., Kamla Tower, Kanpur Proprietor M|s. J. K. Cement Works, Nimbahera Through Sh. Niranjan ji S|o Gisalalji Nagouri, R|o Nimbahera.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO 1:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

16 Bigha 4 Biswa, 1/4 portion of land of Araji No. 149, 151 and 1993/151 situated in Nimbohera and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Nimbahera vide Registration No. 2: 39 dated 23-3-84.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-11-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2507.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

12 Biswa land situated at Pratapgarh (Chittorgarh) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Prutapgarh on 24-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Ambika Pratap Singh So Sh. Ram Singh, Ex-Maharaja, Pratapgarh. (Transefor)

(2) Sh. Burhani Housing Cooperative Society Through Sheikh Fakruddin So Ali Mohammed ji Bohra Rlo Pratapgarh (Chairman). (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Biswa Agricultural land situated in Pratapgarh District-Chittorgarh and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Pratapgarh vide Registration No. 427 dated 24-3-84.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalpur-

Date: 16-11-1**3**84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ambika Pratap Singh So Sh. Ram Singh, Ex-Maharaja, Pratapparh District Chittorgarh.

(2) Sh. Moij So Sh. Fakruddin ji Dalal R o Pratapgarh, District-Chittorgarh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transefor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2508.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

be ag the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Partapgarh

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at

Pratapgarh on 20-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23 Bigha 4 Biswa Agricultural land situated in Pratapgerh. District-Chittorgarh and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Pratapgarh vide Registration No. 431 dated 20-3-1984.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 16-11 1981

Scai :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE.

4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|368.-Whereus, I. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

28 Deep Cinema RTM III (GF) situated at Ashok Vihar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering office, at New Delhi on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Mis Raj Sudha Towers (P) Ltd.. (Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi. (Tansferor)

(2) Master Charanjit Singh. L-263, J. J. Colony, Wazirpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RTM-III (GF) Property No. 28 Deep Cinema Ashok Vihar, Delhi-52. Mg. 48 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11.84

30378

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|37EE|3-84|369.—Whereas, I, SHRI R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

28 RTM-8 (Basement) situated at Ashok Vihra, Shopping

Centre, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M|s Raj Sudha Towers (P) Ltd., (Tarapanth), 52-A Con, Place, New Delhi, (Transferor)
- (2) Mrs. Anjana Kumar & Shri Darshan Lal. C-3|77, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RTM-(8) (B) Property No. 28 Ashok Vihar, Shopping Centre, Delhi. Mg. 45 Sq. Ft.

(R. P. RAJESH)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11.84

Scal:

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 26PD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Raj Gudna Towers (P) Ltd., (Tarapanth) 52-A Con. Place, New Delhi. (Transferee)

(2) Shri Gurdarshan Singh, 1877, Chuna Mandi, Pabargani, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|370.—Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. RTM 101 (Ground Floor) 28 situated at Deep Cinema. Achok Vihar, Delhi-52

situated at Village June Bilaspur, Tehsil and Distt. Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RTM 101 (Ground Floor), 28 Deep Cinema Ashok Viher, Delhi-52. Mg. 78 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House. 4 14A Asaf Ali Road, New Delby

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 15,11,84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC Acq. II 37EE 3-84 371.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RTM 9-A (Basement), 28 situated at Deep Cinema, Ashok Vihar, Delhi-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M s Raj Sudha Towers (P) Ltd., (Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Ms Ahuja Medical Hall, clo S. K. Ahuja, B-29, New Gupta Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. RTM-9A (Basement) 28, Deep Cinema, Ashok Vihar, Delhi-52. MG, 20 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15.11.84

Scal:

FORM I.T.N.S.-

 Ms Rai Sudha Towers (P) Ltd.. (Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi, (Transferor)

(2) Mr. N. D. Chawla and Shanti Chanok. 2 49 Lajpat Nagar, Double Storey.

(Transferee)

30381

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PATILL—SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. 1AC[Acq.11]37EE[3-84|372.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. RTM-7 (Basement) 28 situated at Deep Cinema, Ashok Vihar, Delhi-52

Vihar, Delhi-52 (and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

at New Delhi on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) faciltating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:----48-366GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RTM-7 (Basement), 28 Deep Cinema, Ashok Vihar, Delhi-52, Mg. 44 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House. 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11,84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|373.—Whereas. 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RTM-107 (Ground Floor), 28 situated at Near Deep Cinema, Phase I, Ashok Vihar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) M|s Raj Sudha Towers (P) Ltd.. (Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi. (Transferor)

 Shri Om Parkash Sharma, B-4|59, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RTM 107 (Ground Floor) 28 Near Dear Cinema, Phase I, Ashok Vihar, Delhi Mg. 50 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11.84

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi, (Transferor)

Mrs. Sudharshan Pathak, B-1/115, Ashok Vihar, Delhi-52.

(1) Mis Raj Sudha Towers (P) Ltd.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II(37EE|3-84|374.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RTM-12A (Basement situated at 28 Deep Cine, New Delhi (Ashok Vihar) Phase-II

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. RTM-12A (Basement) 28 Deep Cinema Phase II, Delhi-52. Mg. 20 Sq. Ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4114A Asaf Ali Road, New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 15.11.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Raj Sudha Towers (P) Ltd., (Tarapanth), 52-A Con, Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(2) M|s G. B. Singh, 2228 Chuna Mandi, Phargani, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4)14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delbi, the 15th November 1984 Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|375.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RTM-127 (Ground Floor), situated at 28 Deep Cinema, Ashok Vihar, Phase II, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 39 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RTM-127 (Ground Floor), 28 Deep Cinema. Ashok Vihar, Delhi-52. Mg. 20 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11.84

Scal

(1) M|s Raj Sudha Towers (P) Ltd., (Tarapanth), 52-A Con, Place, New Delhi, (Transferor)

(2) Mrs. Sushma Sharma, A-218 I, D.D.A. Double Storyed Flats, Ashok Vihar, Phase I, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE,

4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84]376.—Whereas, f, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RTM-13, (Basement) situated at Deep Cinema, Ashok

Vihar, Phase 1, Delhi-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RTM-13 (Basemen)t, 28 Deep Cinema. Ashok Vihar, Phase I, Delhi-52. Mg. 45 Sq. Pt.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Aggarwal House.
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269°D of the said Act. to the followay persons, namely:—

Date: 15.11.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M[s. Raj Sudha Towers (P) Ltd., (Tarapanth), 52-A Con. Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri J. P. Singh, 1877 Chuna Mandi, Pahargani, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|377.-Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Ashok Vihar, Delhi-52 and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. RTM-102, (Ground Floor) situated at 28 Deep Cinema

at New Delhi on March, 1984 for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. RTM-102 (Ground Floor), 28 Deep Cinema Ashok Vihar, Delhi-52. Mg. 24 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House. 4|14A Asuf Ali Road, New Dellii

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following perssons namely:--

Date: 15.11.84

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|378.—Whereas, I. SHRI R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 13-S Riviers Apartments situated at 45. The Mall. Delhi-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. S. K. Kapur and Mrs. Rama Kapur, D-10, Oberai Apartments,
 Sham Nath Marg. Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Jaswant Singh Pannu, 5-S Riviers Appts. 45, The Mall, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Uo. 13-S, Rivers Apartments. 45. The Mall, Delhi-7. Mg. 1600 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15.11.84

FORM I.T.N.S.— (1) Shri Ajay Choi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|3-84|379.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Tompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 289, situated at Tagore Park, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Ajay Choudhry, Shri Deepak Choudhry, 1377 Sector No. 15, Faridabad, Haryana,

(Transferor)

(2) Mrs. Joginder Kaur, 2. Mr. Atamjit Singh and 3. Mr. Jasbir Singh, 57, Jaina Building, Roshanara Road, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 289, Tagore Park, Delhi. Mg. 300 Sq. Yds.

(R. P. RAJESH)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date. '15.11.84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Rajinder Nath so Sh. Shyam Lal, Ro A-165, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani Tondon wo Sh. N. K. Tadon, WZ-220, Madipur, Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II.37-EE|3-84|380.---Whereas I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 399 Block No. 12 of situated at Sunder Vihar, Nagloi Sayed, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of shy income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 399, Block No. 12, Sunder Vihar, Nagloi Sayed.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Dated: 17-11-1984.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nerrons namely :--49-366GI[84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME/TAX

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37-EE|3-84|381,-Whereas, I. SHRIR, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing

No. Phase I Near F-Block situated at D-77, Ashok Vihar, Phase I, Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at New Delhi on March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Harjit Singh so S. Bhag Singh, O-105, Model Town, Delhi

(Transferor)

(2) Hargobind Babbar, Surinder Babbar and Raiv Kumar Babbar, D-77, Ashok Vihar, Phase I, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-77, Ashok Vihar Phase I, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Date: 15-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IL AGGARWAL HOUSE,

4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ret. No. 1AC|Acq.11|37-EE|3-84|382,—Whereas, f, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Plot No. 1 Khasra No. 1, G-Block situated at Mahabir Nagar Village Mangli Jalabi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1984. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. P. Balwani s o Sh. L. C. Balwani, 4 16, East Patel Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Munisi Ram Kochar, B|125, Surinder Kochar, Ashok Vihar, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 Khasra No. 1, G-Block, Mahabir Nagar Village Mangli Jalabi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 15-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balwant Singh, A|252, Derawal Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) S|Shri Ajay Kumar Jain and Sunil Kumar Jain 411 Kucha Bulagi Begum, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,

4/14A ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.11|37-EE|3-84|383.—Whereas, J. SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. A|21 situated Derawal Nagar, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Cazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A|28, Derawal Nagar, Delhi Mg.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 15-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Piar Kaur, B-48 49, Avanitaka,

Delhi.

(Fransferor)

(2) Smt. Uma Jain, C-2|97, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37-EE|3-84|367.—Whereas, I,

SHRI R. P. RAJESH, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. C-2|97, Phase -II situated at Ashok Vihar II, Delhi-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to be a support of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein # are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-2|97, Phase II, Ashok Vihar, Delhi-52.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-11-1984

(1) Mrs. Zarina Morawala,

(Transferor)

(2) Shri P. N. Brahmwar.

(3) Transferee,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th November, 1984

Ref. No. ARIII|37-EE|6399|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. B|22, 4th floor, Sant Nivitri Co-operative Housing Society Ltd., Nevitri Bldg., Agrey Road, Goregaon (East) Bombay-63.

situated at Gorgeaon (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fit No. B|22, 4th floor, Sant Nivitri Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Nevitri Bldg., Aarey Road, Goregaon (East), Bombay-63. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII|37-EE|6399|83-84 dt, 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-III, Bombay.

Date: 15-11-1984

(1) Mr. Sanjuv Bagrodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s. Derby Textiles Ltd.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th November, 1984

Rcf. No. AR-III/37-EE/6563/83-84,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Jay Vijay Co-op Hsg. Sct. Ltd. Bldg. No. G-1|20, Plot No. 8, Survey No. 161(p) Bangur Nagar, Goregaon (W),

Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jay Vijay Co-op. Hsg Sct. Ltd. Bldg. No. 0-1/20, Plot No. 8, Survey No. 161(6), Bangur Nagar, Goregaon(W), Bombay-The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII|37-EE|6563|83-84, dt. 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn, Range-III, Bombay.

Date: 15-11-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 12th November 1984

No. IAC|Acq|47|19|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

MPL house No. 57 (Double Storyed) on Plot No. 8 admeasuring 3300 sq. ft. situated in Dhantoli, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nagpur on 31st March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Indumati wlo Viswanath Kamik Dantoli, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s. Kamehan Co-op. Housing Society Ltd. 8-A, Farm—Land, Ramdas Peth, Nagpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a perion or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storyed house bearing MPL No. 57 on Plot No. 8 admensuring 3300 sqr. ft. situated in Dhantoli, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Nagpur

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 7th November 1984

C.R. No. 62|42985|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 56 situated at Gampbeu Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar on 1st March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shrimati S. Neelaveni, No. 25, Annaswamy Mudaliar Road, Civil Station, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamala Devashikhamani alias Smt. Sunitha Devashikhamani No. 56, Charles Campbell Road, Cox Town, Blore-5.

(3) Transferce.

(Person(s) in occupation of the property)
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3215|83-84 Dated 1-3-1984)
Property bearing No. 56 situated at Charles Campbell
Road, Civil Station, Bangaiore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following acroons, namely:—

50-366GI|84

Date : 7-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 7th November 1984

C.R. No. $62|43192|84-85|\Lambda CQ|B$. Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. No. 245 841 situated at O. T. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 19 April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Sin S. Rmack, No. 35, Benson Road, Blore-46.

(3) Transferor.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Subramanyam, No. 3/2, Sri Ram Mandir Road, B lore-4,

(Transforce)

(3) M/s. Lukshmi Jewellery Co., No. 245/841, O.T.C. Road, B'lore2.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (4) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 204|84-85 Dated 19-4-1984) Property bearing No. 245/841 situated at O.T.C. Road, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 7-11-1984 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 7th November 1984

C.R. No. 62|43191|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 246|840 situated at O.T.C. Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gundhinagar on 19 April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shii S. Razack, No. 35, Benson Road, B'lore-46.

(Transferor)

Shi K. S. Venkatesh Babu
 Smt. Nirmala
 No. 552, Burgal Mutt Road,
 V. V. Puram,
 B'lore-4.

(Transferee)

(3) M|s. Andavar StoresNo. 246|840,O. T. C. Road, B'lore.

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the 'Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 205,84-85 Dated 19-4-1984) Property bearing No. 246|840 situated at O. T. C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)" OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 7th November 1984

C.R. No. 62|43190|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

No. 4|112 situated at Chowdeshwani Temple Street, Banga-lore-2

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said in trument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Razack No. 35, Benson Road, Blore-46.

(Transferor)

Shri K. B. Satyanarayana Setty
 K. S. Padma Reju
 No. 552, Bargal Mutt Road,
 V. V. Puram,
 B'lore-4.

(Transferee)

(3) Shri B. S. Shankarappa Setty
No. 4|112, Chowdeshwani Temple Street,
B'lore.

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 206|84-85 Dated 19-4-1984)
Property bearing No. 4|112 situated at Clhowdeshwahi
Temple Street, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 7th November 1984

C.R. No. 62|41702|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. 66 (old No. 2) situated at Millers Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any racintaing the conceaning of any most been of which ought to be disclosed by the transferee for the number of the Indian Income-tax Act, 1922. the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri A. Abdul Rahman Shariff & Others, No. 66, Millers Raod, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Muktar Ahmed & Another No. 17|1, Spencer Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 38020|84-85 Dated 30-3-1984) Property bearing No. 66 (old No. 22) situated at Millers Road, B'lorc.

> R. BHARDWAI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-11-1984

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-56001, the 7th November 1984

C. R. No. 62|43896|84-85|ACQ|B.—Wherea, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 198E (198E 103) situated at Vijayanagar, East of Chord Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Srirampuram in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. Gangadhar No. 3, Mangadi Road, Kasturinagar, B'lore-23.

(Transferor)

(2) Shrimati Susheela Chandravathi, No. 1444, R. P. C. Main Road, Petrels, Vijayanagar, B'lore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3752|84-85 Dated March, 84) Property bearing No. 198|E(198E|130), situated at Vijayaz negar, East of Chord Road, Bangalore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1984 ceal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th November 1984

C.R. No. 62|R-1048|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

peing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Land Regn. Office Ilhas No. 13219 at fls. 13v of B ok B 35 (new) known as Lote No. 25 admeasuring 486 sqm. situated at Panaji Municipal limits

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bungalore under Regn. No. 881 on 15-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid speceds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ransfer—with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mr. Roserio Da Costa
 - Mrs. Joanne Da Costa,
 R|o Santa Cruz, Bombay,
 Mr. Alcantra Da Costa
 - Rlo St. Inez, Panaji-Goa. 4. Mr. Luis Minguel Da Costa
 - 5. Mrs. Heodolina Da Costa Ro Santa Cruz, Bombay.
 - Shri Isidoro Perdo Da Costa
 Mrs. Maria Salvacao Frias
 R|o Santa Inez, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Pai Angle R|o Santu Inex, Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Bangalore-560 001, the 12th November 1984 An area of 236.2 sqm. out of the property known as Lote No. 25 known as Varzea Denominade "CASANA" situated within the Panaji Municipal limits—Land Regn. Office, Ilhas No.13219 at fls. 13v, Book B 35 (new).

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-1-1984

Sen1:

(1) Costa & Company Private Limited Aquem, Nargao,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Minimax Enterprises 15, Roshan Mansil Ormuz Road, Panaji, Goa-403001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUSITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Bangalore-560 001, the 12th November 1984

C. R. No. 62|903|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

23,000]- and bearing Plot No. 41 situated at Nargao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Salecik, Goa under D cument No. 394 on 13-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 394 Dated 13-3-1984)
Plot of Land bearing No. 41 admeasuring 1875 sq. mts. situated at Nargao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER URL, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1984

Ref. No. RAC[84-85]111.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Property situated at Shahpur Kandi Road, Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Pathankot in March, 1984

S. R. Pathankot in March, 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely 5---366GI 84

(1) Sh. Rumesh Chander slo. Shri Gian Chand, Shahpur Kandi Manwal, Pathankot

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand slo. Shri Narain Dass Seth, Khanpur Chowk, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. *(Person in occupation of the property)
- (4) Any other, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One propery in vill: Manwal, on Shahpur Kandi Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3499 dt. 13-3-84 of registering authority, Pathankot.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECIING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3-CHANDER URI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1984

Ref. No. RAC|84-85|112,—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

One property situated at Batala Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at S. R. Amritsar in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snt. Inderjit Kaur wlo. Shri Parshotam Singh, Pawan Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Arvinder Kaur dlo. Shri Rattan Singh, vill: Fatchbad, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Krishna Square II, Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 642 dt. 19-4-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsan

Date: 19-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER URI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1984

Ref. No. RAC[84-85]113.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IR\$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Proprety situated at Sabzi Mandi, Pathankot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Pathankot in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) Shri Ramesh Bhatia slo, Shri Roshan Lal Bhatia, rlo.Amritsar.

(Transferor)

(2) Aggarwal Sabha, through Sh. Kewal Aggarwal slo. Sh. Shambhu Nath Aggarwal, General Secretary of Aggarwal Sabha, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in vill: Chak Hassan, Near Sabzi Mandi, Pathan-kot, as mentioned in sale deed No. 3501, dt. 14-3-84 of registering authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER URI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1984

Ref. No. RAC|84-85|114,-Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One property situated at Sabzi Mandi, Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at at S. R. Pathankot in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of dansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Neelam Bhatia wo. Shri Ramesh Bhatia, Ro Amritsar.

(Transferce)

(2) Aggarwal Sabha, through Sh. Kewal Aggarwal so. Sh. Shambhu Nath Aggarwal, General Secretary of Aggarwal Sabha, Pathankot

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in vill: Chak Hassan, Near Sabzi Mandi, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3501, dt. 14-3-84 of registering authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1984

FORM UTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1984

Ref. No. ASR|84-85|115.—Whereas, 1, B. S. DHΠLLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Property situated at Sabzi Mandi, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S. R. Pathankot in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hari Kishan Bhatia s|o. Shri Roshan Lal Bhatia, r|o. Amritsar.

(Transferor)

(2) Aggarwal Sabha, through Sh. Kewal Aggarwal slo. Sh. Shambhu Nath Aggarwal, General Sceretary of Aggarwal Sabha, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as ane defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in vill: Chak Hassan, Near Sabzi Mandi, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3502, dt. 14-3-1984 of registering authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1984

Ref. No. ASR|84-85|116.-Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Vill: Bhadroya, Teh: Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Pathankot in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely :--

 Smt. Sudershana Kumari dio. Shri Radha Krishna, Mohalla Waderian, Pathankot.

(Transferor)

(2) SShri Amir Singh, Amarjit Singh, Amarka Singh,
Amrik Singh and
Amarpal Singh,
sslo. Shri Shankar Singh,
Vill: Bhadroya, Teh Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 kanals, 17 marlas, situated in vill: Bhadroya, Teh: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3437 dated 8-3-84 of registering authority, Pathankot,

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1984

Ref. No. RAC[84-85]117.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing No.

Agricultural land situated at Vill: Bhadroya, Teh: Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Pathankot in March, 1984. for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

(1) Shri Kewal Krishan slo. Shri Radha Krishan, Mohalla Waderian, Teh: Pathankot.

(Transferor)

(2) SShri Amir Singh, Amarjit Singh, Iqbal Singh, Amrik Singh and Amarpal Singh, sslo. Shri Shankar Singh, Vill: Bhadroya, Teh: Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 kanals, 17 marlas, situated in vill: Bhadroya Teh: Pathankot, as mentioned in cale deed No. 3437 dated 8-3-84 of registering authority. Pathankot.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER URL TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1984

Ref. No. RAC[84-85]118 --- Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. One property situated at Patel Nagar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kewal Kishan slo. Shri Sant Ram, Rajinder Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kanwal Kishore Gupta slo. Shri Khushi Ram Gupta, Bhushanpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immover able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Patel Nagar, Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 435 dt, 16-4-84 of registering authority, Amritsar,

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1984

Ref. No. ASR|84-85|119.—Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

A plot of land situated at Dashmesh Nagar, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of tht Registering Officer

at S. R. Amritsar in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

52-366GI]84

 Shui Gurbachan Singh slo. Shri Manak Singh, Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S|Shri Amrik Singh, Bhola Singh ss|o. Shri Santokh Singh,

1, Water Work Road, Ram Talai, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Dashmesh Nagar, Amitsar as mentioned in sale deed No. 13357 dt. 7-3-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS., Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1984

FORM No. I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1984

Ref. No. ASR|84-85|120.—Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Property situated at Kot Baba Deep Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsas in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Surinderpal Kaur
 w|o. Shri Gurcharan Singh,
 Kot Baba Deep Singh Colony,
 Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Tripta Sethi wlo. Shri Inderjit Singh Sethi, 128 Baba Deep Singh Colony, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share of house property at Baba Deep Singh Colonia, Amritsar, as mentioned in sale deed No. [4202 dt. 24-3 84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 30th October 1984

Ref. No. ASR 84-85 121 .- Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Land situated at Vill: Tungpai, Suburban, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

- 1908) in the office of the registering office.

 at S. R. Delhi in March, 1984.

 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Roshan Lal Sharma s|o. Shri Jai Ram Dass Sharma, 3775|20. Ragharpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri Madan Lal so. Shri Sandhi Ram. Smt. Chand Rani wlo, Shri Jeewan Lal, Inside Longarh Gate. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 23 kanals, I marla, situated at Vill: Tung-pai, suburban. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 296 dt. 13-3-84 of registering authority, Delhi.

B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritant

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of he said Act, to the following persons, pamely :-

Date: 30-10-1984

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1984

Ref. No. ASR|84-85|122.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.00]- and bearing.
One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S. R. Amritsar in March, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the parties has not been truly stated in the said instance. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely

(1) Shri Krishan Kumar Verma slo. Shri Dwarka Nath, 31 Partap Nagar, G. T. Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S|Shri Ravi Kumar Kapur and Vipin Kumar Kapur ssjo. Shri Mohan Lal Kapur, 1705, Katra Khazana, Kucha Bagh Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Cfficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13948 dt. 22-3-84 of registering nuthority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date 29-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3-CHANDERPURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1984

Ref. No. ASR 84-85 123.—Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

One property situated at Basant Avenue, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at S. R. Amritsar in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 0٢/ گسته

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Bhagwan Dass Arora, slo. Shri Rattan Chand Arora, 184 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferor

(2) Shri Lila Dhar Jajoo slo. Shri Brij Lal Jajoo, Smt. Usha Jajoo wlo. Shri Lila Dhar Jajoo, Shri Deepak Kumar Jajoo slo. Shri Lila Dhar Jajoo, 39, Mall Road, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overlenf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Basant Avenue. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13203 dt. 2-3-84, of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

> >

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 12-11-1984

(1) Stut. Pushpawati Goel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Brijendra Kumar Poddar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. TR-117|84-85|Sl.948 IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value was the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. 160 & 10 situated at Mahatma Gandhi Road & Roopehand Roy Road, Respectively, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SRA, Calcutta on 14-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/3rd share of 1/4th share of the buildings and lands at premises No. 160, Mahatma Gandhi Road and 10, Roopehand Roy Road. Calcutta—Fotal land area—17 Cottaha and 8 Chittaeks. Registered before the SRA, Calcutta, vide deed No, I-3120, Dt. 14-3-1984.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 5d. Rali Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 16-11-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) Smt. Farmeswari Devi Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second s

(2) Sh. Mahendra Ki, Soni (Minor) Father & Guardian Sri Babulal Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. 1R-122[84-85[\$1.949 IAC[Acq.R-I]Cal.—Whereas, 1, S. K. BANFRJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 14, situated at Hanspukur Lanc, Calcutta tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at RA, Calcutta on 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

THE SCHEDULE

Undivided one equal half part of share in an unat tour storied brick built building on a land of 5K-1 Ch.-5 Sft. at 14 Hanspukur Lane, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3587 dated 26-3-1984.

> S. K. BANERJEE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 16-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Prayanshu Sekhar Bhattacharjee. Executor to the Estate of Naresh Nath Mukherjee, Mrs. Shyamarani Mookherjee.

(2) Sri Ranjit Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. TR-124|84-85|Sl. 950 IAC|Acq. R-1|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 21/1 situated at Lindsay Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

All that the half share of Office spaceon 3rd floor of storeyed building at the rear portion of premises No. Lindsay Street, Calcutta. Covered area 1450 sq. ft. 1 tered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta Deed No. I-3888 dt. 30-3-1984.

S. K. BANE Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Incom Acquisition Ra 54, Rafi Ahmed Kidwai Calcui

Date: 15-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Prayanshu Sekhor Bhattacharjee. Executor to the Estate of Narcsh Nath Mookherjee, Mrs. Shayamarani Mookherjee.

(Transferor)

(2) Sri Ranjit Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. TR-125|84-85|Sl. 951 IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. 12[1 situated at Lindsay Street, Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) at the office of the Registering Officer
at SRA, Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than t15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of massles with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-366GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

All that the half share of Office space on 3rd f five storeyed building at the tent portion of premis 12|1, Lindsay Street, Calcutta. Covered area 1450 Registered before the Sub-Registrar of Assurances, C vide Deed No. I-3889 dated 30-3-1984.

S. K. BANFRIAG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquiside to Record 54 Ruft Ahred Killwai Rosa Calcute 18

Date: 15-11-1984

eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Prayanshu Sckhra Hachacharjee Executor to the Estate of Naresh Nath Mookherjee, Mrs. Shyamarani Mookherjee.

(Transferor)

(2) Cosmos Agencies.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Calcutta, the 15th November 1984

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Ref. No. TR-126|84-85|SL 952 IAC|Acq. R-I]Cal.— Whereas, I. S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 21 1, situated at Lindsay Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA Calcutta on 30-3-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein as EXPLANATION: -- The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the half share of Office space on 3rd floor of the tive storeyed building at the front portion of the premises No. 12|1, Lindsay Street, Calcutta. Covered area of the Office space 2944 Sq. ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3890 dated. 30-3-1984.

> S. K. BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 15-11-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1984

Ref. No. TR-127/84 85/St. 953 IAC/Acq. R-I/Cnl.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 12|1, situated at Lindsay Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRA. Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prayanshu Sekhar Bhattacharjee Executor to the Estate of Naresh Nath Mookherjee, Mrs. Shyamarani Mookherjee.

(Transferor)

(2) Cosmos Agencies.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the half share of Office space on 3rd floor of the five storeyed building at the front portion of the premises No. 12|1, Lindsay Street, Calcutta, Covered area of the Office space 2944 Sq. ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Decl No. I-3891 dated 30-3-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1984

(1) Miss Ketayun Ardeshir Dinshaw.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Park Development (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 16th Novemoci 1984

Ref. No. TR-134|84-85|Sl. 954|IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, 1, S. K. BANERJEF, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 20 situated at Sooterkin Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at SRA, Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All 4th undivided share of a property consisting of 9K 8Ch. 36Sft, of land together with a partly two and partly three storeyed bldg, and appliances and machineries of a Cinemal Hall named 'Aban Court' and also known as Fvenue Cinema Hall' or 'Janata Cfuema' situated at 20, Sooterkin Street, Calcutta. Registered before the S.R.A. Calcutta vide Deed No. I-3826 Dt. 30-3-1984.

S. K. BANERJFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-11-1984

(1) Mrs. Kelly Dara Dubash.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Park Development (P) Ltd.

(Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcula, the 16th November 1984

Ref. No. TR-135|34-85|SI. 955|IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. 20 situated at Sooterkin Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 4th undivided share of a property consisting of 9K 8Ch. 36Sft. of land together with a partly two and partly three storeyed bldg, and appliances and machineries of a Cinema Hall named 'Aban Court' and also known as Evenue Cinema Hall' or 'Janata Cinema' situated at 20, Sooterkin Street, Calcutta. Registered before the S.R.A. Calcutta vide Deed No. 1-3827 dt. 30-3-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

FORM ITNS----

(1) Kamal Nishat Siddique.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Park Development (P) Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. TR-136[84-85]Sl. 956 IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

20 sinated at Sutarkin Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All 4th undivided share of a property consisting of 9K 8Ch. 36Sft. of land together with a partly two and partly three storied bldg. and appliances and machinerles of a Cinema Hall named 'Aban Court' and also known as Evenue Cinema Hall or 'Janata Cinema' situated at 20, Sutarkin Street, Calcutta. Registered before the S.R.A. Calcutta vide Deed No. I-3828 dt. 30-3-1984,

S. K. BANERJE.
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range54, Rafi Ahmed Kidwai Roa
Calcutta-1

Date: 16-11-1984

(1) Mrs. Dhun Sammy Ayrton.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parl. Development (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th November 1984

Ref. No. TR-133|84-85|Sl. 957 IAC|Acq. R-1|Cal.—Whereas, I, S. K. BANFRJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 20 situated at Sooterkin Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 30.3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

at SRA, Circuita on 30.3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All 4th undivided share of a property consisting of 9K 8Ch. 36Sft. of land together with a partly two and partly three storied bldg. and appliances and machineries of a Cinemal Hall named 'Aban Court' and also known as Evenue Cinema Hall' or 'Janata Cinema' situated at 20, Sooterkin Street, Calcutta. Registered before the S.R.A. Calcutta vide Deed No (53825) Dt. 30-3-1984.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 16-11-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG!
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. CHD[7]84-85,--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000l- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No. \$\frac{1}{2}\$ share H. No. 101, situated at Sector 21-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jawahar Lel Khosla
 Sho Shri Ram Rattan Khosla
 Rlo H. No. 1274, Sector 19-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Chhaila Devi Wlo Shri Lok Nath Sahoo Rlo H. No. 485, Phase III-A, S.A.S. Nagar, Distt. Ropar.

(Transferee)

(3) Shri H. K. Jindal Rlo H. No. 101 Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share H. No. 101. Sector 21-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 22 of April 1984 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Data 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. CHD|179|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

I share H. No. 101, situated at Sector 21-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to ballow that the fair market value of the

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chri Jawahar Lai Khosla Slo Shri Ram Rattan Khosla Rlo H. No. 1274, Scotor 19-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Lok Nath Sahoo Slo Shri B, D. Sahoo Rlo H. No. 495 Phase. III-A, Mohali Now Rlo H. No. 101 Sector 21A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri H. K. Jindal Rlo H. No. 101 Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

l share H. No. 101, Sector 21-A, Chandigurh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1413 of March, 1984 of the Registerng Authority, Chandigarh).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Lualhaum

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons, namely :—
54—366G184

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th November 1984

Ref. No. CHD|183|83-84.—Wherceas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

1 10 share in Industrial Building No. 20

situated at Industrial Area, Chandagarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1984

at Chandigarn in March 1904 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income spining from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which anoth to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Brig. Anup Singh S|o S. Sardul Singh R|o H. No. 129 Sector 28-A Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Sandeeej Bajaj So Sh. Balwant Singh Smt. Kailash Rani R|o H. No. 3304 Sector 32-D Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|10 Share in Industrial Building No. 20 Industrial Area Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1457 of March 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. CHD|172|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agriculture land measuring 12 Kanal 9 Marla situated at Manimajra U. T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amro Wd|o Sh. Dial Singh Sh. Naranjan Singh S|o Dial Singh Amarjit Kaur and Karamjit Kaur Ds|o Dial Singh Karam Singh S|o Dial Singh Meena Rani D|o Dial Singh R|o 574, Manimajra U. T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) M|s. Shiv om Sons Trust Shiv Sahai Kapoor and Co. R|o 377-Sector 32-D Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 12 Kanal 9 Marla in Manimajra U. T. Cleandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1298 of March 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lydnians

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. CHD|177|83-84.—Whereas, J, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 301

situated at Sector 33-A, Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering officer at Chandigarh in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in this said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.c., in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the solid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Shanti Devi Wdo Late Sh. Chaman Lal Setia Mrs. Anju Setia Wo Sh. Prem Sagar Setia Rlo H. No. 502 Sector 8-B, Chandigarh through their Special Power of attorney Sh. Dhul Chands Slo Sh. Jamna Dass Rlo H. No. 212 Sector 18-A Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Sewa Singh So S. Jagat Singh through his attorney Smt. Mohinder Kaur Wo S. Sewa Singh Ro 18 Ramesh Colony Ladowali Road, Jalandhar City, Pb.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofter person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 301 Sector 33-A Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1387 of March 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) Sh. Ramesh Chander Nijhawan Slo Sh. Madan Gopal Nijhawan Rlo 3704 Sector 22-D, Chundigarh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Darshan Singh Slo Sh. Manohar Singh Rlo H. No. 3646 Sector-23, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3303 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ground Floor of H. No. 2851 Sector 22-C

situated at Chandigarh (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the transfer of the aforesaid property and I have reason to the aforesaid p

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) recintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein na are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of H. No. 2851 Sector 22-C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1371 of March. 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Labh Kur Wo S. Ranjit Singh Ro H. No. 2287 Sector 35-C Chandigarh, through Power of attorney Sh. Naresh Kumar Gupta Slo Sh. Daulat Ram Rlo 2017 Sector 21-C Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Ranjit Singh Slo Sh. Piara Singh Rlo 2287, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. KHR|40|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot No. 871 Phase VII

situated at Muhali Teh. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 871 Phase VII Muhali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4878 of March 1984 of the Registering Authority Khrar). the Registering Authority Khrar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S. Pandit Do Sh. Nand Lal Ro H. No. 2 Sector 10, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kamaljit Kaur D|o Sh. Darbara Singh R|o Vill. Nanowal Kalan, Teh. Samralla, Distt. Ludhiana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. KHR|39|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 108-C Phase IV situate 'at Muhali Tch. Kharar (and more fully described in the Schedule nnnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officers at Kharar in March, 1984

Knarar in March, 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
metween the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 108-C Phase IV Muhali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4857 of March 1984 of the Registering Authority Kharar.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. KHR|41|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B or Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 1384, Phase-3B-2, situated at Muhali Teh. Kharar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kharar in March. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sh. Avinash Chander Gupta R/o H. No. 569, Sec. 22, Housing Board Colony, Faridabad through G.P.A. Smt. Maniderjit Kaur W/o Sh. Swaran Singh R/o H. No. 667, Sec. 20-A Chandigarh, G.P.A.

(Transferor,

 S. Swaran Singh Slo S. Bachan Singh Rlo 667 Sec. 30, A Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1384, Phase-3-B-2, Mohali Teh, Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 5104 of March, 1984 of the Registering Authority Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date : 6-11-1984

Seal ;

(1) Smt. Amrit Kaur Wlo Kishan Singh Rlo 581 Industrial Area 'A' Ludhiana.

by pass opp. Truck Union, Moti Nagar,

I udhiana,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. LDH|17|84-85,—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the competent authority under section 269B of the fncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No. I and measuring 0.16.2 bighas situated at Vill Mundier Valor. Tab. Uniform

situated at Vill. Mundian Kalan, Teh. Ludhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1984 at Ludmana in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, that the temperature of the property as a foresaid exceeds. sideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M.s. N. K. Forging & Rolling Industries, G. T. Road, Ambala

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/~
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the line of the li (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

JOGINDER SINGH Competent Authority

Acquisition Range, Ludhiana

Land measuring 0-16,2 Bigas as Vill. Mundian Kalan Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 316 April, 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

55-366GTI84

Date: 6-11-1984 Seal :

TORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. LDH|16|84-85.—Wheras, I, JOGINDER SINGH,

ar armadan ay aray kalan ing mga ng mga ng mga ga ng mga ga ng mga ga ng mga ga ng mga ng mga ng mga ng mga ng

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000.- and

Land measuring 0.16.2 bighas situated at Vill. Mundian Kalan, Teh. Ludhlana (and more fully described in the schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in April 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the, said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which might to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Smt. Gurdip Kaur Wlo S. Sant Singh Rlo Mundian Kalan Now Faridkot through S. Balwinder Singh Slo Kishan Singh Rlo 581 Industrial Area, 'A' Ludhiana.

andrese de la francia de carte de la cale

(Transferou)

 Mis. N. K. Forging & Rolling Industries Moti Nagar, Ludhiana. G. T. Road Bye pass opp, Truck Union, Moti Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0-16.2 Bigas as Vill. Mundian Kalan Teh, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 315 of April 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcian'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. RAC. No. | 680|84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Land measuring 0.16.2 bighas situated at Vifi. Mundian Kalan, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gurdip Kaur Wlo S. Sant Singh Rlo Mundian Kalan Now Faridkot through S. Balwinder Singh So Kishan Singh Ro 581 Industrial Area, 'A' Ludhiana.

(Transferor)

(2) M|s. N. K. Forging & Rolling Industries G. T. Road Bye pass opp, Truck Union, Moti Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0-16,2 Bigas as Vill. Mundian Kalan Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale dee No. 14045 of March 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. LDH|324|83-84,-Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

No. Land measuring 0.16.2 bighas situated at Vill. Mundian

Kalan, Teh. Ludhiana (and more fully described in the schedule arrecxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhjana in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subnection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Smt. Amrit Kaur, Wo Kishan Singh, 581. Industrial Area-A. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. N. K. Forging & Rolling Industries, G. T. Road, Bye pass opp. Truck Union, Moti Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.16.2 bighas at Vill. Mundian Kalan, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 14044 of March, 1984 of the Registering Authority Ludhiana.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Vardhman Spng. & Genl. Mills. Chandigarh Road, Ludhiana. Through Secretary Sh. Balkrishan Arora.

(Transferor)

(2) M/s. Adhinath Textiles Ltd., 234, Industrial Area, A Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th November 1984

Ref. No. LDH|327|83-84,—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land measuring 8 kanals situated at Vill. Bholapur, Teh. Lydbions

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Inspiration:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

nich the $\frac{1}{(11)}$

Land measuring 8 Kanals at Vill. Bholapur, Ich. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 14124 of March, 1984 of Registering Authority Ludhiana).

THE SCHEDULE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANI COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1984

Ref. No. LDH|13|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land 19 Kanal 19 Marla sitauted at Vill. Bhola Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ludhiana in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Vardhman Spinning & Gen. Mills Ltd., Chandigarh Road, Ludhiana through Balkrishan Secretary of the Firm.

(Transferor)

(2) M/s. Adhinath Textiles Ltd., 234, Industrial Area, A, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Kanal 19 Marla at Vill. Bholapur Teh. Ludhlana. (The property as mentioned in the sale deed No. 263 of April, 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-11-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. K. B. Industries through Smt. Krishna Behl, W/o Manmohan Rai. Rani Ihansi Road, Civil Lines, Ludhiana.

Transferor)

 Mjs. Sangam Dye House, B-XXIII/642/2, Textile Colony, Ludbiama.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. LDH|509|83-84.---Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

15|100 share n House No. B. XXIII-642|2 situated at Textile Colony, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the ffice of the registering officer at Ludhiana, in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15|100 share in House No. B. XXIII-642|2 Textile Colony Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 14231 of March, 1934 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 6-11-1984.

Senl :

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Balwant Kaur Wlo. S. Ajit Singh, Rlo 11. Atam Nacar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th November 1984

Ref. No. LDH|333|83-84.—Whereas I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. Portion of House No. B. XV. 138|2, situated at Miller Gani, G. T. Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at at Ludhiana in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the native has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M's. Vanaik Spinning Mills Pvt. Ltd. House No. B. XV. 138/2, Miller Ganj, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B. 15, 138|2, Miller Gani, G. T. Road, Ludhlana, (The property as mentioned in the sale deed No. 14485 of March, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGING Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Surinder Kaur wo. Sh. Teg Bahadur Singh rlo. 11, Atam Nagar, Ludhiana. (Transferor)

(2) M/s, Vanaik Spinning Mills Pvt. Ltd.
 B. 15-138/2, G. T. Road, Miller Ganj, Ludhjana.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th November 1984

Ref. No. LDH|334|83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Portion of H. No. B. 15. 138|2 situated at Miller Ganj.

G. T. Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

find there fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ludhiana in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than former are consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian fincome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Portion of H. No. B. 15. 138/2, Miller Ganj, G. T. Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 14486 of March, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56 -- 366GJ184

Date: 13-11-1984

Scal :

FORM ITNS

Chaudty Amrik Singh sio Sh. Harbans Singh slo Sh. Jirlok Singh rio Bitga Patti Bhojan Teh. & Distt, Jalandhar.

(2) Sh. Inderiit Singh, Shivjinder Singh sslo Sh. Sukhchain Singh so Sh. Naginder Singh rlo 136-G Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th November 1984

Ref. No. LDH|63|84-85,--Whereas I.

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 1/2 share H. No. B. XXXV/7/86-G situated at Bhai Randhir Singh Nagar Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ar Ludhiana in April 1984

and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 share H. No. B. XXXV|7|86-G, Bhai Randhir Singh Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1019 of April 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 031, the 13th November 1984

Ref. No. C. R. No. 62|439|31|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 51 & 52, situated at Murugeshpalya Village, Hamlet of

Kodihalli, Bangalore South

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1903) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely . -

(1) Shri N. Chandrappa, No. 50, Domlur, Bangalore-7.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmidevi Ramauna, No. 3, IV Cross, India, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme-yable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 8518[84-85 Dated 26-3-84.)
Property bearing No. 51 & 52, situated at Murugeshpalya Village, Hamlet of Kodihalli, Bangalore South.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-11-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th November 1984

Ref. No. C. R. No. 62[43932|84-85[ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the (nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

53 & 54, situated at Murugeshpalaya, Hamlet of Kodihalli Bangalore South

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. on 26-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. N. Krighnappa, No. 50, Domlur, Bangalore-7.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Ramanna, No 3, IV Cross, I Main, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 8519/84-85 Dated 26-3-84.) Property bearing No.53 & 54, situated at Murugeshpalya Hamlet of Kodihalli, Bangalore South.

R. BHARDWA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range, Bangalor

Date; 13-11-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th November 1984

Ref. No. C. R. No. 62/43953/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. JP 59 (49) situated at Jeevan Prakash Layout, III Block East, Jayanagar, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 8-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more -than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaio property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. S. Kalyani, No. 1008, I-N-Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferer -

(2) Shii K. Srinivasan, No. 823, 37th Cross, IV Block, 'T', Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 4419[84-85 Dated 8-3-84). Property bearing No. JP 59 (49), situated at Jeevan Pr kash Layout, III Block East, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-11-1984

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th November 1984

Ref. No. C.R. No. 62[43934]84-85[ACO]B.--Whereas, I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. 659 situated at IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fàcilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act; 1957 (27 of 1957); (1) 1. Smt. Chennuma 2. S. T. Srinivas, 3. S. T. Krishna, 4. S. T. Narayana,

Krishnagiri Tq.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kiran, 49, - Moodalappa Street, Doddamavath, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 4313/84-85, dt. 1-3-1984. Property bearing No. 659, situated at IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-198 Scal 1

FORM NO. I.T.N.S .-

(1) M/3. Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

(2) Mis. Kambros Trading, Panaji, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NANGALORE 560 001

Bangalore, the 13th November 1984

Ref. No. 62|R-1086|37EE|83-84|ACO'B.---Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Shop No. 7 situated at "Sakhaidandi Apaitments" Panaji, Gon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under document No. 914[83-84 on 27-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, become tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. o. the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 914|83-84, dt. 27-3-1984. Shop No. 7 at Sakhardendi Apartments, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-toAcquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isome of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

Date · 13-11-1984

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. S. Y. Karapurkar, St. Inez, Panaji, Goa. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STUDIER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 13th November 1984

 a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. 62|R-1046|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Shop No. 8 situated at Sakhardandi Apartments' Panaji, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under document No. 880|83-84 on 15-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said \ct, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 880|83-84, dt. 15-3-1984. Shop No. 8 at Sakhardandi Apartments, Panaji, Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

R. BHARDWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-11-1984

- (1) 1. Shri Vishwa Narain Singh,
 - Shri Kameshwar Narain Singh,
 Shri Maheshwar Singh.

('Transferor)

(2) 1. Shri Mahendra Kumar Misra. 2. Shri Pavan Kumar Misra.

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

produces and the second control of the secon

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-207 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Land Arazi No. 505 situated at Mohalla-Jaitpura, Jagat-

ganj, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Varanasi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act,; 1922 (11 of 1922) or the same Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

'Land Arazi No. 505 measuring 2862 sq. ft. situated at Mohalla-Jaitpura, Jagatgani, Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 11190) registered in March. 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--57-366GI|84

Date : 12-11-1984 Scal : :

FORM IJNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. B-126 Acq. -Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/. and bearing No.

No. Constructed property situated at Shahzadi Sarai near Chungi, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sambhal, Moradabad in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the tran fer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

(1) J. Krishna Dayal Sarin,

- Gyaneshwar Dayal Sarin,
 Bhuneshwar Dayal Sarin,
- Rajeshwar Dayal Sarin, Through S. D. Sarin, Attorney, Şmt. Chandra Sariu.

(Transfere

(1) L. Bhishm Chand,

- Umesh Chand,
 Mahendra Pal,
- Satish Chand,
 Ahsan Flahi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed property situated at Shahzadi Sarai near Chungi, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2070) registered in March 1984 by the Registering Authority, Sambhal, Moradabad.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknw.

Date: 12-11-1984

 Shri Vinod Kumar Slo Des Raj. Amrik Singh Road, Bathinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Gurinder Pal Singh S[o Ajit Singh, Nursing Home, The Mall, Bathinda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. 2_above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5703.—Whereas, 1,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]—and bearing No.

able property, naving a rair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5307 of March, 1984 of the Registering authority, Bathinda.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5704.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jagdev Raj Spo Des Raj. Attorney of Smt. Bhagwanti, Amrak Singh Road, Bananda.

(Transferor)

(2) Dr. Gurinder Pal Singh Slo Ajit Singh, Nursing Home, The Mall, Bathinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5308 of March, 1984 of the Registerng Authority, Bathinda.

J. L. GIRDIMR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5705.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhadada on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between are parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, sad /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act,: 1922 (11 of) 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subissection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jagdev Raj Slc Dea Rai. Mukhtiare-am of Bimla Devi Do Des Raj, Amrik Singh Road, bathinda.

(Transferor)

(2) Dr. Gurinder Pal Singh So Ajit Singh, Nursing Home, The Mall, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"HXPLANATION :-- The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5309 of March, 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GURDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5706.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule adnexed hereto), have been terreferred under the Breit territon. Act 1908, 116, of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truty stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagdev Raj Slo Des Raj, Mukhtiare-am of Raksha Kumari, Amrik Singh Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Dr. Gurinder Pal Singh Slo Ajit Singh, Nursing Home, The Mall. Bathinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(-1) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- 'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5310 of March, 1984, of the Registering Authorit, Bathinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dite: 17-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5707 Whereas, I,

J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Bhatinda in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandler
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other a set, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdev Raj S|o Des Raj, Amrik Singh Road, Pathonda.

(Transferor)

(2) Dr. Gurinder Pal Singh S[o Ajit Singh, Nursing Home, The Mall, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(1) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed o. 5311 of March 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manually:—

Data : 17-11-1984

Seal 🐦

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ISNPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5708.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authorityunder Section 269B of the Income tax Act./ 1961 (43 5-1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

No. as per schedule cituated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 (of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceanment of any moome or any moneys or other essets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kishori Lal Slo Ram Chand, Kothi No. C-19, M. C. No. 56, Civil Lines, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Lakhwinder Singh Bhuller S|o Sadhu Singh, Kothi 183|15-A, Shant Nagar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 5361 of March, 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5709.—Whereas, I. I L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exacteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

8 nersons, namely :-

พา ---366GI 84

(1) Shri Kishori Lal Slo Ram Chand, Kothi No. C-19, M. C. No. 56, Civil Lines, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Kuldip Kaur Wo Lakhwinder Singh Bhullar, Kothi No. 183 15-A, Shant Nagar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Régistered Sale deed No. 622 of May, 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-11 1984 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1984

Ref. No. A.P. No. 5710.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shei Kishori 1 al Slo Ram Chand, Kothi No. C-19, M. C. No. 56. Civil Line., Bathinda.

("Transferor)

(2) Shrimati Kuldip Kaur W[o Lakhwinder Singh Bhullar, Kothi No. 183]15-A, Shant Nagar, Bathinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 371 of April. 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalendhar

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW

Lucknow the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-150jAcq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Plot of land Khasia No. 131 situated at Haiwat Mau, Mawaiya, Tucknow

(and more fully described in the Schedule annexed herefo) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Dori

(Transferor)

(2) Mjs. Amrapalli Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through its Secretary, Shri D. C. Srivastava.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 131, measuring one bigha, thirteen biswa, three biswansi and nineteen kuchwansi, situated at Haiwat Mau, Mawaiya, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 317) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Date . 12-11-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-151 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land with building Corpn. No. 22|4 situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) 1. Smt. Chandrawati
 - 2. Shri Raj Kumar Misra
 - 3. Shri Shashi Kumar Misra

4. Shri Krishna Lumar Misra

(Transferor)

(2) M/s. Amrapalli Sahkari Goh Nirman Samiti Ltd. Lucknow, Through its Secretary, Shri D. C. Srivastava.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properto may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Land measuring 58765 sq. ft. with building bearing Corporation No. 22/4, situated at 18, Madan Mohan Malviva Marg, Lucknow, regstered in March, 1984 by the Registering Authority, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. (4872).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date : 12-11-1984 Scal.

(1) Shri Ram Prasad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Shri Abdul Malik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, .the 12th November 1984

Ref., No. G.I.R., No. A-152 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. A piece of land bearing No. 513 situated at Bhadora Baroon, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on March. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserve by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 476 sq. mtrs. situated at Mohalla—Bhadora Baroon, Moradabad, bearing No. 513 (as mentioned in 37G Form No. 1928) registered in March; 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
57, Ram Tirth Marg,
2 Lucknow

Date : 12-11-1984

Seal .

(1) Smt. Asmat Jahan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) LShvi Azmat Ali 2. Shri Arshad Ali

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-153 Acq. -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immoable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House No. 114/1 situated at Nayagaon West, P.S. Qaiser-

bagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 30-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 11441, situated at Nayagaon West, P.S. Qaise bagh, Ward-Ganeshganj, Lucknow, with total area of land measuring 3550 sq. ft. registered on 30-3-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Kailashvati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ambica International, Gasdhi Nagar. Moradabad. Through its Pratners S|Shri Ashok Kumar, Vijay Kumar & Anil Kumar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-154 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. House property situated at Gandhi Nagar, Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Receivery Officer at

Moradabad on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesale exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed house property with total land area 167.23 sq mtrs, situated at Gandhi Nagar, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2454) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date: 12-11-1984

Seal:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, -1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (*) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM PINS

(1) Shri Y. Vishwanathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Abdul Wahid Khan2. Shri Mohd. Zaheer Khan Shri Mohd. Zaheer Khan
 Shri Mohd. Jamil Khan

Shri Baboo Khan

Shri Mohd. Asif Khan (Minor) through Guardian, Shri Abdul Majid Khan (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. A-155 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD theing the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. House No. B-12 112 B-3 situated at Mohalla-Gaurigani, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfetce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. B-12|112 B-3 inclusive of land measuring 4274 sq. ft. situated in Mohalla-Gaurigani, Varanasi, registered on March, 1984, by the Authority, Varanasi, (as mentioned in 37G Form No. 9282). Registering

> A. PRASAC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I ucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984.

Scot;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. C. Johary.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdish Kumar Agarwal. 2. Shri Udai Kumar Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.J.R. No. J-72 Acq.-Whereas, J. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House No. 26 9 situated at Wazir Hasan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Lucknow on March, 1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

59-366GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 26|9, situated at Wazir Hasan Road, Lucknow. with land measuring 5512.5 sq. ft. along with covered area measuring 200 sq. ft. (as mentioned in 37G Form No. 14255) registered in March, 1984 by the Registering Authority. Lucknow.

> A. PRASALI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 12-14-1964.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-340|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Plot of land situated at Village-Chhawni, Civil Lines Moradubad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Moradabad on March 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any taxoms arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Uma Kishan
 2. Km. Niharika Alias Nikki
 3. Kishan Khanna
 through their General Attorney, Sahu Hari Kishan (Transferor)
- (2) M/s. Shiv Shakti Sahkari Avas Samiti Ltd., Mandi Bans, Moradabad, through its Secretary Shri Tahir Husain. (Trunsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2000 sq. mtrs. situated in Plot No. 457 of Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2492) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-cax
Acquisition Range
Luckno.

Date: 12-11-1984.

(1) Smt. Som Prabha Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. J-71 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House No. 507|7 situated at No. 2 Prayagpur House, University Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Janta Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Through its Chairman, Shri B. A. Bhatti, situated at Upper Flat of Punjab Cycle and Automobiles, Aminabad, Lucknow,

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 507/7, situated at No. 2 Prayageur House, University Road, Lucknow, with land measuring 46582 sq. ft. (as mentioned in 37G Form No. 3263) registered in March, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 12-11-1984.

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-341 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the competent authority under Section 269D of the Income Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000|- and bearing situated at Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on Morab 1984.

Moradabad on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideratio nand that the confideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Sahu Hari Kishan
- (Transferor) Mis. Shiv Shakti Sahakari Samiti Ltd., Moradabad Through its Scoretary, Shri Tahir Hussin

(Transferee)

(3) Seller & Tenant-D.I.G., P.T.C., Moradabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 105.22 sq. mtrs. situated in plot No. 457 of Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad, with old built up questers with 188 sq. mtrs. of land (as mentioned in 37G Form No. 2494) registered on March, 1984 by the Partitional Authority. Moradabad Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to following persons, namely :---

Pate: 12-11-1984,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

through their General Attorney, S. Hari Kishan. (Transferor) (2) M/s. Shiv Shakti Sahkari Avas Samiti Ltd.,

(1) 1. Shri Manmohan Kishan 2. Master Vinayak Kishan

(2) M/s. Shiv Shakti Sahkari Avas Samiti Ltd., Mandi Bans, Moradabad. through its Secretary Shri Tahir Husain. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-342 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing No. Plot of land situated at Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Moradabad on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2000 sq. mtrs. situated in Plot No. 457 of Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2495) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 12-11-1704.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-343 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. Plot of land situated at Village-Chhawni, Civil Lines,

Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Moradabad on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotlon 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Compagnition of the compag (1) 1. S. Chandra Mohan Kishan Master Ravi Krishna
 Through their General Attorney, Sahu Hari Kishan. (Transferor)
 - (2) M|s. Shiv Shakti Sahkari Avas Samiti Ltd., Mandi Bans, Moradabad, through its Secretary Shri Tahir Husain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2000 sq. mtrs. situated in Plot No. 457 of Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2493) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 12-11-1984.

Scal:

the Contract of the Contract o

FORM ITNS --

(1) Shri Sahu Maharaj Kishan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-344/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot of land situated at Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the fair transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M|s. Shiv Shakti Sehkari Avas Samiti Itd., Mandi Bans. Moradabad, through its Secretary Shri Tahir Hussain (Transferee)
- (3) Seller & Tenant-D.I.G., PTC, Moradabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1239.87 sq. mtrs situated in Plot No. 457 of Village-Chhawni, Civil Lines, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 2491) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Tucknow

Date: 12-11-1984.

(1) Dr. Madhu Sudan Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Smt. Savita Rani Agarwal
(Transferce)
Through Attorney, Mr. Piem Chand Agarwal.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW (a) by any of the aforesaid perions within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 12th November 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. S-345 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter.

and bearing
No. Plot of land No. 3, situated at 10, Havelock Road
Sarojini Naidu Marg), Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said in

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land No. 3. Shankar Housing Cooperative Society, measuring 6198 sq. ft. situated at 10, Havelock Road (Sarojini Naidu Marg), P.S. Husningani, Lucknow, registered on 26-3-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ——

Date: 12-11-1984.

Scal:

(1) Shri Abdul Rashid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sharif Ahmad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. S-346 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD: being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House property situated at 14, Barood Khana, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60--366GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within α period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 14, Barood Khana, Lucknow, with land measuring 2120 sq. ft. (as mentioned in 37G Form No. 15266) registered on March, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknos

Date: 12-11-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1984

G.I.R. No. U-38|Acq.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 22|4 situated at 18, Madan Mohan Malviya

Marg, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

Lucknow on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Chandrawati Misra
 - Shri Raj Kumar Misra
 Shri Shashi Kumar Misra
 - 4. Shri Krishna Kumar Misra.

(Transferee)

(2) Smt. Urmila Jain.

(3) Vendee.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22|4 with land measuring 3485 sq. ft. situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, 1 ucknow now covered area measuring 200 sq. ft. (as mentioned in 37G Form No. 14871) registered in March, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 12-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|7EE|3-84|650.-Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No UB-5, at 22-Barakhamba Road, New Delhi stitusted at New Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the oquaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Skipper Sales (P) Itd., Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) S. Gurcharan Singh, IE|13, Jhandewalan, New Delhi-55.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-5 at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Area 1100 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, New Delhi

Date: 12-11-1984

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

 S. Gurcharan Singh, IE[13, Jhandewalan, New Delhi-55.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NEW DELJII

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|651.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G-10, at 22. Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaling the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-10 at 22] Barakhamba Road, New Delhi-55. Area 760 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Nain Pal Sawhney, C-227, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi findal, & Mr. Rishy Jindal, R|o A-22, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transforce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. **NEW DELIII**

New Dethi', the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|658.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Δ ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Δ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
G-6-W-122, Greater Kailash-H,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair thatket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

G-6-W-122, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 1000 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC Acq.1|37EE|3-84|678.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 108-A, at 22, Barakhamba Road

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Skipper Sales (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Cdr. Narindra Pratap Singh (Retd), Mrs. Surjit Kaur, Master Mandeep Singh, J-215, Saket, New Delbi-110017,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice of notice of no pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108-A at 22, Barakhamba Road, New Delhi-1, Area 500 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

Scal :

Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawau,
 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi Kohli, Wo Sh. Kailash Chander Kohli, C-226, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I.37EE|3-84|680.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing 102, at 22-Barakhamba Road

situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102 at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Area 550 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC/Acq.I|37EE|3-84|681.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 106, at 2-2Barakhamba Road

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer

at IAC Acq. Range-1, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenthe parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Oriole Exports (P) Ltd., 75-F, Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Area 750 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Dote: 12-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Skipper Sales (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001

(Transferee)

(2) Mrs. Rajinder Kaur, Wo Late Sh. Avtar Singh, B-535, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IACIAcq.I|37EE|3-84|682.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. U. G. F. 22, Barakhamba Road

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer

at IAC Acq. Range-I, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerous are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning -- given in that Chapter.

- (a) facilitating the requesion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, unrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

61-366GI[84

THE SCHEDULE

Flat No. On Upper Ground Floor, at 22. Barakhamba Rd. New Delhi, Aren 500 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|3-84|683.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

104, 22, Barakhamba Road

situated at New Delhi

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer

at IAC|Acq. Range-I, on March 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Skipper Sales (P) Limited,
 Barakhamba Road,
 New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M|s. Niryat (P) Ltd., 75-E, Himalya House, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 22. Barakhamba Road, New Delhi. Area 550 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|3-84|735.--Whercas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. H. No. 387, Sant Nagar, situated at New Delhi

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the registering Officer at IAC|Acq. Rungo-I, on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: कर्त /बर
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tara Chand, Rlo B-97, Majlis Park, Gali No. 1, Azad pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Leela Selvaraj, House No. 387, Sant Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said procesty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 387, Sant Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds, with double storey building.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Ms. Saraswati Builders G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. I. D. Batra S|o Sh. P. N. Batra R|o 257, Transport Nagar, Kanpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1801.—Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing E-337, 3rd floor, G. K-II,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofner person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd floor Flat part of property No. E-337, Greater Kailash-II, New Dolhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 14-11-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|3-84|1805.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

M-53, Greater Kailash, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of tue liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Ms. Saberwal Construction Co., New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Dutt Woo Late P. K. Dutta, Roo A-27, Press Enclave, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 'C' on 2nd floor, part or property No. M-53 measuring 900 sq ft. Greater Kallash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 14-11-1984

Smt. Bimla Vati,
 Wło Sh. V. P. Talwar,
 R/o N-10, South Extn. Part-I.
 New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bhagwan Dass, S|o Sh. Radha Mal, R|o 4|21, Nehru Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1823,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

M-29, Greater Kailash-I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-29, Greater Kailash-I, Market New Delhi, measuring 195 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Bhagwan Dass Sh. Radha Mal, Rho 4|21, Nehru Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harjit Singh Kakkar Slor Sh. Piara Singh, Rlo E-109, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1825.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. M-29, Greater Kailash-I,

M-29, Greater Kailash-I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perso 47, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A portion consisting of one Shop No. 6, measuring 333 sq. ft. on GF, with land underneath Mezanine floor and the entire FF with open terrace alongwith the entire space above the FF part property No. M-29, Greater Kailash-I, Market, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1984

FORM ITNS----

(1) Sh. Gobind Ram Slo Sh. Karam Chand Rlo House No. 1132, Farash Khanna. Gali Samosan, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

B-IV 146, Daya Nand Colony, Lappat Ngr.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fateen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Kiran Madan and Sh. Surinder Kumar Madan, Rio B-IV|146, (C. T.) Dayanand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built property No. B-IV-146, Cheap tenement, Dayanand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-1984

Scal:

I-ORM ITNS----

(1) M/s. Saraswati Builder Phase-II, G-1|16, Darya Ganj, New Delhi. through its partner Satish Seth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

, and and a to a to a to a long a long and a

GOVERNMENT OF INDIA

(2) H. L. Sekhri as katra of H. L. Sekhri, HUF So M. L. Sekhri Ro 217, DDA Flats, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1842.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

E-607, Greater Kailash-II,

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of in transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on 2nd floor of property No. E-607, Greater Kailash-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Date : 14-11-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

62---366GT|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|3-84|1871.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No H-1/19, Lajpat Nagar

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fait

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the 'ollowing persons, namely :-

(1) Sh. Gopi Chand Malik Slo Sh. Lorinda Ram H-I/18, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudarshan Kumar Lamba Slo Sh. Bhagwan Dus H-1|19, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in theh

THE SCHEDULE

H-I/19, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, New Delhi

Date: 14-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE iNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-J|SR-III|3-84]1876.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

Agriculture Land, Vill. Gadaipur situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at New Delhi in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Baiger Singh
slo. Shri Ram Singh
for self and general attorney of
Shri Kulvant Singh
slo. Shri Jagat Singh,
M-168, Gerater Kailash-II,
New Delhi.

fi (Transferor)

(2) P. R. Sarkar Education & Development Trust New Delhi, through its trustee Sri Mangal Behari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laser;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 9 bighas and 12 biswas, khasra No. 590(4-16(, 610(4-16), village farm house Gadaipur New Delhi.

Area 9 Bighas and 12 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi| New Delhi

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-I|SR-III|3-84|1911.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. C-IV|196, C.T. Dayanand Colony, L. N. situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ket, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal, Rlo. A-89, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Walaya Ram Dang, r|o_C-IV|196, Daya Nand Colony, Laipat Nagar, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-IV|196, C.T. Dayanand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

Area 100 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Delhi

Date: 14-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1984

Ref. No. IAC|Acq.-I|SR-III|3-84|1806,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. F-105. East of Kailash situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Krishna Kant, s|o. Late Shri Madhoo Ram, r|o. G-1|75, Lajpat Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Subhash Sharma wlo, Dr. N. D. Sharma and Dr. N. D. Sharma Slo, Dr. G. P. Sharma, rlo. 213, Rouse Avenue, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ichever period supires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 105, Block 'F' East of Kailash, New Delhi, measuring 400 sq. yds...

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Delhi

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|444|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 20, Ground floor of the Bldg. Dattani Nagar Bldg. No. 1, on Plot bearing CIS No. 60 & 61 of Mauje Magathane at S. V. Road Borivli (W), Bombay-02 situated at Borivli (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undersection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Dattani Constructions and M|s. Dattani Associates.

(Transferor)

(2) Mis. Jayshree Sunil Shrotf.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20. Ground floor of the Bldg. Dattani Nagar Bldg. No. 1, Plot bearing CTS No. 60 & 61 of Mauje Magathane at S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|444|83-84, dt. 9-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) Mrs. Chanchalben P. Mepani.

(Transferor)

(2) Mr. Devendra Pal Nagpal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) The Transferee.

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref No. AR-IV]37 EE[77]83-84. --Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Flat No. 604 on 6th floor in the Bldg. A of 'Chandra Apart-

ments'. S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor in the Blad. A of 'Chandra Apartments', S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide sorial No. AR-IV|37-EE|77|83-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV]37-EE]608[83-84.—Whereas, f, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 10, 2nd floor, in Bldg. A of Borivli Satya Sheel Coop. Hsg. Society Ltd., Off Eksar Village Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely;—

(1) Mr Rayindra Dattatraya Kharote.

(Transferor)

(2) Mr. Mukund Balkrishna Nibandhe.

(Transferee)

(3) Mr. M. B. Nibandhe & his Family.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, in Bldg. A of Borivli Satya Sheel Co-op. Housing Society Ltd., Off Eksar Village Road, Borivli (West). Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|608|83-84, dt. 16-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-11-1984

Scal

(1) Mr. Philip J. Fernandes.

(Transferor)

(2) Mr. Alex A. Cordeiro and Mrs. Margaret A. Cordeiro.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37-EE]999]83-84,—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 262B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 8, Plot No. 13, I.C. Colony Borivli (West) Bombay 103 situated at Borivli (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 63-366 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, L. C. Colony, Flat No. 8, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|999|83-84, dt. 29-3-1984

A. PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal. Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Dipak H. Sanghvi,

(Transferor)

(2) Tulshidas Jamanadas Samani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|1006|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. C-301, 3rd floor, Bldg. 'Raj-Kishore', C.T.S. No. 1065, Meurin Street, M. G. Rond, Kandivli (West), Bombay-67 situated at Kandivli (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-301 3rd floor, "Raj-Kishore" Bldg., C.T.S. No. 1065, Kandivli Village, Meurin Street, M. G. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|1006|83-84 dt 29-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjanben Kantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|788|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 3, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Housing Soc. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101 situated at Kandivli (East).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saio. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|788|83-84,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|465|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

and bearing No. Flat No. 4, Ground floor, Hum-Sub Co-op. Hsg. Society Ltd., 72-D, Shankar Lane, Kandiwali (West), Bombay-67 situated at Kandiwali (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Imcome tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consulteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; had/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Mrs. Urmila V. Dave.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar Dhirajlal Vora,

(3) Transferee.

(Transferce)

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. Ground floor, Hum-Sub Co-op. Hsg. Society Ltd., 72-D, Shankar Lane, Kandivali (West), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|465|83-84, fl

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

50p + 124144984

FORM TENS

(1) M/s. Pragati Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Gopinath Ramchandra Baraskar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|726|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Sr. No. 132|5, of Eksar Village, Borivli (West), Bombay-92

situated at Borivli (West).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 1 that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|726|83-84, dt. 19-3-1984. In respect of Sr. No. 132|5, of Eksar Village, Borivli (West), Bombay-92.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s, Atul Builders.

(Transferor)

(2) Shri Rashmika Narendra Masalia and Narendra Balachand Masalia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|33|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 302, on 3rd floor, Express Tower, I., T Road, Borivli (West, Bombay-92 situated at Borivli (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-3-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|33|83-84, dt. 3-3-1984 in respect of Flat No. 302, on 3rd floor, Express Tower, L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|280|83-84.--Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Flat No. 15, 3rd floor, Bank of Baroda Employee's Shabh-Nandanvan Co-op. Hsg. Society Ltd., at Plot No. 14, Odhav Nagar, Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Karunashankar Amritlal Mehta.
- (2) Mr. Madhalas Bandasas Calassi

(Transferor)

(2) Mr. Madhukar Pandurang Golamade.

(Transferee)

(2) Transferor.

(Person in occupation of the property

(4) Bank of Baroda.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Bank of Baroda Employees Shubh-Nandanvan Co-op, Hsg. Society Ltd., Plot No. 14, Odhav Nagar, Barivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|280|83-84, dt. 8-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shashiprabha S. Agarwal and Shri Subhash S. Agarwal.

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Laxmidas Lakhani and Shri Laxmidas Nanji Lakhani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|819|83-84.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 306, 3rd floor, Plot No. B-43, Yogi Ashish Co-op. Housing Society Ltd., (Prop.), Eksar Road, Borivli (West). Bombay-92 situated at Borivli (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 23-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Plot No. B-43, Yogi Ashish Cooperative Housing Society Ltd. (Prop.), Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No, AR-IV 37-EE 819 83-84 dated 23-3-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-11-1984

(1) Mr. Damaciano Fernandes.

(Transferor)

(2) Mrs. Vidya Braganza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|44|83-84.—Whereas, J. Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/.

and bearing Flat No. 7, 1st floor, Gokul Dham No. 1, S. V. Road, Near Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli

(West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undesection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-3-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acr. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

64--366 GI|84

(Person in occupation of the property)

(3) Transferce and her family Members.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor Gokul Dham No 1, S.V. Road, Near Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV'375E;44'83-84, dated 3-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authori-Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M|s. Roshan Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dolatraj K. Desai and Shri Jatin Kumar D. Desai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|465|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 68, Borivli (East), Bofbay-66 situated at Borivli (E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Roshan Apartment, 4th Carter Road, Plot No. 68, Borivli (East), Bombay-66.

-The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|465|83-84, dated 16-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons memoly:—

Date: 12-11-1984

(1) Ms. Toshee Builders.

(Transfeorr)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE[4187|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Rs. 25,000 - and bearing No.
Flat No. 303, 3rd floor, Vrishabh Villa, Rokadia Cross Lane,
S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli
(West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the __id Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Mrs. Pushpaben Vipin Pandya & Others.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Vrishabh Villa, Rokadia Cross Lane, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4187|83-84, dated 5-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombav

Date: 12-11-1984

(1) Mis. Toshi Builders.

(Transferor)

(2) M_is. Toshi Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ΛR-IV|37EE|4194|83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. 403, 4th floor, Vrishabh Villa, Rokadia Cross Lane, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under School 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Cempetent Authority at Borrbay on 5-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marke are of the aforesaid poperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underagned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, without 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Vrishabh Villa, Rokarla Cross Lane, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4194|83-84, dated 5-3-1984.

A. PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Deepak Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Malayattil Achuthan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|685|83-84,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 1, Prembhanti Apartment, Plot No. Colony Road No. 4, Borivli (West), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) factificating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Prembhanu Apartment, Plot No. 19-B, I. C. Colony Road No. 4 Sorivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|685|83-84.

dated 16-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-11-1984

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref No. AR-IV 37-EE 4156 83-84. Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 7-A, 'Mayank', Plot No. 13 & 14, Holly Cross Road, Borivli (West), Bombay-400 103 situated at Borivli (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Mls. Deepak Constructions.

(Transferor)

(2) 1. Shri Uday B, Wavikar,

2. Smt. Kusum B. Wavikar, and 3. Shri Shekhar B. Wavikar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dkys from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-A, 'Mayank', Plot No. 13 & 14, Holly. Road, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV 37EE|4156|83-84, dated 3-3-1984.

> Competent Autl Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M/s. Deepak Construction.

(Transfeerce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. & Mrs. Remedios Franciss Leyton

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfeeree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|686|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property havng a fair market value exceeding

Ra. 25,000 and bearing No. Flat No. 7, B-Wing, 2nd floor, "Mayank" Plot No. 13 & 14, Holly Cross Road, I. C. Colony Borivii (W), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, B-Wing, 2nd floor, "Mayank", Plot No. 13 & 14, Holly Cross Road, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|686|83-84, dated 16-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

(1) M|s. Mhatre Brothers.

(Transferor)

(2) Shri Joseph J. D'Souza.

(1 ransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]87]83-84.--Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000 and bearing

Flat No. 301, 3rd floor, Matru Kripa, Eksar Road, Fksar Village, Borivli, Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-3-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereign as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Matru Kripa, Eksar Road, Eksar Village, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Comperent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|87|83-84, duted 2-3-1984.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

FURM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|58|83-84,-Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 002, Matru Kripa, S. No. 96, H. No. 1A, C.T.S.
No. 2262 Eksar Village, Borivli, Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-65-366 GI 84

(1) Mls. Mhatre Brothers.

(Transferor)

(2) Shri Sharadchandra Parshuram Shenolikor and Vidya Sharadchandra Shenolikar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fr the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 002, Matru Kripa, S. No. 96, H. No. 1A, C.T.S. No. 2262 Eksar Village, Borivli, Bombay-92

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|581|83-84, dated 16-3-1984,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M/s. Mhatre Brothers.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Narayan Madhay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|86|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 001, Ground floor, Eksar Village, Eksar Road, Borivli, Bombay-92 situated at Botivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Ground floor, Eksar Village, Eksar Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|86|83-84, dated 2-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

teal.

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|48|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

Flat No. 34, 3rd floor, Sawant Sadan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., A-6|11, Jeevan Bima Nagar, Borivli (West). Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Sundaram.

(Transferor)

(2) Shri M. B. Noronha.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, Sawant Sadan Co-operative Hsg. Society Ltd., A-6 11, Jcevan Bima Nagar, Borivii (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|48|83-84, dtaed 3-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-11-1984

- (1) M|s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.
- (2) Neena T. Kothari.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Re. Nfo. AR-IV|37EE|695|83-84.-Whereas. J.

A. PRASAD, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shop No. 5 on the Ground floor in Bldg. No. A-28 in the Rattan Nagar' Scheme at Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-3-1984 fc- an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Bldg. No. A-28, "Rattan Nagar", Scheme at Borivli (East), Bombay-6.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vdie serial No. AR-JV 37EE 695 83-84. dated 19-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|103|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 506, 5th floor, Jayesh Apartment, Chandaverkar Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by: the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Art to the following persons, namely

(1) Shri Sharad J. Sawant holder of Power of Attorney from Smt. Savitri J. Sawant.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Valuben Maganbhai Dhorda, 2. Shri Kantilal Maganbhai Dhorda, and

3. Shri Bharat Maganbhai Dhorda,

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

.THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|103|83-84, dated 3-3-1984 in respect of Flat No. 506, 5th floor, Jayesh Apartment, Chandaverkar Road, Borivli (West), Bombay-92.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indravadan Venilai Bhagat.

(1) Raghuvanshi Developers.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4162|83-84.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 503, "Rughani Park", Mayur Bldg., 5th floor, Shipoli Road, Opp. Gokhale College, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office the Competent Authority

at Bombay on 15-3-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4162|83-84. dated 15-3-1984 in respect of Flat No. 503, "Rughanl Park", Mayur Bldg., 5th floor Shipoli Road, Opp. Kokhale College, Borivali (West), Bombay-92.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

(1) Ms. Jay Rai Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Sathar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/535/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 6, Ground floor, "Jay-Shree Apartments", Jay-Rai Nagar, Vazira Naka, Borivli (West). Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|535|83-84, dated 12-3-1984 in respect of Shop No. 6, Ground floor, "Jay-Shree Apartments", Jay-Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (West), Bómbay-92.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 12-11-1984

(1) Shri Yashin Kamruddin Khan.

(Transfeorr)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Mangal Biuldeer.

(Trausferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37EE|1919|83-84,---Whereas, I

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No.

At Village Eksar, Taluka Borivli, Bearing Survey No. 225.

Hissa No. 5 A, City Survey No. 2213 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|1919|83-84, dated 23-4-1984 in respect of At Village Eksar, Teluka Borivli. Bearing Survey No. 225, Hissa No. 5 A, City Survey No. 2215

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narotam Damii Patni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|726|83-84.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 1301, "Kasturbaug", Plot No. 24, BI, T.P.S.I.,

Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registeerd under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-3-1984

- 2 - 1212-121

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives. in that Chapter.

THE SCHEDULF

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|726|83-84, dated 19-3-1984 in respect of Flat No. 1301, "Kasturbaug". Plot No. 24, B 1, T.P.S.L. Boriyli (West). Bombay-92.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 12-11-1984

66-366GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

arough a or along the out III dear \

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

kef. No. ARIV|37-EE|258|83-84.—Whereas, I, A, PRASAD.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 405, "Kusturbaug", Plot No. 24, B|1 T.P.S.L.

Borivli (West), Bombay-92.

atuated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 5-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Hariom Santokram Bhatt, & Mrs. Triveni Hariom Bhatt,

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agrement has been registered with the Competent Bombay vide serial No. ARIV 37-EE 258 83-84 dt. 5-3-1984 in respect of.

Hlat No. 405, "Kasturbaug", Plot No. 24, B|1, T.P.S.L. Borivli West), Bombay-92,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V Bombay

Date : 12-11-1984

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khimjibhai Nanjibhai Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|728[83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. No. 25,00]- and bearing

No. Flat No. 1006, 'Kasturbaug', Plot No. 24 B/1 f.P.S.I., Borivli (West), Bombay-92.

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 19-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agrement has been registered with the Competent Autherity. Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|728|83-84 dt. 19-3-1984 in restect of Flat No. 1006, 'Kasturbaug', Plot No. 24 B|1 T.P.S.I.,

Borivli (West), Bombay-92.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

(Person whom be undersgned Know to be interested in the property)

FORM ITNS-

(1) Shri K. S. Sundaresan

(4) Mo. Gautam Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharadkumar Shantilal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|209|83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 503, 5th floor, the Bldg. known as 'Vaibhav', Zambly Gully, Borivli, Bombay-96. situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Вольау ол 6-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Tollowing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR-IV|37-EE|209|83-84 dated 6-3-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Star Construction Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Meghjibhai M. Shah & Chandrakant P. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-ΕΕ|594|83-84.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 9, Blue Star Crystal Co-operative Housing Socity Ltd., Sodawala Lane, Borivli (West), Bombay-92. situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at

of the Registering officer at Bombay on 16-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date, of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|594|83-84 dt. 16-3-1984 in respect of

Shop No. Blue Star Crystal Co-operative Housing Society Ltd.

A. PRASAD
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-11-1984

FORM ITNS

(1) Shri Mahesh V. Sagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hareshkumar D. Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|462|83-84.-Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. Shop No. 19, B-Building, Patel Shopping Centre, Borivli (West), Bombay-92.

situated at Borivli (W)

1908) in the Office of the Registering Officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|462|83-84 dated 9-3-1984 in respect of Shop No. 19, B-Building, Patel Shopping Centre, Borivli (West, Bombay-92.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-11-1984

Seal +

(1) Mr. Himatlal H. Boriya

- .- ----(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shah Ratilal Laxmichand (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE-JV BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th Novembar 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Ref. No. AR-IV|37EE|293|83-84.Whereas, I. A. PRASAD.

cation of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing No. Shop No. 7, Bldg. No. A|7, Yoginagar, Plot No. 7, Hissa No. 8,9, 10, and 11, S. No. 56, Borivli (West), Bombay-92.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforereaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|293|83-84 dated 8-3-1984, in respect of

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

A. PRASA Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

PORM ITNS ----

(1) Wilson John Master

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdish Harilal Parekh, & Usha Jagdish Parckh

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

> BOMBAY Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|959|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. Flat No. 405, 4th floor, Samarpan, B-Wing. Rayani
Gram-8, Simpoli Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Rombay on 27-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 405, 4th floor, Samarpan, B-Wing, Rayani Gram-8, Simpoli Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|959|83-84 dated 27-3-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

(1) Ms. Samraat Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Mrs. Cecilia Fernandes

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BONBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|385|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, 'Narmada' Bldg., I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-103. situated at Borivli (W)

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---67---366GI|84

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|385|83-84 dt. 9-3-1984 in respect of Flat No. 201, 2nd floor, 'Narmada' Bldg, I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivii (West), Bombay-103.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

FORM IT'NS----

(1) Mis. Param Anand Builders Pvt Itd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puthur Narayan Nair

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice at ... in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Bombay, the 12th Novembar 1984

(b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. ARIV|37-FE|397|83-84:-Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 19, 4th floor in A-11 Bldg., 'Rattan Nagar' Scheme, Borivli (East), Bombay situated at Borivli (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto),

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-3-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV[37-EE]397[83-84 dt. 9-3-1984 in respect of Flat No. 19, 4th floor in A-11 Bldg., 'Rattan Nagar' Scheme, Borivli (East), Bombay,

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

A. PRASAD

Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269F of the said Act, to the follow ing per ins, namely :---

Date: 12-11-1984 Seul:

FORM ITNS----

(1) Ms. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. Vilasini.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|696|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 17 on the 1st floor in the Bldg. No. A-13 in

No. Flat No. 17 on the 1st floor in the Bldg. No. A-15 in 'Rattan Nagar' Scheme at Borivli (East), Bombay-66. situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competnt Authority, Bombay on 19-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|696|83-84 dt. 19-3-1984 in respect of Flat No. 17, 1st floor in the Bldg., A-13 in 'Rattan Nagar' Scheme at Borivli (East), Bombay-66.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM LT.N.S.---

(1) M|s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sudarshan M. Seth & Shanta J. Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE_56|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 39, 4th floor, A-11 Bldg., 'Rattan Nagar' Scheme Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|56|83-84 dt. 3-3-1984 in respect of Flat No. 39, 4th floor in A-11Bldg., 'Rattan Nagar'

Scheme at Borivli (East), Bombay-66.

A. PRASAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sky-Build Pyt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijaykumar Sujanmal Kotadia, & Mr. Sujanmal Pannalal Kotadia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1V BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|255A|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 303, "Kasturbaug", Plot No. 24, B|1, T.P.S.I., Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bembay on 5-3-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; md/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone momenture --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|255A|83-84 dt. 5-3-1984 in respect of Flat No. 303, 'Karturbaug, Plot No. 24, B|1, T.P.S.I. Borivli (West), Bombay-92.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Sky Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Pushpa Chhotalal Shah & Others
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th Novembar 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV|37-EE|255|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 705, "Kasturbaug", Plot No. 24, B 1 T.P.S.I., Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 5-3-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|255|83-84 dt. 5-3-1984 in respect of Flat No. 705, "Karturbaug", Plot No. 24, B|1 T.P.S.I. Borivli (West), Bombay-92.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notion under subsection (1) of Section 269D of the 1946 Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) Mls. Samraat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ronald Joseph Lobo

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th Novembar 1984

Ref. No. ARIV|37-EE[906|83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 204, 2nd floor, 'Narmada' Bldg., I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivli (West), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 29-3-1984.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2590 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|906|83-84 dt. 19-3-1984 in respect of Flat No. 204, 2nd floor, 'Narmada' Bldg., I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-103.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mr. Kesari Haridas Mali, HUF & Others.

(Transferor)

(2) M|s. Dattani Constructions

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|213|83-84.--Whereas f, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. All that piece or parcel of Land or ground with measures, tenements or dweling houses, Village Shimpoli, Tal. Bod'vli, Bombay-400 092 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV 37-EE 213 83-84 dt. 5-3-84 in respect of All that piece or parcel of land or ground with messuages, tenements or dweling houses, Village Shimpoli, Tal. Borivli, Bombay-400 092.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) Mis Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mr. Chamralal Himatmal Jam.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|730|83-84.—Whereas 1, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
No. Flat No. 206, "Kasturbaug" Plot No. 24, B 1
T. P. S. I., Borivli (West), Bombay-92.
situated at Borivli (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV37-EE1728[83-84 dt. 19-3-84 in respect of Flat No. 206, "Kasturbaug", Plot No. 24, B1, T. P. S. I., Borivli (West), Bombay-92.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell-wing persons, namely :-68-366GI[84

Date: 12-11-1984

(1) M/s Sky-Build Pyt, Ltd.

(Transferor)

Mr. Kampbhat Jaibhai Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|254|83-84.—Wherens I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "aid Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and healths No.

and bearing No.
No. Flat No. 101, "Kasturbaug", Plot No. 24, B1, T. P. S. J. Borivli (West) Bombay-92, situated at

Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Rombay on 5-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|254|83-84 dt. 5-3-84 in respect of Flat No. 101, "Kasturbaug", Plot No. 24, B¹1, T. P. S. I., Borivli (West), Bombay-92.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-11-1984

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE;IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV]37EE[83]83-84.—Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. E 17, 4th floor, Saibaba Dham, Off. S. V. Rado, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (West) (and more, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agrireement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1984, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the resties has not been truly stated in the said distriment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Ms. Arun International.

(Transferor)

(2) Mis.Santland Enterprises Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) M|s.Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E[17, 4th floor, Saibaba Dham Off. S. V. Road, Borivlli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|83|83-84 dated 2-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV

BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|41|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. E/19, 4th floor, Saibuba Dham, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tay Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Me. Arun International

(Tranferor)

- (2) Mis. Santland Enterprises Pvt. Ltd.
- (3) Mis. Sellers

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of thin notice in the Official Gazette or a period of 34 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No E[19, 4th floor, Saibaba Dham, Oif. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|41|83-84 dated 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Me. Arun International

(Trasferor)

(2) M/s. Bhandari Brothers

(3) M/s. Sellers

(Transferce) (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ret. No. AR-IV₁37-EE₁43|83-84.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 19, '5' Wing, 4th floor, Saíbaba Dham, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (W)

Borivli (W)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Rombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 'F' Wing, 4th floor, Sarbaba Dham, Off. S. V. Road, Borivli West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV]37-EE|43|83-84 dated 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Arun International

(Trasferor)

(2) Ms. Santland Enterprises Pvt. Ltd.(3) Ms. Sellers

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37-FF]49[83-84.-- Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'haid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. E|18, 4th floor Saibaba Dhain, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agfiredment is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E|18, 4th floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-EE|49|83-84 dated 1-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the set, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

(1) Sky-Build Pvt. Ltd

(Trasferor)

(2) Mr. Harjibhai Meghjibhai Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|370|83-84.-Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. 103, "Kasturbaug", Plot No. 24, B 1.

T. P. S. I., Borivli (West), Bombay-92, situated at Borlvli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 9-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respector of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|370|83-84 dt. 9-3-84 in respect of Flat No. 105. "Kasturbaug", Plot No. 24, B|1., T. P. S. I., Borivli (West). Bombay-92.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely "

Date: 12-11-1984

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh Damji Jakhin

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

ARIV|37-EE|729|83-84.Whereas I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 3102, "Kasturbaug", Plot No. 24, B1, T. P. S. L. Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agrirement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 19-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreemen has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV 37-EE 729 83-84 d.t 19-3-84 in respect of Flat No. 1302 "Kasturbaug", Plot No. 24, B 1, T. P. S. I., Borivli (West), Bombay-92.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following percons namely ;--

Date: 12-11-1984

FORM ITNS (

(1) M|s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Nandakumar Dase Deshpande

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37-EE]455[83,-84,---Whereas], A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 7, 1st floor, Bldg. No. A-28, 'Rattan Nagar' Scheme, Borivli (East) Bombay-66 situated at Borivli (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agfireement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1984, in the office of the Competent Authority Bombay on 9-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—366 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor in the Bldg. No. A-28, 'Rattan Nagar'. Scheme, Borivli (East), Bombay-66.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|455|83-84 dated 9-3-84 in respect of.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Mls. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Kasturchand Chanalal Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|837|83-84.--Whereas 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 3, Ground floor, Building B-6, Rattan Nagar, Borivali (East), Bombay-66 situated at Borivli (F) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred and the agfireement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1984, in the office of the Competent Authority

Bombay on 5-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Building B-66, S. No. 222, H. No. 1 to 5, S. No. 228, H. No. 3 and S. No. 229, H. No. 3 & 5, C. T. S. Nos. 1860, 1862, 1863, 1865, 1866, 1869 and 1870 Rattan Nagar, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|837|83-84 dated 5.3 8.4

dated 5-3-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M|s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M|s. Prasanna Balakrishnan, & Mr. V. Balakrishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV;37-EE|127|83-84.—Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Flat No. 13, 4th floor of the Bldg. No. A-13, 'Rattan Nagar' Scheme at Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (East)

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 3-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV 37-EE 127 83-84 dt. 3-3-84 in respect of Flat No. 13, 4th floor of the Bldg. No. A-13 in the 'Rattan Nagar', Scheme at Borivli (East), Bombay-66.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Samraat Builders.

(Transferor)

(2) Salvador J. D'silva

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|987|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 202, 2nd floor, Narmada Bldg., I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivli (West), Bombay

situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 30-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, 'Narmada' Bldg. I.C. Colony, X Road No. 5, Eksar Village, Borivli (West), Bombay.

*The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV]37-EE[987]83-84 dated 30-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Jay Raj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shanti Kumar L. Yadav, and Subaschandra L. Yadav, and Krishnakant L. Yadav.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|861|83-84.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 4, Jayesh Apartments, Pay Raj Nagar, Borivli (W) situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4. Jayesh Apartments, Jay Raj Nagar, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|27-EE|861|83-84 dated 24-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-11-1984

(1) Jay Pali Builders

(2) Shri Purshotam C. Kunder

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bombay the 12th November 1984

Rof. No. AR-IV|37-EE|859|83-84,-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconnectar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 4. in "Atmadam Apartments" at Pay-Pali Hill Near Shanli Ashram Borivli (West) Bombay-92

situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

transfer with the object of :-

and the agreement registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 24-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer: and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, in "Atmaram Apartments", at Jay-Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|859|83-84 dated 24-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Date: 12-11-1984

(1) Ms Jay Pali Builders

(Transferor)

(2) Shri Rennie Lobo

(Transferee!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|517|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 3. 'Dwarka Apartments' at Jay Pali Hill, Borivli (West), Bombay-92

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 12-3-1984

for an apparen teonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) acilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, in "Dwarka Apartments" at Jay-Pali Mill, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR-1V[37-EF]517[83-84 dated 12-3-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) Jay Pali Builders

(Transferor)

(2) Shri Henry DsSouza It. Mrs. Helda D'souza

(Transfer.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|536|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 324, 3rd floor in "Govind Apartments", at Jay-Pali Mill Near Shanti Ashram Borivli (W), Bombay-92

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market valu eof the aforesaid proptrty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period \mathcal{A}^k 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 324, 3rd floor, in "Govind Apartments", at Jay-Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|536|83-84 dated 12-3-1984

> A. PRASADO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accusing property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-11-1984

(1) Jay Pali Builders

(Transferor)

2) Mrs. Marciana Mendonca

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-FE|862|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shop No. 2 Ground floor in "Dwarka Apariments" at Jai-Pali

Hill Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 24-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, for the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

70-366GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Shop No. 2. Ground floor in "Dwarka Apartments", at Jay-Peli Hill, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR-5V|37-EE|862|83-84 dated 24-3-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) M/s Arun International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s Bhandari Brothers

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|44|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Flat No. C|14 4th floor Saibaba Dham Off: S. V. Road Borlvli (West) Bombay-92

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 12-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|14 4th floor, Saibaba Dham, Off :C.V. Road Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Coopetent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV 37-EE 44 83-84 dated 1-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

FORM IINS ---

(1) Chitalia Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh Narottam Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|47|83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 301, Patkeshwar Apartment, Plot No. 244 of T.P.S.

III, Eksar, Borivli (West) situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competant Authority,

Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Mansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|47|83-84 dt. 3-3-84 in respect of Flat No. 301, Patkeswar Apartment, Plot No. 244 of T.P.S.

III, Eksar Borivli (West).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-11-1984

(1) M/s B. R. Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chanda G. Mukhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|821|83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 2 Ground floor, Silerine I.C. Colony, CTS No. 1128 S. No. 110 (Part), Plot No. 14 Village Eksar, Borivli (West)

Bombay

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 23-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, CTS No. 1128, S. No. 110 (Part), Plot No. 14, I.C. Colony, Eksar Village, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Coopetent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|821|83-84 dated 23-3-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of its said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1984

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M.s. B. R. Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Yasmin Fernandes & Mr. Edwick Fernandes

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1000|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000l- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 1, Village Eksar, S. . . o. 110 (Part), C. T. S. No. 1128, Plot No. 14, Off. I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103, situated at Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, at Bombay, on 29-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Village Eksar, S. No. 110 (Part), C.T.S. No. 1128, Plot No. 14, Off. I C. Colony, Borivili (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV-37EE|1000[83-84 dated 29-3-1984]

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, IV. Bombay

Date: 12-11-1984.

(1) Ms. B. R. Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Keshav K. Bangera

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1001|83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shop No. 3, Village Eksar, S. No. 110 (Part), C.T.S. No. 1128,

Plot No. 14, Off 1.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreements registered under section 269AB of the the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay, on 29-3-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Village Eksar, S. No. 110 (Part), C.T.S. No. 1128, Plot No. 14, Off I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-IV|37EE|83-84, dated 29-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, IV, Bombay

Date: 12-11-1984.

(1) M/s. B. R. Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Douglas C. Ferro

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|823|83-84 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 5. 1st floor Silverine, Village Eksar, S. No. 110 Part C.T.S. No. 1128, Plot No. 14 Off. 1. C. Colony, Borivli (W),

Bombay-103 situated at Borivli

(and more fully describet in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

et Bombay on 23-3-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proerty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st, floor, Silverine, Village Eksar S. No. 110 Part, C.T.S. No. 1128, Plot No. 14 Off J. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|823|83-84. dated 23-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date :12-11-1984.

FORM ITNS...

(1) M|s. B. R. Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. June C. Quadros.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]822[83-84.--Whereas 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 11, 3rd floor, Silverine, Village Eksar, S. No. 110
Part, C.T.S. No. 1128, Plot No. 14, Off. I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103, situated at Borivli (W),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 23-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11. 3rd, floor Silverine, Village Eksar, S. No. 110 Part C.T.S. No. 1128, Plot No. 14 Off. I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|822|83-84... dated 23-3-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange, IV, Bomb

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-11-1984.

FORM ITNS----

(1) Ms. J. I. Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Dattatrava Chintaman Patil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]855]83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Lourdes Bldg., I. C. Colony Cross Road, Borivli (West), Bombay-92. situated at Borivli (W.)

has been transfered

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). and the agreements registered under section 269AB of the the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 24-3-1984.

at Bombay on 24-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Lourdes Bldg. I.C. Colony Cross Road, Borivli (West), Bombay-92.

Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|855|83-84 dated 24-3-1984,

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--71---366GI|84

Date: 12-11-1984,

FORM ITNS----

(1) M|s. Shekhar Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Madhay Subraya Bhat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|309|83-84.—Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 305, third floor at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisor (West), Bombay-68.

situated at Dahisar (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred an dthe agreement is registered under section 269AB of the Income-taxx Act, 1961, in the office of the Competent Authorty, Bombay on 8-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair

of the Competent Authorty, Bombay on 8-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any menets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305. Third floor at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi', Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,IV[37-FE]309]83-84 dated 8-3-1984 in respect of

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons namely:

Date: 11-12-1984.

Scol :

FORM ITNS _____

(1) M|s. Shekhar Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sadanand Choura Salian

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|307|83-84.—Whereas,I A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 401, 4th floor, at 'Shekhar Nagar', Dahisar (West),

Bombay-68

situated at Dahisar (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-taxxx Act, 1961, in th office of the Competent Authority, at Bombay on 8-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 307 83-84 dated 8-3-1984 in respect of.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-11-1984

FORM JTNS-

(1) M/s. Shekhar Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar Vishnu Paradikar & Mrunalini Madhukar Paradkar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|306|83-84.--Whereas, I. A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax ...ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 405, 4th floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi Dahisar (West), Bombay-68.

situated at Dahisar (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-taxxx Act, 1961, in th office

of the Competent Authority, nt Bombay on 8-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV|37EE|306|83-84. dated 8-3-1984. in respect of .

Flat No. 405, 4th. floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-11-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Shekhar Development orpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Babaji Krishnaji Sawant

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|308|83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 107, 1st iloor at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi Dahisar (West), Bombay-68 situated at Dahisar (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-taxxx Act, 1961, in th office of the Competent Authority.

at Bombay on 8-3-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes—of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37-EE|308|83-84 dated 8-3-1984 in respect of

Flat No. 107, 1st floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

(Person in occupation of the property)

FORM TINS-

(1) Mis. Kantilal Meghji Raja & Others.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Achal Development Corporation

(3) Transferce

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV ВОМВЛҮ

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|328|83-84.-Whereas, f. A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

S. No. 276, Hissa No. 1, S. No. 282 (Part), C.T.S. 732, Junction at C. T. Road, & Godavari Mahatre Road, and stuated at Dalisar (and more fully described in the Schedule appared between

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-taxxx Act, 1961, in th office of the Competent Authority,

at Bombay on 8-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been limit stated in the said instrument of transfer with the chief to be a said in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nnd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the service of notice of notice of the service of notice of the service of notice of no the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE 328/83-84 dt. 8-3-84 in respect of S. No. 276, Hissa No. 1, S. No. 282 (Part). C.T.S. 732, Junction at C.T. Road, & Godavari Mahatre Road, Dahlsar.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 12-11-1984 Seed:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS ---

(1) Mis. Associated Dyestuffs Corpn.

(Transferor)

(2) Achat Development Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|328-A|83 84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Junction of L.T. Road, & Godawari Mahatre Road, Dahisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

(West), Bombay.

at Bombay on 8-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

S. No. 276, Hissa No. 1, S. No. 282, C.T.S. No. 732, Junction of L.T. Road, & Godawari Mahatre Road, Dahisar (West), Bombay.

The agreement has ben registered with the Competent Authority, Bombay vide errial No. ARIV|37EE|328-A|83-84 dt. 8-3-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984 Ref. No. ARIV|37EE|303|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tent Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preparity, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

All that piece or parcel of non agricultural land bearing C.S. No. 675 and the structure standing thereon bearing C.S. No. 675, 1 & 2 & Municipal Census No. R-7671(1) 183 situate lying and being at revenue Village Dahisar Tal. Borivli.

situated at Dahisar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Shri Vasant Moreshwar Godbole & Shri Purshottam Mahadev Paranjape

(Transferor)

(2) M|s. Amensha Biulders

(Transferee)

(3) Transfered

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors and Others. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|303|83-84 dt. 8-3-1984 in respect of all that jiece or parcel of non-agricultural land bearing C.S. No. 675 and the structure standing thereon bearing C.S. No. 675, 1 & 2 and Municipal Cousus No. R-7671(1) 183 at revenue village Dahlsar Tal. Borivil.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Rombay

Date: 12-11-1984

(1) Mls. Hariram Daulatram Ramchandani. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M[s, Domingos Sebastiao Fernandes & Isabela Dulcina Fernandes. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|191|83 84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 204, B-Wing, 2nd floor, Sai-Niketan, Kandaroada,
Dahisar (West), Bombay-68.

situated at Dahisar (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein wa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EF|191|83-84 dt. 6-3-84 in respect of

Flat No. 204, B-Wing, 2nd floor, Sai-Niketan, Kandaroada, Dahisar (West), Bombay-68.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-72-366G1[84

Date: 12-11-1984

FORM ITNS----

(1) M s. Raghuvanshi I mermiter

(3) Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Pransbanker Harishanker Vadia

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EF|119|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 108, 4th floor, Manek Nagar No. 2, M.G. Road, Kandivali (West), Bombay-67.

situated at Kandívli (West).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|119|83-84 dt. 3-3-84 in respect of

Flat No. 108, 4th floor, Manek Nagar No. 2, M.G. Road, Kandivali (West), Bombay-67.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Scction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV $|37FE|^958|83-84$.—Whereas, J. A. PRASAID,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. Flat No. 10 D, Bhavna Co-op. Housing Society Ltd., S. V. Road Kandivali (West), Bombay-67.

situated at Kandivali (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per want of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hashmukhlal Ratilal Jhatakia

(Transferor)

(2) Dhsirajlal Balubhaj Bhuta, & Hemant Dhirajlal Bhuta.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIV|37-EE|958|83-84, dt. 27-3-84 in respect of Flat No. 10 D, Bhavna Co-op, Housing Sockety Ltd., S. V. Road Kandivali (West), Bombay-67.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 12-11-1984

(1) Mls. Rajen Govindram Bhatia,

(Transferor)

(2) Mis. Radhaben Jeramdas Dawda, & Vijay Jermdas Dawda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transfered

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37EE|4143|83-84,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000—and bearing Flat No. 401, 4th floor in "Kanchanganga", Kandivali (W), Rombay 67

Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authroity, at Bombay on 15-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|4143|83-84

dt. 15-3-1984 in respect of plot No. 401, 4th floor in "Kanchanganga", Kandivali (West), Bombay-67.

Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR.IV[37-G]47[83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Cheda Niwas, Plot No. 55|56, CTS No. 2587 & 2587(1), Eksar, Borlvli (East), Bombay-66 situated at Borivli (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in theh Oilice of the Registering Officer at Bombay on 1-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) 1.Shri Damji Ravji Shah,
 - Snit. Kasturbai Hirji Shah,
 - Shri Kishor Hirji Shah, 4. Shri Motilal Hirji Shah, &
 - 5. Shri Gautum Hirji Shah.
- (Transferor)
- (1) 1. Shri Surendraprasad Agrawal 2. Shri Santosh Kumar S. Agrawal,

 - Shri Vijaykumar S. Agrawal,
 Shri Ajaykumar S. Agrawal, and
 Shri Chandrabhal S. Agrawal.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-493| 83 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 1-3-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Mathuradas Haridas Karta of H.U.F. and Others.
- (Transferor)
- (2) Shreeji Darshan Premises Co op. Society Ltd.
- (3) Transferee. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR 1V[37-G[50]83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Piece and parcel of land bearing CTS No. 100, Survey No. 96, Hissa No. 3, S.V. Road, Kandivali, Bombay

situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-570| 80 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 19-3-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

FORM ITNS ---

(1) Bherulal Nandlal Jain.

(Transferor)

(2) K. Damodarau.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR IV|37-FF|451|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the, immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Scheme, Plot No. VIII, S.V. Road, Kandivli (West) Bombay-67 siteated at Kandivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of he Competent Authority Bombay on 9-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37-EE/451/83-84 dt. 9-3-1984 in respect of Shop No. 12, Ground floor, Building No. 3, Moolji Nagai Scheme, Plot No. VIII, C.V. Road Kandivli (West), Bombay-67.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

(1) Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) Nitanjan Amrutlal Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-FF|787|83-84,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 3, Ground floor, B-Wing, Building No. 23, Zaluvad Jani Co-op. Housing Soc. Ltd., Ashokchakravarthy Road, Kandivli (E) situated at Kandivli (East), Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of he Competent Authority

of he Competent Authority
Bombay on 22-3-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. ARIV|37-EE|787|83-84 dt. 22-3-1984 in respect of Flat No. 3, Ground floor, B-Wing, Building No. 23, Zalavad Jani Co-op. Housing Soc. Ltd., Ashokcharkravarthy Road, Kandivli (East), Bombay-101

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 12-11-1984

PART III-Sec. 1]

FORM I.T.N.S.-

(1) Giriral Constructions Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanchanben Babulal Shah & Shri Rajendra Babulal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Rombay, the 12th November 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|352|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. D-2, Ground floor, "Rajkishor", Meurin Street, Kundivali Village, Kandiwali (West), Bombay-67

situated at Kandivali (West)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
Bombay on 9-3-1984

73-366GI 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of it mafer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of the notice under subsection (1.) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37-EE|352|83-84 dated 9-3-1984 in respect of Flat No. D-2, Ground floor, "Rajkishor", Meurin Street, Kandivali Village, Kandivali (West), Boinbay-67.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR-IV[37-EF]503[83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax: Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000i-and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 79 and 798 of TPS.II, CTS Nos. 471 and 473 of
Village Khaneri, 5th Carter Road, Borivli (East), Bombay,
situated at Borivli (Fast)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of he Competent Authority Bombay on 16-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Shakti Constructions.

(Transferor)

(2) M's. Mankoo Builders & Contractor.

(Transferee)

(3) 19 Tenants and the Vendors.

(Person in occupation of the property)

(4) 19 Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 79 and 798 of TPS.II, CTS Nos. 471 and 473 of Village Khaneri, 5th Carter Road, Borivli ,East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|503|83-84 dated 16-3-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 12-11-1984

(1) Ms. Raghuvenshi Enterprises.

(Transferor)

(2) Pranshanker Harishanker Vadia.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builder.

Person in occupation

GOVERNMENT OF INDIA

Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR.IV|37-EE|147|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 108 4th floor, Mauck Nagar No. 2, M.G. Road, Kandivali (West), Bonibay-67 situated at Kandivli (West) tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 3-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV|IV|37EE|147|83-84 dt. 3-3-1984 in respect of Flat No. 108, 4th floor, Manek Nagar No. 2, M.G. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th November 1984

Ref. No. AR.IV37EE|983|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Piece of Land together with the structures standing thereon situate at Eksar Borivli bearing Survey No. 13|1 (Part) & CTS No. 106|E & bearing Original Plot No. 190 of Borivli TPS No. III of Borivli situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 29-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

(1) Shankar Gajanan Pimpale.

(Transferor)

(2) Heena Developments.

(Transferce)

(3) The Transferor & Tenants.

(Person in occupation of the property)
(4) The Transferor.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37-EE|983|83-84 dt. 29-3-84 in respect of Piece of land together with the structures standin gthereon situate at Eksar, Borivli bearing Survey No. 13|1 (Part) and CTS No. 106|E & bearing Original Plot No. 190 of Borivli TPS No. III of Borivli.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-11-1984

PART III—SEC. 11

FORM T.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 2 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Lands at Tirupparangundram situated at Tirupparangundram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Tirupparangundram (Doc. No. 447/84) on March

1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; ---

(1) Dr. David Gnanaiah, South Indian Tiruchabai Association.

(Transferor)

(2) S. T. Padmanabhan, So Tirumalai, Tirupparangundram.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Tirupparangundram (Doc. No. 447/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras.

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Vaikai Invesments Ltd.,
 66, Vyalikaval II Main Road, Bangalore-560003.

(Transferor)

(2) M|s. Ramalingam & Co. 53, Thatcher St., Tuticorin.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 3 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.

Land and building at Tuticorin

situated at Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at S. R. Keelur (TTN) (Doc. No. 336/84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 231 and 232, North, Raja St., Tuticorin. (Doc. No. 336|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras.

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 6|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Lands at Mecherry village

situated at Mechery
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

at S. R. Mecheri (Doc. No. 22184) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri K. Sundaralingam, So Kasinathan, Mecherry village.

(Transferor)

(2) Shri Kantha Gounder, Mettu Patti, Mecherry village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Mecherry village (Doc. No. 221/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras.

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri N. Kumara Vadivelu, Anna Nagar,
 G. Block,
 Plot No. 1214,
 Velur, Salem Dist.

(Transferor)

(2) R. Mallika Ammal, 21, Lime Kiln St., Velur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 7|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land and Building at South Velur situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing officer at

S.R. I. Velur (Doc. No. 836/84) in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 8|6 and 8|6A, Asoka Natesa Mudall St., South Velur. (Doc. No. 836|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 8|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Murnuswamy puram 2nd St., situated at Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. II|TIN (Doc. No. 269|84) in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—366GI|84

(1) Shri Albert vas, So Francic vas, 3991, 6th St., Lions Town, Tuticorin.

(Transferor)

3053 9

(2) Shri G. Raja Sankar, Slo A.M.M.S. Ganesa Nadar, No. 126-Al2, New Colony, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 2nd street, Muniaswamy puram, Tuticorin (Doc. No. 269/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 27-10-1984

(1) OHM Sakthi Mills. M.s. K. AR. K. AR. K. Kannappa Chettiar Kothamangalam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rathnavel Textiles P. Ltd., No. 11, Gokale Road, Chinna Chockkikulam, Madurai-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 12|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land at 95, Thirumohur Village

situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.I. Madurai (Doc. 1264|84) in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at No. 95, Thirumohur Village (Doc. No. 1264) 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-9-1984

FORM ITNS .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 17th October 1984

Ref. No. 20|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Lands at Dindigul situated at Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at J.S.R.1. Dindigul (Doc. No. 168|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Krishnamurthy, Vaduga Mettu Ranugappatti, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri Muthu Veerapallai, Ilanjiyam Enterprises, No. 4, Trichi Road, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as en in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Dindigul (Doc. No. 168|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

r nte : 17-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Spencer and Co. Ltd., 769, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mr. Subramaniam, 177. Ponnappa Nadar Lane, Dindigul.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th October 1984

Ref. No. 22|March|84,--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Plot No. 7 in approved III Layout situated at Spencers Nagar, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.I. Dindigul (Doc. No. 183/84)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land in Spencers Nagar, Dindigul (Doc. No. 183]841.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta \(\)
Acquisition Range-I, Madras.

Date* : 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th October 1984

Ref. No. 24|March|84.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN,

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R- 25.000/-and bearing No.

Land and Building at Dindigul Town situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. II Dindigul (Doc. No. 463/84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ethirajammal. Wlo T. C. Perumalsamy Naidu, 83, Neruji Nagar, Dindigul.

(Transfer or)

Shri T. Nagarajan,
 R. Tonthilingam,
 Naicker New St.,
 Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9 and 10. Society St., Dindigul. (Doc. No. 463|84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION -RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 25 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Lands at Ayan Village situated at Madurai Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tamaraipatti (Doc. No. 381, 382 & 388|84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri A. N. Subbiah,
 So, R. M. Annamalai Chettiar,
 Second Main Road,
 Jaihindpuram. T.P.K. Road, Madurai.

(Transferor)

(2) M|s. Sundaram Industries Ltd., 7-6, West Veli St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ayan Village (Doc. No. 381, 382 and 388|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 17th October 1984

Ref. No. 31|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI YASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land at Chokkikulam situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R. Tallakulam (Doc. 1156/84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ausets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Radha Ammal, 26, Raja Annamalajpuram, 7th Main Road, Mindrey 28.

(Transferor)

(2) R. M. Deivanai Achi and others, 2-A. Sarojini St., Chinna Chokkikulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chokkikulam (Doc. No. 1156|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Assistant Inspecting Communication of Incometax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. S. Malligariuna Chettiar, 14, Kannadayar St., Ambur.

(Transferor)

(2) G. Mani, 4, Aspu Khan St., Ambur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1984

Ref. No. 34|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 14, Pasveswara Koil St., situated at Kaspa, Ambur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at S.R. Ambur (Doc. No. 737|84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Biulding at No. 14, Pasveswara Kovil St., Ambur, (Doc. No. 737|84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 27-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Ocha Thevar, Rajapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. K. Ramaswamy, Ulgampatti, Maduraj District,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 35 March 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lands at Rajapuram stituated at Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

of 1908) in the Office of the Registering Office at S.R. Batla Gundu (Doc. No. 426|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

· Lands at Rajapuram (Doc. No. 426[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, MaJras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—
75—366 GI|84

Date 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

V. Beej Raj Battevada,
 So Vane Chand Pattevada,
 Periyathanam Jayarama Chetty St.,
 Velur,

(Transferor)

(2) V. Nirmala Bai, Wlo Vimal Chand, 24, Ram Baznar St., Ambur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th October 1984

Ref. No. 38 March 84.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and Biulding at Periya Thagaram situated at Jayarama Chetty St., Vada Velur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R. I Velur (Doc. No. 987/84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1967 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 68, Vada Velur Pervia Thagaram Jayarama Chetty St., Vada Velur. (Doc. No. 987/84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-10-1984

(1) Sundara Venkatramun, 27, Teppakulam St., Tirunelveli,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sekar, 27, Teppakulam St., Tirunelveli,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th October 1984

Ref. No. 39[March]84.—Whereas, f, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and Biulding at Sammanthapuram situated at Ramanathapuram West

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at S.R. Rajapalayam (Doc, No. 740|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding at Sammanthapuram, Agraharam St., Rajapalayam. (Doc. No. 740/84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

(1) T. V. R. Lakshmi Ammal, 14 174-A Agrahara Road. Ramunathapuram Town.

(Transferor)

(2) A. N. K. Mahalakshmi Ammal, Wlo A. N. Kesavan Chettiar, No. 36, Naduththeru, Rameswaram.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1984

Ref. No. 43|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lan dand Building at South Car St. situated at Rameswaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. I Ramnad (Doc. No. 96/84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of \$557);

Land and Building, Sourth Car St., Rameswaram. (Doc. No. 96 840.)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th October 1984

Ref. No. 56 March 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Lands at Kotta Mettu Patti situaetd a Omalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Omalur (Doc. No. 423|84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Srinivasan, Slo Ramaswamy Chettiar, Kotta Mettu Patti, Omalur Taluk, Salem District.

(Transferor)

(2) K. P. Paramasiyam, Kamandapatti Kattuvalavu, Panchanampatty Post, Amalur Taluk, Salem District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kotta Mettu Patti (Doc. No. 423|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax
Acquisition Range-T, Madras-600 006

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th October 1984

Ref. No. 61 March 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Lands at Koneri Patti village situated at Namakkal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Edappadi (Doc. No. 270 84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Scorangammal, Mettupalayam ,Kattu Valavu, Kaverippatti Agraharam.

(Transferor)

(2) Shri Periyannan, Kattu Valavu village, Kaverippatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lands at Koneripatti village. (Doc. No. 270/84.)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commission reof Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 25th September 1984

Ref. No. 62 March 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Lands at Vadugapatti village situated at Namakkal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 3/84 at S. R. Sankaridurg (Doc. No. 260/84 in March, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Ramasamy, Bharathi Nagar, Namokkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri Ellappa Naidu, Slo, Kanthaswamy Naidu, East Koduvembampatti, Namakkal Taluk, Salem Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vadugapatti (Doc. No. 260|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramasamy and others, Smt. Kannammal and others, Shri Kaveri Nadar, Nava Kinathu Kadu, Pallakka Palayam.

(Transferor)

(2) Mls. Tan India Wattle Extracts Co., Komarapalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 17th October 1984

Ref. No. 64|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Lands at Devanna Goundanoor village situated at Bellakka Palayam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the Office of the Registering Office at S. R. Komarapalayam and Sankaridurg (Doc. No. 290, 291 & 767 84) in March, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Devanna Koundanoor [Doc. No. 290, 291 & 767] 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 20th October 1984

Ref. No. 69|March|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land at Munjanur Village situated at Mallasamudram.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Mallasamudram (Doc. No. 446/84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to Netween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 4957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the follow-'ng persons, namely :---

76---366GI|84

(1) ShriPalani Gounder. Slo. Sengoda Gounder. Munianur Village. Tiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri Chinnaswamy Gounder, So. Arthanari Gounder, Munjanur Village, Tiruchengodu Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Munianur Village (Doc. No. 446/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 20-10-84

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Nallammal and others, Munthanar Village, Tiruchengodu, Salem Dist.

(Transferor)

 Shri Kandaswamy Gounder, Munthanar Village, Tiruchengodu, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 20th October 1984

Ref. No. 70 March 84 .-- Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Lands at Murkanur Village situated at Namakkal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at S. R. Mallasamudram (Doc. No. 445|84), in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Murkanoor Village Namakkal, (Doc. 445|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 20-10-84 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri K. N. Periyaswamy, Kattu Palayam, Muthan!am Tiruchengodu.

(Transferor)

(2) Shri K. Raju, Kullam Palayam, Tiruchengodu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 74[March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Land and building at Muthanam Palayam situated at Namakkal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Tiruchengodu (Doc. No. 1008/84 in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Mathanam Palayam (Doc. No. 100|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ramaswamy, Slo. Rangaswamy Gounder, Ramu Pillai St., Annathana Patti, Salem.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Akkaraipatti, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(2) Shri K. Ganesan, Son of Shri Kaliyanna Gounder,

(Transferee)

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 78|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Lands at Annathanapatti village situated at Salem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at S. R. Tadagapatti (Doc. No. 681|84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Lands at Annathanapatti (Doc. No. 681)84),

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 3rd September 1984

Ref. No. 82|March|84.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land and building at Tillaipuram situated at Namakkal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. I., Namakkal (Doc. No. 384|84 in March, 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid, property and I have reason to believe that the fuir market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri V. S. Sundaresan, Sio. Sambasiva Iyer, Tillaipuram, Namakkal Town.

(Transferor)

(2) Shri N. Ramaswamy, Palapatti Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Tillaipuram, Namakkal (Doc. No. 384|84).

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Kulanthai Velu, Namakkal Post, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri P. Chinnu, Slo. Patampa Gounder, Pettappalayam Post, Namakkal Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th October 1984

Ref. No. 85 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Mohanur (Doc. No. 241|84 in March, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Doc. No. 241|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 606

Date: 11-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Harita Bearings P. Ltd., 106, IV Street, Abiramapuram, Madras-18.

(Transferor)

(2) M/s. Sundaram Clayton Ltd., Padi, Madras-50.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th October 1984

Ref. No. 103|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Motham Agraharam village, Hosur situaetd at Taluk, Dharmapuri Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Hosur (Doc. No. 1026/84) in March 84. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/gr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Motham Agraharam village, Hosur. (Doc. No. 1026184).

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madas-600 006, the 17th October 1984

Ref. No. 106|March|84,--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at Periyerl Village situated at Salem-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. III Salem (Doc. No. 308/84) in March, 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely;—

(1) P. M. M. Japhar Ali, Slo. P. M. Muhamathu, 10, Palaniyappa Nagar, Hasthampatti, Salem-7.

(Transferor)

(2) Minor Sripriya, Guardian M. Paramasiyam, 134, Gandhi Road, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ramaktishna Road, Siyakami puram Extention, Salem-7. (Doc. No. 308|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 17-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 27th October 1984

Ref. No. 115|March|84.—Whereas, l, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land at Asthampatti Village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at J. S. R. III|Salem (Doc. No. 604|84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77—366GI|84

Shri Periyaswamy,
 Slo. Kumara Gounder,
 17-A, Rajaji Road,
 Salem Town,

(Transferor)

(2) Smt. R. S. Balageetha, Wlo. K. R. Srinath, Car St., Karur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land at Asthampatti (Doc. No. 604|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1. Madras-600 006

Date: 27-10-84

LOLM TINS-

Smt. Anandayammal,
 Wo. Late Marimuthu Achari,
 Kalappa Nayakkan Patti Poet,
 Namakkal Taluk.

Slo Late Marutha Muthu, Nanthamdapuram,

Namakkal Taluk.

(2) Shri Palaniyappan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 20th October 1984

Ref. No. 131|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Lands at Kalappa Naickan Patti situated at Namakkal Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 '16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sendamangalam (Doc. No. 462|84) in March 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Kalappa Namakkal Taluk Naikkan Patti Post,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kalappa Nayakkan Patti village (Doc. No. 462| 84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 16th October 1984

Ref. No. 132|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lands at Muthukappatti village situated at Namakkal Taluk. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Sendamangalam (Doc. No. 451|84 in March 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ramaswamy, Muthukuppatti village and post, Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Ameer Basha, Muthukappatti village and post, Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Muthukappatti village (Doc. No. 451/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Mdras-600 006, the 15th October 1984

Ref. No. 133/March/84.-Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lands at Valavanthi Kombai village situated at Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer

at S. R. Sendamanglam (Doc. No. 442|84) in March, 84. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Muthusubramaniya Udayar, Slo. M. Subraya Udayar Nanjundapuram village, Kalappa Naickan Patti, Namakkal Taluk, Salem.

(Transferor)

(2) Minor Veluchami, By Guardian Sengoda Gounder Bommasamudram village. Namakkal Taluk. Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of time publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Valavantni Kombai village (Doc. No. 442/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th November 1984

Ref. No. 138|March|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Lands at Periya Kulam Village situated at P. Eriya Kulam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transfer J under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Sendamangalam Doc. 425|84 in March, 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

(1) Shri Ramaswamy Gounder, Slo. Late Sengoda Gounder, Kattu Kottagai, Periya Kulam village Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Perumal Gounder. Kattu Kottagai, Periya Kulam village Namakkal Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Periyakulam village (Doc. No. 425|84

PREMA MALINI VASAN Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-11-84.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 16th October 1984

Ref. No. 147 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Lands at Lathuvadi Village situated at Namakkal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J. S. R. II, Namakkal (Doc. No. 611 84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Arumugam and others, 125, Pallipatti, Doru Kuruchi post, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri Chinnaswamy, Slo. Raman, Neru Nagar, Sendamangalam Post Namakkal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Lathuvadi village (Doc. No. 611|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-10-84

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th November 1984

Ref. No. 150/March/84.—Wheeras, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Lands at Chinna Mudalai Patti village situated at Namakkal. (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J. S. R. II Namakkal (Doc. No. 481[84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ammayappan, Slo. Chenni Malai, Chinna Mudalai Patti Namakkal Taluk Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shrì Balasubramaniyam. Slo. Muthuswamy Pudu Theru, Namakkal Taluk Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Chinna Mudali patti (Doc. No. 481)84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Raja & Others, No. 9, Nathamuni St., Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Rajasekaran and others, Plot No. 4300, Anna Nagar, Madras.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 159 March 84. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

Land at Eluppainathan village situated at Arikilavadi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at at J. S. R. Madras North (Doc. No. 618/84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUL

Lands at Eluppai Nathan village (Doc. No. 618|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-10-84

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

PORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 171/3/84.—Whereas, I, PR&MA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremanter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land and Building at Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Royapuram (Doc. No. 366/84 in March, 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Weidth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nodes under subsection (1) of Section 269D of the said Not, to the following persons, namely:—
78—366GI[84]

(1) J. Manthu Ben and others, 26, Perambalu Chetty St.. Old Washermanpet, Madras-21.

(Transferor)

G. Karunanidhi,
 Namasivaya Mudali St.,
 Old Washermanpet,
 Madras-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Washermenpet, Madras. (Doc. No. 366[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-10-84

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri A. Ummul Fareeda Beevi and others, North St., Thondi, Ramnad Dist.

(Transferor)

(2) Mrs. Pistha Bai. No. 19, Kalmandapam Road, Royapuram, Madras-13.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 178/3/84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land at No. 15, situated at Kalmand apam Road, Roya-

puram. Madras-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Royapuram (Doc. 464/84) in March. 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A., 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 15, Kalmandapam Road, Madras, (Doc. No. 464 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 24-9-84

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 184|3|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, Ramanuja I St., Peddunaickenpet situated at Madras. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Madras (Doc. No. 119|84) in March, 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

 PN. Balakrishna Rao, No. 10. Ramanuja Iyer St., Peddunaickenpet, Madras.

(Transferor)

(2) Srimathi Santok Kawar, No. 72, Elephant Gate St., Madras-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette."

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 10, Ramanuja I St., Madrus, (Doc. No. 11984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectuig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-84

FORM I.T.N.S.—

(1) A. Haja Nazmuddeen, Madras

(Transferor)

(2) J. Rama Devi, 77, Venkatachala Naicker St., Madras-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Mdras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 179|3|84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land and Building at Kalmandapam situated at Madras.

Land and Building at Kalmandapam situated at Madras. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at S. R. O. Royapuram (Doc. No. 465/84) in March, 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 17, Kalmandapam Road, Royapuram, Madras-13. (Doc. No. 465/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 24-9-84.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.----

NO1101 UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 191/3/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 25, General Muthiah Mudali St., situated at George Town, Madras-79.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Sowear (Doc. No. 111/84) in March, 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sharad L. Shah, Kartha and as father and natural guardian of his minor children 25, General Muthiah Mudali St., George Town, Madras-79.

(Transfere:

(2) Sohan Kavar Bohra and others, 47, General Muthiah St., George Town, Madras-79.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovance property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 25, General Muthiah Mudali St., George Town, Madras-79. (Doc. No. 111/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 003

Date : 24-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 195|3|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land and Building at 9|4 Montieth Road, Egmore situated at

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred

at Madras S. R. Periyament (Doc. No. 196 |84) in March,

1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Secunderabad in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Chandra Bai, No. 69, Nanjaippant St., Madras-1.

(Transferor)

(2) M. Ummahani Begum, Oomer House, Oomerabad-635808 Near Vaniyambadi, North Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9/4, Montieth Road, Egmore, Madras. (Doc. No. 196]84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-9-84

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J. MADRAS

Madras-600 006, the 27th October 1984

Ref. No. 198|3|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 20, Guruwappa Chetty St., Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Periamet (Doc. No. 206 84) in March, 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri C. Parasmall, 418, Mint St., Sowcarpet, Madras-1.

(Transferor)

(2) D. K. Naga Sah, 82, Naidu St., Kancheepuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 29, Guruwappa Chetty St., Chindadripet, Madras, (Doc. No. 206|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

n nemerin a la sensi nationale de la company de la comp

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1984

Ref. No. 200|March|84.-Whereas, I.

PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') has a reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000l- and bearing

Land and Building at Montieth Road, situated at Fgmore. Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Periamet (Doc. No. 266/84) in March, 84.

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

70-356 GI 84

(1) M/s. Veenus Investments, Rep. by its partner, Cartic, 127, Greams Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Shri T. Omprakash, 150, Montieth Road, Cisons Complex, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/30, Montieth Road, Egmore Madras. (Doc. No. 266)84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 00%

Date: 6-11-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1984

Ref. No. 202|March|84.—Wheeras, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land at Harrington Road, Madras situated at Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Periamet (Doc. No. 168184) in March, 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 East Coast Constructions and Industries represented by its partner Mr. A. M. Syed Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6

(Transferor)

(2) Dr. A. N. K. Menon & Mrs. Parvathi Menon, No. 1-A, Village Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Harrington Road, Chetput, Madras (Doc. No. 168|84).

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-toAcquisition Range-1, Madras-600 (0).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
79—366 GI/84

Date: 6-11-84

(1) Shri C. Ethirajaiah, 1118, Poonamalli High Road, Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Mohamed and others, By father and guardian V. V. Abdul Matheen, No. 21-C, Rahmanpet, II St., Melvisharam, North Arcot Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.
- Madras, the 25th September 1984

Ref. No. 204|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000-and bearing No.

Land and building in P. H. Road, Madras situated at Periamet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Thuckaley (Doc. No. 488|84) in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building Poonamailee High Road, Periamet, Madras-3. (Doc. No. 285|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresnid property by the issue of this notice under subsection (1 Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ; -

Date : 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th November 1984

Ref. No. 231 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. 1653, Anna Nagar , Madras situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering officer at S. R. Nagar (Doc. No. 228/84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore--said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act. or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Sharada Badradri, No. 1653, Anna Nagar, Scheme-II, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. V. P. Razia, No. 1653, Anna Nagar, Scheme-II, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Anna Nagar (Doc. No. 228/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date . 5-11-1934 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 4|March|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

of transfer with the object of :-

Land and Building at Kalkulam village situated at Kanyakumari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Thuckaley (Doc. No. 488|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

(1) Smt. Subadra Ammal. Mullu vilakathu House, Manakkadu, Muttathra village, Trivandrum. Kerala

(Transferor)

(2) Sh. R. R. Subramanyan, Slo Ramanatha Iyer, Iratta Theruvu, Puliyur kurichi, Thakkalai post.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Kalukulam village (Doc. No. 488) 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: ,27-10-1984

Scal:

(1) M|s. Spencer & Co., 769, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. R. A. Pandia Rajan, 46, Car St., Dindigul.

(Transferœ)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Mudras, the 27th October 1984

Ref. No. 19 March 84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 39, Spencers Nagar

situated at Dindigul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

as been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Dindigul (Doc. No. 156/84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at No. 39, Spencers Nagar, Dindigul. (Doc. No. 156 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th October 1984

Ref. No. 27|Mach|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land and building at Allinagaram

situated at Theni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Theni (Doc. No. 978|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Rajan, Slo Sankarpappa Naicker, 93, Mukkanasari lane, Veerappa Ayyanar Kovil st., Allinagaram, Theni.

(Transferor)

 G. Srinivasan, Secretary, Secretary, 132, Housing Board Colony, A. A. Nagar, Sathamangalam, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Allinagaram (Doc. No. 978[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Madras

Date: 11-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Balakrishnan and others, 147, Tondi Road, 5th Ward, Sivagangai Town.

(Transferor)

(2) S. Jawaharlal & Bros.,4|80, Parthbanoor Main Road,Manamadurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th September 1984

Ref. No. 28|3|84.—Whereas J, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Lands at Kathathivayal situated at Sivagangai taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sivagangai (Ooc. No. 41|84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lands at Kathathiyayal (Doc. No. 41/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:—

Date: 29-9-1984

FORM ITNS----

 Smt. Muthayee Ammal and others, Kuppuchi village Melmugam Namakkal taluk Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(45 OF 1501)

(2) Shri D. S. Thyagarajan and others, Keel mugam village, Alampalayam Namakkal taluk Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 49|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land and building at Namakkal situated at Velur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Velur (Salem) | Doc. No. 403 | 84 on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Mel mugam village, Kuppuchi Palayam, Velur, Namakkal, Salem Dist. (Doc. No. 403 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Karuppanna Gounder, Nanakkinar post, Rasipuram Taluk Salem Dist.

(Transferor)

(2) M. Palani Vel, Slo Muthu Gounder Nanakkinar post, Rasipuram Taluk Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 28th October 1984

Ref. No. 51|March|84.—Whereas, J, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Lands at Thambam patti

situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Thammampatti (Doc. No. 430 84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—366GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Nanakkinar village, Thammampatti, Salem (Doc. No. 430|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 28-10-1984

Seal ·:

FORM ITNS -----

(1) Shri Periyanna Gounder and others, So Sinnanna Gounder Thathaiyanagar patti.

(Transteror)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th October 1984

Ref. No. 52 March 84.--Whereas, 1,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land at Tirumalai Giri village

situate at Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Sendamangalam (Doc. No. 371 84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Suppan, Slo Periya Gounder S. Uduppam Sellappan patty (via) Namakkal taluk Salem Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Thirumalai giri village (Doc. No. 371/84).

PREMA MALINI VA\$AN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-10-1984

Scal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 53 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Lands at Vala vanthi kombai village situated at Sendamangalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

S. R. Sendamangalam (Doc. No. 353[84]) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sint. Ettammal.
Wo Muthuswamy,
Kalappa Naicken Patti post
Nanjundapuram Fast St.;
Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Ponmalai . So Kaliyanna Gounder. Nadu kombai (Kattu kottadi) Namakkal Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Vala vanthi kombai village (Doc. No. 353|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 58|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lunds at Puthu patti village situated at Namagiri pettai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
S. R. Namagiri pettai (Doc. No. 159/84) on March 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
us agreed to between the parties has not been truly stated in situated at Namagiri pettai as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sellammal and others, Wo Ramasamy Gounder, R. Puthu patti, Namagiri pettai, Salem.

(Transferor)

(2) Shri E. Ayyavoo and others, S|o Ettiya Gounder, R. Pudu patti, Rasipuram Taluk. Salem Dist.

(Transferæ)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Pudupatti village (Doc. No. 159/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 27-10-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this' notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the fellowing persons, namey :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th October 1984

Ref. No. 65/March 84.--Whereas, I.

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing Lands at Neikkara patti

situated at Salem
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at S. R. V. Vecrapardy (Doc. No. 436,84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the inforestin property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceal of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacditating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- 1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sundarammal and others, Salem.

(Transferor)

(2) Shri R. Palaniappan, So Ramasamy Gounder, Nethi Medu, Annathanapatti. Salem Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Neikkara patti village (Doc. No. 436/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras

Date 10-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. Govindaraj and others, Thillaipuram. Namakkal Taluk.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L. MADRAS-600 006.

Madras, the 11th October 1984

Ref. No. 66 March 84. - Whereas, I.

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Lands at Pothanoor village situated at Velur (Namakkal)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 at S. R. O. Velur (Salem) (Doc. No. 492/84) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(2) P. Sengottaivan Goundampalayam. Velur post Namakkal

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the constant of the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands at Pothanoor village (Doc. No. 492|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following rervous, namicly :-

Date : 11-10-1984

THE PARTY CONTROL CONT (1) Shri Kolanthakkalu and others, Vettuvampalayam.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Palamasiyam, So Vairapperumal pillai, Vala vanthi village Namakkal Taluk

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 67 March 84.—Whereas. L. PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Lands at Vala vanthi village

situated at Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Velur (Salem) (Doc. No. 471/84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Vala vanthi village (Doc. No. 471/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 27-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th October 1984

Ref. No. 72|March|84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Lands at Maniyanoor village situated at Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Nallur Doc. No. 13284 on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other 25sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Arukkani and others, W/o Kandhaswamy, Seyyambalavam, Perungurichi post Namakkal Taluk Salem Dist.

(Transferor)

(2) S. Balakrishnan and others, Slo Sengoda Gounder, Maniyanoor Namakkal Taluk Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned!—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FixPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Maniyanoor village (Doc No 132/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date + 10-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th October 1984

Ref. No. 73 March 84.—Whereas, 1,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing No. No, lands at Sitha ram variyam village situated at Tiruchen-

godu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tiruchengodu (Doc. No. 937/84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 81—366GI 84

Steerangan,
 Sjo Muthu Gounder,
 K. Kolikkal Natham,
 Rajapatayam,
 Tiruchengodu,
 Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri R. Venkatachalam, S|o Ramaswamy Gounder, K. Kolikkal Matham, Rajapalayam, Tiruchengodu, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lands at Sitha ram variyam village (Doc No. 937]74).

PRFMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date : 20-10-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 75 March 84.—Whereas, I, FRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Lands at Molasi village, Tiruchengodu situated at Namakkal, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

S. R. Tiruchengodu (Doc. No. 1009 84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. K. Senniyappan, Poonthudai village, Erode vattam, Periyar Dist.

(Transferor)

(2) G. Kandaswamy, Muthala palayam, Molasi village, Tiruchengodu, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Molasi village (Doc. No. 1009|84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 10 10 1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 N. A. Sinnaswamy Gounder, Timmam patti village, Salem Taluk.

(Transferor)

(2) T. K. Ramaswamy, Slo Kalijyanna Gounder, Timmam patti village, Salem Taluk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 76|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Lands at Tippam Patti village situated at Thathagapatti (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. 563|84) on March 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or emponence or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands at Timmam patti village (Doc. No. 563|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 77 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing
No. lands at Kammala patti village situated at Salem tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tadagapatty (Doc. No. 662 84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Kolanthai Ammal, Wo Sengoda Gounder, Kammala patti village, Salem..

(Transferor)

(2) Mrs. Nallammal, Wio Rathinam, Kummala patti village, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kammala patti village (Doc. No. 662|84).

PREMA MALINI VASAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I.

Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons.

Date: 10-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th October 1984

Ref. No. 79|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land and building at Guhai, Salem situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Tadagapatty (Doc. No. 743 84) on March '84

S. R. Tadagapatty (Doc. No. 743|84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. O. M. Perumal Chettiar, S|O P. O. Mari Chettiar, Moongapadi, Guhai, Salem Town.

(Transferor)

(2) A. S. Janakiram, S|o Annan Sundara Iyer, 26, Bungalow St., Sevva pettai, Salem.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from, the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 120-B, Moongapadi St., Salem Town.
(Doc. No. 743|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 20-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd October 1984

Ref. No. 81 March 84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land and Building at Kaspa village situated at Namak-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R.I. Namakkal (Doc. No. 360|84 & Doc. No. 361|84) on

March '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kamala Ammal Wlo. T. S. Krishnamoorthy Iyer, Nadu Kombai village, Namakkal taluk.

(Transferor)

(2) S. Saradha, Wlo T. Subramaniyam, 26-H, Kalaivani Nagar, Mohanur Road, Namakkal, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Kaspa village (Doc. No. 360 & 361) 841.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 22-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 87|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of 'the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. Lands at Malla Samudram, Namakkal situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer a

S. R. Mallasumudram (Doc. 361|84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(!) Mrs. Bagyam, Wo Kanthaswamy (alias) Mani, Malla Samudram Town, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

 Mrs. Manimekalai, Wlo M. Palaniswamy, Karumapuram Village, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Keelmugam Village, Mallasamudram, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 361|4).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 18-10-1984

Scal:

(1) Shri Veerappan and others, Akkarai Patti Village, Rasi Puram. N

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Senkottaiyan, Akkarai Patti Village, Rasi Puram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 88|Maich|84.—Whereas, I. PREMA MAI (NI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Lands at Sakkarai Patti situate dat Namakkal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

8. R. Mallasamudram (Doc. No. 338|84 on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Akkarai Patti, Salem Dist. (Doc No. 338/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

D.te: 18-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRA\$-600 006

Madras-600 006, the 11th October 1984

Ref. No. 89|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing
No. Lands at Akkara: Patti Village situated at Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at

of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.O. Mallasamudram (Doc. No. 308|84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for arposes of the Indian Income-tax Act, 1922 f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely and act are subsection 269C of the said Act, to the following persons.

 Shri Raja Gounder & others, Slo Muthu Gounder,
 Vincent Colony, Salem.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Rajaram, Periya Erikkadu, Kaspa Village, Akkaraippatti, Rasipuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Akkarai patti Village (Doc. No. 308|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangé-I,
Madras-600 006

Date: 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 93|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. lands at Ward E Block No. 10 Palla Patti Village situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. III Salem (Doc. No. 230 84) on March 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio n269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Sint. Bagyalakshmi Ammal, Periya Eluthukkara St., Sevvappettai, Salem Town.

(Transferor)

(2) P. Mohankumar and ohters,
 S|o S. Periyasamy.
 7-B. Manakkadu,
 Itteri Road,
 Astham Patti,
 Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Palla Patti Village (Doc. No. 230|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 10-10-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TÁX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sabapathy & others, S|o Mr. Varuthappa Gounder, Kuna Velampatti, Rasipuram Taluk, Salem.

(Transferor)

(2) Shri K. Periyasamy and others, Kuna Velampatti, Rasipuram Taluk, Salem.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 97|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Lands Koona Velam Patti situated at Rasipuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registration Officer
at S. R. Rasipuram (Doc. No. 381|84) on March '84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kuna Velam Patti Village, Rasipuram, Salem. (Doc. No. 381/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 18-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mariyappan & others, Gejja Naickam Putti, Salem.

(Transferor)

 (2) Rajappan Slo Alagappa Gounder, Gejja Naickam Patti, Salem.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 98|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. lands at Nilavarapatty situated at Salem

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tadagapatty (Doc. No. 79184) on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any laconse arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Lands at Nilavarappatti (Doc. No. 791/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, at following persons, namely —

Date: 18-10-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 102|Mar|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lands at Amani Village, Komarapalayam, Namakkal situated

situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at S.R.O. Kemarapalayam (Doc. No. 708|84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

I transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. Pankajam Ammal, Wio S. S. M. Subramaniyam Chettiar, Kalai Magal St., Komarapalayam, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) S. S. M. Balakrishnan, Slo S. S. Mari Chettiar, Kalai Magal St., Komarapalayan, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene

FEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Amani Village, Komarapalayam, Namakkal. (Doc. oN. 708|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 107 [March 84.---Whereas, L. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|1 and bearing No. Lands at Palla Patti Village situated at Salem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. III|Salem (Doc. No. 303|84 & 304|84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Bagyalakshmi Ammal, Wo Kumarasamy Narad, Periya Ezhuthukkara St., Sevvappettai, Salem.
 - A. Kumar
 S|o Arunachala Nadar, Sevvappettai, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri P, Mohan Kumar & Others, 7-B, Mannkkadu Iteri Road, Hasthampatty, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Palla Patti Village, Salem. (Doc. No. 303 & 304|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 18-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 108|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. lands at Athanur Village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rasipuram Doc. No. 514 84 in March '84 for an apparent consideration which is less than the fair

at S. R. RaspuramiDoc. No. 514184 in March 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Ganapathi & ohters, Rasipuram taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Muthusamy & others, S|o Settianna Gounder, Reddipudur, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thir notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Lands at Athanur Village. (Doc. No. 514/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 18-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 109 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00] and bearing

No. lands at R. Pudu Palayam Village situated at Rasipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rasipuram (Doc. No. 442|83) on March '84

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Mrs. Periyakkal & others, W|o Puliya Gounder, T. Jedar Palayam, Rasipuram, Salem.

(Transferor)

 Shri Sengottaiyan, Slo Chinna Muthu Gounder, Muthu Kalipatti Village, Rasipuram, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at R. Pudu Palayam Village (Doc. No. 442[83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 18-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADR AS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 110[March]84,-Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Lands at Moolakkadu Village situated at Rasipuram

Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Salem Doc. oN, 447/84 on March '84 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Shri Kanthappa Gounder and others So Kanihappa Gounder, Moolakkadu Village, Macha Kali Patti, Rasipuram, Salem.

(Transferor)

(2) Dr. K. Kailasam & others, Slo Kanthasamy Mudaliar, Swarnapuri, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at Moolakkadu Village, Salem. (Doc. No. 447[84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 18-10-1984

Seal:

83--366GI|84

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 111|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Lands at Athanoor Village situated at Rasipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Rasipuram (Doc. No. 414|83) on March '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) N. Sakthi Vel, Slo Nalliah, Thoppukkadu, Atlanoor Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist,

(Transferor)

 Shii Senkottuvel and others, Slo Nalliah Gounder, Athanoor Village, Rasipuram.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Athanoor Village (Doc. No. 414|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-10-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Kamalammal and others, 109-A Pandurangan St., Salem-7.

(Transferor)

(2) Mrs. B. Subbulakshmi & others, Door No. 7|77, Alagapuram, Salme-16.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 116 March 84. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing

No. Lands at Reddiyur Village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III Salem (Doc. No. 600 84) on March '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration hand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given !! that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Reddiyur Village, Salem (Doc. No. 600/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 18-10-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) P. Kali Gounder, 31-A. Subramaniyapuram Extension. Salem Town.

(Transferor)

(2) A. Natesan Chettiar, 1-C, Srirangapalayam East St., Vidyalaya Road, Salem-7.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th October 1984

Ref. No. 120|March|84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000|- and bearing

No. Land and Building at Komarasamy Village situated at

Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III Selem (Doc. No. 550 84) in March '84 for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service not notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Ward C; Block 15; T.S. No. 3. Komarasamy Village, Salem Dist. (Doc. No. 550[84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 18-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 122|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and

bearing No. Land and building at Komarasamypatti situated at Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Salem (Doc. No. 743,84)

on March 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as afore-wiid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mr. Katpiray Pandian,
 So Late P. David Kumorasan,
 Door No. 6, Kustian Beach Road,
 Santhom, Madras-4,

(Transferor

(2) V. Dasappan, S_Io Varathappa Chettiar, C.55, North East Extension, Thillai Nagar, Tiruchirappalli. Now at: 27-A, Sahadevapuram, Salem-636-007. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29-A, T.S. No. 31 Block 19 Ward-B Komarasamy patti, Salem Town. (Doc. No. 743|84).

PRÈMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 18-10-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Kumaraswamy, Slo Subbaraya Gounder, Siviyampalayam, Chidambara Patti village.

(Transferor)

 P. Tamilarasan, Slo In. Periyaswamy Udayar, Mittathar House, Ramanathapuram Pudur Post Pomma Samudram Village.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 129 March 84. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. Lands at Valavanthi Kombai village situated at Valavanthi Kombai village and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Sendamangalam (Doc. No. 468 84)

in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Valavanthi Kombai village (Doc. No. 468|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-10-84 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006,

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 134|March|84.-Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

EREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Lands at Pallam palai situated at Namakkel (and more fully described in the S.A.

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sendamangalam (Doc. No. 440/84)

on March 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) V. Chellappa Gounder and others, Sendamangalam,

(Transferor)

(2) Nalianimal, W]o Jayarej, Nipannamma Pudur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Pallam Palayam (Doc. No. 440|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Madras.

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. K. Subramaniam, Slo N. S. Kuppuswamy Chettiar, Namakkal laluk Chidamlara patty village,

(Transferor)

(2) M/s. Raja Murugan Finance, Namakkal Town, Tiruchengodu. Main Road.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 135|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

lands at Chidambarapatti village situated at Sendamangalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sendamagalam (Doc. No. 439 84) on March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Chidambara patti (Doc. No. 439]84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-10-84

Soai

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th October 1984

Ref. No. 137 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Lands at Tirumalai Giri village situated at Sendamangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

(Doc. No. 428|84) on March 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

if transfer with the object of :-

at S.R. Sendamangalam

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons, namely:—
84—366GI|84

 Karuppannan, Slo Nallaiya Gounder, Sengodampalayam Siluvampatti post, Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Sh. Periyanna Gounder, Slo Sengoda Gounder, Sengodampalayam, Siluvampatti post, Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Tirumalai Giri village (Doc, No. 428|84).

PREMA MAIJN! VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I, Madrax

Date: 27-10-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 22nd September 1984

Ref. No. 154|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and

bearing No. Land and building at Alanga Nallur

situated at Dindigul

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at S.R. Alanganallur

(Doc. No. 286|84) on March 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Muthukrishnan, Slo Kumaraswamy Naidu, Alangana!lur

(Transferor)

(2) Sh. A. M. Shanmugam Pillai, 27, V. P. Sathukkam First St., Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Alanganallur, Dindigul (Doc. No. No. 286/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sid Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ideal Spinning Mills Ltd., 4, Nehru Nagaram, Salem-5

Salem-5.

Jawahar Mills Ltd.,
 Nehru Nagaram,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984

Ref. No. 157 March 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land and building at Pallukonampatti

situated at Dharmapuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at J.S.R. Madras North (Doc. No. 918/84) on March 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property withlin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in Pattukonampatti village, Harur Taluk Dharmapuri (Doc. No. 918|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-10-84

Scal:

(1) A. Paramasiva Gounder & Others, Tiruchencodu Taluk, Salem.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Salem Sambandam Spinning Mills (P) Ltd., Kamarajar Colony (near) Ammapet, Salem East-14.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 158 MAR 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Lands R.S. No. 90]3

situated at Ammapet

(and more fully described in the schedule annexed hereto), in the office of the Registering

Officer at J.S.R. Madras North (Doc. No. 608 84) on Mar. 84

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the eaid. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Lands: R.S. No. 90|3, Ayodhya Pattanam, Salem Dist.

(Doc. No. 608 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the more said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-84

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 161|3|84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land and Building at No. 180, situated at Pophams Broadway, G.T. Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R. North Madras (Doc. No. 548|84) on Mar. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. P. Vishalakahi
 No. 4/1, Mosque Road, Cross Place, Gulta Halli, Bangalore-560003.

(Transferor)

(2) Mrs. Noor Jahan Ashique, No. 7B|1A, Palam Avenue, Calcutta-19.

(Transferee)

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 180, Pophams Broadway, Madras. (Doc. No 548|84).

PREMA MALJNI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Sara Abraham, 8, Monthieth Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Meenakshi Reddy Wo K. Vijayavandh Reddy, 5, Subba Rao Avenue, Madras-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th October 1984,

Ref. No. 162|3|84.--Whereas, J., PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Land and building at Egmore situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet

(Doc. No. 798 and 799]84) on Mar. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actional have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 8th Montieth Road, Madras-8. (Doc. No. 798 and 799|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 18-10-84

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th Soptember 1984

Ref. No. F. No. 186/3/84.—Whereas, I, PRI:MA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 33, Acharappan St., George Town Madras situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (104184) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-being exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) T. R. M. Unnamalai Ammal, 73, Acharappan St., George Town, Madras.

(Transferor)

(2) Shri A. Krishnaveni Ammal, M. Ushha Rani, 34, Nyniappan St., Manuady, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 33, Acharappan St., George Town, Madras. (Doc. No. 104/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-I Madras-600 006

Date: 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

17, G.N.T. Ro Madras-52.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 187, 188, 189 and 190|March|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 112, Anna Pillai St. situated at Madras

No. 112, Anna Pillai St. situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Madras North (Doc. No. 106, 107, 108 & 109 | 84) on Maich, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957):

 Smt. Sushila M. Doshi, 19, Diwan Ramaiah Road, Madras-84.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal and others, 17, G.N.T. Road, Redhills, Madras-52.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Anna Pillai St., Madras. (Doc. Nos. 106, 107, 108 and 109|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 066

Madras-600 006, the 11th October 1984

Ref. No. 196|3|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land and Building at Aspiran Garden, situated at Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 199/84) on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the unnsiet; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---85-366GI|84

المستوار المنط وورجوا بالسابيات الأراج الأراطيس طرار يستجعمه (1) Mr. Paul David & Others, No. 12934, East Avenue, Denuer Colorado, United States of America.

(Transferor)

(2) Abdul Sattar Mohamed Kunni and others No. 23, Aspiron Garden, Kilpauk, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 23, Aspiron Gardon, Kilpauk. Madras-10, (Doc. No. 199/84).

> PREMA MALINI VASAN Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 11-10-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) B. Ganesh Sharma, Slo M. Bensilal Sharma No. 15, Krishna Iyer St., George Town, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Dr. Surya Sekhar, Wlo Dr. Murthy Sekar, 16, Dr. Alagappa Chettini Road, Madras-84.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1984

Ref. No. 207/3/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Plot No. 4530, Mullan Village situated at Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 934|84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Land and Building: Door No. Y.201, Plot No. 4530, Anna Nagar, Madras-40, (Doc. No. 934/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) G. Natarajan, Al. 138, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) G. N. Raju, A.L. 147, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1984

Rcf., No. 210/3/84,---Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Plot No. 2820 Anna Nagar, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Anna Nagar (S.R. 1052/84) on March, 1984

SR Anna Nagai (S.R. 1052/84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: at Plot No. 2820 in Anna Nagar in S. No. 122 Part & 123 Part of Naduvakkarai Village, TS No. 153, Block No. 9-B, bounded on the North by 30 ft, Road, East by Plot No. 2821, South by Plot No. 2837 and West by Plot No. 2819. (Document No. 1052|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1984

Scal:

GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 15, 1984 (AGRAHAYANA 24, 1906) [PART III.—Sec. 1

FORM ITNS.---

CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-690 006, the 11th October 1984

Ref. No. 214|3|84,--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Koyambedu village situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Anna Nagar (Doc. No. 1136/84) on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri P. Gopinathan, E-54, Reserve Bank of India Staff Quarters, Cholaimedu High Road, Madras-94.

(Transferor)

(2) O. T. S. Narayanan, A.G. Shanti Colony, Annanagar, Madras-90.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 106. Koyambedu village, Plot No. I, Anna St., Madray-90. (Doc. No. 1136]84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

Scal:

FORM 1.T.N.S.-

 Dr. N. B. Baktha Reddy and others, Plot No. 3355, Door No. AD-14, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi P. N. Munirathnam, Slo P. Narasimbalu Noidu, 50, Gangu Reddy Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 606, the 25th September 1984

Ref. No. 215|3|84.—Whereas, I, PREMA MALJNI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land and building at Anna Nagar situated at Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Anna Nagar (Doc. No. 754|84) on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and building at Ad-14, Plot No. 3355, 5th St., V Avenue, Anna Naggar, Madras-40, (Doc. No. 754|84).

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—Seal:

Date: 25-9-1984

Seul:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1984

Ref. No. 256 84-85.—Whereas, I, M. JI-GAN MOHAN,

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.
House situated at Maruthinagar, VJA
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the

has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 3/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) Smt. K. Ramaleela, Wo Shri Sambasiya Rao, D. No. 31-14-6, Maruthinagar, Viiavawada. GPA Sri Y, Sambasiya Rao.

(Transferor)

(2) Smt. Y. Siva Krishna Jyothi, Wo Shri Sambasiya Rao, 31-14-6, Maruthinagar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Maruthinagar, Vijayawada registered by the SRO, Vijaywada vide document Nos. 1552, 1578 84.

> M. JEGAN MOHAN -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-1984

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. B. Lakshmi,
 Wo B. Prabhat Kumar,
 Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Kotla Srinivasulu, Flat No. D-16-1-16 C 2, Mahatanipet, Vizag, or Panniruvari Street, Vizianagaram.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1984

Ref. RAC No. 255|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Maharanipet Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 3/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipeta ward, Vizag bearing No. 16-1-16|C|2, Vizag registered by the S.R.O. Vizag vide document No. 2968|84.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 29-10-1984

Date: 9-11-1984

(1) Sri G. Appa Rao and Others, Kothapalem, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) ORE Handling Plant Employees Co op. H.B. Society Ltd., Rep. by its President and Secretary, Visakhapatnam.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1984

Ref. No. 254|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

land situated at Kothapalem Vizag Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
India Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Office at Vizag on 3|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 21-37 acres situated at Kothapalem village, Vizag Dt., registered by the SRO, Vizag vide document Nos. 2413 to 2425/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-11-1984

(1) Smt. Ch. Appalanarasamino and Others, Talaripalem, Vizag Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M Ganapauraju, Secretary Vijayalakshmi, Co-op. House Building Society Itd., Visakhapatnam.

('fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hydernbad (A. P.) the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 253/84-85. Whereas 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Land situated at Sabbayaram Tq. Vizag Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sabbayaram in March 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ny any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever petiod expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- INTIANATION:— The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any aloneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8:46 acres, situated at Talaribari paleni, Sabbavaram Tq. registered by the S. RO., Sabbabaram vide document. Nos. 1147, 1257, 1258, 1316, 1329, 1331, 1204 to 1209]84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-11-1984

Scal:

86--366GI 84

(1) Sri .V. Raman Sharma and Others, Tanuku, W. G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Sea Valley Estates Pet. Itd., rep. by its Managing Director Sr. Ch. Krishna Murthy, Tanuku, W. G. Di. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad (A. P.) the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 252/84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000, and bearing No.

No. Land situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Vizag in March 1984

at Vizag in March 1984
for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than item per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5392 sq. yds. situated at Maharanipeta Ward, Visakhapatnam registered by the S. R. O., Vizag vide document Nos. 3651, 3652, 3653, 3698, 3696, 3695, 3697, 3693 and 3694 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the followingersons tamely:—

Date: 9-11-1984

(1) Smt. A. Rajamani, wo. Late P. Ramalingeswara Illispuram, Srikakulam, Rao

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Dalayya and Other Bhyri, Srikakulam,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A, P.) the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 251|84-85,---Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Srikakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Srikakulam in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Balaga Ward, Srikakulam registered by the S. R. O., Srikakulam vide document No. 547 and 592 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2697) of the said Act, to the following

Date: 9-11-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons namely :---

 Smt. V. Kanaka Durga, Malleswari, w/o. Sai Subrahmanyam, 23-3-30, Narraveedhl, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.) the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 250|84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Srikakulam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Srikakulam in March 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri P. Satyanarayana Murthy & Other, Mutchugalli Street, Srikakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Prakashnagar Colony, Srikakulam registered by the S. R. O., Srikakulam vide document No. 623, and 615|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-11-1984

(1) Smt. U. Bapiratnam, woo. Warahalu, Mantripalem, Vizag Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Ranganayakamma, woo Narasimha Rao, Syntech Engineers, (P) Ltd., Visakhapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 9th November 1984

Ref., No. RAC. No. 249/84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Land, situated at Mantrapalem (v) Vizag dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Sabbavaram in March 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lad admeasuring 1 acre 88 cents situated at Mantrapalem village Vizag district registered by the S. R. O., Sabbavaram vide document No. 1178, 1134 and 1226|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 248|84-85.---Whereas L. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the eff the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Kotavuratla Tq., Vizag Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kotavuratla in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of saty income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Satyanarayana and Others, Samalkot, E. G. Dt.

(Transferor)

(2) Sti C. V. Ramana Raju, and his family members, Nepcan Sea Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuing 79-26 acres situated at Kotavuratla Taluk Sringavaram village, Visakhapatnam dt., registered by the S. R. O., Kotavuratla vide document No. 598, 599, 595, 596|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-11-1984

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 9th November 1984

Ref. No. RAC, No. 247/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-aux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. House situated at Rajamundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajamundry in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Koresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following permaps, namely:—

- (1) Srl Konda Trivikrama Ramachandra Raju alias Raja Babu, Gundugolanu, Eluru, W. G. Dt. (Transferor)
- (2) The Rajahmundry Whole Sale Cloth Merchants Committee, Re. by Sri V. Veeraghavulu, D. No. 24 107-A. Tadithora, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property D. No. 24|107|A at Tadithota, Rajah-mundry registered by the S. R. O., Rajahmundry vide document No. 1847 and 1846|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri M. Satyanarayana, so. Venkatanarayana, Yeleswaram, Prathipadu Tq., E. G. Dt. (Transferor)

(2) Sri V. Venkateswarlu, slo Kamaraju, Yeleswaram, Prathipadu Tq., E. G. Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 9th November 1984

Ref. No. RAC. No. 246 84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

No. Rice Mill situated at Somavaram village E. G. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaggampet in March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Rice Mill admeasuring 5600 sq. yds. of land and 5776 s. ft., plinth area situated at Somavaram village E. G. Dt., registered by the S. R. O., Jaggampet vide document No. 315|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 9-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2491.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 272 situated at Jaipur 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aboresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following specials, namely:—

 Smt. Prem Kumari Wo Sh. Keshri Chand & Smt. Raj Devi Wo Sh. Umraomal, 1744, Ghee Walon Ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Mohna Jain Wo Padam Chandji Smt. Pushpa Jain Wo Tarachand, Smt. Usha Jain Wo Kailash Chandji Jain, Smt. Bhanwar Bai Wo Kapoorchandji Jain House No. 748, Jain Bhawan, Dariba Pan, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

thop No. 272 situated at Johari Bazar, faipur and more by described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, lipur vide Registration No. 669 dated 8-3-84.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14-11-1984